

National Education Policy-2020

Sri Dev Suman Uttarakhand University and Affiliated Colleges for First Three Years of Higher Education



STRUCTURE OF UG HINDI SYLLABUS

2022-23

Syllabus Prepared by:

S.N.	Name	Designation	Department	Affiliation
1	PROF. MUKTI NATH YADAV	PROFESSOR AND HEAD	HINDI	SRI DEV SUMAN UTTARAKHAND UNIVERSITY PLMS CAMPUS RISHIKESH
2	PROF. KALPANA PANT	PROFESSOR	HINDI	SRI DEV SUMAN UTTARAKHAND UNIVERSITY PLMS CAMPUS RISHIKESH
3	PROF. ADHEER KUMAR	PROFESSOR	HINDI	SRI DEV SUMAN UTTARAKHAND UNIVERSITY PLMS CAMPUS RISHIKESH

(Based on Common Minimum Syllabus for all Uttarakhand State Universities and Colleges)

1
10.8.2022
10.08.2022

SRI DEV SUMAN UTTARAKHAND UNIVERSITY

Badshahithaul, Tehri Garhwal (Uttarakhand)

List of Members of Board of Studies - HINDI


Sl. No.	Name of the Members	Designation	Nominated as
1	Prof. Dinesh Chandra Goswami	Dean of Arts	Chairman
2	Prof. Muktinath Yadav	Professor	Member
3	Prof. Hemant Kumar Shukla	Professor	Member
4	Prof. Sangeeta Mishra	Professor	Member
5	Prof. Preeti Kumari	Professor	Member
6	Prof. Anand Prakash Singh	Professor	Member
7	Prof. Pushpanjali Arya	Asso. Professor	Member
8	Prof. D K P. Choudhury	Professor	Member
9	Dr. Poonam Pathak	Professor	Member
10	Dr. Atal Bihari Tripathy	Asst. Professor	Member
11	Dr. Pushkar Gaur	Asst. Professor	Member
12	Dr. Shikha Mangai	Asst. Professor	Member
13	Prof. M. S. Mawri	Professor	Member
14	Dr. Preeti Gupta	Asst. Professor	Member
15	Dr. Narmadeshwar Shukla	Professor	Member
16	Dr. Poonam Pandey	Asst. Professor	Member
17	Dr. Vandana Sharma	Principal	Member
1	Prof. Janki Panwar	Principal	GPGC Kotdwar
2	Prof. Lovely Rajvanshi LOVNEY	Principal	GPGC, Jaiharikhal
3	Prof. K. L. Talwar	Principal	GDC, Chakrata
4	Dr. Himanshu Das	Director	NIVH, Rajpur Road
5	Prof. M. S. M. Negi	Professor	SRT Campus, HNBSGU, Srinagar
6	Prof. M. C. Sati	Professor	HNBSGU, Srinagar
7	Prof. S. L. Bhatt	Ex. Principal	GPGC, Kotdwar
8	Dr. P.C. Painuli	Asst. Professor	GPGC, New Tehri
9	Dr. Asha Devi	Asso. Prof.	GPGC, Kotdwar

mmt

10.8.22

List of all Papers in Six Semesters AND Semester-wise Titles of the Papers in HINDI					
Year	Sem.	Course Code	Paper Title	Theory/ Practical	Credits
Certificate Course in ARTS-HINDI					
FIRST YEAR	I		प्राचीन एवं भक्तिकालीन काव्य Major/Core	Theory	6
			हिन्दी भाषा व व्याकरण Minor Elective	Theory	4
			गढ़वाली भाषा एवं संस्कृति Vocational/Skill Development Course	Theory	3
	II		हिन्दी कथा साहित्य Major/Core	Theory	6
			प्रयोजनमूलक हिन्दी /Skill Development Course	Theory	3
Diploma in ARTS-HINDI					
SECOND YEAR	III		रीतिकालीन काव्य Major/Core	Theory	6
			हिन्दी भाषा : स्वरूप Minor Elective	Theory	4
			कार्यालयी हिन्दी /Skill Development Course	Theory	3
	IV		नाटक एवं स्मारक साहित्य Major/Core	Theory	6
			रचनात्मक लेखन / Skill Development Course	Theory	3
Bachelor of ARTS-HINDI					
THIRD YEAR	V		द्विवेदीयुगीन एवं छायावादी काव्य Major/Core	Theory	5
			छायावादोत्तर हिन्दी कविता Major/Core	Theory	5
			हिन्दी की वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली/Project	Project	4
	VI		हिन्दी निबंध Major/Core	Theory	5
			लोकसाहित्य Major/Core	Theory	5
			साहित्यिक विचारधाराओं का अध्ययन : भक्ति-आन्दोलन, छायावाद, प्रगतिवाद, राष्ट्रवाद, अस्तित्ववाद, नारीवाद, दलित विमर्श, आधुनिकताबोध, उत्तरआधुनिकता में से कोई एक	Project	4

10.08.2022
 10.08.2022



COURSE INTRODUCTION

Programme outcomes (POs):

1. साहित्य मानव संवेदना की अभिव्यक्ति का प्रमुख स्रोत रहा है। कलाओं में यह सम्पूर्ण कला है। साहित्य समाज का प्रतिदर्श है। स्नातक उपाधि में इस विषय के चयन व अध्ययन से शिक्षार्थी को साहित्य के सांगोपांग महत्व का ज्ञान होता है।
2. शिक्षार्थी को राष्ट्र की सर्वप्रमुख भाषा हिन्दी के अत्यन्त समृद्ध साहित्य के सम्पूर्ण स्वरूप का ज्ञान होता है।
3. शिक्षार्थी को हिन्दी साहित्य की सभी प्रमुख विधाओं का ज्ञान होता है, जिससे उसमें रचनात्मकता का प्रस्फुटन एवं विकास होता है।
4. शिक्षार्थी को जीवन के आजीविकोपार्जन सम्बन्धी पक्ष के रूप में हिन्दी के प्रयोजनमूलक स्वरूप व महत्व का ज्ञान एवं प्रशिक्षण होता है।
5. साहित्य के अध्ययन में अन्य अनुशासनों के सन्दर्भ यथा सामाजिक, मनोवैज्ञानिक, राजनीतिक, आर्थिक, ऐतिहासिक, पर्यावरणीय आदि समाहित होते हैं। स्नातक में हिन्दी साहित्य का चयन शिक्षार्थी को समग्र रूप से शिक्षित करता है।
6. शिक्षार्थी संघ लोक सेवा आयोग एवं प्रादेशिक लोक सेवा आयोगों के परीक्षा पाठ्यक्रम में सम्मिलित हिन्दी साहित्य की आधार व अनिवार्य शिक्षा प्राप्त करता है।

examined
10.8.2022
10.08.2022



Programme specific outcomes (PSOs):

UG I Year / Certificate course Arts with Hindi

1. शिक्षार्थी स्नातक प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम के अन्तर्गत मुख्य विषय के रूप में हिन्दी की प्राचीन एवं मध्यकालीन कविता तथा कथा साहित्य का आधारभूत ज्ञान प्राप्त करेगा।
2. शिक्षार्थी स्नातक प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम के अन्तर्गत वैकल्पिक/सहायक विषय के रूप में हिन्दी व्याकरण का ज्ञान एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करेगा। विकल्प के रूप में यह चयन प्रतियोगी परीक्षाओं में सहायक एवं उपयोगी सिद्ध होगा।
3. शिक्षार्थी प्रमाण पत्र वर्ष में एवं कौशल संवर्द्धन पाठ्यक्रम के रूप में प्रयोजनमूलक हिन्दी का ज्ञान एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करेगा।
4. प्रथम वर्ष में शिक्षा में बाधा हो जाने की स्थिति में शिक्षार्थी हिन्दी तथा अन्य विषयों के साथ स्नातक प्रमाण-पत्र प्राप्त करेगा, जिसका लाभ उसे आजीविका प्राप्त करने में प्राप्त होगा।

Programme specific outcomes (PSOs):

UG II Year/ (Diploma in ARTS with Hindi)

1. शिक्षार्थी स्नातक डिप्लोमा पाठ्यक्रम के अन्तर्गत मुख्य विषय के रूप में हिन्दी की रीतिकालीन कविता व काव्यांग परिचय तथा नाटक एवं स्मारक साहित्य का आधारभूत ज्ञान प्राप्त करेगा।
2. शिक्षार्थी स्नातक डिप्लोमा पाठ्यक्रम के अन्तर्गत वैकल्पिक/सहायक विषय के रूप में हिन्दी भाषा के स्वरूप का ज्ञान एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करेगा। विकल्प के रूप में यह चयन प्रतियोगी परीक्षाओं में सहायक एवं उपयोगी सिद्ध होगा।
3. शिक्षार्थी डिप्लोमा वर्ष में एवं कौशल संवर्द्धन पाठ्यक्रम के रूप में हिन्दी पत्रकारिता का ज्ञान एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करेगा।
4. शिक्षा में बाधा हो जाने की स्थिति में शिक्षार्थी हिन्दी तथा अन्य विषयों के साथ स्नातक डिप्लोमा प्राप्त करेगा, जिसका लाभ उसे आजीविका प्राप्त करने में प्राप्त होगा।

10.08.2022

10.08.2022

<p>Programme specific outcomes (PSOs):</p> <p><i>UG III Year / Bachelor of ARTS with Hindi</i></p>	
PSO 1	1. शिक्षार्थी स्नातक उपाधि वर्ष पाठ्यक्रम के अन्तर्गत मुख्य विषय के रूप में हिन्दी की द्विवेदीयुगीन, छायावादी तथा छायावादोत्तर एवं समकालीन कविता, हिन्दी निबन्ध एवं लोक-साहित्य का आधारभूत ज्ञान प्राप्त करेगा।
PSO2	2. शिक्षार्थी के पास उपधि वर्ष में विगत वर्षों के अध्ययन से हिन्दी साहित्य के विविध पक्षों तथा उनके अकादमिक स्वरूप ज्ञान होगा, उसे हिन्दी भाषा के व्याकरण एवं स्वरूप का ज्ञान होगा, उसे कार्यालयी हिन्दी तथा पत्रकारिता जैसे रोजगारपरक विषयों का ज्ञान होगा और वह आगे की शिक्षा एवं शोध के लिए भाषा तथा साहित्य के उच्चस्तरीय आधारभूत ज्ञान व कुशलता के साथ उपाधि प्राप्त करेगा।

10.08.2022

Signature

Signature

Year wise Structure of UG / BA (CORE / ELECTIVE COURSES & PROJECTS)											
Subject:Hindi											Total Credits /hrs/
Course/ Entry –Exit Levels	Year	Sem.	Paper 1 Major Course	Credit	Paper 2 Minor Elective	Credit	Paper 3 Vocational/Skill Development Course	Credits /hrs	Research Project	Credit/	
<i>Certificate Course In Arts-HINDI</i>	I	I	प्राचीन एवं भक्तिकालीन काव्य	6	हिन्दी भाषा : व्याकरण	4	गढ़वाली भाषा एवं संस्कृति	3			13
		II	हिन्दी कथा साहित्य	6			प्रयोजनमूलक हिन्दी	3			09
<i>Diploma in Arts HINDI</i>	II	III	रीतिकालीन काव्य	6	हिन्दी भाषा : स्वरूप	4	कार्यालयी हिन्दी	3			13
		IV	नाटक एवं स्मारक साहित्य	6			रचनात्मक लेखन	3			09
<i>Bachelor of Arts HINDI</i>	III	V	1. द्विवेदीयुगीन एवं छायावादी काव्य	5					हिन्दी की वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली	4	14
		V	2. छायावादोत्तर हिन्दी कविता	5							

10-08-2022

10-8-2022

		VI	1. हिन्दी निबंध	5					साहित्यिक विचारधाराओं का अध्ययन : भक्ति- आन्दोलन, छायावाद, प्रगतिवाद, राष्ट्रवाद, अस्तित्ववाद, नारीवाद, दलित विमर्श, आधुनिकताबोध उत्तर आधुनिकता में से कोई एक	04	14
		VI	2. लोकसाहित्य	5							
Internal Assessment & External Assessment											
Internal Assessment						Marks	External Assessment				Marks
नियतकार्य, समूहचर्चा, कक्षा सेमिनार, मौखिकी आदि						25	लिखित परीक्षा				75

10-08-2022

10.8.2022

10.8.2022

CERTIFICATE COURSE IN UG

Programme: Certificate Course in ARTS-Hindi

Course Code:

Course Title: प्राचीन एवं भक्तिकालीन काव्य

Subject: Hindi

Year: I/Semester: I/Paper: I

Course Outcomes:

1. शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के आरम्भिक काल की कविता का ऐतिहासिक एवं सैद्धांतिक ज्ञान सोदाहरण प्राप्त करता है।
2. शिक्षार्थी चंदबरदाई, कबीर, जायसी, सूर और तुलसी के कृतित्व को समझने के क्रम में महाकाव्य विधा एवं मुक्तक विधा का शिल्पगत परिचय व ज्ञान पाता है।
3. शिक्षार्थी आदिकालीन वीरकाव्य, निर्गुण काव्यधारा व संत साहित्य का सैद्धांतिक परिचय व ज्ञान सोदाहरण पाता है।
4. शिक्षार्थी सूफी काव्यधारा, सगुण काव्यधारा तथा इनके अंतर्गत रामभक्ति और कृष्णभक्ति के महत्वपूर्ण काव्य का सैद्धांतिक परिचय व ज्ञान सोदाहरण प्राप्त करता है।

Credit: 6

Maximum Marks: 25(Internal)+75(external)=100

Core Compulsory

Minimum Passing Marks 33

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical(in hours per week): 6-0-0

Unit	Topic	No. Of Lecture.
I	प्राचीन हिन्दी काव्य : परिचय एवं इतिहास	10
II	भक्तिकालीन हिन्दी काव्य : भक्ति आन्दोलन, प्रमुख सिद्धांत, निर्गुण काव्य-ज्ञान मार्ग और प्रेम-मार्ग, सगुण काव्य-रामभक्ति, कृष्णभक्ति, सूफी काव्य	10
III	चंदबरदाई और उनका काव्य : व्याख्या के लिए पृथ्वीराज रासो के पद्मावती समय से चयनित अंश ('पूरब दिसि गढ़ गढ़नपति' से 'मिलहि राज प्रथिराज जिय' तक / छन्द संख्या 1-10 / (kavitakosh.org)	10
IV	कबीर और उनका काव्य : व्याख्या के लिए साखी संख्या गुरुदेव कौ अंग-3,6,8; सुमिरन कौ अंग- 8,9,10; विरह कौ अंग-1,5,8; ज्ञान विरह कौ अंग-3,4,5; परचा कौ अंग-3,4,7; रस कौ अंग-1,4,7; लांबी कौ अंग-1,3,4; निहकमी पतिव्रता कौ अंग-3,5,14; चितावनी कौ अंग-16,25,34) पद संख्या-16,40,43। (कबीर ग्रंथावली, सम्पादक-डा० श्यामसुन्दर दास)	10
V	जायसी और उनका काव्य : व्याख्या के लिए 'मानसरोदक खण्ड' से कड़वक संख्या 4:1-4:8 (जायसी ग्रंथावली, सम्पादक-आचार्य रामचन्द्र शुक्ल)	10
VI	सूरदास और उनका काव्य : व्याख्या के लिए विनय के पद-(1,2,23,24,25,39,44,45,46,52) सूरसागर सार, सम्पादक- डॉ० धीरेन्द्र वर्मा, साहित्य भवन, इलाहाबाद। भ्रमर गीत-(6,7,11,13,23,24,25,28,34,52,64) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ग्रंथावली, भाग 5, ना० प्रचारिणी सभा, काशी	10
VII	तुलसीदास और उनका काव्य : व्याख्या के लिए रामचरितमानस के अयोध्याकाण्ड से दोहा संख्या 125 से 131 तथा विनय पत्रिका से पद-संख्या - 88,91,105, 111,115,162,172, 174,198,245,	10
	ClassRoom Lectures, Tutorials, Assignments, ClassRoom Seminar, Group Discussion etc.	70+20=90

Suggested Readings :

- 1-प्राचीन एवं भक्तिकालीन काव्य - सम्पादक: डॉ० मानवेन्द्र पाठक, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी (प्रस्तावित पाठ्यपुस्तक-व्याख्या हेतु संकलित काव्य)
- 2-कबीर: एक नयी दृष्टि-डॉ० रघुवंश, लोकभारती, 15-एक महात्मा गांधी मार्ग, इलाहाबाद,
- 3-जायसी-एक नयी दृष्टि डॉ० रघुवंश लोकभारती इलाहाबाद,
- 4-जायसीतर हिन्दी सूफी कवियों की बिम्बयोजना-डॉ० मुदुला जुगरान, सरिता बुक डिपो, नई दिल्ली।
- 5-जायसी-विजयदेव नारायण साही हिन्दुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद

10.08.2022

10/8/2022

CERTIFICATE COURSE IN UG		
Programme: Certificate Course in ARTS – Hindi		Year: I Semester: I
Subject: Hindi		
Course Code:	Course Title: हिन्दी भाषा : व्याकरण	
Course Outcomes:		
1. शिक्षार्थी हिन्दी भाषा के व्यावहारिक प्रयोजनार्थ वर्तनी एवं शब्दों के मानक स्वरूप का ज्ञान व प्रशिक्षण पाता है। 2. शिक्षार्थी व्यावहारिक प्रयोजनार्थ शुद्ध लेखन हेतु हिन्दी की वाक्य-संरचना एवं व्याकरण का ज्ञान व प्रशिक्षण पाता है। 3. शिक्षार्थी को व्यावहारिक-व्यावसायिक प्रयोजनार्थ हिन्दी भाषा की अत्यन्त समृद्ध शब्द सम्पदा तथा उसकी समाहार-समायोजन शक्ति का ज्ञान होता है। 4. शिक्षार्थी कार्यालयी प्रयोजनार्थ पारिभाषिक – प्रतिपारिभाषिक शब्दों के प्रयोग का ज्ञान व प्रशिक्षण पाता है।		
Credits: 4		Minor Elective Paper
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) = 100		Min. Passing Marks: 33
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0		
Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	वर्ण विचार :- हिंदी वर्णमाला: स्वर और व्यंजन, वर्णों का उच्चारण और वर्गीकरण	07
Unit II	हिंदी-वर्तनी: हिंदी वर्तनी का मानकीकरण, शब्द और वर्तनी-विश्लेषण, वर्तनी विषयक अशुद्धियाँ और उनका शोधन।	07
Unit III	शब्द विचार :- व्याकरण के आधार पर शब्दों का वर्गीकरण(विकारी और अविकारी शब्द)	07

10-08-2022

Signature

Signature

Unit IV	हिंदी शब्द रचना- समास, संधि, उपसर्ग, प्रत्यय, शब्द की परिभाषा, रचना के आधार पर शब्दभेद- रूढ़, यौगिक, योगरूढ़; इतिहास के आधार पर- तत्सम्, तद्भव, देशी, देशज, विदेशी और संकर शब्द। अर्थ के आधार पर पर्यायवाची, विलोम और अनेकार्थी शब्द, वाक्यांश के लिए एक शब्द।	07
Unit V	पारिभाषिक शब्द: तात्पर्य, परिभाषा। शब्दों के हिंदी प्रतिपारिभाषिक शब्द, हिंदी पारिभाषिक शब्दों के अंग्रेजी प्रतिपारिभाषिक।	07
Unit VI	विराम चिह्न और उनका प्रयोग।	07
Unit VII	वाक्य रचना, वाक्य-भेद, वाक्य-विश्लेषण, वाक्य-संश्लेषण, वाक्य-शुद्धि।	07
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	49 11
		Total-60

Suggested Reading:

1. हिंदी व्याकरण की सरल पद्धति, बट्टीनाथ कपूर वाराणसी : विश्वविद्यालय प्रकाशन चौक।
2. हिंदी व्याकरण, कामता प्रसाद गुरु इलाहाबाद : लोकभारती प्रकाशन।
3. हिंदी व्याकरण विमर्श, तेजपाल चौधरी, नई दिल्ली : वाणी प्रकाशन।
4. हिंदी भाषा: कल आज कल, पूर्णचन्द्र टंडन, मुकेश अग्रवाल, किताबघर : नई दिल्ली।
5. मानक हिंदी व्याकरण और रचना, हरिवंश तरुण, प्रकाशन संस्थान : नई दिल्ली।
6. हिंदी भाषा की संरचना, भोलानाथ तिवारी, नई दिल्ली : वाणी प्रकाशन।
7. हिंदी भाषा का आधुनिकीकरण, कैलाशचन्द्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन: नई दिल्ली।
8. अच्छी हिंदी, रामचन्द्र वर्मा, इलाहाबाद : लोकभारती प्रकाशन।
9. हिंदी शब्दानुशासन, किशोरीदास वाजपेयी, वाराणसी : नागरी प्रचारिणी सभा।
10. हिंदी भाषा : संरचना के विविध आयाम, रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, नई दिल्ली : राधाकृष्ण प्रकाशन।

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

अन्य सभी विभाग एवं संकाय

Munish
10-08-2022

dean
10

[Signature]

Skill Development Course

Programme: Certificate course in Arts- Hindi Year -I Semester -I Paper-III

Subject : Hindi

Credit: 3

Maximum Marks: 25(Internal) + 75 (External) = 100 Min. Passing Marks: 33

Course Title: गढ़वाली भाषा एवं संस्कृति

Course Outcomes:

1. शिक्षार्थी भाषा और संस्कृति का ज्ञान अर्जित करता है।
2. शिक्षार्थी स्थानीय परंपराओं और रिवाजों से परिचित होता है।
3. शिक्षार्थी गढ़वाली भाषा के उद्भव व उसके विविध रूपों का ज्ञान प्राप्त करता है।
4. शिक्षार्थी गढ़वाली संस्कृति के विविध पक्षों से परिचय होता है।
5. शिक्षार्थी का गढ़वाल में रोजगार हेतु कौशल संवर्धन होता है।

Units	Topic	No. of Lectures
I	गढ़वाली भाषा का परिचय, विकास, विविध रूप	10
II	गढ़वाल: भौगोलिक एवं ऐतिहासिक पृष्ठभूमि	09
III	गढ़वाली लोकगीत, लोकगाथा, लोकसंगीत, लोकनृत्य आदि	09
IV	सांस्कृतिक क्षरण की समस्या एवं संरक्षण के उपाय	09
	Class Room Lectures	37
	Tutorials] Assignments, Seminars, Group Discussion	08
		Total= 45

Suggested Reading:

1. हिमोत्कर्ष – डॉ० शिवानंद नौटियाल
2. हिमांचल दर्शन – डॉ० शिवानंद नौटियाल
3. उत्तराखण्ड : संस्कृति , साहित्य और पर्यटन – डॉ० हरिमोहन एवं डॉ० शिवप्रसाद नैथानी
4. भारतीय संस्कृति का संदर्भ- मध्य हिमालय – डॉ० गोविन्द चातक
5. गढ़वाली लोकगाथाएं- डॉ० गोविन्द चातक
6. गढ़वाली लोकगीत विविधा-डॉ० गोविन्द चातक

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:
अन्य सभी विभाग एवं संकाय

10.08.2022

11. 10.08.2022

11. 10.08.2022

CERTIFICATE COURSE IN UG		
Programme: <i>Certificate Course in ARTS- Hindi</i>		Year: I Semester: II Paper-I
Subject: Hindi		
Course Code:	Course Title: हिंदी कथा-साहित्य	
Course Outcomes: <ol style="list-style-type: none"> 1. शिक्षार्थी हिन्दी की कथा परम्परा का परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है। 2. शिक्षार्थी हिन्दी उपन्यास के उद्भव और विकास का ज्ञान प्राप्त करता है। 3. शिक्षार्थी हिन्दी कहानी के उद्भव और विकास का ज्ञान प्राप्त करता है। 4. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित उपन्यास के अध्ययन से उपन्यास विधा का शिल्पगत ज्ञान प्राप्त करता है। 5. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित कहानियों के आधार पर कहानी विधा का शिल्पगत ज्ञान प्राप्त करता है। 6. शिक्षार्थी कथा-साहित्य की समीक्षा का ज्ञान प्राप्त करता है। 		
Credits: 6		Major Core Compulsory
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) = 100		Min. Passing Marks: 33
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 6-0-0		
Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	हिन्दी में गद्य का आरम्भ : आधुनिककाल	10
Unit II	हिन्दी उपन्यास का उद्भव एवं विकास	10
Unit III	हिन्दी कहानी का उद्भव एवं विकास	10

10.08.2022

12/08/2022

12/08/2022

Unit IV	हिन्दी उपन्यास का शिल्प	10
Unit V	हिन्दी कहानी का शिल्प	10
Unit VI	कगार की आग: हिमांशु जोशी	10
Unit VII	प्रतिनिधि हिन्दी कहानियाँ : उसने कहा था – चन्द्रधर शर्मा गुलेरी, नमक का दरोगा – प्रेमचंद, आकाशदीप – जयशंकर प्रसाद, पाजेब- जैनेन्द्र कुमार, परदा -यशपाल, दोपहर का भोजन – अमरकान्त, वापसी – उषा प्रियंवदा	10
	Class Room Lectures	70
	Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	20
		Total-90

Suggested Reading:

1. कहानी सप्तक - संपादक: प्रो. नीरजा टंडन, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी (व्याख्या हेतु संकलित कहानियाँ)
2. कहानी: नई कहानी- डॉ. नामवर सिंह, लोकभारती, 15-ए महात्मा गाँधी मार्ग, इलाहाबाद,
3. हिंदी कहानी: पहचान और परख- इंद्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. आधुनिकता और हिन्दी उपन्यास – इंद्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. कहानी: संवाद का तीसरा आयाम- बटरोही, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली,
6. कहानी की रचना-प्रक्रिया – परमानंद श्रीवास्तव, लोकभारती प्रकाशन, 15-ए महात्मा गाँधी मार्ग, इलाहाबाद
7. समकालीन हिंदी कहानी- गंगाप्रसाद विमल (सं.), मैकमिलन, दिल्ली।
8. कगार की आग: हिमांशु जोशी

amit

anurag

[Signature]

Skill Development Course

Programme: Certificate course in Arts- Hindi Year -I Semester -II Paper-II

Subject : Hindi

Credit: 3

Maximum Marks: 25(Internal) + 75 (External) = 100 Min. Passing Marks: 33

Course Title: प्रयोजनमूलक हिन्दी

Course Outcomes:

1. शिक्षार्थी प्रयोजनमूलक हिन्दी का ज्ञान अर्जित करता है।
2. शिक्षार्थी भाषा के विविध रूपों से परिचित होता है।
3. शिक्षार्थी श्रव्य एवं दृश्य माध्यमों का ज्ञान प्राप्त करता है।
4. शिक्षार्थी पत्रकारिता के विविध पक्षों से परिचित होता है।
5. शिक्षार्थी का रोजगार हेतु कौशल संवर्धन होता है।
- 6.

Units	Topic	No. of Lectures
I	भाषा की संकल्पना (मौखिक, लिखित, सामान्य, औपचारिक)। भाषा के विविध रूप प्रयोजन मूलक हिन्दी की संकल्पना और उसके विविध आयाम	10
II	श्रव्य एवं दृश्य माध्यम: परिचय एवं कार्यविधि। संचार माध्यमों की प्रकृति एवं चरित्र	09
III	पत्रकारिता का स्वरूप एवं विभिन्न प्रकार। हिन्दी पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास	09
IV	कार्यालय हिन्दी और अनुवाद। भाषान्तरण-प्रविधि,	09
	Class Room Lectures	37
	Tutorials] Assignments, Seminars, Group Discussion	08
		Total= 45

सन्दर्भग्रन्थ :-

- 1- प्रयोजनमूलक व्यावहारिक हिन्दी - ओमप्रकाश सिंहल
- 2- व्यावहारिक हिन्दी संरचना और अभ्यास - बालगोविन्द मिश्र
- 3- प्रयोजनमूलक हिन्दी - माधव सोनटक्के
- 4- प्रारूपण शासकीय पत्राचार और टिप्पण लेखन विधि - राजेन्द्र प्रसाद श्रीवास्तव
- 5- प्रयोजनमूलक हिन्दी - डॉ० रामप्रकाश
- 6- पत्रकारिता संदर्भ ज्ञानकोश - याकूब अली खान

DIPLOMA COURSE IN UG		
Programme: <i>Diploma Course in ARTS- Hindi</i>		Year: II Semester: III Paper-I
Subject: Hindi		
Course Code:	Course Title: रीतिकालीन काव्य	
Course Outcomes:		
1. शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के तीसरे काल रीतिकाल के विषय में ऐतिहासिक एवं सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।		
2. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित कविताओं के आधार पर रीतिकालीन कविता की कला और शिल्प का ज्ञान प्राप्त करता है।		
3. शिक्षार्थी रीतिकालीन काव्य की प्रवृत्तियों का ज्ञान प्राप्त करता है।		
4. शिक्षार्थी प्रमुख रीतिकालीन कवियों से परिचय प्राप्त करता है।		
Credits: 6		Major Core Compulsory
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) = 100		Min. Passing Marks: 33
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 6-0-0		
Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	रीतिकाल : परिचय व इतिहास	05
Unit II	रीतिकालीन काव्य की प्रवृत्तियाँ	05
Unit III	केशवदास- बानी जगरानी की उदारता बखानी जाए...., पूरण पुराण अरु पुरुष पुराण परि..., पुनि आए सरयू सरित तीर...., तुम अमल अनंत अनादि देव...., सीता कैसोदास नींद भूख प्यास उपहास त्रास...., मातु सबै मिलिबै कह आई...., फल फूलन पूरे तरुवर रुरे...., सरिता एक केसव सोभ रई...., अवलोकत हों जबहीं तबहीं...., राम साँचो एक नाम हरि लीन्ह सब दुख हरि...।	20
Unit IV	बिहारी सतसई- 1. मेरी भव बाधा हरौ...., और ओप कनीनिकनु गनी घनी सरताज...., जुबति जोन्ह में मिलि गई...., मोर मुकुट कटि काछनी...., मोहन मूरति स्याम की...., तजि तीरथ हरि राधिका...., सनि कज्जल चख झख लगन...., हौं रीझि लखि रीझिहौं छबिहि छबीले लाल...., जोग जुगति सिखए सबै, पिय बिछुरन को दुसह दुख...., झीने पट में झुलमुली, डारे ठोड़ी- गाड़, नैन बटोही मारी...., कीनै हूँ कोटिक जतन, लग्यौ सुमनु है है सफलु...., अजौ तरयौना ही रह्यौ...., सघन कुंज छाया सुखद...., सखि सोहत गोपाल कै...	10

जहाँ जहाँ ठाड़ौ लख्यौ.....चिरजीवी जोरी जुरै....., करौ कुबतु जगु कुटिलता...., अरुन सरोरुह कर चरन दृग खंजन मुख चंद... जनमु जलधि पानिप बिमलु....., समै समै सुन्दर सबै रुपु, कुरुपु न कोई....., करौ कुबतु जग कुटिलता तजौ न दीनदयाल....., नहीं पराग नहीं मधुर मधु...।	
Unit V	देव- डारि दुम-पलना बिछौना नव- पल्लव के....., फटिक सिलानी सौ सुधार्यौ सुधा मंदिर.....अहरि अहरि झीनी बूंद है परति मानो....., दूलह को देखत हिए मैं हूलफूल है....., माखन सो मन दूध सो जोबन.....प्रेम समुद्र पर्यो गहिरे अभिमान के फेन रह्यो गहि रे मन....., प्रेम चरचा है अरचा है कुल नेमन रचा है....., माथे महावर को देखि महावर पाय सुढार दुरीये....., मंद मही मोहक मधुर सुनियत....., मंद्र हास चंद्रिका को मंदिर बदन चंद्र....., मूरति जो मनमोहन की मनमोहनी के थिर है थिरकी....., बारिध विरह बड़ी बारिधि की बड़वागि....., कोयन जोति चहूँ चपला जबतें कुबर कान्ह रावरी कलानिधान....., पायनि नूपुर मंजु बजे, कटि किंकिनि की धुनि की मधुराई....., कुंदन से अंग नवयौवन सुरंग उतै....., जागत, जागत खीन भई....., धार मैं धाय धँसी निरधार है जाय फँसी उकसी न अँधेरी....., जाकै न काम न क्रोध विरोध न....., राधे कही है कि ते छमियो....।	10
Unit VI	घनानंद-वहै मुस्क्यानि, वहै मृदु बतरानि....., लाजनि लपेटी चितवनि भेद भाय भरि....., झलकै अति सुन्दर आनन गौर....., छवि को सदन मोद मंडित मदन....., हीन भए जन मीन अधीन....., क्यों हँसि हेरि हरे हियरा....., रावरे रूप की रीति अनूप....., घनआनन्द जीवन मूल सुजान की....., आसा गुन बाँधि कै....., चातिक चुहुल चहुँ ओर....., पाति मधि छाति, छत लिखि न लिखाए....., कंत रमै उर अंतर में....., ए रे वीर पौन....., पीरी परि देह छीनी....., अति सूधे सनेह को मारग है...।	10
Unit VII	भूषण- एक समै सजि कै सब सैन सिकार को आलमगीर सिधाए....., मिलतहिं कुरुख चकत्ता को निरखि कीन्हो....., इंद्र जिमि जंभ पर....., साजि चतुरंग सैन....., सबन के ऊपर ही ठाड़ो रहिबै के जोग....., गरुड़ को दावा जैसे नाग के समूह पर....., बाने फहराने घहराने घंटा गजन के....., लाजनि लपेटी चितवनि , ऊँचे घोर मंदर के अंदर रहनवारी....., त्रिभुवन में परसिद्ध एक अरि बल वह खंडिय..... आसा गुन बाँधि कै।	10
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	70 20 Total-90

Suggested Reading:

1. रीतिकालीन काव्य- संपादक: प्रो. मानवेन्द्र पाठक, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी (व्याख्या हेतु संकलित काव्य)
2. काव्य प्रदीप - राम बहोरी शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. रीतिकाव्य - नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. मध्यकालीन बोध का स्वरूप- डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. मध्यकालीन काव्यसाधना- डॉ. वासुदेव सिंह, संजय बुक डिपो, वाराणसी।
6. रीतिकालीन कवियों की प्रेम व्यंजना - बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

Handwritten signature
16

Handwritten signature

DIPLOMA COURSE IN UG			
Programme: <i>Diploma Course in ARTS- Hindi</i>		Year: II	Semester:III Paper-II
Subject: Hindi			
Course Code:	Course Title: हिन्दी भाषा : स्वरूप		
Course Outcomes:			
1. शिक्षार्थी को हिन्दी भाषा के विस्तृत व समृद्ध इतिहास व विकास का ज्ञान होता है।			
2. शिक्षार्थी को हिन्दी की शैलियों यथा हिन्दी, हिन्दुस्तानी व उर्दू का ज्ञान होता है, जो भाषा के व्यावहारिक प्रयोग में काम आता है।			
3. शिक्षार्थी को हिन्दी की बोलियों का ज्ञान होता है, जिसके आधार पर वह अपने भाषा संस्कारों को समृद्ध करता है तथा सम्पर्क भाषा के रूप में हिन्दी का प्रयोग अधिक कुशलता के साथ कर पाता है।			
4. शिक्षार्थी को राजभाषा के रूप में हिन्दी की संवैधानिक स्थिति का ज्ञान होता है, जिसकी आवश्यकता उसे सरकारी सेवाओं में होती है।			
5. शिक्षार्थी विभिन्न व्यावहारिक व व्यावसायिक प्रयोजनों हेतु हिन्दी के मानकीकृत रूप का ज्ञान व प्रशिक्षण पाता है।			
6. शिक्षार्थी कम्प्यूटर व इंटरनेट की तकनीक में हिन्दी के प्रयोग का आरंभिक ज्ञान व प्रशिक्षण पाता है।			
Credits: 4		Elective Paper	
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) =100		Min. Passing Marks: 33	
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0			

17

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	हिंदी भाषा का उद्भव और विकास।	07
Unit II	हिंदी की शैलियाँ- हिंदी, हिंदुस्तानी, उर्दू।	07
Unit III	हिंदी की उपभाषाएँ एवं बोलियाँ- (1) पश्चिमी हिंदी (2) पूर्वी हिंदी (3) राजस्थानी (4) बिहारी (5) पहाड़ी एवं उनकी बोलियाँ।	07
Unit IV	राजभाषा, राष्ट्रभाषा, मानक भाषा, सम्पर्क भाषा,	10
Unit V	हिन्दी और न्यू मीडिया।	05
Unit VI	देवनागरी लिपि एवं अंक।	07
Unit VII	निबंध लेखन।	06
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	49 11 Total-60

Suggested Reading:

1. डॉ. केशवदत्त खाली- हिंदी भाषा: प्रथम भाग, हिंदी भाषा: द्वितीय भाग, हिंदी भाषा शिक्षण, मानक हिंदी ज्ञान, हिंदी भाषा और व्याकरण, सामान्य हिंदी, हिंदी भाषा का इतिहास, देवनागरी लिपि और अंक, हिंदी भाषा और नागरी लिपि।
2. डॉ. धीरेन्द्र वर्मा- हिंदी भाषा का इतिहास।
3. डॉ. भोलानाथ तिवारी- हिंदी भाषा।
4. डॉ. देवेन्द्रनाथ शर्मा - हिंदी भाषा का विकास।
5. डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया- प्रशासन में राजभाषा का स्वरूप और विकास।
6. डॉ. पूरनचंद्र टण्डन- व्यावहारिक हिंदी।

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

अन्य सभी विभाग एवं संकाय

Handwritten signature
18

Handwritten signature

Programme: Diploma in Arts- Hindi Year -II Semester -III Paper-III
Subject : Hindi Credit: 3

Maximum Marks: 25(Internal) + 75 (External) = 100 Min. Passing Marks: 33

Course Title: कार्यालयी हिन्दी

Course Outcomes:

1. शिक्षार्थी कार्यालयी हिन्दी से अभिप्राय क्षेत्र एवं उद्देश्य, सामान्य एवं कार्यालयी हिन्दी में अन्तः सम्बन्ध आदि से परिचित होता है।
2. शिक्षार्थी कार्यालयी हिन्दी की पारिभाषिक शब्दावली से परिचित होता है।
3. शिक्षार्थी कार्यालय से निर्गत पत्र (ज्ञापन, परिपत्र, आदेश, निविदा आदि)का ज्ञान प्राप्त करता है।
4. शिक्षार्थी का प्रारूपण, संक्षेपण, पल्लवन, टिप्पण आदि विविध पक्षों से परिचय होता है।
5. शिक्षार्थी का कार्यालयों में रोजगार हेतु कौशल संवर्धन होता है।

Units	Topic	No. of Lectures
I	कार्यालयी हिन्दी का स्वरूप, अभिप्राय, उद्देश्य	10
II	कार्यालयी हिन्दी की पारिभाषिक शब्दावली	09
III	कार्यालयी पत्राचार के विविध रूप	09
IV	टिप्पण, प्रारूपण एवं संक्षेपण	09
	Class Room Lectures	37
	Tutorials] Assignments, Seminars, Group Discussion	08
		Total= 45

Suggested Reading:

- 1- प्रयोजनमूलक व्यावहारिक हिन्दी - ओमप्रकाश सिंहल
- 2- प्रयोजनमूलक हिन्दी - माधव सोनटक्के
- 3- प्रयोजनमूलक हिन्दी: सिद्धान्त और प्रयोग - दंगल झाल्टे
- 4- प्रयोजनमूलक हिन्दी की नई भूमिका - कैलाशनाथ पाण्डेय
- 5- हिन्दी की विकास यात्रा - डॉ० रामप्रकाश
- 6- प्रशासनिक पत्राचार - ठाकुरदास

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:
 अन्य सभी विभाग एवं संकाय

Handwritten signature
 19

Handwritten signature

DIPLOMA COURSE IN UG			
Programme: <i>Diploma Course in ARTS- Hindi</i>		Year: II	Semester:IV Paper-I
Subject: Hindi			
Course Code:	Course Title: नाटक एवं स्मारक साहित्य		
Course Outcomes:			
1. . शिक्षार्थी नाटक की भारतीय एवं पाश्चात्य परम्पराओं का ज्ञान प्राप्त करता है। 2. शिक्षार्थी नाटक के स्वरूप एवं प्रकारों का ज्ञान प्राप्त करता है। 3. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित नाटक के अध्ययन के आधार पर नाट्यसमीक्षा का ज्ञान प्राप्त करता है। 4. शिक्षार्थी को हिन्दी में स्मारक साहित्य लेखन परम्परा का ज्ञान होता है। 5. शिक्षार्थी को स्मारक साहित्य के स्वरूप व उसकी विधाओं का ज्ञान प्राप्त होता है। 6. शिक्षार्थी को महान साहित्यकारों के जीवन से जुड़ी घटनाओं को पढ़ने से उच्च जीवन मूल्यों की शिक्षा व प्रेरणा प्राप्त होती है।			
Credits: 6		Major Core Compulsory	
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) =100		Min. Passing Marks: 33	
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 6-0-0			
Unit	Topic		No. of Lectures
Unit I	नाटक : विधागत स्वरूप, उद्भव एवं विकास		10
Unit II	जयशंकर प्रसाद कृत ध्रुवस्वामिनी		10

manu
manu
manu

manu

Unit III	स्मारक साहित्य : अर्थ एवं स्वरूप, उद्भव एवं विकास	10
Unit IV	संस्मरण : तुम्हारी स्मृति – माखनलाल चतुर्वेदी, स्मरण का स्मृतिकार (रायकृष्ण दास) – अज्ञेय, दादा स्वर्गीय पं. बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' – डॉ. नगेन्द्र, निराला भाई – महादेवी वर्मा रेखाचित्र : महाकवि जयशंकर प्रसाद – शिवपूजन सहाय, मकदूम बख्श – सेठ गोविन्ददास, एक कुत्ता और एक मैना – हजारीप्रसाद द्विवेदी, ये हैं प्रोफेसर शशांक – विष्णुकान्त शास्त्री	10
Unit V	जीवनी एवं आत्मकथा	10
Unit VI	यात्रावृत्त एवं रिपोर्टाज	10
Unit VII	स्मारक साहित्य की अन्य विधाएँ	10
	Class Room Lectures	70
	Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	20
		Total-90

Suggested Reading:

1. स्मरण वीथिका – प्रो. निर्मला डैला बोरा, देवभूमि प्रकाशन, हल्द्वानी (व्याख्या हेतु संकलित संस्मरण एवं रेखाचित्र)
2. प्रसाद के नाटक: स्वरूप और संरचना- डॉ. गोविन्द चातक, तक्षशिला प्रकाशन, 23/4762, अंसारी रोड, दरियागंज, दिल्ली।
3. हिंदी स्मारक साहित्य- डॉ. केशवदत्त रुवाली एवं डॉ. जगतसिंह बिष्ट, तारामण्डल, अलीगढ़।
4. स्मारक साहित्य और उसकी विधाएँ- डॉ. निर्मला डैला एवं डॉ. रेखा डैला, ग्रंथायन, अलीगढ़।

Munshi

on 21/11/21

[Signature]

Programme: Diploma in Arts- Hindi Year -II Semester -IV Paper-II
Subject : Hindi Credit: 3
Maximum Marks: 25(Internal) + 75 (External) = 100 Min. Passing Marks: 33

Course Title: रचनात्मक लेखन

Course Outcomes:

1. शिक्षार्थी रचनात्मक लेखन से परिचित होता है।
2. शिक्षार्थी विविध अभिव्यक्ति क्षेत्र का ज्ञान प्राप्त करता है।
3. शिक्षार्थी का लेखन के विविध रूपों से परिचय होता है।
4. शिक्षार्थी प्रिंटमाध्यम के विविध रूपों से परिचित होता है।
5. शिक्षार्थी का रोजगार हेतु कौशल संवर्धन होता है।

Units	Topic	No. of Lectures
I	रचनात्मक लेखन अवधारणा एवं स्वरूप, भाव एवं विचार की रचना में रूपान्तरण की प्रक्रिया	10
II	विविध अभिव्यक्ति क्षेत्र: साहित्य, पत्रकारिता, विज्ञापन, विविध गद्य अभिव्यक्तियाँ लेखन के विविध रूप –मौखिक, लिखित, गद्य-पद्य, कथानक, कलेवर, नाट्य-पाठ्य मुद्रित-इलेक्ट्रॉनिक आदि	09
III	सूचना तंत्र के लिए लेखन रेडियो, दूरदर्शन, फिल्म तथा टेलीविजन पठकथा लेखन	09
IV	प्रिंटमाध्यम: फीचर-लेखन, यात्रा वृत्तांत, साक्षात्कार, पुस्तक, समीक्षा।	09
	Class Room Lectures	37
	Tutorials] Assignments, Seminars, Group Discussion	08
		Total= 45

संदर्भग्रन्थ :-

- 1- साहित्य चिंतन: रचनात्मक आयाम – रघुवंश
- 2- कविता से साक्षात्कार –मलयज
- 3- कविता-रचना-प्रक्रिया – कुमार विमल
- 4- सृजनशीलता और सौन्दर्यबोध – निशा अग्रवाल
- 5- उपन्यास की संरचना – गोपाल राय
- 6- रेडियो लेखन – मधुकर गंगाधर

This course can be opted as an elective by the students of following subjects :अन्य सभी विभाग एवं संकाय

DEGREE COURSE IN UG			
Programme: Degree Course in ARTS- Hindi			Year: III Semester: V
Subject: Hindi			Paper-I
Course Code:	Course Title: द्विवेदी युगीन एवं छायावादी काव्य		
Course Outcomes:			
1. शिक्षार्थी हिन्दी के द्विवेदी युग व नवजागरण काल के विषय में ऐतिहासिक व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है। 2. शिक्षार्थी हिन्दी कविता के छायावाद युग का ऐतिहासिक व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है। 3. शिक्षार्थी खड़ी बोली हिन्दी की आरम्भिक समर्थ काव्य-परम्परा का ज्ञान प्राप्त करता है। 4. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित द्विवेदीयुगीन कविताओं के अध्ययन से तत्कालीन हिन्दी कविता के स्वरूप, महत्व तथा शिल्प का ज्ञान प्राप्त करता है। 5. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित छायावादयुगीन कविताओं के अध्ययन से तत्कालीन हिन्दी कविता के स्वरूप, महत्व तथा शिल्प का ज्ञान प्राप्त करता है। 6. शिक्षार्थी आधुनिक कविता की समीक्षा का ज्ञान एवं प्रशिक्षण प्राप्त करता है।			
Credits: 5			
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) = 100			Major Core Compulsory
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 5-0-0			Min. Passing Marks: 33

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	द्विवेदी युगीन काव्य : युगीन प्रवृत्तियाँ, महत्व और संक्षिप्त इतिहास, काव्यभाषा, काव्यशिल्प, काव्यालोचना	09
Unit II	छायावादी काव्य : युगीन प्रवृत्तियाँ, महत्व और संक्षिप्त इतिहास, काव्यभाषा, काव्यशिल्प और काव्यालोचना	08
Unit III	अयोध्यासिंह उपाध्याय हरिऔध (माँ की ममता, सच्चे देवते तथा साहसी)	08
Unit IV	मैथिलीशरण गुप्त (पंचवटी)	08
Unit V	जयशंकर प्रसाद (आँसू तथा गीत)	08
Unit VI	सुमित्रानंदन पंत (परिवर्तन तथा प्रथम रश्मि)	08
Unit VII	सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला (वंदना, जुही की कली तथा वह तोड़ती पत्थर)	08
Unit VIII	महादेवी वर्मा (गीत - धीरे धीरे उतर क्षितिज से, बीन भी हूँ मैं, लाए कौन संदेश नए घन, कीर का प्रिय आज पिंजर खोल दो, हे चिर महान, सब बुझे दीपक जला लूँ)	08
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	65 10 Total-75

Suggested Reading:

1. द्विवेदी युगीन एवं छायावादी काव्य- संपादक: प्रो. चन्द्रकला रावत, देवभूमि प्रकाशन, हल्द्वानी (व्याख्या हेतु संकलित कविताएँ)
2. छायावाद - नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन समूह, नई दिल्ली
3. छायावाद और रहस्यवाद- गंगाप्रसाद पाण्डेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,
4. आधुनिक कविता यात्रा- रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,
5. निराला: मूल्यांकन- इन्द्रनाथ मदान, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,
6. पंत की काव्यभाषा- कांता पंत, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,
7. छायावाद की परिक्रमा- डॉ. श्यामकिशोर मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,

DEGREE COURSE IN UG		
Programme: Degree Course in ARTS- Hindi		Year: III Semester: V Paper-II
Subject: Hindi		
Course Code:	Course Title: छायावादोत्तर हिंदी कविता	
Course Outcomes:		
1. शिक्षार्थी छायावादोत्तरी कविता का ऐतिहासिक एवं सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है। 4. शिक्षार्थी आधुनिक हिन्दी कविता में प्रगतिवाद का रचनात्मक व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है। 5. शिक्षार्थी आधुनिक हिन्दी कविता में प्रयोगवाद का रचनात्मक व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है। 6. शिक्षार्थी आधुनिक हिन्दी कविता में नयी कविता का रचनात्मक व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है। 7. शिक्षार्थी आधुनिक हिन्दी कविता में समकालीन कविता का रचनात्मक व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।		
Credits: 5		Major Core Compulsory
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) =100		Min. Passing Marks: 33
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 5-0-0		
Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	प्रगतिवाद : विचार, काव्यप्रवृत्ति, विशेषताएँ, महत्व प्रमुख कवि	14

Unit II	प्रयोगवाद : विचार, काव्यप्रवृत्ति, विशेषताएँ, महत्व प्रमुख कवि	08
Unit III	नयी कविता : विचार, काव्यप्रवृत्ति, विशेषताएँ, महत्व प्रमुख कवि	08
Unit IV	समकालीन हिन्दी कविता : विविध विचार, काव्यप्रवृत्ति, विशेषताएँ, महत्व प्रमुख कवि	15
Unit V	कविताएँ एवं व्याख्या - 1 अज्ञेय (कलगी बाजरे की, यह दीप अकेला) 2. मुक्तिबोध (भूल-गलती, एक रग का राग) 3. नागार्जुन (कालिदास, अकाल और उसके बाद) 4. शमशेर बहादुर सिंह (सूना-सूना पथ है उदास झरना, वह सलोना जिस्म) 5. कुँवर नारायण (नचिकेता) 6. भवानी प्रसाद मिश्र (कहीं नहीं बचे, गीत फ़रोश) 7. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना (मैंने कब कहा, हम ले चलेंगे) 8. केदारनाथ सिंह (रचना की आधी रात, फ़र्क नहीं पड़ता) ।	20
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	65 10 Total-75

Suggested Reading:

- छायावादोत्तर हिन्दी कविता- संपादक: प्रो. शिरीष कुमार मौर्य, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी (व्याख्या हेतु संकलित कविताएँ)
- नई कविताएँ: एक साक्ष्य- डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,
- नयी कविता: नये कवि- डॉ. विश्वम्भर मानव, लोकभारती, इलाहाबाद,
- हिन्दी के आधुनिक कवि- डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा,
- आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ – नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,
- छायावादोत्तर हिन्दी कविता के प्रतिमान – प्रो. निर्मला ढैला बोरा, आधारशिला प्रकाशन, हल्द्वानी
- छायावाद की परिक्रमा- डॉ. श्यामकिशोर मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,

[Handwritten signature]

[Handwritten signature]

[Handwritten signature]

DEGREE COURSE IN UG		
Programme: Degree Course in ARTS- Hindi		Year: III Semester: V Paper III- Project
Subject: Hindi		
Course Code:	Course Title: लघुशोध अध्ययन एवं कार्य – हिन्दी की वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली	
Course Outcomes: शिक्षार्थी इस लघुशोधात्मक अध्ययन एवं कार्य के माध्यम से हिन्दी की वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली का ज्ञान प्राप्त करता है। विज्ञान एवं तकनीकी के क्षेत्र में हिन्दी के प्रसार के लिए यह अध्ययन आवश्यक है।		
Credits: 4		Project
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) =100		Min. Passing Marks: 40
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0		
Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली : परिभाषा एवं अर्थ। वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग – स्थापना, इतिहास, उद्देश्य आदि	20
Unit II	वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली : चयन एवं निर्माण, प्रक्रिया एवं महत्व	20
Unit III	वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली : समस्याएं और समाधान	20
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	Total-60

DEGREE COURSE IN UG		
Programme: Degree Course in ARTS- Hindi		Year: III Semester: VI Paper-I
Subject: Hindi		
Course Code:	Course Title: हिंदी निबंध	
Course Outcomes: 1. शिक्षार्थी निबंध विधा के स्वरूप का ज्ञान प्राप्त करता है। 2. शिक्षार्थी हिन्दी में निबंध विधा के उद्भव और विकास का ज्ञान प्राप्त करता है। 3. शिक्षार्थी सामाजिक व साहित्यिक विषयों से निबंध के वैचारिक सम्बन्ध तथा अभिव्यक्ति का ज्ञान प्राप्त करता है। 4. शिक्षार्थी निबंध के प्रकारों का ज्ञान प्राप्त करता है। 5. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित निबंधकारों के अध्ययन से विचार के क्षेत्र में मौलिक अभिव्यक्ति का ज्ञान एवं प्रशिक्षण प्राप्त करता है।		
Credits: 5		Major Core Compulsory
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) = 100		Min. Passing Marks: 33
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 5-0-0		
Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	निबन्ध विधा – परिचय, स्वरूप, शिल्प तथा प्रकार उद्भव एवं विकास	09

Unit II	बालकृष्ण भट्ट - आरम्भ (साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है)	08
Unit III	चन्द्रधर शर्मा गुलेरी - नीति विचार (कछुआ धर्म)	08
Unit IV	रामचन्द्र शुक्ल - साहित्य (कविता क्या है)	08
Unit V	महादेवी वर्मा - स्त्री (जीने की कला)	08
Unit VI	हजारीप्रसाद द्विवेदी - संस्कृति (अशोक के फूल)	08
Unit VII	हरिशंकर परसाई - व्यंग्य (पगडंडियों का ज़माना)	08
Unit VIII	विद्यानिवास मिश्र - ललित (अस्ति की पुकार)	08
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	65 10 Total-75

Suggested Reading:

1. प्रतिनिधि हिंदी निबंध- संपादक: प्रो. नीरजा टंडन, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी (व्याख्या हेतु संकलित निबन्ध)
2. प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार- डॉ. हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, 23/4762, अंसारी रोड, दरियागंज, दिल्ली।
3. हिंदी साहित्य में निबंध और निबंधकार- डॉ. गंगाप्रसाद, रचना प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. हिंदी गद्य: विन्यास और विकास- डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

DEGREE COURSE IN UG		
Programme: Degree Course in ARTS- Hindi		Year: III Semester: VI Paper-II
Subject: Hindi		
Course Code:	Course Title: लोक साहित्य	
Course Outcomes:		
<p>1. शिक्षार्थी साहित्य के लोकपक्ष का ऐतिहासिक तथा सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।</p> <p>2. शिक्षार्थी लोक साहित्य के स्वरूप, अध्ययन की प्रविधियों, संकलन प्रक्रिया आदि का प्रशिक्षण एवं ज्ञान प्राप्त करता है।</p> <p>3. शिक्षार्थी लोक संस्कृति का ज्ञान प्राप्त करता है।</p> <p>4. शिक्षार्थी लोकगीतों के स्वरूप, उनके सामाजिक-सांस्कृतिक स्रोतों तथा विविध रूपों का ज्ञान प्राप्त करता है।</p> <p>5. शिक्षार्थी लोक नाट्य के स्वरूप, उसके सामाजिक-सांस्कृतिक स्रोतों तथा विविध रूपों का ज्ञान प्राप्त करता है।</p> <p>6. शिक्षार्थी लोककथाओं के स्वरूप, उनके सामाजिक-सांस्कृतिक स्रोतों तथा विविध रूपों का ज्ञान प्राप्त करता है।</p> <p>7. शिक्षार्थी लोकगाथाओं के स्वरूप, उनके सामाजिक-सांस्कृतिक स्रोतों तथा विविध रूपों का ज्ञान प्राप्त करता है।</p> <p>8. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित लोक साहित्य के अध्ययन द्वारा लोक का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करता है।</p>		
Credits: 5		Major Core Compulsory
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) =100		Min. Passing Marks: 33
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 5-0-0		

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	लोक-साहित्य : परिभाषा, स्वरूप, लोक संस्कृति अध्ययन की प्रक्रिया, संकलन प्रविधि और समस्याएँ	15
Unit II	लोक-गीत : अर्थ एवं स्वरूप, संस्कार-गीत, व्रत-गीत, श्रम परिहार-गीत, ऋतु-गीत	12
Unit III	लोक-नाट्य : अर्थ एवं स्वरूप, विविध रूप – रामलीला, स्वाँग, यक्षगान, भवाई, नाच, तमाश, नौटंकी, जात्रा, कथकली	12
Unit IV	लोक-कथा : अर्थ एवं स्वरूप, प्रकार - व्रत-कथा, परीकथा, नाग-कथा, बोध-कथा, कथानक रूढ़ियाँ एवं अभिप्राय,	12
Unit V	लोक-गाथा : अर्थ एवं स्वरूप, उत्पत्ति, परम्परा, सामान्य प्रवृत्तियाँ, प्रसिद्ध लोक-गाथाएँ – राजुला-मालूशाही, गौरा-माहेश्वरी, तीलू रौतेली	14
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	65 10 Total-75

Suggested Reading:

1. लोक साहित्य – सम्पादक : प्रो. चन्द्रकला रावत, देवभूमि प्रकाशन, हल्द्वानी (व्याख्या हेतु संकलित लोक साहित्य)
2. लोक साहित्य की भूमिका : कृष्णदेव उपाध्याय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. लोक और शास्त्र – अन्वय और समन्वय : विद्यानिवास मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. भारतीय लोक साहित्य : श्याम परमार, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली
5. लोक साहित्य का अध्ययन : डॉ. त्रिलोचन पांडेय

DEGREE COURSE IN UG		
Programme: Degree Course in ARTS- Hindi		Year: III Semester: VI Paper III Project
Subject: Hindi		
Course Code:	Course Title: लघुशोध अध्ययन एवं कार्य – साहित्यिक विचारधाराओं का अध्ययन	
Course Outcomes: शिक्षार्थी इस लघुशोधात्मक अध्ययन एवं कार्य के माध्यम से हिन्दी की साहित्यिक विचारधाराओं का ज्ञान प्राप्त करता है हिन्दी साहित्य में उच्चस्तरीय शोध के लिए यह पूर्व-अध्ययन अत्यन्त आवश्यक है।		
Credits: 4		Project
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) =100		Min. Passing Marks: 40
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0		
Unit	Topic	No. of Lectures/ Hours
Unit I	निम्नांकित विचारधाराओं अथवा साहित्य आन्दोलनों में से किसी एक पर लघुशोधात्मक अध्ययन एवं कार्य करना है – 1. भक्ति-आन्दोलन 2-छायावाद 3-प्रगतिवाद 4- राष्ट्रवाद 5- अस्तित्ववाद 6- नारीवाद 7- दलित विमर्श 8- आधुनिकताबोध 9- उत्तरआधुनिकता	
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	Total-60

परीक्षा प्रणाली

श्री देव सुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय परिसर, ऋषिकेश में दिनांक 10 अगस्त 2022 को कला संकाय की अध्यापन समिति (Board of Studies) में लिए गए निर्णय के क्रम में श्री देव सुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय में संचालित स्नातक पाठ्यक्रमों के निम्न विषयों -

हिन्दी ,
अंग्रेजी ,
संस्कृत ,
इतिहास ,
गृह विज्ञान ,
भूगोल ,
राजनीति विज्ञान ,
समाज शास्त्र ,
अर्थशास्त्र ,
शिक्षा शास्त्र ,
शारीरिक शिक्षा ,
संगीत ,
चित्रकला ,
मानव शास्त्र ,
मनोविज्ञान ,
दर्शन शास्त्र तथा
सैन्य विज्ञान विषयों के स्नातक कक्षाओं के 'सेमेस्टर परीक्षा 2022-23 हेतु पारित निर्णय निम्नवत हैं :

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत प्रवर्तित पाठ्यक्रमों के प्रत्येक सेमेस्टर में प्रत्येक लिखित प्रश्न पत्र तीन घंटों का होगा तथा प्रत्येक प्रश्न पत्र अधिकतम 75 अंकों का होगा । प्रत्येक प्रश्न पत्र के दो खंड होंगे - खंड अ और खंड ब । खंड अ में 8 लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 5 प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य होगा । खंड अ का प्रत्येक प्रश्न 6 अंकों का होगा । खंड ब में 5 प्रश्न दीर्घ उत्तरीय प्रकृति के होंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 3 प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य होगा । प्रत्येक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 15 अंकों का होगा ।

अध्यक्ष , अध्यापन समिति (Board of Studies)

कला संकाय, श्री देव सुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय , बादशाहीथाल

**Sri Dev Suman Uttarakhand University
Badshahithaul (Tehri-Garhwal), Uttarakhand**

Syllabus of English

For

Under- Graduate Course

Approved by

Board of Studies

with effect from Educational Session: 2022-23



**Sri Dev Suman Uttarakhand University
Badshahithaul (Tehri-Garhwal), Uttarakhand**

NATIONAL EDUCATION POLICY- 2020



**Common Minimum Syllabus for all
Affiliated Colleges and Campuses of Sri Dev Suman
Uttarakhand University Badshahithaul, Tehri-Garhwal for
B.A. I, II, III, IV, V, & VI Semesters**

2022-23

Dr. Pramod Kumar Kukreti

Associate Professor

Dr. Parul Mishra

Asst. Prof.

Prof. Hemant Kumar Shukla

H.O.D.

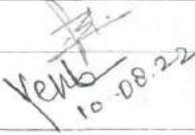
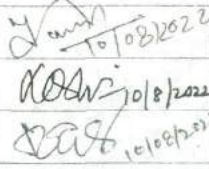

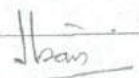
**Department of English
Pt.L.M.S.University Campus, Rishikesh**

Syllabus

B.A. (English Literature-Core/Elective Courses & Projects)

Syllabus of B.A. I, II, III, IV, V, & VI Semesters respectively for Sri Dev Suman Uttarakhand University (SDSUU) Badshahithoul, Tehri-Garhwal and its Affiliated Colleges w.e.f. Educational Session: 2022-23

Syllabus checked & modified by the following President/ Members of B.O.S. (Board of Studies) on Wednesday, 10.08.2022

Sr. No.	Name	Designation & Institute	Designation in BOS	Signature
A: Faculty of Arts, SDSUU, Tehri-Garhwal				
1	Prof. Dinesh Chandra Goswami	Dean, SDSUU, Tehri Garhwal Pt. L.M.S. University Campus, Rishikesh (U.K.)	President	
2	Prof. Hemant Kumar Shukla	H.O.D.-Department of English SDSUU, Tehri Garhwal, Pt. L.M.S. University Campus, Rishikesh (U.K.)	Member	
B: Three Principals of Post-Graduate Colleges				
1	Prof. Janaki Panwar	Principal Govt. P.G. College, Kotdwar (U.K.)	Member	
2	Prof. Lavani Rajvanshi	Principal Govt. P.G. College, Jaiharikhal (U.K.)	Member	
3	Prof. K.L. Talwar	Principal Govt. Degree College, Chakarata (U.K.)	Member	
C: Director of any Research Institute				
1	Dr. Himanshu Das	Director Rashtriya Drishti Badhitharth Sansthan, Dehradun (U.K.)	Member	
Sr. No.	Name	Designation & Institute	Designation in BOS	Signature
D. Two Professors & 01 External Expert nominated by honourable Vice-Chancellor				
1	Prof. M.S.M. Negi	S.R.T. Campus Badshahithoul, Tehri-Garhwal (U.K.)	Member	
2	Prof. M.C. Sati	Department of Economics HNBGU, Srinagar-Garhwal (U.K.)	Member	
3	Prof. S.L. Bhatt	Principal (Rtd.) Govt. P.G. College, Kotdwar (U.K.)	Member	

SRI DEV SUMAN UTTARAKHAND UNIVERSITY
Badshahithaul, Tehri Garhwal (Uttarakhand)

List of Members of Board of Studies

B.A I, II, III, IV, V, VI sem. (English Literature)

Sl. No.	Name of the Members	Designation	Nominated as
1	Prof. Dinesh Chandra Goswami	Dean of Arts	Chairman
2	Prof. Muktinath Yadav	Professor	Member
3	Prof. Hemant Kumar Shukla	Professor	Member
4	Prof. Sangeeta Mishra	Professor	Member
5	Prof. Preeti Kumari	Professor	Member
6	Prof. Anand Prakash Singh	Professor	Member
7	Prof. Pushpanjali Arya	Asso. Professor	Member
8	Prof. D K P. Choudhury	Professor	Member
9	Dr. Poonam Pathak	Professor	Member
10	Dr. Atal Bihari Tripathy	Asst. Professor	Member
11	Dr. Pushkar Gaur	Asst. Professor	Member
12	Dr. Shikha Mangai	Asst. Professor	Member
13	Prof. M. S, Mawri	Professor	Member
14	Dr. Preeti Gupta	Asst. Professor	Member
15	Dr. Narmadeshwar Shukla	Professor	Member
16	Dr. Poonam Pandey	Asst. Professor	Member
17	Dr. Vandana Sharma	Principal	Member
1	Prof. Janki Panwar	Principal	GPGC Kotdwar
2	Prof. <u>Lovely</u> Rajvanshi <u>LOVNEY</u>	Principal	GPGC, Jaiharikhal
3	Prof. K. L. Talwar	Principal	GDC, Chakrata
4	Dr. Himanshu Das	Director	NIVH, Rajpur Road
5	Prof. M. S. M. Negi	Professor	SRT Campus, HNBGU, Srinagar
6	Prof. M. C. Sati	Professor	HNBGU, Srinagar
7	Prof. S. L. Bhatt	Ex. Principal	GPGC, Kotdwar
8	Dr. P.C. Painuli	Asst. Professor	GPGC, New Tehri
9	Dr. Asha Devi	Asso. Prof.	GPGC, Kotdwar

Department of English
Sri Dev Suman Uttarakhand University
Badshahithaul (Tehri-Garhwal), Uttarakhand
Pt.L.M.S.University Campus, Rishikesh



e-Mail: hemantkumar.shukla1@gmail.com
Contact No.: 7500784114, 9897438142

Dated: 06.08.22

Syllabus

B.A. (English Literature-Core/Elective Courses & Projects)

Syllabus of B.A. I, II, III, IV, V, & VI Semesters respectively for Sri Dev Suman
Uttarakhand University (SDSUU) Badshahithoul, Tehri-Garhwal and its Affiliated
Colleges w.e.f. Educational Session: 2022-23

*Syllabus analyzed by the following Members of "Department of English"
on Monday, 08.08.2022*

Sr. No.	Name	Designation	Signature
1	Prof. Hemant Kumar Shukla	H.O.D.	
2	Dr. Pramod Kumar Kukreti	Assoc. Prof.	
3	Dr. Parul Mishra	Asst. Prof.	

INSTRUCTIONS for PAPER-SETTER along with SYLLABUS**UGENG-CC101****B.A. I Semester Examination: 2022-23****English Literature****Introduction to English Prose**

Credits: 6		Core Compulsory
Max. Marks: 75		Min. Passing Marks: As per University rules
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0		
Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	Introduction to Genres: Poetry, Drama, Essay, Novel, Novella and Short Story	15
Unit II	Elements of Short Story: Plot, Themes, Characterization, Narrative Techniques O' Henry: "The Last Leaf" Anton Chekhov: "The Lament"	15
Unit III	Types of Prose & Prose Style: Autobiography, Biography, Memoir, Travelogue, Essay. Literary Devices: Point of View, Imagery, Antithesis, Aphorism, Humour and Pathos.	15
Unit IV	Francis Bacon: "Of Studies" Charles Lamb: "Dream Children" Oliver Goldsmith: "National Prejudices"	20
Unit V	Virginia Woolf: "Professions for Women"	10
Unit VI	A.P.J. Kalam: Patriotism Beyond Politics & Religion (from Our Ignited Minds) Amartya Sen: "Tagore & His India" (from The Argumentative Indian)	15

Instructions for Paper-setter

Note: This question paper consists of two sections-Section 'A' and Section 'B'. Limit your answers within the given answer book. 'B' answer-book will not be provided or used

Section 'A'**(Short-answer type questions and questions for explanation with reference to context)****(6*5=30)**

Note: In this section, 08 questions will be given out of which 04 questions will be Short-answer type questions and 04 questions will be explanation questions. The students will be required to attempt any 05 questions out of which at least 02 questions should be explanation questions.

Section 'B'**(Long-answer type questions)**

FORMAT for QUESTION PAPER

[Roll No.....]

UGENG-CC101

B.A. I Semester Examination: 2022-23

English Literature

Introduction to English Prose

Time: Three Hours]

[Maximum Marks: 75

Note: This question paper consists of two sections-Section 'A' and Section 'B'. Limit your answers within the given answer book. 'B' answer-book will not be provided or used

Section 'A'

(Short-answer type questions and questions for explanation with reference to context)

(6*5=30)

Note: Attempt any *five* questions out of which at least *two* questions should be explanation questions.

1. Short Notes
2. Short Notes
3. Short Notes
4. Short Notes
5. *Explanation*
6. *Explanation*
7. *Explanation*
8. *Explanation*

Section 'B'

(Long-answer type questions)

(15*3=45)

Note: Attempt any *three* questions.

- 9.
- 10.
- 11.
- 12.
- 13.

DRAFT

National Education Policy-2020

Common Minimum Syllabus for all Uttarakhand State Universities and Colleges for First Three Years of Higher Education

PROPOSED STRUCTURE OF UG ENGLISH SYLLABUS

2021

Syllabus checked and modified by:

S.N.	Name	Designation	Department	Affiliation
1.	Prof. L.M. Joshi	Prof & HOD	English	Kumaun University, Nainital
2.	Dr. Hari Priya Pathak	Assistant Professor	English	Kumaun University, Nainital
3.	Dr. Shivangi Chanyal	Assistant Professor	English	Kumaun University, Nainital
4.	Dr. Deepika Pant	Assistant Professor	English	Kumaun University, Nainital
5.	Dr. Prashasti Joshi	Assistant Professor	English	Kumaun University, Nainital

List of all Papers in Six Semesters Semester-wise Titles of the Papers in English					
Year	Sem.	Course Code	Paper Title	Theory/ Practical	Credits
<i>Certificate Course in Arts</i>					
FIRST YEAR	I	UGENG- CC101	Introduction to English Prose	Theory	6
		UGENG- VC102	Communicative English Grammar		3
	II	UGENG- CC103	History of English Literature	Theory	6
		UGENG- ME104	Creative Writing		4
		UGENG- VC105	English Listening and Speaking Skills		3
<i>Diploma in Arts</i>					
SECOND YEAR	III	UGENG- CC201	British Poetry	Theory	6
		UGENG- VC202	Language through Literature		3
	IV	UGENG- CC203	Women's Writing and Indian Literature in Translation	Theory	6
		UGENG- ME204	Professional English		4
		UGENG- VC205	Functional English and Translation		3
<i>Bachelor of Arts</i>					
THIRD YEAR	V	UGENG- CC301	Introduction to Literature and Film	Theory	5
		UGENG- CC302	Partition Literature	Theory	5
		UGENG- RP303	Research Project: An Introduction		4
	VI	UGENG- CC304	Regional Literature with special reference to Literature of Uttarakhand	Theory	5
		UGENG- CC305	Indian and New Literatures in English	Theory	5
		UGENG- RP306	Preparing a Research Proposal		4

Yash
10.08.22
(Prof. Hemant Kumar Shukla)

Kashvi
Ishan

Programme outcomes (POs):


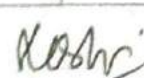
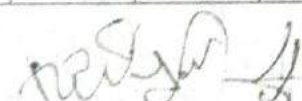

The programme aims to:

- Develop an appreciation of English language, its connotations and interpret and appreciate the didactic purpose of literature.
- Develop in students a deep-rooted pride in being Indian.
- Unravel the historical, social and cultural context of each literary work and thereby make connections between literature and society & appreciate literature's ability to empower us emotionally.
- Sensitize students to the aesthetic, cultural and social aspects of literature
- Present an extensive view of the cultural and social patterns of the society in the specific time and situations in which it flourished resulting in an intellectual and emotional engagement with the work.
- Make students aware of the different kinds of literature written/translated in various English-speaking countries across the world as well as the literature from Asia.
- Develop a more complex understanding of the history, literature, narrative techniques, Drama techniques, kinds of fiction and drama from Britain, America and India.
- Augment the understanding of fundamental tenets of classical literature
- Develop an understanding of the various connotations of the term 'New Literatures' and the difference from other terms like Commonwealth Literature etc.
- Develop an insight regarding the idea of world literature and the pertinent issues of feminism, racism and diasporic relocations
- Provide job opportunities through 'skill-based' courses
- Instill in students anew zeal and a new vision of life to make them better citizens.
- Recreate a response through creative indulgences like script-writing, dialogue writing, and be able to exploit his/her creative potential through digital media.
- Engage students with various strategies of drafting and revising, style of writing and analytical skills, diagnosing and developing scholarly methodologies, use of language as a means of creative expression, will make them effective thinkers and communicators.
- Empower students with knowledge of existing research methodologies and critical thinking.
- Comprehend and contextualise contemporary films adapted from literature, to describe objectively its importance and usefulness for the society while analysing its plot and characters.
- Comprehend translation as a useful bridge between various linguistic regions
- Assist students towards English language comprehension, intellectual flexibility, creativity, and cultural literacy so that they may engage in life-long learning
- Acquire basic skills to pursue translation as research and career
- Introduce the learners to the nuances of the changing media scenario in terms of production of media content
- Inculcate in them the skills of reporting, editing and feature writing in print medium to have a career perspective in media and journalism.
- Strengthen their grasp of the interrelationship between Culture and Society
- Help students prepare for various national and international competitive exams
- Create a possibility for the students to emerge as prospective writers, editors, content developers, teachers, etc.

deash

Handwritten signatures and initials

Year wise Structure of BA (CORE / ELECTIVE COURSES & PROJECTS)										
Subject: English										
Course/ Entry – Exit Levels	Year	Sem	Subject I	Subject II	Subject III	Subject IV	Vocational	Co- curricular	Research Project	Total
			Major	Major	Major	Minor/ Elective	Minor	Minor	Major	
						4 Credits	3 Credits	2 Credits	4 Credits	
				Own Faculty	Any Faculty	Other Dept. /Faculty				
Certificate Course In Arts	I	I 1 Theory Paper Credit 6	Introduction to English Prose			Creative Writing	Communicative English Grammar			
		II 1 Theory Paper Credit 6	History of English Literature				English Listening and Speaking Skills			
Diploma in Arts	II	III 1 Theory Paper Credit 6	British Poetry			Professional English	Language through Literature			
		IV 1 Theory Paper Credit 6	Women's Writing and Indian Literature in Translation				Functional English and Translation			
Bachelor of Arts	III	V 2 Theory Paper Credit 5 Each	Introduction to Literature and Film						Research Project: An Introduction	
			Partition Literature							
		VI 2 Theory Paper Credit 5 Each	Regional Literature with Special Reference to Literature of Uttarakhand						Preparing a Research Proposal	
			Indian and New Literatures in English							

CERTIFICATE COURSE IN ARTS

Programme: <i>Certificate Course in Arts</i>	Year: I	Semester: I Paper-I
---	----------------	--------------------------------------

Subject: English

Course Code: UGENG-CC101	Course Title: Introduction to English Prose
------------------------------------	--

Course Outcomes:

After studying this course, the students will be able to:

- Gain an introductory knowledge of the development and significance of literature in English.
- Have an introductory study of forms such as Drama and Novel.
- Apprehend the art of story-telling through short-stories and define its basic elements such as plot, plot structure, characterization, and narrative technique.
- Critically evaluate the style and contributions of some of the greatest short-story writers, including Indian writers towards the development of short-story as a genre.
- Define and distinguish various types of prose and prose- styles.
- Understand important terms pertaining to prose writings, including various stylistic and figurative devices.
- Apprehend the growth of English essays through the contributions of some of the greatest essayist.
- Comprehend the wide variety of subject matter that the genre serves.

Credits: 6	Core Compulsory
-------------------	------------------------

Max. Marks:	Min. Passing Marks: As per Univ. rules
--------------------	---

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	Introduction to Genres: Poetry, Drama, Essay, Novel, Novella and Short Story	15
Unit II	Elements of Short Story: Plot, Themes, Characterization, Narrative Techniques O' Henry: "The Last Leaf" Anton Chekhov: "The Lament"	15
Unit III	Types of Prose & Prose Style: Autobiography, Biography, Memoir, Travelogue, Essay. Literary Devices: Point of View, Imagery, Antithesis, Aphorism, Humour and Pathos.	15
Unit IV	Francis Bacon: "Of Studies" Charles Lamb: "Dream Children" Oliver Goldsmith: "National Prejudices"	20
Unit V	Virginia Woolf: "Professions for Women"	10

[Handwritten signatures and marks]

Unit VI	A.P.J.Kalam: Patriotism Beyond Politics & Religion (from <i>Our Ignited Minds</i>) Amartya Sen-: "Tagore & His India" (from <i>The Argumentative Indian</i>)	15
---------	---	----

Suggested Reading:

- The Routledge History of English Literature by Ronald Carter and John McRae, Special Edition, 2011.
- A History of English Literature by Arthur Compton Rickett
- A Background to the Study of English Literature by B Prasad
- A Glossary of Literary Terms by M. H. Abram

Suggested Continuous Evaluation:

Since the class is conceived as learner-centric and built around tasks that require learners to actively use various language skills, formative assessment can and should be used extensively. Oral presentations, peer interviews, and group tasks can be used for this purpose. The end-semester written examination will test all the areas targeted in the course.

Course prerequisites: To study this course, a student must have had the subject English in class/12th/certificate/diploma

Suggested equivalent online courses: Vidyamitra.inflibnet.ac.in, literature-study-online.com, [epg-pathshala, egyankosh.ac.in](http://epg-pathshala.egyankosh.ac.in)

Reshmi

Reshmi *Reshmi* *Reshmi*

CERTIFICATE COURSE IN ARTS

Programme: <i>Certificate Course in Arts</i>	Year: I	Semester: I
---	----------------	--------------------

Subject: English

Course Code: UGENG-VC102	Course Title: Communicative English Grammar
------------------------------------	--

Course Outcomes:

At the end of the semester students will be able to

- Acquire basic language skills and use them in communication.
- Make use of thesaurus for learning synonyms, antonym and one word- substitution
- Comprehend the meaning of prose and verse passages.

Credits: 3

Vocational Course

Max. Marks:

Min. Passing Marks: As per Univ. rule

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	Importance of English Language in Contemporary World Basic Language Skills & Usage: Articles, Prepositions, Use of Verbs, Subject: Verb Agreement and Punctuation	20
Unit II	Use of Dictionary and Thesaurus- Synonym, Antonym and One-Word substitution Précis Writing	15
Unit III	Comprehension of an Unseen Passage	10

Recommended Readings:

• Pathak et al. *Foundation Course in English Language (Revised)*, Cambridge University Press 2022.

Suggested Reading:

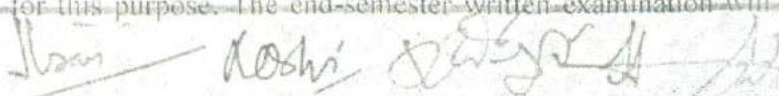
- Shilpa Sapre-Bharmal et al. *Communication Skills in English*. Orient Blackswan. 2012
- Sanjay Kumar and Pushp Lata: *Communication Skills*, Oxford University Press, 2nd ed. 2015.
- Norman Lewis: *Word Power Made Easy*, Penguin Books India, 2015.

This course can be opted as an elective by the students of:

Any Stream

Suggested Continuous Evaluation (25 Marks):

Since the class is conceived as learner-centric and built around tasks that require learners to actively use various language skills, formative assessment can and should be used extensively. The focus here could be on skills and activities that are harder to test in a written evaluation, such as speaking and listening skills, dictionary work, etc. Oral presentations, peer interviews, and group tasks can be used for this purpose. The end-semester written examination will test all the areas.



targeted in the course – reading, comprehension, vocabulary, grammar, composition, and oral communication.

Course prerequisites: To study this course, a student must have had the subject English class/12th/certificate/diploma

Suggested equivalent online courses: On Swayam, Vidyamitra.inflibnet.ac.in, literature-study-online.com, epg-pathshala, egyankosh.ac.in

CERTIFICATE COURSE IN ARTS		
Programme: <i>Certificate Course in Arts</i>		Year: I Semester: II Paper-I
Subject: English		
Course Code: UGENG-CC103	Course Title: History of English Literature	
Course Outcomes:		
<p>After studying this course, the students will be able to:</p> <ul style="list-style-type: none">• Develop an understanding of the evolution of English Literature, the concept, causes and the impact of Renaissance and Reformation.• Trace the origin and development of English drama through Miracle and Morality plays and the plays of University Wits.• Develop an acquaintance with major religious, political and social movements from 15th to 20th century and their influence on English literature.• Understand the characteristics of Elizabethan and Metaphysical poetry and special Features of Neo-classical age and its literature.• Identify the reasons of the emergence of prose and novels and the decline of drama in England in the 18th century.• Comprehend the role of French Revolution in the evolution of romanticism in literature.• Develop an understanding of the evolution of English Literature, the concept, causes and the impact of Renaissance and Reformation.• Comprehend the basic difference and special characteristics of the major literary tendencies of various ages and develop familiarity with major literary works by British writers in the field of Poetry, Drama and Fiction.		
Credits: 6		Core Compulsory
Max. Marks:		Min. Passing Marks: As per Univ. rule
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0		
Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	1350- 1550 The Age of Chaucer Introduction of the Major Works	15
	1558- 1603 Elizabethan Age Introduction to Major Poets and Dramatists of the Age	
Unit II	1603- 1625 Jacobean Age Introduction to Major Poets and Dramatists of the Age	15
	1625- 1649 Caroline Age Major Schools of Poetry	

Unit III	1649- 1660 Puritan Age or Commonwealth Period 1660- 1700 The Restoration Age Introduction to Restoration Comedy	15
Unit IV	1700- 1745 The Augustan Age Rise of Novel, Major Writers 1745- 1785 Age of Sensibility Introduction to Age of Johnson	15
Unit V	1789- 1832 Romantic Age Introduction to Romantic Period and Major Romantic Writers 1832- 1901 Victorian Age Introduction to Victorian Age and Major Victorian Writers	15
Unit VI	Post 1901- Modern and Postmodern Age Introduction to Major Writers	15

Suggested Reading:

- *The Routledge History of English Literature* by Ronald Carter and John McRae, Special Edition, 2011.
- *History of English Literature* by W. H. Hudson
- *A History of English Literature* by Arthur Compton Rickett
- *A Critical History of English Literature* by David Daiches
- *A Background to the Study of English Literature* by Birjadish Prasad
- *A Glossary of Literary Terms* by M. H. Abrams
- *History of English Literature* by W.J.Long

Suggested Continuous Evaluation Methods: Since the class is conceived as learner-centric and built around tasks that require learners to actively use various language skills, formative assessment can and should be used extensively. The focus here could be on skills and activities that are harder to test in a written evaluation, such as speaking and listening skills, dictionary work, etc. Oral presentations, peer interviews, and group tasks can be used for this purpose.

Course prerequisites: To study this course, a student must have had the subject English in class/12th/certificate/diploma

Suggested equivalent online courses: On Swayam, Vidyamitra.inflibnet.ac.in, literature-study-online.com, epg-pathshala, egyankosh.ac.in

CERTIFICATE COURSE IN ARTS			
Programme: <i>Certificate Course in Arts</i>			Year: I Semester: II Paper- ME
Subject: English			
Course Code: UGENG-ME104	Course Title: Creative Writing		

Course Outcomes:

The course will help students to

- describe or express their opinions on topics of personal interest such as their experiences of events, their hopes and ambitions
- read and understand information on topical matters and explain the advantages and disadvantages of a situation
- write formal letters, personal notes, blogs, reports, and texts on familiar matters
- comprehend and analyse texts in English
- understand the basic concepts, ethics and type of advertisements.

Credits: 4

Minor Elective

Max. Marks:

Min. Passing Marks: As per Univ. rule

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	What is Creative Writing? Types of Writing: Expository, Descriptive, Persuasive and Narrative	15
Unit II	The Art and Craft of Writing: Characteristics of Good Writing Poetry: Figurative language, Imagery, Sensory details, Rhyme, Repetition "Daffodils" by Wordsworth Short Story: Theme, Point of view, Character, Setting, and Plot "The Barber's Trade Union" by M.R. Anand	15
Unit III	Writing for the Media: Basics of writing for the Print Media.	15
Unit IV	Introduction to Cyber Media and Social Media Social Media, Types of Social Media, Online Journalism, Basics of Cyber Media	15

Recommended Readings

- 1) *Creative writing: A Beginner's Manual* by Anjana Neira Dev and Others, Published by Pearson, Delhi, 2009

Suggested Continuous Evaluation Methods: Since the class is conceived as learner-centric and built around tasks that require learners to actively use various language skills, formative assessment can and should be used extensively. The focus here could be on skills and activities that are harder to test in a written evaluation, such as speaking and listening skills, dictionary work, etc.

Course prerequisites: To study this course, a student must have had the subject English class/12th/certificate/diploma

Suggested equivalent online courses: On Swayam, Vidyamitra.inflibnet.ac.in, literature-study-online.com, epg-pathshala, egyankosh.ac.in

CERTIFICATE COURSE IN ARTS	
Programme: <i>Certificate Course in Arts</i>	Year: I Semester: II Paper-VC

Signature of the student

Subject: English

Course Code: UGENG-VC105 Course Title: English Listening and Speaking Skills

Course Outcomes:

At the end of the semester students will be able to

- Learn basic concepts of phonetics
- Improve fluency through regular practice and speaking drills
- Learn the skills of facing interviews, making a speech, presentations etc

Credits: 3

Minor/Vocational Course

Max. Marks:

Min. Passing Marks: As per Univ. rule

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	(a) Introduction to Phonetics- Essentials of English Pronunciation (b) Introducing oneself and others	15
Unit II	Interview, Group Discussion	15
Unit III	Making a Speech, Presentation Skills	15

Recommended Readings:

. Krishnan et al. *Interact A Course in Communicative English*, Cambridge University Press 2022.

Suggested Reading:

1. R.K Bansal and J.B. Harrison: *Spoken English*, Orient Black Swan, 1983.
2. Kamlesh Sadanand and Susheela Punitha: *Spoken English: A Foundation Course* (Revised Edition) . Part I, Orient BlackSwan, 2014
3. Bikram K. Das: *Functional Grammar and Spoken and Written Communication in English*, Orient Black Swan; edition, 2006
4. E. Suresh Kumar, B. Sandhya, J. Savithri and P. Sreehari: *Enriching Speaking and Writing Skills*, Orient BlackSwan, 2014.

Suggested Continuous Evaluation Methods: Since the class is conceived as learner-centric and built around tasks that require learners to actively use various language skills, formative assessment can and should be used extensively. The focus here could be on skills and activities that are harder to test in a written evaluation, such as speaking and listening skills, dictionary work, etc. Oral presentations, peer interviews, and group tasks can be used for this purpose. The end semester written examination will test all the areas targeted in the course – reading, comprehension, vocabulary, grammar, composition, and oral communication.

Course prerequisites: To study this course, a student must have had the subject English class/12th/certificate/diploma

Suggested equivalent online courses: On Swayam, Vidyamitra.inflibnet.ac.in, literature-study-online.com, epg-pathshala, egyankosh.ac.in

DIPLOMA IN ARTS

Programme: *Diploma in Arts*

Year: II Semester: III
Paper

Subject: English		
CourseCode: UGENG-CC201	Course Title: British Poetry	
Course Outcomes: After studying this course, the students will be able to:		
<ul style="list-style-type: none">• Identify various forms of poetry and understand the development of these forms in the works of greatest practitioners of these poetic forms.• Characterize some basic stanza patterns, their origin and development.• Critically analyse poems with an understanding of its basic elements.• Assess the contribution of the representative poets of these Ages towards the growth of English poetry and appreciate their poetic genius.• Understand and gain informative understanding of the poems written by modern British poets.• Strengthens the broader understanding to the study of the British poetry.• Learn about transition of poetic style and forms with changing times.• Gain information about Irish poetry, war poems and modern poems.• Learn about changing style and how imagism as a movement in arts influenced the poets.		
Credits: 6	Core Compulsory	
Max. Marks:	Min. Passing Marks:As per Univ. rule	
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0		
Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	Types of Poems Lyric, Sonnet, Elegy, Ode, Epic, Ballad, Dramatic Monologue, Allegory Stanza Forms The Heroic Couplet, Blank Verse, The Spenserian Stanza, Terza Rima	15
Unit II	William Shakespeare: Let Me Not to the Marriage of True Minds (Sonnet No.116) John Donne: A Valediction: Forbidding Mourning John Milton: On his Blindness	15
Unit III	Alexander Pope: From Essay on Criticism (Little learning - - -Alps to Alps (lines- 15-32) Thomas Gray: Elegy Written in a Country Churchyard(Lines (1- 19th stanza; The curfew Tolls --- noiseless tenor of thin ways)	15
Unit IV	William Wordsworth: The World is Too Much With Us John Keats: Ode to a Nightingale	15
Unit V	W. B. Yeats: "Second Coming" T.S. Eliot: "The Love Song of J.Alfred Prufrock" (lines 1-34) W H Auden: "The Unknown Citizens"	15
Unit VI	Wilfred Owen: "The Strange Meeting" Rupert Brooke: "The Soldier" Ted Hughes: "Thought Fox" Philip Larkin: "Church Going".	15

Recommended Readings

1. William Wordsworth - the Major Works (Oxford World's Classics) Paperback. OUP
2. William Blake: Selected Poems (Oxford World's Classics) Paperback – Import. OUP

3. Poetry of the Romantics (Penguin Popular Classics) Paperback. Penguin classics
4. The Waste Land, Prufrock, and Other Poems (Dover Thrift S.) Paperback. Dover publications Inc.
5. A Glossary of Literary Terms, MH Abrams
6. David Moody. *The Cambridge Companion to T. S. Eliot*, Cambridge: Cambridge University Press, 2003.
7. Edward Maline. *A Preface to W. B. Yeats*, London: Longman Group Ltd, 1983.
8. Terry Gifford and Neil Roberts. *Ted Hughes: A Critical Study*. London: Faber and Faber, 1981.
9. Stan Smith. *The Cambridge Companion to W H Auden*, Cambridge: Cambridge University Press, 2004.

Suggested Continuous Evaluation Methods: Since the class is conceived as learner-centric and built around tasks require learners to actively use various language skills, formative assessment can and should be used extensively. presentations, peer interviews, and group tasks can be used for this purpose The end-semester written examination test all the areas targeted in the course.

Course prerequisites: To study this course, a student must have had the subject English class/12th/certificate/diploma

Suggested equivalent online courses: On Swayam, Vidyamitra.inflibnet.ac.in, literature-study-online.com, epg-pathshala, egyptankosh.ac.in

DIPLOMA IN ARTS		
Programme: <i>Diploma in Arts</i>		Year: II Semester:III Paper-VC
Subject: English		
Course Code: UGENG-VC202	Course Title: Language through Literature	
Course Outcomes: At the end of the semester students will be able to <ul style="list-style-type: none">• Improve their grammatical competence• Learn the art of writing paragraphs, essays, letters, Biodata, Resume and CV• Identify the meanings of homophones and homonyms.		
Credits: 3		
Max. Marks:		Min. Passing Marks:As per Univ. rule
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0		
Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	Tenses, Direct and Indirect Speech, Active-Passive Voice, Simple, Complex and Compound sentences, Common Errors in English	20
Unit II	Expansion of an Idea, Essays, Letters, Application Writing, Preparing Biodata/ Resume/ CV	20
Unit III	Homophones, Homonyms, homographs, polysemy , antonyms, synonyms (other lexical terms)	05

Recommended Reading:

1. Terry O'Brien : *Common Errors*, Rupa Publications India Pvt. Ltd., 2012

[Handwritten signatures and marks]

2. V.N.Arora and Laxmi Chandra: *Improve your Writing*, Oxford University Press, 1981

Suggested Continuous Evaluation Methods: Since the class is conceived as learner-centric and built around tasks that require learners to actively use various language skills, formative assessment can and should be used extensively. The focus here could be on skills and activities that are harder to test in a written evaluation, such as speaking and listening skills, dictionary work, etc. Oral presentations, peer interviews, and group tasks can be used for this purpose. The end semester written examination will test all the areas targeted in the course – reading, comprehension, vocabulary, grammar composition, and oral communication.

Course prerequisites: To study this course, a student must have had the subject English in class/12th/certificate/diploma

Suggested equivalent online courses: On Swayam, Vidyamitra.inflibnet.ac.in, literature-study-online.com, epg-pathshala.egyankosh.ac.in

DIPLOMA IN ARTS		
Programme: <i>Diploma in Arts</i>		Year: II Semester: IV Paper
Subject: English		
Course Code: UGENG-CC203	Course Title: Women's Writing and Indian Literature in Translation	
Course Outcomes: <ul style="list-style-type: none">• This course aims to• Help students understand the social construction of woman by patriarchy.• Examine feminism's concerns of equality with men.• Highlight the structural oppression of women.• Foreground resistance by women.• Discuss women's writing as an act of resistance and of grasping agency.• Facilitate an understanding of the body of woman and its lived experience.• Help students engage with the heterogeneity of the oppression of women in different places, historically and socially.• Understand the rich and diverse tradition of literatures written in regional and vernacular languages.• Develop a comparative and intertextual approach to analyse literatures.• Develop an appreciation of the diverse multilingual and multicultural ethos of India.• Enhance job opportunities by fostering translation skills.• Critically appreciate the poems of Kabir and gain an understanding of his philosophy and assess the strength of Rabindranath Tagore as a translator.		
Credits: 6		Core Compulsory
Max. Marks:		Min. Passing Marks: As per Univ. rule
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0		
Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	Elaine Showalter: 'Introduction', in <i>A Literature of Their Own: British Women Novelists from Bronte to Lessing</i> (1977).	10

Unit II	Gilman: 'The Yellow Wallpaper' Mahasweta Devi: 'Draupadi'	10
Unit III	Autobiography: Harriet Jacobs, selections from Incidents in the Life of a Slave Girl, Chapter 5	15
Unit IV	Maya Angelou: 'Still I Rise'. Anne Finger: 'Helen and Frida', in Call me Ahab: A Short Story Collection, Sylvia Plath: 'Lady Lazarus'	20
Unit V	Introducing Translation: A Brief History and Significance of Translation in a Multilinguistic and Multicultural Society like India	20
Unit VI	Kabir (Translation) from The English Writings of Rabindra Nath Tagore(1994, Vol.1 Ed. Sisir Kumar Das, Sahitya Akademi, Verses- 1,2,8,12, 53, 69)	15

Recommended Readings

1. Indian Feminism by Jasbir Jain and Avadhesh Kumar Singh
2. The History of Doing: An Illustrated Account of Movements for Women's Rights and Feminism in India, 180 1990, by Radha Kumar
3. Sexual/Textual Politics by T. Moi
4. Gender Trouble by Judith Butler
5. Second Sex by Simone de Beauvoir

Suggested Continuous Evaluation Methods: Since the class is conceived as learner-centric and built around tasks that require learners to actively use various language skills, formative assessment can and should be used extensively. Or presentations, peer interviews, and group tasks can be used for this purpose. The end-semester written examination will test all the areas targeted in the course.

Course prerequisites: To study this course, a student must have had the subject English class/12th/certificate/diploma

Suggested equivalent online courses: On Swayam, Vidyamitra.inflibnet.ac.in, literature-study-online.com, epg-pathshala, egyankosh.ac.in

DIPLOMA IN ARTS			
Programme: <i>Diploma in Arts</i>		Year: II	Semester: IV Paper-ME
Subject: English			
Course Code: UGENG-ME204	Course Title: Professional English		
Course Outcomes: The course will help students to			
<ul style="list-style-type: none">• Acquire basic language skills and use them in communication.• Make use of thesaurus for learning synonyms, antonym and one word- substitution• Comprehend the meaning of prose and verse passages.• Learn basic concepts of phonetics• Improve fluency through regular practice and speaking drills• Learn the skills of facing interviews, making a speech, presentations etc.• Improve their grammatical competence• Learn the art of writing paragraphs, essays, letters, Biodata, Resume and CV.			

<ul style="list-style-type: none"> Learn the techniques of report writing, minutes, notices and agendas Become skilled at translating from Hindi to English and vice-versa. 		
Credits: 04		Minor Elective
Max. Marks:		Min. Passing Marks: As per Univ. rule
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0		
Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	Use of IPA Symbols: Learning Correct Pronunciation through Dictionary.	15
Unit II	Use of Direct and Indirect Speech, Using Verb Tenses, Common Errors in English, Writing Official Correspondences (Letter /Application Writing, Complaints, FIR, Grievance Redressal Letters Grievance & Right to Information)	15
Unit III	Techniques of CV writing, Report Writing, Proposal Writing, Notices and Agendas, Interview, Group Discussion, Making a Speech, Presentation Skills/Using Power Point Presentation.	15
Unit IV	Translation from Hindi to English Translation from English to Hindi	15

Recommended Readings:

- Pathak et al. *Foundation Course in English Language (Revised)*, Cambridge University Press 2022.

Suggested Readings:

- Shilpa Sapre-Bharmal et al. *Communication Skills in English*, Orient Blackswan, 2012
- Sanjay Kumar and Pushp Lata: *Communication Skills*, Oxford University Press, 2nd ed, 2015.
- Norman Lewis: *Word Power Made Easy*, Penguin Books India, 2015.
- R.K Bansal and J.B. Harrison: *Spoken English*, Orient BlackSwan, 1983.
- Kamlesh Sadanand and Susheela Punitha: *Spoken English: A Foundation Course (Revised Edition)*, Part I, Orient BlackSwan, 2014
- Bikram K. Das: *Functional Grammar and Spoken and Written Communication in English*, Orient BlackSwan; 1st edition, 2006
- E. Suresh Kumar, B. Sandhya, J. Savithri and P. Sreehari: *Enriching Speaking and Writing Skills*, Orient BlackSwan, 2014.
- V.N.Arora and Laxmi Chandra: *Improve your Writing*, Oxford University Press, 1981
- Terry O'Brien: *Modern writing Skills*, Rupa Publisher, 2011
- R.C. Sharma and Krishna Mohan: *Business Correspondence and Report Writing*, McGraw Hill Education (India) Pvt. Ltd. Chennai, 5th ed., 2016.

Suggested Continuous Evaluation Methods: Since the class is conceived as learner-centric and built around tasks that require learners to actively use various language skills, formative assessment can and should be used extensively. The focus here could be on skills and activities that are harder to test in a written evaluation, such as speaking and listening skills, dictionary work, etc. Oral presentations, peer interviews, and group tasks can be used for this purpose. The end-semester written examination will test all the areas targeted in the course – reading, comprehension, vocabulary, grammar, composition, and oral communication.

Course prerequisites: To study this course, a student must have had the subject English in class/12th/certificate/diploma

[Handwritten signatures]

Suggested equivalent online courses: On Swayam, Vidyamitra.inflibnet.ac.in, literature-study-online.com, epg-pathshala, egyankosh.ac.in

DIPLOMA IN ARTS		
Programme: <i>Diploma in Arts</i>		Year: II Semester: IV Paper-VC
Subject: English		
Course Code: UGENG-VC205	Course Title: Functional English and Translation	
Course Outcomes: At the end of the semester students will be able to		
<ul style="list-style-type: none">• Learn the formation of words and making of new sentences• Learn the techniques of report writing, minutes, notices and agendas• Become skilled at translating from Hindi to English and vice-versa		
Credits: 3		Vocational Course
Max. Marks:		Min. Passing Marks: As per Univ. rule
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0		
Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	Formation of Words-Noun, Verb, Adjective, and Affixes Synthesis	15
Unit II	Preparing Reports, Minutes, Notices and Agendas	15
Unit III	Theory and Techniques of Translation: Translation from Hindi to English Translation from English to Hindi	15

Recommended Readings:

Pathak et al. *Foundation Course in English Language (Revised)*, Cambridge University Press 2022.

Suggested Reading:

1. V.N.Arora and Laxmi Chandra: *Improve your Writing*, Oxford University Press, 1981
2. Terry O'Brien: *Modern writing Skills*, Rupa Publisher, 2011
3. R.C. Sharma and Krishna Mohan: *Business Correspondence and Report Writing*, McGraw Hill Education (India)Pvt. Ltd. Chennai, 5th ed., 2016

Suggested Continuous Evaluation Methods: Since the class is conceived as learner-centric and built around tasks that require learners to actively use various language skills, formative assessment can and should be used extensively. The focus here could be on skills and activities that are harder to test in a written evaluation, such as speaking and listening skills, dictionary work, etc. Oral presentations, peer interviews, and group tasks can be used for this purpose. The end-semester written examination will test all the areas targeted in the course – reading, comprehension, vocabulary, grammar, composition, and oral communication.

Course prerequisites: To study this course, a student must have had the subject English in class/12th/certificate/diploma

Suggested equivalent online courses: On Swayam, Vidyamitra.inflibnet.ac.in, literature-study-online.com, epg-

BACHELOR OF ARTS			
Programme: <i>Bachelor of Arts</i>		Year: III	Semester: V Paper-I
Subject: English			
Course Code: UGENG-CC301	Course Title: Introduction to Literature and Film		
Course Outcomes:			
Literature and film have had a close relationship with one another manifest in the celluloid 'adaptation' of classics and 'inspired' productions in the earlier days to the film text studies of recent times. The writer and the auteur both produce art that oftentimes is in conversation particularly since the cultural revolution of modernism. This paper attempts to trace the genealogy of this collaborative mediation between literature and cinema between the textual and the visual.			
Credits: 5		Core Compulsory	
Max. Marks:		Min. Passing Marks: As per Univ. rule	
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0			
Unit	Topic	No. of Lectures	
Unit I	Introduction to Basic Concepts in Film-Making: Mise-én-scene, Long Takes, Deep Focus, Types of Shots, Colour and Sound	15	
Unit II	Cinematic Adaptations: Shakespeare's Hamlet	15	
Unit III	The Novel in English and its Adaptation: Charles Dickens's Oliver Twist	15	
Unit IV	Indian English Fiction: Jhumpa Lahiri's The Namesake	10	
Unit V	Popular Fiction: Chetan Bhagat's Five Point Someone	10	
Unit VI	Bhasha Classics: Rabindranath Tagore's Ghare Baire	10	

Recommended Readings

1. Shail Andrew 'From the Cinematograph to The Pictures' in The Cinema and the Origins of Literary Modernism New York and London: Routledge 2012) pp. 1-40.
2. Fernando Solanas and Octavio Getino 'Towards a Third Cinema' in Movies and Methods: An Anthology ed. Bill Nichols (Berkeley: University of California Press 1976) pp. 44-64.
3. Laura Mulvey 'Afterthoughts on 'Visual Pleasure and Narrative Cinema' inspired by King Vidor's *Duel in the Sun* (1946)' in Visual and Other Pleasures (London: Palgrave Macmillan 1989).
4. bell hooks 'The Oppositional Gaze: Black Female Spectators' in Black Looks: Race and Representation (Boston: South End Press 1992).
5. Robert Stam 'Beyond Fidelity: The Dialogues of Adaptation' in Film Adaptation ed. James Naremore (New Brunswick NJ: Rutgers UP 2000) pp. 54-76.
6. Andre Bazin 'Adaptation or the Cinema as Digest' in Film and Literature: An Introduction and Reader ed. Timothy Corrigan pp. 57-64.

Isam

Kashish *Deep* *Shubh* *As*

7. Anna Morcom 'Tapping the Mass Market: The Commercial Life of Hindi Film Songs' in *Global Bollywood: Travels of Hindi Song and Dance* eds Sangita Gopal and Sujata Moorti (Delhi: Orient Blackswan 2010) pp. 63-84.

Suggested Continuous Evaluation Methods: Since the class is conceived as learner-centric and built around tasks that require learners to actively use various language skills, formative assessment can and should be used extensively. The end-semester written examination will test all the areas targeted in the course.

Course prerequisites: To study this course, a student must have had the subject English class/12th/certificate/diploma

Suggested equivalent online courses: On Swayam, Vidyamitra.inflibnet.ac.in, literature-study-online.com, epg-pathshala, egyankosh.ac.in

BACHELOR OF ARTS		
Programme: <i>Bachelor of Arts</i>		Year: III Semester: V Paper-II
Subject: English		
Course Code: UGENG-CC302	Course Title: Partition Literature	
Course Outcomes: The course aims to understand contending interpretation of partition history. The students will be reading a variety of different historical interpretation of partition.		
Credits: 5		Core Compulsory
Max. Marks:		Min. Passing Marks: As per Univ. rule
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0		
Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	Characteristics of Partition Literature: Violence, Dislocation, Trauma, Memory, History, Narrative, Regeneration.	15
Unit II	Fiction: Khushwant Singh: Train to Pakistan	15
Unit III	Short story: Sadat Hasan Manto: Toba Tek Singh I, Ismat Chughtai: Roots.	15
Unit IV	Non Fiction: Urvashi Butalia: The Other Side of Silence: Voices from the Partition of India (Chapter 2: Blood)	10
Unit V	Bapsi Sidhwa: Ice Candy Man	10
Unit VI	Jyotirmoyee Devi: The River Churning	10

Recommended Readings:

1. Ritu Menon and Kamla Bhasin, 'Introduction', in *Borders and Boundaries* (New Delhi: Kali for Women, 1998).
2. Sukrita P. Kumar, *Narrating Partition* (Delhi: Indialog, 2004).
3. Urvashi Butalia, *The Other Side of Silence: Voices from the Partition of India* (Delhi: Kali for Women, 2000).
4. Sigmund Freud, 'Mourning and Melancholia', in *The Complete Psychological Works of Sigmund Freud*, tr. James Strachey (London: Hogarth Press, 1953) pp. 3041-53.

Suggested Continuous Evaluation Methods: Since the class is conceived as learner-centric and built around tasks that

[Handwritten signatures]

require learners to actively use various language skills, formative assessment can and should be used extensively. end-semester written examination will test all the areas targeted in the course.

Course prerequisites: To study this course, a student must have had the subject English class/12th/certificate/diploma

Suggested equivalent online courses: On Swayam, Vidyamitra.inflibnet.ac.in, literature-study-online.com, epg-pathshala, egyankosh.ac.in

Programme: Degree		Year: III	Semester: V
Subject: English			
CourseCode: UGENGRP-303		Course Title: Research Project: An Introduction	
Course Outcomes: <ul style="list-style-type: none">• Understand the importance of research and research methodology.• Learn how to conduct research projects.• Learn to prepare research project.			
Credits: 4			Major (Compulsory)
Max. Marks:			Min. Passing Marks: As per Univ. rule
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0			
Unit	Topic		No. of Lectures
Unit I	Meaning, Types and Significance of Research, Literature Review, Formulation of Research design, Research Problem, Objectives, Hypothesis, Research materials and Methods, Abstract Writing, Keywords and References.		60

BACHELOR OF ARTS				
Programme: <i>Bachelor of Arts</i>			Year: III	Semester: VI Paper-I
Subject: English				
CourseCode: UGENG-CC304		Course Title: Regional Literature with Special Reference to Literature of Uttarakhand		
Course Outcomes: After completing this course, the students will be able to: <ul style="list-style-type: none">• To study the language and literature of Kumauni and Garhwali region.• These texts would be read closely to develop understanding of the key concepts and themes of Regional literature.				
Credits: 5			Core Compulsory	
Max. Marks:			Min. Passing Marks: As per Univ.	

Shan Koshi

		rule
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0		
Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	Chatak Tales: To be good or bad, The Buffalo Man	15
Unit II	Manglesh Dabral: Torchlight	10
Unit III	Leeladhar Jagudi: The Delivery of a Bird, The Inland Letter	15
Unit IV	Ruskin Bond: Rusty, The Boy from the Hills	10
Unit V	Mrinal Pande: Girls	10
Unit VI	Namita Gokhale: Things to Leave Behind	15

Suggested Continuous Evaluation Methods: Since the class is conceived as learner-centric and built around tasks that require learners to actively use various language skills, formative assessment can and should be used extensively. The end-semester written examination will test all the areas targeted in the course.

Course prerequisites: To study this course, a student must have had the subject English class/12th/certificate/diploma

Suggested equivalent online courses: On Swayam, Vidyamitra.inflibnet.ac.in, literature-study-online.com, epg-pathshala, egyankosh.ac.in

BACHELOR OF ARTS				
Programme: <i>Bachelor of Arts</i>			Year: III	Semester: VI Paper-II
Subject: English				
Course Code: UGENG-CC305		Course Title: Indian and New Literatures in English		
Course Outcomes:				
<ul style="list-style-type: none">• After completing this course, the students will be able to:• Develop an understanding of the themes, styles and poetic sensibilities of poets like Toru Dutt, Nissim Ezekiel, Jayanta Mahapatra and Keki N. Daruwala.• Critically analyse drama as a medium of exploration of existing social issues and prejudices through the works of Girish Karnad.• Critically analyse texts from a Postcolonial perspective.• Familiarize themselves with the similar (yet different) socio-historic conditions reflected in the literature of the various colonies.• Comprehend how 'New Literatures' incorporates very different literary products, each with its own cultural, social and geographical specificity.• Comprehend and analyse the poetic discourses of poets like Pablo Neruda, Margaret Atwood, and Dennis Brutus and the variations in their themes and styles.• Comprehend the issues of identity, diaspora and marginalization as explored in the texts prescribed.• Develop an understanding of Postcolonialism and recognise the strategies deployed by Postcolonial writers to resist cultural oppression.				
Credits: 5			Core Compulsory	
Max. Marks:			Min. Passing Marks: As per Univ. rule	
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0				

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	Toru Dutt: "Sita" Nissim Ezekiel: "Background Casually" Jayanta Mahapatra: "Hunger" Keki N. Daruwala: "Mother" Kamala Das: The Stone Age	20
Unit II	Pablo Neruda: "If You Forget Me" Margaret Atwood: "Spellings" Dennis Brutus: "Cold"	15
Unit III	Girish Karnad: "Tughlaq"	15
Unit IV	Mahatma Gandhi: Hind Swaraj	10
Unit V	Frantz Fanon: "Black Skin, White Masks" (Chapter 4)	05
Unit VI	Chinua Achebe: "Things Fall Apart"	10

Suggested Continuous Evaluation Methods: Since the class is conceived as learner-centric and built around tasks that require learners to actively use various language skills, formative assessment can and should be used extensively. The end-semester written examination will test all the areas targeted in the course.

Course prerequisites: To study this course, a student must have had the subject English class/12th/certificate/diploma

Suggested equivalent online courses: On Swayam, Vidyamitra.inflibnet.ac.in, literature-study-online.com, epg-pathshala, egyptankosh.ac.in

Programme: Degree		Year: III	Semester: VI
Subject: English			
Course Code: UGENGRP-306		Course Title: Preparing a Research Proposal	
Course Outcomes: Learn how to conduct research projects. Learn to prepare research paper. Learn to prepare research project.			
Credits: 4			Major (Compulsory)
Max. Marks:			Min. Passing Marks: As per Univ. rule
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0			
Unit	Topic		No. of Lectures
Unit I	Preparing Research Projects on Translation Studies, Gender Studies, Novels and their Film Adaptation, Ecocriticism, Cultural Studies.		60

परीक्षा प्रणाली

श्री देव सुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय परिसर, ऋषिकेश में दिनांक 10 अगस्त 2022 को कला संकाय की अध्यापन समिति (Board of Studies) में लिए गए निर्णय के क्रम में श्री देव सुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय में संचालित स्नातक पाठ्यक्रमों के निम्न विषयों -

हिन्दी ,
अंग्रेजी ,
संस्कृत,
इतिहास ,
गृह विज्ञान ,
भूगोल,
राजनीति विज्ञान ,
समाज शास्त्र,
अर्थशास्त्र ,
शिक्षा शास्त्र ,
शारीरिक शिक्षा ,
संगीत ,
चित्रकला ,
मानव शास्त्र ,
मनोविज्ञान ,
दर्शन शास्त्र तथा
सैन्य विज्ञान विषयों के स्नातक कक्षाओं के सेमेस्टर परीक्षा 2022-23 हेतु पारित निर्णय निम्नवत हैं :

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत प्रवर्तित पाठ्यक्रमों के प्रत्येक सेमेस्टर में प्रत्येक लिखित प्रश्न पत्र तीन घंटों का होगा तथा प्रत्येक प्रश्न पत्र अधिकतम 75 अंकों का होगा । प्रत्येक प्रश्न पत्र के दो खंड होंगे - खंड अ और खंड ब । खंड अ में 8 लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 5 प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य होगा । खंड अ का प्रत्येक प्रश्न 6 अंकों का होगा । खंड ब में 5 प्रश्न दीर्घ उत्तरीय प्रकृति के होंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 3 प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य होगा । प्रत्येक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 15 अंकों का होगा ।

अध्यक्ष , अध्यापन समिति (Board of Studies)

कला संकाय, श्री देव सुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय , बादशाहीथाल

**SRIDEV SUMAN UTTARAKHAND UNIVERSITY
BADSHAITHAUL (TEHRI GARHWAL)**



U.G. SYLLABUS

ECONOMICS

FOR

**MAJOR, MINOR ELECTIVE & VOCATIONAL/SKILL
ENHANCEMENT COURSE**

SESSION-2022-23(ONWARD)

DEVELOPED BY:

DEPARTMENT OF ECONOMICS

PDT. L.M.S SRI DEV SUMAN UTTARAKHAND UNIVERSITY,

CAMPUS RISHIKESH

SRI DEV SUMAN UTTARAKHAND UNIVERSITY

BADSHAITHAUL(TEHRI GARHWAL), UTTARAKHAND

Syllabus Preparation Committee

Department of Economics

Pdt. L.M.S SRI DEV SUMAN UTTARAKHAND UNIVERSITY, CAMPUS
RISHIKESH

S.NO.	Name of faculty	Designation
1.	Dr. Pushpanjali Arya	Associate Professor & Head
2.	Dr. Ashok Kumar	Assistant Professor

Parag 10/8/2022
Mr. Maindola
10/8/2022

Board of Study: Arts Faculty

1-Prof. Dinesh Chandra Goswami- (Dean Faculty of Arts)	Chairman
2- Prof. Mukti Nath Yadav- (Head of Department -Hindi)	Member
3- Prof. Hemant Kumar Shukla – (Head of Department- English)	Member
4- Prof. Sangeeta Mishra – (Head of Department – History)	Member
5- Prof. Priti Kumari – (Head of Department – Home Science)	Member
6- Prof. Anand Prakash Singh- (Head of Department- Sociology)	Member
7- Prof. Pushpanjali Arya- (Head of Department – Economics)	Member
8- Prof. Durga Kant Prakash Chaudhary- (Head of Department- Political Science)	Member
9- Dr. Poonam Pathak- (Head of Department- Sanskrit)	Member

- | | |
|--|----------------|
| 10- Dr. Atal Bihari Tripathy-
(Head of Department- Education) | Member |
| 11- Dr. Pushkar Gaud-
(Head of department – Physical Education) | Member |
| 12- Dr. Sikha Mamgai-
(Head of Department- Music) | Member |
| 13- Prof. M.S. Mawadi-
(Department of Drawing and Fine Arts)
Kumaun University Nanital | Member |
| 14- Dr. Preeti Gupta –
Assistant Professor, Harshvidya Mandir, Raisi | Member |
| 15- Dr. Narbdesvar Shukla-
(Defence Studies – Govt. P.G. College, Doiwala) | Member |
| 16- Dr. Poonam Pandey-
(Department of Psychology- Govt. P.G. College, Doiwala) | Member |
| 17- Dr. Vandana Sharma-
(Principal – Govt. Degree College, Devprayag) | Invited Member |
| 18- Dr. Asha Devi-
(Department of Philosophy-
Govt. P.G. College, Kotdwar) | Member |
| 19- Dr. P.C. Penuli- | Member |

(Department of Anthropology-
Govt. P.G. College, New Tehri)

II- Principals of Govt. P.G. Colleges

- | | |
|---|-----------|
| 1- Prof. Janki Panwar- | Principal |
| (Govt. P.G. College, Kotdwar) | |
| 2- Prof. Lovely Rajwansi- | Principal |
| (Govt. P.G. College, Jaiharikhal) | |
| 3- Prof. K.L. Talwar- | Principal |
| (Govt. Degree College, Chakrata Dehradun) | |

III- Director Research Institute

- | | |
|---|----------|
| 1- DR. Himanshu Das- | Director |
| (National Institute for the Empowerment
of Persons with Visual Disabilities
(Divyangjan), Dehradun) | |

IV- Nominee of Honourable Vice- Chancellor


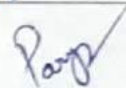

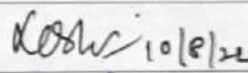
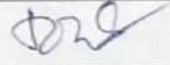
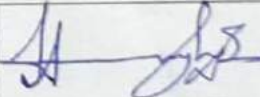
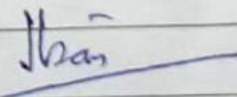
- 1-Prof. M.S.M. Negi, S.R.T. Campus Badshahithaul Tehri Garhwal
- 2- Prof. M.C. Sati, Department of Economics, H.N.B. Garhwal University,
Srinagar Garhwal
- 3-Prof. S.L. Bhatt, Retd. Principal Govt. P.G. College, Kotdwar

Sri Dev Suman Uttarakhand University

Syllabus**Economics**

Syllabus of B.A. I, II, III, IV, V, VI Semesters respectively for Sri Dev Suman Uttarakhand University (SDSUU) Badshahithoul, Tehri-Garhwal and its Affiliated Colleges w.e.f. Educational Session: 2022-23

Syllabus checked & modified by the following President/ Members of B.O.S. (Board of Studies) on Wednesday, 10.08.2022

Sr. No.	Name	Designation & Institute	Designation in BOS	Signature
A: Faculty of Arts, SDSUU, Tehri-Garhwal				
1	Prof. Dinesh Chandra Goswami	Dean, SDSUU, Tehri Garhwal Pt. L.M.S. University Campus, Rishikesh (U.K.)	President	
2	Prof. Pushpanjali Arya	H.O.D.-Department of Economics SDSUU, Tehri Garhwal, Pt. L.M.S. University Campus, Rishikesh (U.K.)	Member	
B: Three Principals of Post-Graduate Colleges				
1	Prof. Janaki Panwar	Principal Govt. P.G. College, Kotdwar (U.K.)	Member	
2	Prof. Lavani Rajvanshi	Principal Govt. P.G. College, Jaiharikhal (U.K.)	Member	
3	Prof. K.L. Talwar	Principal Govt. Degree College, Chakarata (U.K.)	Member	
C: Director of any Research Institute				
1	Dr. Himanshu Das	Director Rashtriya Drishti Badhitarth Sansthan, Dehradun (U.K.)	Member	
Sr. No.	Name	Designation & Institute	Designation in BOS	Signature
D. Two Professors & 01 External Expert nominated by honourable Vice-Chancellor				
1	Prof. M.S.M. Negi	S.R.T. Campus Badshahithoul, Tehri-Garhwal (U.K.)	Member	
2	Prof. M.C. Sati	Department of Economics HNBGU, Srinagar-Garhwal (U.K.)	Member	
3	Prof. S.L. Bhatt	Principal (Rtd.) Govt. P.G. College, Kotdwar (U.K.)	Member	

SRI DEV SUMAN UTTARAKHAND UNIVERSITY

Badshahithaul, Tehri Garhwal (Uttarakhand)

List of Members of Board of Studies

Sl. No.	Name of the Members	Designation	Nominated as
1	Prof. Dinesh Chandra Goswami	Dean of Arts	Chairman
2	Prof. Muktinath Yadav	Professor	Member
3	Prof. Hemant Kumar Shukla	Professor	Member
4	Prof. Sangeeta Mishra	Professor	Member
5	Prof. Preeti Kumari	Professor	Member
6	Prof. Anand Prakash Singh	Professor	Member
7	Prof. Pushpanjali Arya	Asso. Professor	Member
8	Prof. D K P. Choudhury	Professor	Member
9	Dr. Poonam Pathak	Professor	Member
10	Dr. Atal Bihari Tripathy	Asst. Professor	Member
11	Dr. Pushkar Gaur	Asst. Professor	Member
12	Dr. Shikha Mangai	Asst. Professor	Member
13	Prof. M. S. Mawri	Professor	Member
14	Dr. Preeti Gupta	Asst. Professor	Member
15	Dr. Narmadeshwar Shukla	Professor	Member
16	Dr. Poonam Pandey	Asst. Professor	Member
17	Dr. Vandana Sharma	Principal	Member
1	Prof. Janki Panwar	Principal	GPGC Kotdwar
2	Prof. Lovely Rajvanshi LOVNEY	Principal	GPGC, Jaiharikhal
3	Prof. K. L. Talwar	Principal	GDC, Chakrata
4	Dr. Himanshu Das	Director	NIVH, Rajpur Road
5	Prof. M. S. M. Negi	Professor	SRT Campus, HNBSU, Srinagar
6	Prof. M. C. Sati	Professor	HNBSU, Srinagar
7	Prof. S. L. Bhatt	Ex. Principal	GPGC, Kotdwar
8	Dr. P.C. Painuli	Asst. Professor	GPGC, New Tehri
9	Dr. Asha Devi	Asso. Prof.	GPGC, Kotdwar

NATIONAL EDUCATION POLICY-2020

**Common Minimum Syllabus for all
Uttarakhand State Universities and Colleges for
First Three Years of Higher Education**

PROPOSED STRUCTURE OF UG ECONOMICS SYLLABUS

2021

Curriculum Design Committee, Uttarakhand

Sr.No.	Name & Designation
1.	Prof. N.K. Joshi Vice-Chancellor , Kumaun University Nainital Chairman
2.	Prof. O.P.S. Negi Vice-Chancellor , Uttarakhand Open University Member
3.	Prof. P. P. Dhyani Vice-Chancellor , Sri Dev Suman Uttarakhand University Member
4.	Prof. N.S. Bhandari Vice-Chancellor, Soban Singh Jeena University Almora Member
5.	Prof. Surekha Dangwal Vice-Chancellor, Doon University, Dehradun Member
6.	Prof. M.S.M. Rawat Advisor, Rashtriya Uchchatar Shiksha Abhiyan, Uttarakhand Member
7.	Prof. K. D. Purohit Advisor, Rashtriya Uchchatar Shiksha Abhiyan, Uttarakhand Member

Expert Committee

Sr.No.	Name	Designation	Department	Affiliation
1.	Prof. Rajnish Pande	Head, Professor	Dept. of Economic	Kumaun University, Nainital
2.	Prof. Padam S. Bisht	Professor	Dept. of Economics	Kumaun University, Nainital
3.	Prof. Harish Joshi	Professor	Dept. of Economics	S.S.J University, Almora
4.	Prof. R.P. Mamgain	Professor	Dept. of Economics	Doon University, Dehradun
5.	Prof. Puspanjali Arya	Associate Professor	Dept. of Economics	Sri dev Suman Uttarakhand University
6.	Dr. Nandan Singh Bisht	Assistant Professor	Dept. of Economics	Kumaun University, Nainital
7.	Dr. Jitendra Kumar Lohani	Assistant Professor	Dept. of Economics	Kumaun University, Nainital
8.	Dr. Abha Agarwal (Online)	Assistant Professor	Dept. of Economics	Govt. Degree College, Syalde Kumaun University, Nainital
9.	Dr. Manisha Tewari (Online)	Assistant Professor	Dept. of Economics	S.B.S P.G. College Rudrapur, Kumaun University, Nainital
10.	Dr. Vishwanath Pandey (Online)	Assistant Professor	Dept. of Economics	H.N.B P.G College, Khatima Kumaun University, Nainital

Syllabus Preparation Committee

Sr.No.	Name	Designation	Department	Affiliation
1.	Prof. Padam S. Bisht	Professor	Dept. of Economics	Kumaun University, Nainital
2.	Dr. B.S Rawat	Associate Professor	Dept. of Economics	D.V.S College, Dehradun
3.	Prof. Rajnish Pande	Professor	Dept. of Economics	Kumaun University, Nainital
4.	Prof. R.P. Mamgain	Professor	Dept. of Economics	Doon University, Dehradun
5.	Dr Raj Laxmi Dutta	Assistant Professor	Dept. of Economics	D.V.S College, Dehradun
6.	Dr. Madhu Bisht	Assistant Professor	Dept. of Economics	Doon University, Dehradun
7.	Dr. Shikha Ahmed	Assistant Professor	Dept. of Economics	Sri Gruru Govind Ram rai College
8.	Dr. Nandan Singh Bisht	Assistant Professor	Dept. of Economics	Kumaun University, Nainital
9.	Dr. Jitendra Kumar Lohani	Assistant Professor (Contract)	Dept. of Economics	Kumaun University, Nainital

List of all Papers in Six Semester Semester-wise Titles of the Papers in Economics						
Year	Sem.	Course Code		Theory/ Practical	Credits	
Certificate Course in Fundamentals of Economics						
FIRST YEAR	I	ECOMJ101	Fundamentals in Microeconomics	Theory	6 Credits	
	II	ECOMJ201	Fundamentals in Macroeconomics	Theory	6 Credits	
Diploma in Economics						
SECOND YEAR	III	ECOMJ301	Basics of Public Finance	Theory	6 Credits	
	IV	ECOMJ401	Money, Banking & International Trade	Theory	6 Credits	
Bachelor of Economics						
THIRD YEAR	V	ECOMJ501	1. Indian Economy	Theory	5 Credits	
		ECOMJE501 ECOMJE502 ECOMJE503 ECOMJE504	2. Optional Paper - Select any one of the following - (2a). Basics of Labour Economics (2b). Basics of Agriculture Economics (2c). Basics of Demography (2d). Basics of Quantitative Techniques in Economics	Theory	5 Credits	
		ECORP501	3. Field Survey	Project	4 Credits	
	VI	ECOMJ601	1. Economics of Growth & Development	Theory	5 Credits	
		ECOMJE601 ECOMJE602 ECOMJE603 ECOMJE604	2. Optional Paper - Select any one of the following - (2a). History of Economic Thought (2b).Basics of Industrial Economics (2c).Economy of Uttarakhand 2(d) Basics of Computer Application in Economics	Theory	5 Credits	
		ECORP601	3. Research Project	Project	4 Credits	

Abbreviations :-

ECOMJ	-	Economics Major Core
ECOMJE	-	Economics Major Elective
ECORP	-	Economics Research Project
ECOMIE	-	Economics Minor Elective

desu · *Pam*

Has *DES* *at* *As*
Maundale

COURSE INTRODUCTION

The Course is designed for the students to pursue graduation with Economics in regular mode. The programme aims to inculcate economic thinking in students and help them in economic decision making. It aims to develop analytical view point in the students about the economic behavior of the people. The objective is to nurture the students as socially responsible and ethically aware citizens. The under graduate programme will have 10 courses in 6 Semesters in 3 years. Keeping in the spirit of the New Education Policy 2020 to introduce research at the graduation level **Field Survey** in Fifth Semester & **Research Project** in Sixth Semester is introduced in this course.

Programme Outcomes (Pos) :	
PO 1	Economics subject enables the learners to build up a professional carrier as economists, financial advisors, economics planners and policy makers. It prepares them to cope up with the stress and strain involved in the process of economic development.

Programme Specific Outcomes (PSOs) : UG I Year / Certificate Course in Fundamentals of Economics	
PSO1	To understand the basic concepts of Microeconomics
PSO2	To understand the basic concepts of Macroeconomics

Programme Specific Outcomes (PSOs) : UG II Year / Diploma in Economics	
PSO1	To understand the basic concepts of Public Revenue, Public Debt, Public Expenditure etc.
PSO2	To understand the basic concepts of Money, Banking & International Trade.
PSO3	To understand different monetary standards, central banking system etc.

Programme Specific Outcomes (PSOs) : UG III Year / Bachelor of Economics	
PSO 1	To understand the basic concept of Indian Economy.
PSO2	To understand the concept of Basic Labour Economics
PSO3	To understand the basics of Agricultural Economics.
PSO4	To understand the basics of Demography.
PSO5	To understand the basic concept of Quantitative Techniques that are used in economic analysis.
PSO6	To understand the basic concepts of Theory of Economic Growth & development.
PSO7	To understand about the Economic thinkers and their economic thoughts.
PSO8	To understand the basic concepts of Industrial Economy.
PSO9	To Understand the Economy of Uttarakhand.
PSO10	To understand the basic Computer Application in Economics.

Kishu

Page 6 of 44

Pap

Shan

MS. Indole

Certificate Course in Fundamentals of Economics

B.A.-I Year	SEM 1	Fundamentals in Micro Economics	[6 CREDITS]
	SEM 2	Fundamentals in Macro Economics	[6 CREDITS]

Kashy

Paye

Shin

Mandole

Certificate Course in Fundamentals of Economics		
Programme : Certificate Course in Fundamentals of Economics	Year 1	Semester 1 Paper I
Subject : Economics		
Course Code : ECOMJ101	Course Title : Basics of Microeconomics	
Course Outcomes: The course will help in:		
<ul style="list-style-type: none">• Study of micro economics enables the students to have an understanding of theoretical aspects of the subject.• Students are able to understand and define the basic concepts like consumer behavior, production, demand and supply etc.• Students will learn about the price and output determination of the firm and industry under different market forms. They also learn about the Welfare concept in modern Economics.		
Credits : 6 Credits	Core Compulsory	
Max. Marks :75	Min. Passing Marks: 25	
Total No. of Lectures – Practical (in hours per week) : 4-0-0		
Unit	Topic	No. of Lectures
I	Definition, Nature, Scope and Methods of Micro Economics. Equilibrium: Partial and General, Static and Dynamic.	16
II	Theory of Demand: Utility Analysis of Demand. (Cardinal & Ordinal Approach) Indifference Curve Analysis. Consumer's Equilibrium. Giffen Goods. Concept and Calculation of Elasticity of Demand & Consumer's Surplus.	18
III	Theory of Production: Returns to a Variable Factor. Production Possibility Curve. Production Function: Isoquants, Fixed Proportions and Variable Proportions Production Functions, Returns to Scale. Concept and Calculation of Total, average and marginal cost. Concept and Calculation of Revenue Curves - Total, Average and Marginal.	20
IV	Market Structures and Price Determination. Equilibrium of the Firm. Perfect Competition. Monopoly & Monopolistic Competition.	18
V	Theory of Factor Pricing: Marginal Productivity theory of Distribution. Modern Theories of Wage, Rent, Interest & Profit.	18

Handwritten signature

Page 8 of 47

Handwritten signature

Handwritten signature

Handwritten signature

Handwritten signature

Handwritten signature

Suggested Reading:

1. Ahuja, H.L., Advanced Economic Theory, S. Chand & Co., New Delhi.
2. Koutsoyiannis, A., Modern Microeconomics, Macmillan, London.
3. Roy Choudhary, K., Modern Micro Economics, Theory and Application, Vols. I, II & III, Dominant Publishers and Distributors, New Delhi.
4. Lipsey, R.G., Introduction to Positive Economics, ELBS, London.
5. Baumol, W., Economic Theory and Operations Analysis, Prentice Hall of India, New Delhi.
6. Weintraub, E.R., General Equilibrium Theory, Macmillan, London.
7. Da Costa, G.C., Production, Prices and Distribution, Tata McGraw Hill, New Delhi.
8. Henderson, J.M. and R.E. Quandt, Microeconomic Theory: A Mathematical Analysis, McGraw Hill, Singapore.
9. Mishan, E.J., Welfare Economics: An Assessment, North Holland, Amsterdam.
10. एम० एल० झिंगन, उच्चआर्थिकसिद्धान्त, वृन्दापब्लिकेशन, नईदिल्ली।
11. आहूजा, एच० एल०, उच्चतरआर्थिकसिद्धान्त, एस० चॉद, नईदिल्ली

Suggested online link:

www.ignou

www.swayam

www.inflibnet

This course can be opted as an elective by the students of following subjects: The course can be opted by those students who have cleared there 10+2 or Equivalent examination.

Suggested Continuous Evaluation (25 Marks): The suggested continuous evaluation will have the following criteria –

[Assignment (10 Marks) + Assignment Presentation (10 Marks) + Attendance (5 Marks)]

Course Prerequisites: Must have basic knowledge of economics.

Keshu

Parg

Shan

DRS

Page 9 of 44

Teindale

Certificate Course in Fundamentals of Economics		
Programme : Certificate Course in Fundamentals of Economics	Year 1	Semester 2 Paper I
Subject : Economics		
Course Code : ECOMJ201	Course Title : Basics of Macroeconomics	
Course Outcomes:		
<ul style="list-style-type: none">Students learn about macroeconomics and different theories regarding the determination of income and employment by different economists.They learn about the consumption and investment functions. And also, about the functioning of multiplier process.Students learn about money and banking and become able to know about the theories of inflation and Unemployment etc.		
Credits : 6 Credits	Core Compulsory	
Max. Marks :75	Min. Passing Marks: 25	
Total No. of Lectures – Practical (in hours per week) : 4-0-0		
Unit	Topics	No. of Lectures
I	Macro-economics: Meaning, Nature, Scope, Importance and Limitations. Types of Macro Economics – Macro-Statics and Macro - Dynamics.	16
II	National Income Concept : Gross Domestic Product (GDP), Net Domestic Product (NDP), Gross National Product (GNP), Net National Product (NNP), Personal Income (PI), Disposable Income (DI). Measures of National Income: Product Method, Income Method, Expenditure Method & Mixed Method.	20
III	Classical Approach to Employment: Classical Theory of Employment, Say's Law of Market, Pigou's Wage Cut Theory of Employment. Unemployment – Types and Causes.	18
IV	Keynesian Economics: Theory of Employment, Aggregate Demand and Aggregate Supply. Concept of Effective Demand. Multiplier – Investment Multiplier..	16
V	Consumption, Saving and Investment Function: Average and Marginal Propensity to Consume, Average and Marginal Propensity to Save, Marginal Efficiency of Capital, Autonomous Investment and Induced Investment.	20

Suggested Readings :

1. Ackley, G., Macroeconomics: Theory and Policy, Macmillan, New Y
2. Dornbusch, R. and F. Stanley, Macroeconomics, Mc Graw Hill, New York.
3. Jha, R., Contemporary Macroeconomic Theory and Policy, Wiley Eastern, New Delhi.

4. Vaish, M.C., Macroeconomic Theory, Vikas, New Delhi.
5. Romer, D.L., Advanced Macroeconomics, Mc Graw Hill, New York.
6. Gupta, S.B., Monetary Planning in India, OUP, New Delhi.
7. Reddy, Y.V., A Review of Monetary and Financial Sector Reforms in India, UBSPD, New Delhi.
8. Frisch, H., Theories of Inflation, Cambridge University Press.
9. Rakshit, M., Studies in the Macroeconomics of Developing Countries, OUP, New Delhi.
10. Vasudevan, A., Central Banking for Emerging Market Economies, Academic Foundation, New Delhi.
11. Rana K.C. and K.N. Verma, Macro Economic Analysis, Vishal Publishing Co., Jalandhar.
12. एम० एल० शिंगन, समष्टिअर्थशास्त्र, वृन्दापब्लिकेशन, नईदिल्ली।
13. एच० एल० आहूजा, उच्चतरसमष्टिअर्थशास्त्र, एस० चॉंद, नईदिल्ली।

Suggested online link :

www.ignou
www.swavam
www.inflibnet

This course can be opted as an elective by the students of following subjects: The course can be opted by those students who have cleared there 10+2 or Equivalent examination.

Suggested Continuous Evaluation (25 Marks): The suggested continuous evaluation will have the following criteria –

[Assignment (10 Marks) + Assignment Presentation (10 Marks) + Attendance (5 Marks)]

Course Prerequisites: Must have basic knowledge of economics.

Keshu

Apk. Laidale

Pap

Diploma in Economics

B.A.-I Year	SEM 1	<i>Fundamentals in Micro Economics</i>	[6 CREDITS]
	SEM 2	<i>Fundamentals in Macro Economics</i>	[6 CREDITS]
B.A.-II Year	SEM 3	<i>Basics of Public Finance</i>	[6 CREDITS]
	SEM 4	<i>Money Banking & International Trade</i>	[6 CREDITS]

Kash

*XK
Taindola*

Pam

Page 12 of 44

DS *SH* *JS*

12. आहूजा, एच० एल०, उच्चतरआर्थिकसिद्धान्त, एस० चौद, नईदिल्ली।
13. के० पी० जैन एवं के० एल० गुप्ता, मैक्रोअर्थशास्त्र एवंराजस्व, नवयुगसाहित्य
सदन, आगरा।
14. एस० के० सिंह, लोकवित्त, साहित्य भवनआगरा।

Suggested online link :

www.ignou

www.swayam

www.inflibnet

This course can be opted as an elective by the students of following subjects: The course can be opted by those students who have cleared their **Certificate Course in Fundamentals of Economics**.

Suggested Continuous Evaluation (25 Marks): The suggested continuous evaluation will have the following criteria –

[Assignment (10 Marks) + Assignment Presentation (10 Marks) + Attendance (5 Marks)]

Course Prerequisites: Must have cleared **Certificate Course in Fundamentals of Economics**.

Kashyap

A. C. Teendale

Page 14 of 44
RS *JS*

Pam

Diploma in Economics		
Programme : Diploma in Economics		Year 2
		Semester 4 Paper I
Subject: Economics		
Course Code: ECOMJ401	Course Title: Money, Banking & International Trade	
Course Outcomes:		
1. The students will understand the concept of money and banking.		
2. The students will learn Indian monetary system and its working.		
Credits : 6 Credits		Core Compulsory
Max. Marks :75		Min. Passing Marks: 25
Total No. of Lectures – Practical (in hours per week) : 4-0-0		
Unit	Topics	No. of Lectures
I	Nature, Functions, Significance and Classification of Money. Role of Money in Capitalist, Socialist and Mixed Economies.	15
II	Supply and Demand for Money. Fisher's Quantity Theory of Money. Income Theory of Money. Inflation and Deflation – Definition, Types, Causes and Effects on Different Sectors.	18
III	Commercial Banking: Meaning, Functions& types of commercial banks. Central Banking: Meaning, Functions and methods of credit control. Role and Functions of the Reserve Bank of India.	20
IV	Nature, Scope and Importance of International Trade. Inter-regional and International Trade. Theories of International Trade: Theory of Absolute Advantage, Theory of Comparative Advantage. Modern Theory of Trade : Heckscher Ohlin Theory.	19
V	Balance of Payments and Balance of Trade. Disequilibrium in the Balance of Payments: Causes and Correction. Rate of Exchange: Fixed vs. Flexible Exchange Rates. Free Trade vs. Protection.	18

Suggested Reading :-

1. Ackley, G. : Macroeconomics: Theory and Policy.
2. Kindleberger, C.P. : International Economics.
3. Sodersten, Bo : International Economics.
4. K.M.P. Sumdharam, : Money, Banking and International Trade, Sultan Chand, New Delhi.
5. Sethi, T. T., Money, Banking & International Trade, S chand, New Delhi.
6. Jalal, R. S., N. S. Bisht, Emerging Dimensions of Global Trade: Discussions on Trade Related Policies, Sarup & Sons, New Delhi
7. Jalal, R. S., Trade Policy and Global Participation: Indian Experience, Sarup & Sons, New Delhi
8. डिग्न, एम. एल., अन्तर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र, वृन्दावनपब्लिकेशन, नईदिल्ली
9. अग्रवाल एवंबरला, अन्तर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र

10 सेठी, टी.टी., मुद्राबैंकिंग एवं अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, आगरा
11 सिंघई, जी.सी., एवं जे. पी. मिश्रा, मुद्राबैंकिंग एवं अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार, साहित्य भवन प्रकाशकेशनस, आगरा

Suggested online link :

www.ignou

www.swayam

www.inflibnet

This course can be opted as an elective by the students of following subjects: The course can be opted by those students who have cleared their **Certificate Course in Fundamentals of Economics**.

Suggested Continuous Evaluation (25 Marks): The suggested continuous evaluation will have the following criteria –

[Assignment (10 Marks) + Assignment Presentation (10 Marks) + Attendance (5 Marks)]

Course Prerequisites: Must have cleared **Certificate Course in Fundamentals of Economics**.

[Handwritten signature]

Me
Coindaly

Page 16 of 47

[Handwritten signatures]
Page

Bachelor in Economics

B.A.-I Year	SEM 1	Fundamentals in Micro Economics	[6 CREDITS]
	SEM 2	Fundamentals in Macro Economics	[6 CREDITS]
B.A.-II Year	SEM 3	Basics of Public Finance	[6 CREDITS]
	SEM 4	Money Banking & International Trade	[6 CREDITS]
B.A.-III Year	SEM 5	1. Indian Economy [Compulsory]	[5 CREDITS]
		2. Optional Paper Select any one of the following: - (2a.) Basics of Labour Economics (2b.) Basic Quantitative Techniques in Economics (2c.) Basics of Agricultural Economics (2d.) Basics of Demography	[5 CREDITS]
		3. Field Survey	[4 CREDITS]
	SEM 6	1. Economics of Growth & Development	[5 CREDITS]
		2. Optional Paper Select any one of the following: - (2a.) History of Economic Thought (2b.) Economy of Uttarakhand (2c.) Basics of Industrial Economics (2d.) Basic Computer Application in Economics	[5 CREDITS]
		3. Research Project	[4 CREDITS]

Kor

Payz

Teindola

Payz

Bachelor in Economics		
Programme : Bachelor in Economics	Year 3	Semester 5 Paper I
Subject : Economics		
Course Code : ECOMJ501	Course Title : Indian Economy	
Course Outcomes: 1. The students will come to know the Features of Indian Economy. 2. The students will Learn Agriculture, Industrial and Service Sectors of the economy. 3. The students will get familiar with various Poverty Alleviation and Employment Generation Schemes.		
Credits :5 Credits	Core Compulsory	
Max. Marks :75	Min. Passing Marks: 25	
Total No. of Lectures – Practical (in hours per week) : 4-0-0		
Unit	Topics	No. of Lectures
I	Indian Economy – Nature, structure and Features. Natural Resources – Land, water, Forest and Minerals. Infrastructure – Importance and its development in India.	13
II	Demographic Profile of Indian Economy –Population composition and main characteristics of Indian population according to current census, Problems of Population and New Population Policy in India.	13
III	Agricultural structure in India – Importance & Nature. Agricultural Holdings and Land Reforms. Green Revolution. Agricultural Rural Labour. Agricultural Finance and Marketing. Agriculture Policy.	15
IV	Industry- Growth & Problems of Heavy, Medium, Small & Cottage Industries in India since globalisation. Industrial Finance. Make in India and SKILL Development Programme, Digital India, Jan Dhan Yojna. New Industrial Policy.	16
V	Nature and Estimation of Unemployment in India, Causes, types and remedies of Unemployment. Concept of Poverty, Mahatma Gandhi National Rural Employment Guarantee Scheme (MGNREGA).DeenDayalUpoadhyaya National Rural Livelihood Mission (DDU-NRLM)	18

Suggested Reading:

1. Agrawal, A.N. : Indian Economy, WishwaPrakashan, New age International (P) Limited, New Delhi.
2. Misra, S. K. & V. K. Puri : Indian Economy.
3. RuddarDatt & K. M. P. Sundharam: Indian Economy, S. Chand, New Delhi.
4. Bimal Jalan : Problems of Indian Economy.

Kosh

Me Laidole

Pam

Pam

5. R.S.Jalal, "RURAL DEVELOPMENT IN INDIA : ISSUES AND POLICY" (Vol. I & II), Anmol Publication, New Delhi
6. Parekh, K.S.: India Development Report.
7. Dutt, R. (ed.): Second Generation Economic Reforms in India.
- 8^o रूद्रदत्त एवं के० एम० पी० सुन्दरम, भारतीय अर्थव्यवस्था, एस० चौद, नईदिल्ली।
- 9 मिश्रा एवंपुरी, भारतीय भारतीय अर्थव्यवस्था, हिमालयापब्लिकेशन, दिल्ली।

Suggested online link :

www.ignou

www.swayam

www.inflibnet

This course can be opted as an elective by the students of following subjects: The course can be opted by those students who have cleared their Diploma in Economics.

Suggested Continuous Evaluation (25 Marks): The suggested continuous evaluation will have the following criteria –

[Assignment (10 Marks) + Assignment Presentation (10 Marks) + Attendance (5 Marks)]

Course Prerequisites: Must have cleared Diploma in Economics.

Kosha . Parn

Mr. Cuindola

Page 19 of 47

BSB H JH

Bachelor in Economics		
Programme : Bachelor in Economics	Year 3	Semester 5 Paper II(a)
Subject : Economics		
Course Code : ECOMJE501	Course Title : Basics of Labour Economics	
Course Outcomes : 1. The students will learn the importance of labour economics. 2. The students will get familiar with characteristics of Industrial labour. 3. The students will come to know about labour legislation and labour unions. 4. The students will learn Social Security and Labour Welfare measures for labours.		
Credits : 5 Credits	Core Compulsory Elective	
Max. Marks :75	Min. Passing Marks: 25	
Total No. of Lectures – Practical (in hours per week) : 4-0-0		
Unit	Topics	No. of Lectures
I	Meaning & Importance of Labour Economics. Characterstics of Indian Industrial Labour Market. Migratory Character. Absentism, Labour Turnover. Unemployment – Causes, Types and Remedies., Recruitment of Industrial Labour : Through intermediately, Direct & Contract.	16
II	Types of Wage Determining Theory - Classical & Modern. Various Concept of Wages – Minimum Wage, Fair Wage and Living Wage. Organised and Unorganised Labour, Rural Labour, Agricultural labour.	15
III	Labour Union – Meaning, Importance and Functions of Labour Unions, Methods of Settlement of Industrial Disputes - Preventive Measure & Settlement Measures.	15
IV	Labour Legislation in India- Factory Act 1948, Indian Labour Laws - Mines & Plantation.	13
V	State and Social Security of Labour – Concept of Social Security - Social Assistance and Social Insurance, Social Security in India, Labour Welfare in India, Causes & Problems of Child & Women labour in India.	16

Suggested Reading:

1. Allen, V.L.: Power in Trade Unions.
2. Beveridge, W.H.: Social Security Plan.
3. Chamberlain, N.W.: Collective Bargaining.
4. Clow, A. G.: Indian Factory Legislation.
5. Das, N.: Unemployment and Full Employment in India.
6. Deshpande, L.K. Brahmmananda P. R. (Ed.) : Employment Policy in a Developing Economy.
7. Deshpande, D. K. and Sandesara, J.C. (Ed.) : Wage Policy and Wage Determination in India.

Kosh

Me. Leundale

Isa

Paye

8. Dobb, M. : Wages.
9. Gilman, N.P. : Profit Sharing Between Employer and Employee.
10. Gadgil, D.R. : Women Workers in India.
11. Hicks, J.R. : Theory of Wages.
12. Giri, V.V. : Labour Problems in Indian Industry.
13. Joshi, N.N. : Trade Union movement in India.
14. Kaul, N.N. : India and the I.L.O..
15. Kether, D.P. : India's Labour Welfare.
16. Mukerjee, R.K. : The Indian Working Class.
17. Mukerjee, P.K. : Labour Legislation in India.
18. टी० एन० भगोलीवाल, श्रम अर्थशास्त्र एवं औद्योगिक संरक्षण।
19. Memoria, C.B. : Labour Problems and Social Welfare in India. (हिन्दी रूपान्तर)

Suggested online link :

www.ignou

www.swayam

www.inflibnet

This course can be opted as an elective by the students of following subjects: The course can be opted by those students who have cleared their Diploma in Economics.

Suggested Continuous Evaluation (25 Marks): The suggested continuous evaluation will have the following criteria –

[Assignment (10 Marks) + Assignment Presentation (10 Marks) + Attendance (5 Marks)]

Course Prerequisites: Must have cleared Diploma in Economics.

Koshy

*Mei
Lundola*

Shan

Pay

038

Page 21 of 44

Shan

Bachelor in Economics		
Programme : Bachelor in Economics		Year 3 Semester 5 Paper II(b)
Subject : Economics		
Course Code : ECOMJE502	Course Title : Basics of Agriculture Economics	
Course Outcomes:		
1. The student will come to know the basics of agriculture and rural economics.		
2. The student will get familiar with land distribution and agriculture production.		
3. The student will learn the diversification in agriculture and about agriculture finance.		
Credits : 5 Credits		Core Compulsory Elective
Max. Marks :75		Min. Passing Marks: 25
Total No. of Lectures – Practical (in hours per week) : 4-0-0		
Unit	Topics	No. of Lectures
I	Nature , scope and types of Agricultural Economics : Sustainable, organic, agro forestry. Role of Agriculture in development of Economy. Recent Trends in Agricultural Growth in India.	15
II	Land Distribution – Structure and Trends. Land Tenures Land Reforms in India during post independence period. Rural Labour Supply. Agricultural Wages in India.	15
III	Agricultural Production – Resource Use and Efficiency. Demand and Supply and Allocation of Basic Inputs- Labour, Land, Livestock Energy, Machinery and Equipment. Emerging Trends in Agricultural Technology.	15
IV	Diversification of Agriculture : Agriculture and Allied Activities. Revolutions in Agriculture - Green Revolution, White Revolution. Blue Revolution. Role of Women in Agriculture.	15
V	Agricultural Finance in India - Institutional and Non-institutional Sources. Rural Credit – Cooperatives, Regional Rural Banks. Role of NABARD. Agricultural Market Structure and Imperfections. Food Security in India. Public Distribution System.	15

Suggested Reading:

1. Heady, E.O. : (ed.) Economic Development of Agriculture.
2. Snodgrass, Milton M. and L.T. Wallace : Agricultural Economic and Resource Management, Prentice Hall of India Pvt. Ltd., 1977.
3. Eicher, Earl and Lawrence Witt (ed.): Agriculture in Economic Development: Vora Co. Pub. Pvt. Ltd. 1970.
4. Shah, C.H. and C.N. Vakil (ed.) : Agriculture Development of India : Policy and Problems, Orient Longman, 1979.
5. Southworth N. and A. Johnston : Agriculture Development and Economic Growth, Cornell University Press.
6. एस० बी० गुप्ता, कृषिअर्थशास्त्र, एस० बी० पी० डी० पब्लिकेशन आगारा।
7. Chaudhari, Pramit : Selected Readings in Indian Agriculture.
8. Govt. of India : Report of the National Commission on Agriculture.

9. R.S.Jalal, "RURAL DEVELOPMENT IN INDIA : ISSUES AND POLICY" (Vol. I & II), Anmol
10. Publication, New Delhi
11. Rao. H.H. : Technological Change and Distribution of Gains.
12. Rudra, Ashok : Indian Agricultural Economics : Myths and realities, Allied Pub., New Delhi, 1982.
13. Mitra, A : Terms of Trade and Class Relations.
14. Schultz, T.W. : Economic Crisis in World Agriculture.
15. Schultz, T.W. : Transforming Traditional Agriculture
16. Govt. of India: Five year Plans (Documents)

Suggested online link :

www.ignou

www.swayam

www.inflibnet

This course can be opted as an elective by the students of following subjects: The course can be opted by those students who have cleared their **Diploma in Economics**.

Suggested Continuous Evaluation (25 Marks): The suggested continuous evaluation will have the following criteria –

[Assignment (10 Marks) + Assignment Presentation (10 Marks) + Attendance (5 Marks)]

Course Prerequisites: Must have cleared Diploma in Economics.

[Handwritten signature]

[Handwritten signature: Meera Candola]

[Handwritten signature: Prabhat]
[Handwritten signature: Pannu]

[Handwritten signature]

Bachelor in Economics		
Programme : Bachelor in Economics	Year 3	Semester 5 Paper II(c)
Subject : Economics		
Course Code: ECOMJE503	Course Title: Basics of Demography	
Course Outcomes:		
1. The students will come to know population growth and economic development.		
2. The students will come to know about migration and its features.		
3. The students will be able to understand the concept of demographical development of India,		
Credits : 5 Credits	Core Compulsory Elective	
Max. Marks :75	Min. Passing Marks: 25	
Total No. of Lectures – Practical (in hours per week) : 4-0-0		
Unit	Topics	No. of Lectures
I	Meaning ,Scope& importance of Demography. Theories of Population: Malthusian Theory, Optimum Theory& Theory of Demographic Transition.	15
II	Fertility & Mortality Statistics :Crude Birth Rate (CBR), Maternal Age, Death Rate, Sex Ratio, Life Expectancy, Infant Mortality Rate (IMR), Fertility Rate. Child Health in India. Temporal and Spatial Variation in Sex Ratios. Methods of Population Projection.	18
III	Migration : Meaning, Types and Measurement. Causes and Effects of Internal and International migrations. Urbanisation - Causes and effects.	12
IV	Population Growth and Economic Development. Qualitative Control of Population. Human Development Index (HDI), Gender Development Index (GDI). Effects of Population Growth in Indian economy.	15
V	Sources of Demographic Data in India. Population Census in India – Nature, Methods, Problems and Defects. Salient Features of current Population Census. Family Planning Programmes in India.	15

Suggested Reading:

1. Agarwal, U.D.: Population Projections and Their Accuracy, B.R.Publishing Corporation, New Delhi.
2. Bhende,A.A. and T.R.Kanitkar: Principles of Population Studies, Himalaya Publishing House, Bombay.
3. Bogue, D.J.: Principles of Demography, John Wiley, New York.
4. Bose, A.:India's Basic Demographic Statistics, B.R.Publishing Corporation, New Delhi.
5. Census of India: Various Reports.
6. Choubey,P.K.: Population Policy in India, Kanishka Publications, New Delhi.
7. Misra, B.D.: An Introduction to the Study of Population, South Asia Publishers, New Delhi.
8. Srinivasan, K.: Basic Demographic Techniques and Applications, Sage Publications, New Delhi.
9. Krishnaji,M., R.M.Sudrashan and A.Shariff: Gender Population and Development, OUP, New Delhi.

Suggested online link:

www.ignou

www.swayam

www.inflibnet

This course can be opted as an elective by the students of following subjects: The course can be opted by those students who have cleared their **Diploma in Economics**.

Suggested Continuous Evaluation (25 Marks): The suggested continuous evaluation will have the following criteria –

[Assignment (10 Marks) + Assignment Presentation (10 Marks) + Attendance (5 Marks)]

Course Prerequisites: Must have cleared Diploma in Economics.

[Handwritten signature]

Mr. [Handwritten name]

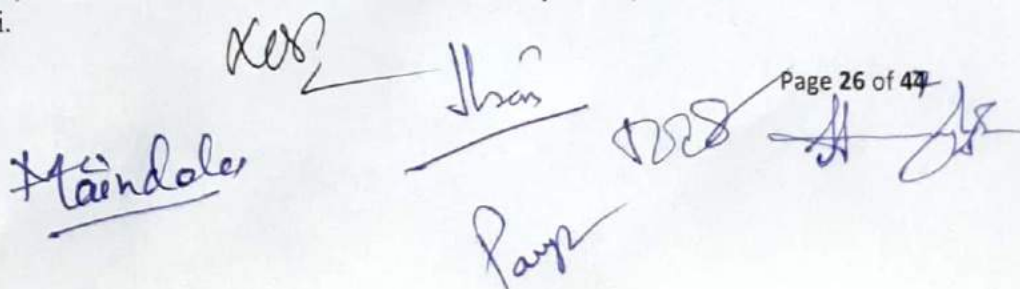
[Handwritten signature]
[Handwritten signature]
[Handwritten signature]

Page 25 of 47

Bachelor in Economics		
Programme : Bachelor in Economics		Year 3 Semester 5 Paper II(d)
Subject: Economics		
Course Code: ECOMJE504	Course Title: Basic Quantitative Techniques in Economics	
Course Outcomes: 1. Students will be able to understand the Basic concept of Mathematical Economics 2. Students will be able to use the mathematical tools and methods in Economics		
Credits: 5 Credits		Core Compulsory Elective
Max. Marks:75		Min. Passing Marks: 25
Total No. of Lectures – Practical (in hours per week) : 4-0-0		
<i>Note: Elementary Quantitative concepts with illustration from Economics with the help of graph and equations where ever possible. Proof of theorems is not expected. (Simple Calculator without mathematical and statistical functions is allowed but candidates shall have to arrange the calculator at their own)</i>		
Unit	Topics	No. of Lectures
I	Definition, Scope, Importance and Limitations of Quantitative Techniques and Statistics; Primary & Secondary Data. Census & Sampling. Techniques of Data Collection, Classification and Tabulation of Data. Diagrammatic and Graphic Representation of Data.	14
II	Measures of Central Tendency: Arithmetic Mean, Median, Mode. Measures of Dispersion: Range, Mean Deviation, Standard Deviation. Simple Correlation.	15
III	Variables, Functions, Identities, Linear Equations in one Unknown. Simultaneous Equations in two variables, Use of Linear Functions in Economics. Differentiation of a Function. : Rules of Differentiation., Basic Economic Applications of the Derivatives. Elementary Integral Calculus. Basic Applications of Differential and Integral calculus in Economics.	17
IV	Matrices (not more than 3 columns, 3 row case): Types, Definition and. Properties, Addition, Subtraction and Multiplication of Matrices. Determinant: Meaning, Rules of Expansion, Properties, Solution of Linear Simultaneous Equation with help of Cramer's Rule.	17
V	Index Numbers- Price Index Number: Simple Price Relative, Weighted Price Index Number.	12

Suggested Reading:

1. Bose, D., An Introduction to Mathematical Economics, Himalaya Publishing House, New Delhi.
2. Yamane, T., Mathematics for Economists- An Elementary Survey, Prentice Hall of India, New Delhi.



3. Allen, R.G.D., Mathematical Analysis for Economists, A.I.T.B.S., Publishers and Distributors, Delhi.
4. Chiang, A.C., Fundamental Methods of Mathematical Economics, McGraw Hill.
5. Monga, G.S., Mathematics and Statistics for Economists, Vikas Publishing House, New Delhi.
6. Gupta, S.P., Statistical Methods, Sultan Chand, New Delhi.
7. Agrawal, D.R., Quantitative Methods, Vrinda Publications, Delhi.
8. Hindi Books
9. Gupta, K.L., ParimanatmakTakniken, NavyugSahitySadan, Agra.
10. Aggarwal, D.R., PrarambhikGanitiyArthshastra, Vrinda Publication, New Delhi.
11. Gupta, K.L., Ravikan Agarwal & Praveen Jain, Arthastastra Ki Aadharbhoot ParimanatmakVidhiyan, Navneet Prakashan, Agra.
12. Gupta, K.L. & S.K. Gupta, UccharSankhiyiki, Navneet Prakashan, Agra.
13. Singh, S.P., SankhiyikiKeMoolTatva, S. Chand, New Delhi.
14. Gupta, S.P., SankhiyikiKe Siddhant, New Delhi.
15. Lohani, Jitendra Kumar & Padam S. Bisht, Arthashastra Mein GanitiyEvmSankhikiya Vidhiyan, Kunal Books, New Delhi.

Suggested online link :

www.ignou

www.swayam

www.inflibnet

This course can be opted as an elective by the students of following subjects: The course can be opted by those students who have cleared their **Diploma in Economics**.

Suggested Continuous Evaluation (25 Marks): The suggested continuous evaluation will have the following criteria –

[Assignment (10 Marks) + Assignment Presentation (10 Marks) + Attendance (5 Marks)]

Course Prerequisites: Must have cleared **Diploma in Economics**.

[Signature]

[Signature]
[Signature]
[Signature]

Bachelor in Economics		
Programme : Bachelor in Economics	Year 3	Semester 5 Paper III
Subject : Economics		
Course Code : ECORP501	Course Title : Field Survey	
Credits : 4 Credits	Core Compulsory	
Max. Marks :100	Min. Passing Marks:33	
Total No. of Lectures – Practical (in hours per week) : 4-0-0		

Note : The student will be required to collect information on any economic activity.

This course can be opted as an elective by the students of following subjects: The course can be opted by those students who have cleared their Diploma in Economics.

Suggested Continuous Evaluation (25 Marks):

Course Prerequisites: Must have cleared Diploma in Economics.

Ka3

Hindola

Ishan
Pavz

Page 28 of 47
1008 *1* *18*

Bachelor in Economics			
Programme : Bachelor in Economics		Year 3	Semester 6 Paper I
Subject : Economics			
Course Code : ECOMJ601		Course Title : Economic Growth & Development	
Course Outcomes : 1. The students will be able to understand the development theories along with the conceptual issues in growth and development. 2. The students will be able to understand the concept of demographical development of India, its demographic features and HDI.			
Credits : 5 Credits		Core Compulsory	
Max. Marks :75		Min. Passing Marks: 25	
Total No. of Lectures – Practical (in hours per week) : 4-0-0			
Unit	Topics		No. of Lectures
I	Meaning and Measurement of Economic Growth and Development, Measuring Development and Development Gap, GDP, GNP, Per Capita Income, Factors affecting Economic Growth and Development: Economic and Non-economic factors.		14
II	Concept of Poverty and Inequality, Vicious cycle of poverty, Lorenz Curve. Concept of Human Development :Physical Quality of Life Index (PQLI), Human Development Index (HDI), Gender Development Index (GDI), Human Poverty Index (HPI) & Purchasing Power Parity (PPP).		16
III	Economic Models: Adam Smith, Ricardo, Malthus and Marxian theory of Capitalist Development. Schumpeter Model.		15
IV	Theories of Development: Vicious Circle Theory, Theory of Big Push, Critical Minimum Effort Thesis, Theory of Low-Level Equilibrium Trap, Balanced and Unbalanced Growth.		16
V	Sectoral Priorities and Development: Role of Agriculture, Industry and Service Sector.		14

Suggested Reading :

16. Ghatak, S., (1986), An Introduction to Development Economics, Allen and Unwin, London.
17. Thriwall, A. P., (1978), Growth and Development, McMillan, London.
18. Meier, G.M., (1984) : Leading Issues in Economic Development, Oxford University Press, New
19. Higgins, B. (1959) : Economic Development, Norton , New York

20. Kindlerberger, C.P. and B. Harrik (1983) : Economic Development, McGraw-Hill, Tokyo.
21. Salvatore, D. and E. Dowling (1977) : Development Economics, Schuam's Outline Series in Economics, McGraw
22. Agarwal, A. N. and S.P. Singh, (Eds.) (1985) : Economics of Underdevelopment O.U.P., Lon.
23. Adelman I (1969) : Theories of Economic Growth and Development, Stanford University Press, Stanford
24. Sen, A.K. (ed.) (1971) : Growth Economics, Penguin, Harmondsworth.
25. Sundaram, R.M. (1984) : Development Economics : A Framework for Analysis and Policy.
26. Chenery, H. : Redistribution with Growth, Oxford University Pre
27. Todaro, M.P. : Economic Development, Longman, Lond
28. United Nations : Human Development Report.
29. 14.Misra, S.K.&V.K. Puri, Economics of Growth and Development, Himalaya Publishing House, Mumbai.

Suggested online link :

www.ignou

www.swayam

www.inflibnet

This course can be opted as an elective by the students of following subjects: The course can be opted by those students who have cleared their **Diploma in Economics**.

Suggested Continuous Evaluation (25 Marks): The suggested continuous evaluation will have the following criteria –

[Assignment (10 Marks) + Assignment Presentation (10 Marks) + Attendance (5 Marks)]

Course Prerequisites: Must have cleared **Diploma in Economics**.

Kash

Payz

Mr. Lincdale

Shin

Page 30 of 47
Shin

Bachelor in Economics		
Programme :Bachelor in Economics	Year 3	Semester 6 Paper II(a)
Subject : Economics		
Course Code: ECOMJE601	Course Title : History of Economic Thought	
Course Outcomes:		
1. The students will come to know the thoughts of Mercantilism and Physiocracy.		
2. The students will come to know about Classical period thinkers in economics.		
3. The students will know about Nationalist & Welfare Economists.		
Credits : 5 Credits		Core Compulsory
Max. Marks :75		Min. Passing Marks: 25
Total No. of Lectures – Practical (in hours per week) : 4-0-0		
Unit	Topics	No. of Lectures
I	Economic Ideas of Mercantilism, Economic Ideas of Physiocrats	10
II	Classical Period: Adam Smith, J.B.Say, David Ricardo Thomas R. Malthus	15
III	Socialists and Associationism — St. Simon and Simonians, Sismondi, Robert Owen,Karl Marx —LabourTheory of Surplus Value	15
IV	Nationalist, Mathematical and Austrian School& Welfare Economist - Fredrick List, Irving Fisher, Karl Menger, Pigou &Keyens.	15
V	Indian Economist: Narouji, Ranade, Gandhian Economics, Gokhle, J.K. Mehta, Amartya Sen, DeenDayal Upadhyay.	20

Suggested Readings :

1. Schumpeter, J.A.: A History of Economic Analysis.
2. Stigler, G.J.: Essays in the History of Economics.
3. Dobb, Maurice: Theories of Value and Distribution since Adam Smith.
4. O'Brien: Classical Theory of Value and Distribution.
5. Gide and Rist : History of Economic doctrines. (fgUnh :ikUrj)
6. Meek, R.L.: Physiocracy.
7. Meek R.L.: The Labour Theory of Value.
8. Ricardo, David: Principles of Political Economy and Taxation Edited by P. Sraffa.
9. Smith, A.: Wealth of Nations, Book I, Chap. I to X.
10. Blaug, Mark: Economic Theory in Retrospect.
11. Stigler, G.J.: Production and Distribution Theories.

12. Roll, Eric: History of Economic Thought.
13. Haney: History of Economic Thought.
14. Sheshadri, G.B.: Economic Doctrines.
15. Ganguli, B.N.: Indian Economic Thought: A 19th Century Perspective.
- 16^ए बी०सी० सिन्हा, आर्थिकविचारों का इतिहास, एस० बी० पी० डी० पब्लिकेशनआगरा।

Suggested online link :

www.ignou

www.swayam

www.inflibnet

This course can be opted as an elective by the students of following subjects: The course can be opted by those students who have cleared their **Diploma in Economics**.

Suggested Continuous Evaluation (25 Marks): The suggested continuous evaluation will have the following criteria –

[Assignment (10 Marks) + Assignment Presentation (10 Marks) + Attendance (5 Marks)]

Course Prerequisites: Must have cleared Diploma in Economics.

Kashyap

Meenodas

Shan

DSR

Page 32 of 44

H

Bachelor in Economics			
Programme : Bachelor in Economics		Year 3	Semester 6 Paper II(b)
Subject : Economics			
Course Code : ECOMJE602		Course Title : Basics of Industrial Economics	
Course Outcomes :			
1. The students will come to know about Industrial Process, growth of Firm and Process of Innovation.			
2. The students will study rationalism and effects of globalization on industry.			
Credits : 5 Credits		Core Compulsory	
Max. Marks :75		Min. Passing Marks: 25	
Total No. of Lectures – Practical (in hours per week) : 4-0-0			
Unit	Topics	No. of Lectures	
I	Scope and Method of Industrial Economics. Industrial Efficiency: Organisational Form and Alternative Motives of the Firm. Efficiency and Size of the Firm. Concept and Measurement of Profitability. Determinants of Profitability.	15	
II	Growth of the Firm. Conceptual Framework for the Theory of Growth of the Firm . Pricing Decisions: General Situations for Pricing Decisions. Pricing Procedures. Pricing in Public Enterprises.	15	
III	Process of Innovation.. Theory of Technological Innovation. Production Control. Cost Control.. Quality Control, Financial Structure of the Firm – Components of Funds. Role, Nature, Volume and Types of Institutional Finance.	15	
IV	Theories of Industrial Location – Weber and Sargent Florence. Determinants of Industrial Location. Approaches to Industrial Location Analysis. Operational Approaches to Industrial Location. Industrial Location Trends in India.	15	
V	Industrialisation: Rationale, Objectives, Strategies and Policies. Industrialisation and Regional Development. Employment Implications of Industrialisation. Need for Government Intervention in Industry. New Industrial Policy of India.	15	

Suggested Readings :

1. Ahluwalia, I.J.: Industrial Growth in India, OUP, New Delhi.
2. Barthwal, R.R.: Industrial Economics, Wiley Eastern, New Delhi.
3. Jalal, R.S.: "Industrial Entrepreneurship", Anmol Publication, New Delhi.
4. Cherunilam, F.: Industrial Economics: Indian Perspective, Himalaya Publishing House, Mumbai.
5. Desai, B.: Industrial Economy in India, Himalaya Publishing House, Mumbai.
6. Hay, D. and D.J. Morris: Industrial Economics: Theory and Evidence, OUP, New Delhi.
7. Kuchhal, S.C.: Industrial Economy of India, Chaitanya Publishing House, Allahabad.

8. Government of India: Economic Survey (Annual).
9. Smith, D.M.: Industrial Location: An Economic and Geographical Analysis, John Wiley, New York.
10. Mamoria and Mamoria: Dynamics of Industrial Relations in India, Himalaya Publishing House, Mumbai.

Suggested online link :

www.ignou

www.swayam

www.inflibnet

This course can be opted as an elective by the students of following subjects: The course can be opted by those students who have cleared their **Diploma in Economics**.

Suggested Continuous Evaluation (25 Marks): The suggested continuous evaluation will have the following criteria –

[Assignment (10 Marks) + Assignment Presentation (10 Marks) + Attendance (5 Marks)]

Course Prerequisites: Must have cleared Diploma in Economics.

Kos *Pam*

Leendola

Sham *Doc* *A* *JS*

Bachelor in Economics		
Programme : Bachelor in Economics	Year 3	Semester 6 Paper II(c)
Subject : Economics		
Course Code : ECOMJE603	Course Title : Economy of Uttarakhand	
Course Outcomes :		
1. The course introduces about the economy of Uttarakhand and demographic profile of Uttarakhand.		
2. The student will learn agriculture and industrial profile of Uttarakhand economy.		
3. The student will come to know about various poverty alleviation programmes in Uttarakhand.		
4. The students will come to know about various employment generation programmes in Uttarakhand.		
Credits : 5 Credits	Core Compulsory	
Max. Marks :75	Min. Passing Marks: 25	
Total No. of Lectures – Practical (in hours per week) : 4-0-0		
Unit	Topics	No. of Lectures
I	Economy of Uttarakhand - Introduction &Characterstics. Demographic Profile of Uttarakhand. Natural Resources in Uttarakhand.	10
II	Agricultural Profile – Agriculture& allied sector in Uttarakhand. Animal Husbandry and Dairy Farming in Uttarakhand. Problems in Agriculture Sector.	15
III	Industrial Profile of Uttarakhand - Heavy Industries, MSME in Uttarakhand, New Industrial Policies. Problems of Village and Cottage Industries.	15
IV	Tourism sector in Uttarakhand. Problems of Migration & Reverse Migration in Uttarakhand. Role of Women in Uttarakhand's Economy.	15
V	Unemployment and Poverty in Uttarakhand. Various Poverty Alleviating Programmes in Uttarakhand. Mukhyamantri Saur Mukhyamantri SwarozgaarYojna. Mukhyamantri Saur SwarozgarYojna, Veer Chandra Singh Garhwali Yojna, National Rural Livelihood Mission, National Urban Livelihood Mission.	20

Suggested Readings :

1. Pandey, P.C., D.C. Pandey, P.S. Bisht, Rajnish Pande : Economy of Uttaranchal Profile and Dynamics of Change, co-ed. Anamika Publishers & Distributors Pvt. Ltd. New Delhi.
2. Pandey, R.K., Rajnish Pande & Padam S. Bisht : Economy of Uttaranchal - Profile and Dynamics of Change, co-ed., Anamika Publishers & Distributors (P) Ltd., New Delhi.
3. Bisht, Padam S.; Tourism Development in Kumaon, Anamika Publishers & Distributors Pvt. Ltd. New Delhi.
4. Lohani, Jitendra Kumar & Padam S. Bisht: Uttarakhand Ki Arthvyavastha, Kunal Books, New Delhi.

Suggested online link :

www.ignou

www.swayam

www.inflibnet

This course can be opted as an elective by the students of following subjects: The course can be opted by those students who have cleared their **Diploma in Economics**.

Suggested Continuous Evaluation (25 Marks): The suggested continuous evaluation will have the following criteria –

[Assignment (10 Marks) + Assignment Presentation (10 Marks) + Attendance (5 Marks)]

Course Prerequisites: Must have cleared **Diploma in Economics**.

Handwritten signature

Handwritten signature

Mr. Maundale

Handwritten signature

Handwritten signature

Bachelor in Economics			
Programme : Bachelor in Economics		Year 3	Semester 6 Paper II(d)
Subject : Economics			
Course Code : ECOMJE604		Course Title : Basics of Computer Application in Economics	
Course Outcomes : 1. The students will come to know about various devices related to computer system. 2. The students will come to know about the number system used in computer system. 3. The students will get familiar with various types of Basic Computer Application software's. 4. The students will come to know about word processing software and internet.			
Credits : 5 Credits		Core Compulsory	
Max. Marks :75		Min. Passing Marks: 25	
Total No. of Lectures – Practical (in hours per week) : 4-0-0			
Unit	Topics		No. of Lectures
I	Introduction to computer system, uses, types. Data Representation: Number systems and character representation, Components of Computer System. binary. Devices: Input and output devices. Memory: Primary, Secondary, & Auxiliary Memory. Printers and it's types - impact and non-impact printers.		15
II	Number system - Binary number system, Octal & Hexa-Decimal system. Arithmetic operations of Binary Numbers. Overview of Emerging Technologies: Bluetooth, cloud computing, big data, datamining, mobile computing and embedded systems. Use of Computers in Education and Research: Data analysis, e-Library, Google Scholar		15
III	Types of software, Operating system as user interface & utility programs - Operating System, Application Programme, Programming Language. Virus & Antivirus Softwares.		15
IV	Introduction to Word Processing Software - MS-Office & Introduction to Desktop Publishing. Spreadsheet and database package software - MS-Excel & Introduction to MS-Access. Data Presentation Software - MS-Powerpoint.		15
V	Introduction to Internet – Browsers – Search Engine - WWW – Internet Protocols – FTP – TELNET – HTTP - E-mail –How to create E-mail – Internet Vs Intranet - Webpage – URL.		15

Suggested Readings :

1. Sanders, D.H.: Computers Today, McGraw Hill, New York.
2. Sinha, P.K.: Computer Fundamentals, BPB Publications, New Delhi.
3. Rajaraman, V.: Fundamentals of Computers, Prentice Hall of India, New Delhi.

Suggested online link :

www.ignou

www.swayam

www.inflibnet

This course can be opted as an elective by the students of following subjects: The course can be opted by those students who have cleared their **Diploma in Economics**.

Suggested Continuous Evaluation (25 Marks): The suggested continuous evaluation will have the following criteria –

[Assignment (10 Marks) + Assignment Presentation (10 Marks) + Attendance (5 Marks)]

Course Prerequisites: Must have cleared Diploma in Economics.

dos

Payz

Meindala

Shan

dos *A* *JS*

Bachelor in Economics		
Programme : Bachelor in Economics	Year 3	Semester 6 Paper III
Subject : Economics		
Course Code : ECORP601	Course Title : Research Project	
Credits : 4 Credits	Core Compulsory	
Max. Marks : 100	Min. Passing Marks:33	
Total No. of Lectures – Practical (in hours per week) : 4-0-0		
Note: The Research Project will be based on Primary /Secondary Data.		

Note :-The students are required to prepare a research project of 30-50 pages based on Primary / Secondary data on the topic allotted by the concerned teacher.

This course can be opted as an elective by the students of following subjects: Those students who have successfully qualified Diploma in Economics are eligible for this course.

Course Prerequisites: Successfully completion of Diploma in Economics.

dash

Paye

Mr. Mairndale

Page 39 of 47
SS A JS

Minor Elective

[4 Credits]

- *Fundamentals of Economics*
- *Indian Economy & Economy of Uttarakhand*

[Note :- Minor Elective Paper to be opted by students of other Department.]

dash

Pam

the
CamScanner

Isan

Page 40 of 44

dash *St* *dash*

Certificate Course in Fundamentals of Economics		
Programme : <i>Certificate Course in Fundamentals of Economics</i>	Year 1	Semester 1 or 2 Paper II
Subject : Economics		
Course Code : ECOMIE101	Course Title : Fundamentals of Economics	
Course Outcomes :		
1. The student will come to know about the fundamentals of Economics.		
2. The student will come to know about Micro & Macro Economics.		
3. The student will get familiar with various economic systems.		
4. The students will learn Banking system & Public Finance.		
Credits : 4 Credits	Minor Elective	
Max. Marks :75	Min. Passing Marks: 25	
Total No. of Lectures – Practical (in hours per week) : 4-0-0		
Unit	Topics	No. of Lectures
I	Meaning, nature & Scope of Micro Economics. Concept of Cardinal & Ordinal approach of Utility. Indifference Curve Analysis. Consumer Equilibrium. Concept of Demand.	13
II	Meaning, Nature & Scope of Macro Economics. Type of Macro Economics. Circular flow of Income. Concept of Inflation and Employment.	13
III	Capitalist, Socialist & Mixed Economy. Problems of Resource Allocation.	12
IV	Types & Classification of Money. Central Bank - RBI. International & Inter -regional Trade.	12
V	Meaning & Scope of Public Finance. Concept of Direct & Indirect Tax.	10

Suggested Readings :

1. Chaturvedi, D.D. & Anand Mittal; Principals of Macro Economics ; Kitab Mahal, Delhi
2. Mithani, D.M. : Macro Economics.
3. Ackley, G. : Macroeconomics: Theory and Policy.

Suggested online link :

www.ignou
www.swayam
www.inflibnet

This course can be opted as an elective by the students of following subjects: The course can be opted by those students who have cleared their 10+2 or equivalent examination in any stream.

Suggested Continuous Evaluation (25 Marks): The suggested continuous evaluation will have the following criteria –

[Assignment (10 Marks) + Assignment Presentation (10 Marks) + Attendance (5 Marks)]

Course Prerequisites: Must have basic knowledge of Economics.

Kesh

Hein Doley

Page 42 of 47
Itan *dar* *A* *JK*
Pam

Certificate Course in Fundamentals of Economics		
Programme : <i>Diploma in Economics</i>		Year 1 Semester 3 or 4 Paper II
Subject : Economics		
Course Code : ECOMIE101	Course Title : Indian Economy & Economy of Uttarakhand	
Course Outcomes :		
1. The student will come to know about the fundamentals of Indian Economy.		
2. The student will get familiar to the Economy of Uttarakhand.		
Credits : 4 Credits		Minor Elective
Max. Marks :75		Min. Passing Marks: 25
Total No. of Lectures – Practical (in hours per week) : 4-0-0		
Unit	Topics	No. of Lectures
I	Structure and Features of Indian Economy. Introduction to Agriculture, Industrial & Tertiary Sectors in Indian Economy.	12
II	Features & Demographic Profile of India. Success story of Indian Plans & NITI AAYOG.	12
III	Features of Economy of Uttarakhand. Agriculture and Industrial Profile of Uttarakhand.	12
IV	Migration and Reverse Migration in Uttarakhand.	12
V	Role of Tourism and Women in economic development of Uttarakhand.	12

Suggested Readings :

1. Agrawal, A.N. : Indian Economy, WishwaPrakashan, New age International (P) Limited, New Delhi.
2. Misra, S. K. & V. K. Puri : Indian Economy.
3. RuddarDatt & K. M. P. Sundharam: Indian Economy, S. Chand, New Delhi.
4. Bimal Jalan : Problems of Indian Economy.
5. Pandey, P.C., D.C. Pandey, P.S. Bisht, Rajnish Pandey : Economy of Uttaranchal Profile and Dynamics of Change, co-ed. Anamika Publishers & Distributors Pvt. Ltd. New Delhi.
6. Pandey, R.K., Rajnish Pande & Padam S. Bisht : Economy of Uttaranchal - Profile and Dynamics of Change, co-ed., Anamika Publishers & Distributors (P) Ltd., New Delhi.
7. Bisht, Padam S.; Tourism Development in Kumaon, Anamika Publishers & Distributors Pvt. Ltd. New Delhi.
8. Lohani, Jitendra Kumar & Padam S. Bisht: Uttarakhand Ki Arthvyavastha, Kunal Books, New Delhi.

Suggested online link :

www.ignou
www.swayam
www.inflibnet

This course can be opted as an elective by the students of following subjects: The course can be opted by those students who have cleared their 10+2 or equivalent examination in any stream.

Suggested Continuous Evaluation (25 Marks): The suggested continuous evaluation will have the following criteria –

[Assignment (10 Marks) + Assignment Presentation (10 Marks) + Attendance (5 Marks)]

Course Prerequisites: Must have basic knowledge of Economics.

Handwritten signature

Handwritten signature

Handwritten signature

Vocational/Skill Development Course in Economics Department

Economics Department

Vocational Course-01			
Programme: Certificate Course in Economics		Year : First	Semester-I Paper- I VC
Subject : Economics			
Course Code: ECOVC -01		Course Title: DATA ANALYSIS	
Course outcome:			
1. Building knowledge and understanding of collection and presentation of data for drawing statistical inferences.			
2. To introduce the students the important data sources that is available.			
3. To train the students in the use of free statistical software to analyse data.			
Credit: 3 (Three)		Elective	
Maximum marks: 25+75		Minimum Passing Marks: 33	
Total no. of lectures-tutorials-practical(labour per week):3-0-0			
Unit	Topic	No. of lectures	
Unit 1	Collection of data- Primary and Secondary. Census and Sampling. Methods of data collection .Classification and Tabulation of data. Diagrammatic and Graphical representation of data	15	
Unit 2	Measures of Central Tendency-Arithmetic mean Median, Mode, Geometric mean and Harmonic mean .Measures of dispersion- Standard Deviation, Skewness.	15	
Unit 3	Simple Correlation: Karl Pearson and Rank Correlation. Basics of Index numbers :Price and quantity index numbers	15	

Suggested Readings:

Allen, R.G.D., Mathematical Analysis for Economists, Macmillan Press and ELBS, London.
 Chiang, A.C., Fundamental Methods of Mathematical Economics, McGraw Hill, New York.
 Gupta, S.C., Fundamentals of Applied Statistics, S. Chand & Sons, New Delhi. Monga, G.S.,
 Mathematics and Statistics for Economists, Vikas Publishing House, New Delhi. Speigal,
 M.R., Theory and Problems of Statistics, McGraw Hill Book Co., London.

Suggested on line link: www.ignou ,www.swayam.

This course can be offered as an elective by the students of following subjects: Open to all

Suggested Continuous Evaluation (25 Marks): The suggested continuous evaluation will have the following criteria – Assignment /Assignment Presentation/ Class Test/Seminar/ Attendance

Course Prerequisites: N/A

Kash
Maandola
Ishan
Payu
Page 45 of 47.

Vocational/Skill Development Course in Economics Department

Vocational Course-02			
Programme: Certificate Course in Economics		Year : First	Semester-II Paper- II VC
Course code: ECOVC-02		Course Title: Environmental Economics	
Course outcome:			
1. To learn an economic approach to environmental problems.			
2. To understand complementary view of environmental economics.			
3. To develop economic tool kit to evaluate applied problems.			
Credit: 3 (Three)		Elective	
Maximum marks: 25+75		Minimum passing marks: 33	
Total no. of lectures-tutorials-practical(labour per week):3-0-0			
Unit	Topic	No. of lectures	
Unit 1	Environment and Economics: 1. Fundamental concepts of Environmental Economics 2. Meaning, nature and scope of Environmental Economics 3. Environmental pollution- air, water and deforestation 4. Inter-linkages between Environment and Economics 5. Economics of Natural Resources- land, air and water	15	
Unit 2	Environment and Development : 1. Environment and Economic Growth: 2. Concepts of Sustainable Development 3. Policy Approach of Sustainable Development 4. Role of State in Environmental Conservation 5. People's participation in management of Natural Resources	15	
Unit 3	Environmental issues: 1. Global warming 2. Climate change 3. Green House Effect, Ozone Depletion 4. Acid Rain 5. Biodiversity Conservation , Chipko movement	15	

Suggested readings:

Bhattacharya, RN(ed) Environmental Economics: An Indian perspective, Oxford New Delhi
 Boumal, W.J. and W.E. Oats, (1998), The Theory of Environmental Policy, Cambridge University Press
 Bromely, D.W. (ed) Hand Book of Environmental Economics, Blackwell, London
 P. Das Gupta and K.G. Miller, (1997) The Environmental and Emerging Development Issues
 Ram Prasad Sen Gupta (2007) Ecology and Economics, Oxford New Delhi
 Seneca, Joseph, J. Taussig M.K. (1979), Environmental economics, New Jersey, Prentice Hall.

Handwritten signatures and text:
 Meindolo, Keshu, Pann, [Signature], [Signature]
 Page 46 of 47.

Suggested online link:

www.ignou

www.swayam.

This course can be offered as an elective by the students of following subjects: Open to all

Suggested Continuous Evaluation (25 Marks): The suggested continuous evaluation will have the following criteria – Assignment /Assignment Presentation/ Class Test/Seminar/ Attendance

Course Prerequisites: N/A

Dr. Pooja Dr. Pooja Dr. Pooja
Dr. Pooja

NATIONAL EDUCATION POLICY-2020

Common Minimum Syllabus for University Campus and all Affiliated
College of
Sri Dev Suman Uttarakhand University for First Three Years of Higher
Education



STRUCTURE OF UG –GEOGRAPHY SYLLABUS-2022-2023

Course Name: B.A./B.Sc.

**Sri Dev Suman Uttarakhand University, Badshahithoul, Tehri Garhwal-
Uttarakhand**

Subject: Geography

Modification Expert Committee

S.N.	Name	Designation	Department	Affiliation
1.	Dr.D.C.Goswami	Professor, Head & Dean of Arts Faculty	Department of Geography	Sri Dev Suman Uttarakhand University, Campus- Rishikesh
2.	Dr. T.B.Singh	Professor	Department of Geography	Sri Dev Suman Uttarakhand University, Campus- Rishikesh
3.	Aruna P. Sutradhar	Associate Professor	Department of Geography	Sri Dev Suman Uttarakhand University, Campus- Rishikesh
4.	Dr.A.P.Dubey	Associate Professor	Department of Geography	Sri Dev Suman Uttarakhand University, Campus- Rishikesh

Expert Committee, Uttarakhand

S.N	Name	Designation	Department	Affiliation
1	Dr. R.K.Pande	Head & Dean of Arts Faculty	Department of Geography	D.S.B. Kumaun University, Nainital
2.	Dr.D.C. Goswami	Head & Dean of Arts Faculty	Department of Geography	Sri Dev Suman Uttarakhand University, Campus- Rishikesh
3	Dr. Jyoti Joshi	Asso. Professor & Head of the Department	Department of Geography	Soban Singh Jeena Almora University, Almora
4	Dr. R.C. Joshi	Professor	Department of Geography	D.S.B. Kumaun University, Nainital
5.	Dr.Anita Pande	Professor	Department of Geography	D.S.B. Kumaun University, Nainital

SRI DEV SUMAN UTTARAKHAND UNIVERSITY

Badshahithaul, Tehri Garhwal (Uttarakhand)



List of Members of Board of Studies

Sl. No.	Name of the Members	Designation	Nominated as
1	Prof. Dinesh Chandra Goswami	Dean of Arts	Chairman
2	Prof. Muktinath Yadav	Professor	Member
3	Prof. Hemant Kumar Shukla	Professor	Member
4	Prof. Sangeeta Mishra	Professor	Member
5	Prof. Preeti Kumari	Professor	Member
6	Prof. Anand Prakash Singh	Professor	Member
7	Prof. Pushpanjali Arya	Asso. Professor	Member
8	Prof. D K P. Choudhury	Professor	Member
9	Dr. Poonam Pathak	Professor	Member
10	Dr. Atal Bihari Tripathy	Asst. Professor	Member
11	Dr. Pushkar Gaur	Asst. Professor	Member
12	Dr. Shikha Mamgai	Asst. Professor	Member
13	Prof. M. S. Mawri	Professor	Member
14	Dr. Preeti Gupta	Asst. Professor	Member
15	Dr. Narmadeshwar Shukla	Professor	Member
16	Dr. Poonam Pandey	Asst. Professor	Member
17	Dr. Vandana Sharma	Principal	Member
1	Prof. Janki Panwar	Principal	GPGC Kotdwar
2	Prof. Lovely Rajvanshi LOVNEY	Principal	GPGC, Jaiharikhal
3	Prof. K. L. Talwar	Principal	GDC, Chakrata
4	Dr. Himanshu Das	Director	NIVH, Rajpur Road
5	Prof. M. S. M. Negi	Professor	SRT Campus, HNBGU, Srinagar
6	Prof. M. C. Sati	Professor	HNBGU, Srinagar
7	Prof. S. L. Bhatt	Ex. Principal	GPGC, Kotdwar
8	Dr. P.C. Painuli	Asst. Professor	GPGC, New Tehri
9	Dr. Asha Devi	Asso. Prof.	GPGC, Kotdwar

10.8.22

List of all Papers in Six Semester
Semester-wise Titles of the Papers in B.A./B.Sc. Geography
2022-2023 onwards

Year	Semester	Course Code	Paper Title	Theory/ Practical/Project	Credits
			<u>Certificate Course in Arts/Science</u>		
1	I	GEOG101T	Physical Geography	Theory	4
		GEOG102P	Basic Cartographic Techniques and Map Reading	Practical	2
	II	GEOG201T	Human Geography	Theory	4
		GEOG202P	Surveying Techniques	Practical	2
			<u>Diploma in Art/Sciences</u>		
2	III	GEOG301T	Tourism Geography	Theory	4
		GEOG302P	Thematic Cartography	Practical	2
	IV	GEOG401T	Regional Planning and Development	Theory	4
		GEOG402P	Statistical and Map Projection Techniques	Practical	2
			<u>Bachelor of Arts/Science</u>		
3	V	GEOG501T	Geography of India	Theory	4
		GEOG502T	Economic Geography	Theory	4
		GEOG503P	Educational Tour	Practical	2
		GEOG504R	Survey based Project -1	Project	3
	VI	GEOG601T	Evolution of Geographical Thoughts	Theory	4
		GEOG602T	Agricultural Geography	Theory	4
		GEOG603P	Remote Sensing & GIS Techniques	Practical	2
		GEOG604R	Survey based Project -2	Project	3
1-2		GEO- SKILL-101	Course Title: Field survey	Skill Enhancement	3
1-2		GEO-SKILL-202	Course Title: Element's of Map Readings	Skill Enhancement	3
1-2		GEO-ELECTIVE-T101	Course Title: Applied Geomorphology	Minor Elective	4
1-2		GEO-ELECTIVE-T201	Course Title: Social and Cultural Diversity in Uttarakhand	Minor Elective	4

Subject prerequisites:

Subject is open to all have passed 10+2 level in any stream

But, preference shall be given:

1. To study Geography, a student had the subject Geography learnt at 10+2 level.
2. Anyone who has mathematics, physics, biology as base subjects at 10+2 level.
3. Keen interest in Earth and its physical and social environment and maps.
4. Computer and drawing skills.
5. Creativity, sound observation and analytical aptitude while working on scientific procedures and research.

COURSE INTRODUCTION

Geography helps us to have an awareness of a place. All places and spaces have a history behind them, shaped by humans, earth, and climate. It also helps students with spatial awareness on the globe. Understanding direction and where things are in the world is still a vital skill, despite having easy access to this information online. **Physical Geography:** includes the study of the physical composition of a land which includes climate, landforms, soil and growth, bodies of waters, and natural resources. **Human Geography:** on the other hand, includes the study of people and culture and how they are distributed across the globe and are more likely to participate in the global community. Geography helps to develop factual reading skills — not only in the studying of maps, but also in the reading materials that are associated with geography. Geography often involves first-hand accounts, reading of research studies, and analysis of data sets. Geography puts history in context.

It helps us see the why, when, and how of what happened in history. One can learn History better by learning Geography.

Globalization is the process of cultures travelling globally and having an effect on others. Studying geography helps to understand where globalization might lead. Studying geography will make you better understand current events. Studying geography can enhance your navigation skills, no matter where you are. Studying geography will help you make sense of and appreciate different cultures around the globe. Learning about land, resource availability, and how that has shaped a culture to be the way it is today helps you understand the uniqueness of a culture. The study of geography helps us to understand relationships between cultures. Ultimately, this leads to a more accepting and culturally aware society.

Those who study geography have a unique outlook — one that comes with the knowledge of many cultures and spatial awareness that is not replicated in other disciplines. This mix of knowledge can help geographers come up with significant and unique solutions that others may not be able to see. Another way geography can have a positive influence in the world is by creating awareness of the effect of climate change. Geographers have intimate knowledge of weather patterns and climate changes throughout the course of history on areas of land. They also have studied how those changes have affected humans in those areas. That knowledge is shared with others to hopefully bring an understanding and global awareness of the effects of climate change on human society.

Geography will help you better understand news, help fight climate change, be a part of a global community, understand cultures, and learn history. At the end of the day, geography will help to become a better overall global citizen.

Asin

Programme outcomes (POs):

(After 3 Years of Study in Geography Under Graduate Programme)

PO 1	This course will provide students, the basic concepts of Physical & Human Geography.
PO2	It will help in developing analytical and critical thinking based on the themes and issues of Geography.
PO 3	Students will be able to analyze the problems of present physical as well as cultural world and they will try to find out the possible measures to solve those problems.
PO 4	Students will be able to understand applied and interdisciplinary aspects of Geography.
PO 5	Students will be able to design and conduct research projects in geography.
PO 6	Students will learn how to use various surveying instruments in the field.
PO 7	Students will be equipped with various statistical techniques and their uses.
PO 8	Students will learn how to prepare maps based on toposheets as well as GIS.
PO 9	Students will be able find out an original research question appropriate for geographic analysis.
PO10	Students will be able to design and implement legitimate geographic methodology.
PO 11	As a student of Geography, they will be capable to develop their observation power through field experience and to identify the socio-environmental problems of the areas and regions.
PO 12	Students will prepare themselves for professional careers in Geography.
PO 13	As a spatial science subject will train students to employ in the sectors of geospatial analysis, regional planning and development, tourism, mapping and surveying etc.
PO 14	Through this course students will be able to prepare themselves for Post Graduate and further Ph.D. programs in Geography.
PO 15	Students will be able to relate and use geographical knowledge and its practical aspects in their realistic life.

Programme specific outcomes (PSOs):
UG I Year / Certificate course Arts/Science



1. Student will gain the knowledge of Physical Geography. Student will have a general understanding about the geomorphological and geotechnical process and formation. They will be able to correlate the knowledge of physical geography with the human geography.
2. Imbibing knowledge, skills and holistic understanding of the Earth, atmosphere, oceans and the planet through analysis of landform development; crustal mobility and tectonics, climate change and dynamics; soil formation and classification; hydrological and oceanographic studies etc.
3. Associating landforms with structure and process; establishing man-environment relationships; and exploring the place and role of Geography vis-a-vis other social and earth sciences.
4. They will be able to acquire the knowledge of Human Geography and will correlate it with their practical life.
5. Student will be able to analyse the problems of physical as well as cultural environments of both rural and urban areas. Moreover they will try to find out the possible measures to solve those problems.
6. Students will be able to learn various Field Survey Techniques with diverse Survey Instruments.
7. Students will be able to learn the application of various modern instruments (GPS) and by these they will be able to collect primary data.
8. Applied geomorphologists working independently or serving on multidisciplinary advisory panels are well positioned to influence public policy to the benefit of society and the earth sciences.

Programme specific outcomes (PSOs):
UG II Year/ (Diploma in Arts/Science)

1. Student will have a general understanding about the Tourism Geography of any region. They will be able to correlate the knowledge of Tourism Geography with the Regional Development and Planning.
2. Students will be able analyze the prospects and potential of tourism in Uttarakhand State. Moreover they will try to find out the possible contribution of tourism development in regional development and planning.
3. Expertise in Statistical Techniques will be useful in quantitative assessment of the geographical data. The students can be able to justify their research outcomes which will ultimately contribute to the proper formulation of developmental plans.
4. The earth is three dimensional, and it is a challenge to show information in 3D to communicate with others. The map projection techniques will be helpful to put the earth on the flat surface which makes it easier for all to understand. The map projection techniques: the students will be able to map and communicate the geographical information of any region and any plans they have for solving problems that arise.

Programme specific outcomes (PSOs):
UG III Year / Bachelor of Arts/Science

(Signature)

PSO 1	Inculcating a tolerant mindset and attitude towards the vast socio-cultural diversity of India by studying and discussing contemporary concepts of social and cultural geography. Understanding and accounting for regional disparities, poverty, unemployment and the impacts of globalization. Explaining and analyzing the regional diversity of India through interpretation of natural and planning regions.
PSO 2	Understanding the role and functioning of global economies, industrial locations; and the use and exploitation of resources with impacts.
PSO 3	Understanding the history of the subject; over viewing ancient and contemporary geographical thought and its relationship with modern concepts of empiricism, positivism, radicalism, behaviouralism, idealism etc.
PSO 4	Students correlate activity of agriculture and its determinants, Classify various types of agriculture in the world and differentiate, Discuss the problems and prospects of agriculture, Acquire new methods, techniques and trends used in agriculture, Understand the concept of sustainable agricultural development.
PSO 5	Conduct Social Survey Project: They will be eligible for conducting social survey project which is needed for measuring the status of development of a particular group or section of the society
PSO6	Training in practical techniques of mapping, cartography, softwares, interpretation of maps, photographs and images etc; so as to understand the spatial variation of phenomena on the Earth's surface.
PSO7	Students will learn how to prepare map based on GIS by using the modern geographical map making techniques.
PSO8	Development of Observation Power: As a student of Geography Course they will be capable to develop their observation power through field experience and in future they will be able to identify the socio-environmental problems of a locality.
PSO9	After the completion of the project they will be efficient in their communication skill as well as power of social interaction. Some of the students are being able to understand and write effective reports and design credentials, make effective demonstrations, and give and receive clear instructions.
PSO 10	Demonstrate knowledge and understanding of the management principles and apply these to their own work, as a member and leader in a team, to manage projects. They will perform effectively as an individual, and as a member or leader in diverse teams, and in multidisciplinary settings.
PSO 11	Employment Opportunities: Many geography grads go into urban and regional planning, a field that is growing fast. Other geographers work in environmental management and consultation and can have a direct impact in the fight against climate change. Also, the skills learned during a geography degree, such as cartography, data representation, and research writing, transfer well into the workforce and can make you a standout applicant.
PSO12	Inculcating a tolerant mindset and attitude towards the vast socio-cultural diversity of Uttarakhand by studying and discussing contemporary concepts of social and cultural geography. Explaining and analyzing the regional diversity of Uttarakhand through interpretation of Physical regions.

[Handwritten signature] *[Handwritten mark]*

Subject: Geography										
Course/ Entry – Exit Levels	Year	Sem	Paper I	Credit/ hrs	Paper 2	Credit/ hrs	Paper 3	Credit/ hrs	Research Project	Credit/ hrs
Certificate Course in Arts/Science	I	I	Physical Geography	4	Basic Cartographic Techniques and Map Readings	2	Applied Geomorphology	4	--	--
		II	Human Geography	4	Surveying Techniques	2	--	--	--	--
Diploma in Arts/Science	II	III	Tourism Geography	4	Thematic Cartography	2	Social and Cultural Diversity in Uttarakhand	4	--	--
		IV	Regional planning and Development	4	Statistical and Map Projection Techniques	2	--	--	--	--
Bachelor of Arts/Science	III	V	Geography of India	4	Economic Geography	4	Educational Tour	2	Survey/ Research Project-1	4
		VI	Evolution of Geographical Thoughts	4	Agricultural Geography	4	Remote Sensing & GIS Techniques	2	Survey/ Research Project-2	4
Comments										
Internal Assessment					Marks 25	External Assessment				
Internal Assessment would be based on Written Test					20	External Assessment would be done on the Basis of University Examination System.				
Internal Assessment would be based on Attendance					05					

High - *11*

CERTIFICATE COURSE IN ARTS/SCIENCE

Programme: <i>Certificate Course in Arts/Science</i>	Year: I	Semester: I Paper-I
---	----------------	--------------------------------------

Subject: Geography

Course Code: GEOG101T	Course Title: Physical Geography
------------------------------	---

Course Outcomes:

1. Understand the origin of Universe, Earth and Solar system.
2. Learn about the Continents and Oceans.
3. Plate tectonics and related movements.
4. Origin and development of different Landforms on the Earth.
5. Earth's climate and factors influencing it.
6. Understand formation of Soil, types, profiles and biogeography.
7. Ocean systems of the world.

Credits: 04	Core Compulsory
--------------------	------------------------

Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks: 33
--------------------------	-------------------------------

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	Meaning, Scope and Branches of Physical Geography, Origin of Universe, Solar system and Earth. Geological Time Scale, Theories of Laplace, Chamberlin, James Jeans, Jeffreys, and Hoyle & Lyttleton, Interior of the earth, Rocks: origin and classification.	12
Unit II	Origin of continents and ocean basins: Continental drift and convectional current theories, Plate Tectonics, Isostasy, Earth movements, Endogenetic forces, landforms: Mountains, Plateau and Plains, Gradational processes, Weathering and Erosion, normal cycle of erosion, Arid, Glacial, Marine and Karst topographies, Vulcanicity and Earthquakes.	15
Unit III	Soil as a basic component of environment, Soil profile (Soil horizon): Characteristics and Significance, Processes and factors of soil formation. Biodiversity and Biosphere, Biotic succession, Biomes and their types. Biodiversity conservation.	10
Unit IV	Composition and structure of atmosphere, Insolation, Vertical and Horizontal Distribution of temperature, Pressure and pressure belts, Winds: Planetary, Periodic and Local. Humidity, Clouds and Precipitation, Cyclones and Anticyclones.	14
Unit V	Ocean bottom topography, Ocean deposits, Salinity, Temperature, Ocean currents, Tides and Coral reefs.	09




Suggested Reading:

1. Barry, R.G. and Chorley, R.J. (1998). Atmosphere, Weather and Climate. Routledge, London.
2. Bryant, H. Richard (2001). Physical Geography Made Simple. Rupa and Co., New Delhi.
3. Bunnett, R.B. (2003). Physical Geography in Diagrams, Fourth GCSE edition, Pearson Education (Singapore) Pvt Ltd.
4. Garrison T (1998). Oceanography. Wordsworth Cp, Bedmont.
5. Lake, P. (1979). Physical Geography (English & Hindi Edition) Cambridge Univ. Press, Cambridge.
6. Monkhouse, F I (1979). Physical Geography, Methuen, London.
7. Singh, S. (2003). Physical Geography (English and Hindi Editions) Prayag Pustak Bhawan, Allahabad.
8. Singh, M.B. (2001) Bhoutik Bhoogol, Tara Book Agency, Varanasi.
9. Strahler, A.N. and Strahler A.M. (1992). Modern Physical Geography, John Wiley and Sons, New York
10. Wooldridge, S.W. and Morgan, R.S. (1959). The Physical Basis of Geography: An Outline of Geomorphology. Longman, London.

Suggested equivalent online courses:

https://onlinecourses.swayam2.ac.in/cec21_hs03/preview

https://onlinecourses.swayam2.ac.in/nos20_sc25/preview

This course can be opted as an elective by the students: Open to all

Suggested Continuous Evaluation (25 Marks): Assignment / Class Test / Quiz (MCQ) / Seminar/ Presentations

CERTIFICATE COURSE IN ARTS/SCIENCE			
Programme: Certificate Course in Arts/Science		Year: I	Semester: I Paper-II
Subject: Geography			
Course Code: GEOG102P		Course Title: Basic Cartographic Techniques and Map Readings	
Course Outcomes:			
1. Learn basics of Cartography and Map making.			
2. Understand and interpret toposheets and weather maps.			
3. Draw maps with the help of toposheets.			
4. Learn function and use of meteorological instruments.			
Credits: 2		Core Compulsory	
Max. Marks: 25+75 (75=60+10+5 Lab exercise-+Record File+Viva-Voce)		Min. Passing Marks:33	
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P:0-0-2			

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	Meaning, importance and types of Scale, Conversion of Scale, Construction of Plain, Comparative and Diagonal Scale. Methods of enlargement and reduction of maps.	14
Unit II	Definition, nature and scope of cartography, Globe and maps, Essentials of maps, History of map making, Types and uses of maps, Elements of map reading.	8
Unit III	Cartographic representation of relief: Hachures, Contours, Form line, Spot height, Bench mark, Trig point, Layer tint; Interpolation of contours.	10
Unit IV	Indian topographical map system: Their classification and types. Interpretation of topographical maps and preparation of base map, index map, drainage map, topographic map, land use map, settlement map and transportation network map.	16
Unit V	Indian weather maps: Interpretation and preparation of weather report, Meteorological instruments; Barometer, Thermometer (Minimum, Maximum, Dry and Wet bulb), Rain gauge, Wind vane and Anemometer.	12

Suggested Reading:

1. Monkhouse, F.J. & Wilkinson, F.J. (1985). Maps and Diagrams. Methuen, London.
2. Raisz, E (1962). General Cartography. John Wiley & Sons, New York.
3. Sharma, J.P. (2001). Prayogik Bhoogol. Rastogi Pub, Meerut.
4. Singh, R. L. & Singh, Rana PB (1993). Elements of Practical Geography (Hindi & English Editions). Kalyani Publishers, New Delhi.
5. Singh, L. R. (2006). Fundamentals of Practical Geography. Sharda Pustak Bhawan, Allahabad.

Suggested equivalent online courses:

This course can be opted as an elective by the students: Open to all.

Suggested Continuous Evaluation (25 Marks): Assignment / Class Test / Quiz (MCQ) / Seminar/ Presentations

CERTIFICATE COURSE IN ARTS/ SCIENCE		
Programme: Certificate Course in Arts/Science	Year: I	Semester: II Paper-I
Subject: Geography		
Course Code: GEOG201T	Course Title: Human Geography	

(Signature)

Course Outcomes:

1. Learn Meaning, Concept, Nature, Scope and development of Human Geography.
2. Understand Cultural Changes in and around the world.
3. Learn about the different races, religions, tribes, their culture and cultural development.

Credits: 04	Core Compulsory
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks:33

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	Definition and scope of Human Geography; human versus physical geography; branches of Human Geography; Development of Human Geography; Contributions of German and French Geographers. Contribution of Indian Geographers.	12
Unit II	Schools: Determinism, possibilism, welfare or humanistic and positivism; Approaches: ecological, landscape, locational, welfare and humanistic.	12
Unit III	Elements of environment; physical and human environment; constraints and opportunities of the environment; impact of environment on man; impact of man on environment; environmental problems; pollution, Hazards, and climate change.	12
Unit IV	Evolution of man: Classification of races, Characteristics of races and their world distribution, Human adaptation to the environment: Eskimo, Bushman and Masai. Tribes of India; habitat, economy and culture with special reference to Naga, Bhil, Santhal, Gaddi, Bhotia, Jounsari and Tharu tribes.	14
Unit V	Human Settlements: Origin, types and patterns (Rural and Urban) characteristics, House types and their distribution with special reference to India.	10

Suggested Reading:

1. Singh, L.R. (2005). Fundamentals of Human Geography. Sharda Pustak Bhawan, Allahabad.
2. DeBlij, H.J. Human Geography: Culture, Society and Space. John Wiley, New York.
3. Haggett, P. (2004). Geography: A Modern Synthesis. Harper & Row, New York
4. Hussain, M. (1994). Human Geography. Rawat Publication, Jaipur.
5. Norton W. (1995). Human Geography. Oxford University Press, New York.
6. Singh, K. N. & Singh J. (2001). Manviya Bhoogol. Gyanodaya Prakashan, Gorakhpur
7. Kaushik, S.D. & Sharma, A.K. (1996). Principles of Human Geography (in Hindi), Rastogi Pub. Meerut

Suggested equivalent online courses:

Courses on Swayam / MOOCs https://onlinecourses.swayam2.ac.in/nou20_hs18/preview

This course can be opted as an elective by the students: Open to all.

Suggested Continuous Evaluation (25 Marks): Assignment / Test / Quiz (MCQ) / Seminar/ Presentations



CERTIFICATE COURSE IN ARTS/SCIENCE			
Programme: <i>Certificate Course in Arts/Science</i>		Year: I	Semester: II Paper-II
Subject: Geography			
Course Code: GEOG202P		Course Title: Surveying Techniques	
Course Outcomes:			
1. Understand importance of Surveying.			
2. Learn to use Different Surveying instruments including GPS.			
Credits: 2		Core Compulsory	
Max. Marks: Max. Marks: 25+75 (75=60+10+5 Lab exercise-+Record File+Viva-Voce)		Min. Passing Marks:33	
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 0-0-2			
Unit	Topic	No. of Lectures	
Unit I	Fundamentals of Surveying: Objects, Primary divisions of survey, Classification.	4	
Unit II	Plane Table Surveying: Radiation, Intersection, Close Traverse, Open Traverse, Resection by two point and three-point problems.	18	
Unit III	Surveying by Prismatic Compass: Close Traverse, Open Traverse, and Correction of bearing.	18	
Unit IV	Measurement of height and depth by Indian Pattern Clinometer.	10	
Unit V	Use and Applications of GPS in surveying	10	

Suggested Reading:

1. Monkhouse, F.J. & Wilkinson, F.J. (1985). Maps and Diagrams. Methuen, London.
2. Raisz, E. (1962). General Cartography. John Wiley & Sons, New York.
3. Sharma, J.P. (2001). Prayogik Bhoogaol. Rastogi Pub, Meerut.
4. Singh, R.L. & Singh, Rana P.B. (1993) Elements of Practical Geography (Hindi & English Editions), Kalyani Publishers, New Delhi.
5. Singh, L. R. (2006). Fundamentals of Practical Geography. Sharda Pustak Bhawan, Allahabad.

Suggested equivalent online courses:

This course can be opted as an elective by the students: Open to all.
Suggested Continuous Evaluation (25 Marks): Assignment / Test / Quiz (MCQ) / Seminar/Present

DIPLOMA IN ARTS/SCIENCE		
Programme: <i>Diploma in Arts/Science</i>	Year: II	Semester: III Paper-I

Signature

Subject: Geography		
Course Code: GEOG301T		Course Title: Tourism Geography
Course Outcomes: <ol style="list-style-type: none"> 1. Understand the concept and importance of tourism and tourism Geography. 2. Infrastructure required by the tourism services. 3. Learn impacts on Environment, economy and society. 4. Tourism prospects and challenges in Uttarakhand. 		
Credits: 4		Core Compulsory
Max. Marks: 25+75		Min. Passing Marks:33
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0		
Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	Concept of Leisure and Tourism; Development of Tourism; Types of Tourism; Definition, Scope and Significance of Geography of Tourism; Geographical Basis of Tourism; Resources and Infrastructure for Tourism: Transportation, Accommodation and Basic Infrastructure.	12
Unit II	Impact of Tourism: Physical, Economic, Social and Cultural Impacts; Concept of Ecotourism; New Emerging Trends in Tourism. Statistics of tourism and data collection.	12
Unit III	Tourism Marketing: Marketing Concepts and Marketing in Tourism; The Tourist Product; Segmentation- A Priori Segmentation; Tourism Circuits; Tour Agencies. Components of a Tourism Plan, The Tourism Planning Process.	12
Unit IV	Globalization and Tourism; Tourism in India; Resource and Growth; National Tourism Policy in India; Tourism Organizations. Role of WTO, IATA, UPTAA, AI, IATO, etc. in promotion and development of tourism	12
Unit V	Sustainable Tourism Development in Uttarakhand: Policies and Planning for Tourism Development; Tourism Carrying Capacity and Limits of Acceptable Change; Pro-Poor Tourism (PPT); Environmental, Cultural, Social and Historical Attractions with special reference to Uttarakhand Himalaya; Framework for Monitoring Sustainability of Tourism in Uttarakhand.	12

Suggested Reading:

1. Bhatia A.K. (1978). Tourism in India. Sterling pub. New Delhi.
2. Burkarl, A.J. (1974). Tourism, Past, present and future Heineman London.
3. Gearing Charles, E (1976). Planning for Tourism development Praeger Pub, New York
4. Lawbon, F & Bauet B. (1977) Tourism and recreation Development mass, CBI pub.
5. Robinson H. (1976). A Geography of Tourism. MacDonald and Evans Ltd; London.
6. Douglas Pearce (1981). Topics in Applied Geography, Tourist Development. Longman London New York.

Pragati  

7. Stephen L.J. Smith (1989). Tourism Analysis: A Handbook-Longman Scientific and Technical.
8. Ministry of Tourism Govt. of India (1999): Report on National Tourism.
9. Pande, G.C. and D.C. Pandey (1999). Environmental Development and Management: Strategies and Policies, New Delhi.

Suggested equivalent online courses:

This course can be opted as an elective by the students: Open to all

Suggested Continuous Evaluation (25 Marks): Assignment / Test / Quiz (MCQ) / Seminar/ Presentations

DIPLOMA IN ARTS/SCIENCE			
Programme: <i>Diploma in Arts/Science</i>		Year: II	Semester: III Paper-II
Subject: Geography			
Course Code: GEOG302P		Course Title: Thematic Cartography	
Course Outcomes:			
1. Learn theme-based cartography.			
2. Able to represent geographical data of different types using diagrams,graphs and maps.			
Credits: 2		Core Compulsory	
Max. Marks: 25+75 (75=60+10+5 Lab exercise+Record File+Viva-Voce)		Min. Passing Marks:33	
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 0-0-2			
Unit	Topic	No. of Lectures	
Unit I	Cartography: Meaning, Rules and Methods of Geographical data representation, Types of Diagrams, Graph, Distribution maps and cartogram. Isopleth and choropleth maps.	12	
Unit II	Cartographic representation of geographical data by (a) dot method (b) proportional sphere method and circle method. Representation of economic data: Agricultural, land use, production and industrial data.	12	
Unit III	Representation of population data: Growth, distribution and employment.	12	
Unit IV	Representation of climatic data: Climatograph, Climograph and Hythergraph.	12	
Unit V	Drainage ordering, Slope analysis: Wentworth's and Smith's methods.	12	

Suggested Reading:

[Handwritten signature]

1. Monkhouse, F.J. & Wilkinson, F.J. (1985) Maps and Diagrams. Methues, London.
2. Raisz, E (1962) General Cartography. John Wiley & Sons, New York.
3. Sharma, J.P. (2001) Prayogik Bhoogol. Rastogi Pub, Meerut.
4. Singh R.L. & Singh, Rana P B (1993) Elements of Practical Geography (Hindi & English Editions), Kalyani Publishers, New Delhi.
5. Singh, L R (2006) Fundamentals of Practical Geography. Sharda Pustak Bhawan, Allahabad.

Suggested equivalent online courses:

This course can be opted as an elective by the students: Open to all

Suggested Continuous Evaluation (25 Marks):. Assignment / Test / Quiz (MCQ) / Seminar/ Presentations

DIPLOMA IN ARTS/SCIENCE		
Programme: <i>Diploma in Arts/Science</i>		Year: II Semester: IV Paper-I
Subject: Geography		
Course Code:GEOG401T	Course Title: Regional Planning and Development	
Course Outcomes:		
1. Understand the concept of region, planning and development		
2. Understand the importance of Regional planning.		
3. Learn the process and strategies of planning.		
4. Understand the theories of regional planning.		
5. Problems of planning and causes of regional disparities.		
Credits: 4		Core Compulsory
Max. Marks:25+75		Min. Passing Marks:33
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0		
Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	Regional concept in geography: Concept, Scope & purpose of regional planning, Types of regions: Formal and functional; uniform and nodal, single purpose and composite region.	10
Unit II	Regional Planning: Planning process - sectoral, temporal and spatial dimensions; short-term and long-term perspective planning, Indicators of development and their data sources, measuring levels for regional development and disparities. Planning for regional development and multi-	14

Signature = *Bl.*

	regional planning in national context	
Unit III	Regional development strategies: Concentration vs. dispersal, Case studies for plans of developed and developing countries, Regional planning and development in India through Five year plans, problems and prospects. Regional disparities: causes and consequences.	13
Unit IV	Concept of Multi-level planning: Decentralized planning; peoples participation in the planning process, Concept and approaches of urban development, Landscape ecology and sustainable urban development, Application of remote sensing and Geographic Information System in Development Planning.	13
Unit V	Theories and Models for Regional Planning: Growth Pole Model of Perroux; Myrdal, Hirschman, Rostow and Friedmann.	10

Suggested Reading:

1. Chitambar, J.B. (1993) Introductory Rural Sociology, Wiley Eastern, New Delhi.
2. Goomen, M.A. and Datta, A. (1995) Panchayats and their Finance, Rawat Pub. Co., New Delhi.
3. Matthews G. (editor) (1995) Status of Panchayati Raj: 1994, Institute of Social Sciences / Rawat Pub. Co., New Delhi.
4. Matthews A. (1994) Panchayati Raj: From Legislation to Movements, Rawat Pub. Co., New Delhi.
5. Misra, H.M. (ed) (1987) Contributions to Indian Geography, Volume 9: New Delhi.
6. De Blij, H.J. and Muller, P.O. (1997) Geography: R.R.C, 8th edition, J. W. & S. Ltd., New York.
7. Dickinson, J., Gould, B., Clarke, C., Mather, S., Prothero, M., Siddle, D., Smith, C. and Thomas-Hope, E. (1996) A Geography of the Third World, 2nd edition, Routledge, London
8. Bhat, L.S. (1972) Regional Planning in India, Indian Statistical Institute, Calcutta.
9. Bhat, L.S. (2003) Micro Planning: A Case Study of Karnal Area, KB Publications, New Delhi.
10. Chand, M. and Puri, V.K. (2004) Regional planning in India; Allied Publishers, New Delhi.
11. Chandana, R. C. (2005) Regional Development and Planning. Kalyani Publishers, New Delhi.
12. Dube, K.K. and Singh, M.B. (1986): Pradeshik Niyojan. Tara Book Agency, Varanasi.
13. Friedman, J.&Alonse, W. (1968) Regional Development & Planning, M.I.T. Press, Cambridge-Massachusetts.
14. Kuklinski, A.R. (ed.) (1975) Regional Development & Planning: International Perspectives.
15. Kuklinski, A.R. (1972) Growth Centres in Regional Planning. Mouton and Company, Paris.
16. Mishra, R.P, Sundaram, K.V., and Prakasarao, V.L.S. (1976) Regional Development Planning in India, Vikas Publishers., New Delhi.
17. Mishra, R.P. (1969) Regional Planning. University of Mysore, Mysore.
18. Mishra, R.P. (2002) Regional Planning, Concepts, Techniques, Policies and Case Studies, Concept Publishing Company, New Delhi.
19. Pandey, D.C. and P.C. Tiwari (1989) Dimensions of Development Planning, Volumes I and II, New Delhi.
20. Singh O.P. and D.C. Pandey (1986) Development Planning: Theory and Practice, Nainital.
21. Sharma, P.R. (ed.) (1993) Regional Policies and Development in the Third World. Rishi Publication., Varanasi.
22. Sundaram, K.V. (1977) Urban and Regional Planning in India, Vikas Publishers. New Delhi.
23. Sundaram, K.V. (1997) Decentralized Multilevel Planning: Principles and Practice. Asian and African Experience. Concept Publishing Company, New Delhi.

Suggested equivalent online courses: https://onlinecourses.swayam2.ac.in/aic19_ge05/preview

This course can be opted as an elective by the students: Open to all.

Suggested Continuous Evaluation (25 Marks): Assignment / Test / Quiz (MCQ) / Seminar/ Presentations

Course Prerequisites:

DIPLOMA IN ARTS/SCIENCE			
Programme: <i>Diploma in Arts/Science</i>		Year: II	Semester: IV Paper-II
Subject: Geography			
Course Code: GEOG402P		Course Title: Quantitative Techniques and Map Projections	
Course Outcomes:			
1. Understand the importance of statistical methods in Geographical studies.			
2. Learn data collection, tabulation, analysis and prediction.			
3. Understand the need of projection and construction methods.			
Credits: 2		Core Compulsory	
Max. Marks: 25+75 (75=60+10+5 Lab exercise-+Record File+Viva-Voce)		Min. Passing Marks:33	
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 0-0-2			
Unit	Topic		No. of Lectures
Unit I	Data: Meaning, and Types, Collection of data, Sampling Techniques and Methods, Measures of central tendency: Mean, Mode, and Median.		14
Unit II	Measures of dispersion; Mean Deviation, Quartile Deviation and Standard deviation, Correlation: Karl Pearson's and Spearman's methods.		10
Unit III	Definition, Necessity and Classification of map projection, Mathematical method of drawing projections, Construction of map projections: Simple conical projection with one and two standard parallels, Bonne's projection, Polyconic projection.		14
Unit IV	Cylindrical projections: Equidistant and Equal area cylindrical projections, Mercator's, Gall's stereographic projection.		12
Unit V	Zenithal Projections: Polar zenithal equidistant, Equatorial zenithal equidistant, Polar zenithal equal-area, Equatorial zenithal equal-area.		10

Suggested Readings:

1. Monkhouse, F.J. & Wilkinson, F.J.(1985)Maps and Diagrams. Methues, London.
2. Raisz, E. (1962). General Cartography. John Wiley & Sons, New York.
3. Sharma, J.P. (2001). Prayogik Bhoogaol. Rastogi Pub, Meerut.

4. Singh, R.L. & Singh, Rana P.B. (1993). Elements of Practical Geography (Hindi & English Editions), Kalyani Publishers, New Delhi.
5. Singh, L. R. (2006). Fundamentals of Practical Geography. Sharda Pustak Bhawan, Allahabad.

This course can be opted as an elective by the students: Open to all

Suggested Continuous Evaluation (25 Marks): Assignment / Test / Quiz (MCQ) / Seminar/ Presentations
Course Prerequisites:

DEGREE IN ARTS/SCIENCE			
Programme: <i>Degree in Arts/Science</i>		Year: III	Semester: V Paper-I
Subject: Geography			
Course Code: GEOG501T		Course Title: Geography of India	
Course Outcomes:			
1. Help students to know the Uniqueness of India in the world.			
2. Learn about the physical and cultural diversities and interrelationships of India.			
3. Understand the agricultural, industrial and trade aspects of India.			
Credits: 4		Core Compulsory	
Max. Marks: 25+75		Min. Passing Marks:33	
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0			
Unit	Topic		No. of Lectures
Unit I	India- A subcontinent, Physical features, Geologic structure, Drainage system, Climate, Natural vegetation, Soils, Natural regions.		16
Unit II	Agriculture, Crops (Food, plantation and commercial), Agriculture production, Agriculture regions, Irrigation, Livestock raising and Fishery.		10
Unit III	Industries: Metallurgical, Textile, Engineering, Chemical, Food, Leather, Forest and Agro-industries, Industrial regions, Minerals and Power resources.		10
Unit IV	Population (density, distribution and urbanization), Multipurpose projects. Regional development and planning, Regional disparities, Five-year plans, Integrated rural development programme, Panchayati raj, Command area and watershed management.		14
Unit V	Transportation: Roads and railways, air transportation and pipeline transportation. Trade: Internal and External (Trend, composition and direction); SEZ (Special Economic Zones).		10

Suggested Reading:

1. Chauhan B.S. & Gautam Alka (2011) Bharat (Geography of India), Rastogi Publication, Meerut.
2. Chauhan B.S. & Gautam Alka (2013) Bharatvarsh ka Vistrat Bhogool, Rastogi Publication, Meerut.
3. Hussain, Majid (2015) Geography of India, McGraw Hill Education, New Delhi.
4. Mamoria, C.B. (2007) Bharat Ka Bhoogol. Sahitya Bahwan, Agra.
5. Sharma, Y.K. (2009) Geography of India, Lakshmi Narayan, Agra.
6. Sharma, M.L. & Sharma H.S. (2011) Bharatka Bhogool, Rastogi Publication, Meerut.
7. Sharma, J.K. & Kalwar, S.C. (2011) Bharat ka Bhogool, Rastogi Publication, Meerut.
8. Singh R. L. (1993) Regional Geography of India, National Geographic Society of India, Varanasi.

Suggested equivalent online courses:

Courses on Swayam / MOOCs https://onlinecourses.swayam2.ac.in/nou20_ag10/preview

This course can be opted as an elective by the students: Open to all

Suggested Continuous Evaluation (25 Marks): Assignment / Test / Quiz (MCQ) / Seminar/ Presentations

DEGREE IN ARTS/SCIENCE			
Programme: <i>Degree in Arts/Science</i>		Year: III	Semester: V Paper-II
Subject: Geography			
Course Code: GEOG502T		Course Title: Economic Geography	
Course Outcomes:			
1. Understand broad meaning and scope of Economic Geography.			
2. Understand Economic landscape.			
3. Learn world production of crops, industries, resources, and petroleum etc.			
4. Learn theories of industrial location and factor responsible.			
5. Understand trade and transportation scenario of the world.			
Credits: 4		Core Compulsory	
Max. Marks: 25+75		Min. Passing Marks:33	
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0			
Unit	Topic		No. of Lectures
Unit I	Meaning, aim and scope of economic geography, Resources: Meaning, classification, conservation and concepts, Economic landscapes.		14
Unit II	Primary production, Vegetation & forest economy, Soil resources, Mineral resources (Iron ore and bauxite), Power resources (Coal, Petroleum and Hydro-electricity), Resource conservation.		12

Unit III	Main crops in the world: Wheat, paddy, sugarcane, coffee and tea. industries: Iron & steel, textiles, petro-chemical and sugar.	12
Unit IV	Theory of industrial location: Weber and Losch, Industrial regions of India and World.	10
Unit V	World transportation: trans-continental railways, sea and air routes, international trade, patterns and trends, trade blocks: NAFTA, EEC, ASEAN, G7 and G20, Globalization and developing countries.	12

Suggested Reading:

1. Alexander, I W (1988) Economic Geography. Prentice Hall, New Delhi.
2. Boesch, H (1964) A Geography of World Economy. Von Nostrand, New York.
3. Gautam, A (2006) Arthik Bhugol ke Mool Tatve. Sharda Pustak Bhawan, Allahabad.
4. Hartshorne, TA & Alexander IW (1988) Economic Geograohy. Englewood Cliff, New Jersey.
5. Singh, KN and Singh I (2003) Arthik Bhugol ke Mool Tatve. Gyanodaya Prakashan, Gorakhpur.

Suggested equivalent online courses:

Courses on Swayam / MOOCs https://onlinecourses.nptel.ac.in/noc21_hs50/preview

This course can be opted as an elective by the students: Open to all

Suggested Continuous Evaluation (25 Marks): Assignment / Test / Quiz (MCQ) / Seminar/ Presentations

DEGREE IN ARTS/SCIENCE		
Programme: <i>Degree in Arts/Science</i>	Year: III	Semester: V Paper-III
Subject: Geography		
Course Code: GEOG503P	Course Title: Field Excursion	
Course Outcomes:		
1. Understand different physio-cultural settings of the visited region or area.		
2. Understand the geographical differences among regions and areas and their causes.		
3. Learn to interact with peoples of different culture.		
4. Learn to Prepare tour report		
Credits: 2	Core Compulsory	

[Signature]

Max. Marks: 25+75 (75=60+15 Tour report+Viva-Voce)		Min. Passing Marks:33
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 0-0-2		
Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	How to prepare Field Manuscript, Steps and methods of preparing Tour report, Methodology adopted for Research in Field Trip, Various other aspects of study in Field Trip, Preparation of Surveying in Field Trip. Prerequisites of field trip. Conducts during field visit. (Different lectures would be taken before and during field visit).	60

Suggested Continuous Evaluation Methods:

The following shall be the guidelines and structure of Educational tour;

Geographical Excursion Committee

1. All faculty members shall organize geographical excursion as 'tour in-charge' in rotation according to departmental seniority list.

2. There shall be Geographical Excursion Committee headed by HOD in University and Principal in colleges. Tour in-charge shall act as convener of committee and shall convene a meeting at the beginning of session or semester. All other teachers of department shall be member of committee. Four/Five meritorious students based on last available examination result shall be invited by the tour in-charge to participate in meeting as members of committee.

3. Committee shall:

a) Review the tour plan.

b) Confirm that all arrangements shall be made in advance before tour departure.

c) Listen to the opinion of students and give recommendations to tour in-charge accordingly.

d) Review academic nature of tour and evaluate day wise tour plan and academic activity as submitted by Tour in-charge.

Structure of the tour party

1. For 20 or less than 20 students one faculty member with one non teaching staff shall accompany the Tour party. For 21 to 50 students two faculty members with one non teaching staff shall accompany the Tour party. If two faculty members are required for tour, second faculty member shall be selected on the recommendation of tour in-charge. If students are more than 50 then a separate tour batch shall be constituted in same manner.

2. If female students are also participating in tour and tour in-charge, accompany other faculty member or Non teaching staff none are female then one female attended (Female faculty member from Geography or any other departments/female non teaching staff) shall accompany with tour party.

Responsibility of tour in-charge

1. Tour shall at least of 6 days stay at location with inter region variation.
2. Tour in-charge shall submit tentative day wise activity report in advance to HOD in University and Principal in colleges.
3. Tour in-charge shall coordinate with Institutes/Colleges/ Universities/Research institutes etc in location where tour is being planned for following activities like;
 - a) Interaction of students.
 - b) Lectures on various local physical and cultural attributes of the area by the experts.
 - c) Local visit with faculty members having academic understanding of the area.
4. Lectures by tour in-charge on physical and human characteristics of area being visited for educational tour.
5. Survey with students with at least one instrument like Dumpy Level, Sextant, Theodolite, GPS etc.
6. Questionnaire survey on various socio-cultural or any other aspects. Questionnaire must be prepared in advance and shall be shared during Geographical Excursion Committee meeting.
7. Tour in-charge shall collect undertaking from all students which shall be counter signed by their guardian.
8. Tour in-charge will prepare list of students accompanying the tour with their information like mobile number, address, guardian contact information and one recent color photo. One copy will also be submitted to the head in universities and Principal in colleges.
9. Teacher shall always try to minimize tour expenditure of students by;
 - a) Using concession train reservation and avoiding buses if possible.
 - b) Making stay arrangements of students in advance in youth hostels/lodges/guest house etc.
 - c) Try to visit few important locations only with objective of spot study and avoiding unnecessary travel for sightseeing.
10. After the completion of tour there shall be presentation by students regarding learning outcomes and experiences under the supervision of tour in-charge. Presentation shall be attended by Geographical Excursion Committee members along with other faculty members, staff, students etc.
11. All students shall submit tour report under supervision of Tour in-charge for evaluation. Tour report shall portray all activities conducted and places visited for the purposes of study.
12. In case of any incident/injury where one or more than one student can't join tour party in return journey. One teaching/non teaching staff member shall stay with student until student's guardian arrives or alternative arrangement is not made by the college. In case tour in-charge stays the other teacher/staff member shall act as tour in-charge for remaining tour period according to seniority.

Exemption of Students from Tour

1. Tour can be exempted in very special circumstances on recommendation of tour incharge and head (in University) or Principal (in Colleges). Exempted students will prepare local tour report based on his/her own local tour visits. Report shall be prepared under supervision of tour in-charge.

TA, DA and other expenses

1. The TA, DA and other expenses of teachers and attendants shall be met out by college as admissible to their cadre as per government rules.



DEGREE IN ARTS/SCIENCE		
Programme: <i>Degree in Arts/Science</i>		Year: III Semester: V Paper-IV
Subject: Geography		
Course Code: GEOG504R	Course Title: Survey/ Research Project -I	
Course Outcomes:		
1. Understand the importance of research and research methodology.		
2. Learn how to conduct research project.		
3. Learn to prepare project report.		
Credits: 4 (3 credits for Theory and 1 credit for preparation of field survey)		Core Compulsory
Max. Marks: 100		Min. Passing Marks:40
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P: 0-0-P		
Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	Meaning, types and significance of Research, Literature review and formulation of research design, research problem, objectives, hypothesis, Research materials and methods, Sampling. Techniques of writing scientific reports: Preparing notes, references, bibliography, abstract and keywords etc.	45
Unit II	Selection of research problem and study area.	15
Note	1. Each faculty member shall teach these topics of research to his/her Group of students independently. 2. Student shall choose supervisor according to his/her research interest and specialisation of Faculty member.	

Suggested equivalent online courses:

This course can be opted as an elective by the students: Open to all

Suggested Continuous Evaluation (25 Marks): Seminar/ Presentations

DEGREE IN ARTS/SCIENCE		
Programme: <i>Degree in Arts/Science</i>	Year: III	Semester: VI Paper-I
Subject: Geography		
Course Code: GEOG601T	Course Title: Evolution of Geographical Thoughts	

Dr. Arif 

Course Outcomes:

1. Understand the development of Geography as a scientific discipline.
2. Learn the basic concepts of Geography.
3. Know the impact of expedition, discoveries and exploration on Geographical knowledge.
4. Contributions of Indian, Arab, Greek, Roman, and modern geographers.

Credits: 4**Core Compulsory****Max. Marks: 25+75****Min. Passing Marks:33****Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week):L-T-P: 4-0-0**

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	Definition and purpose of Geography, Science and philosophy of Geography, The basic concepts of Geography, Techniques and tools in Geography, Different branches of Geography, Relationship of Geography with other Sciences.	12
Unit II	Geography in classical times: Greek and Roman Geographers, Contribution by Arab Geographers.	12
Unit III	Renaissance, Eighteenth century Geography, Development of Geographical Thought in India: Ancient and Modern. Contribution of Important Indian Geographers.	12
Unit IV	Formulation of scientific Geography, Schools of thoughts; German, French, British, American and former Soviet Union. Environmental determinism, possibilism, Neo-determinism and probabilism.	12
Unit V	Dualism in Geography, Dichotomy of scientific and regional Geography; Unity in Geography, Concept of Regions and regionalization, Quantitative Geography, Recent Trends in Geography.	12

Suggested Reading:

1. Abler, Ronald; Adams John S. Gould, Peter (1971) Spatial Organization: The Geographer's View of the world. Prentice Hall.N.I.
2. Ali.S.M: The Geography of Puranas (1996) People of Publishing House, Delhi.
3. Amedeo, Douglas (1971) An Introduction to scientific Reasoning in Geography, John Wiley, USA.
4. Dikshit, R.D. (ed): The Arts and science of Geography integrated readings, P.H.I, New Delhi.
5. Hartshorne, R. (1959) Perspectives on Nature of Geography, Rand McNally &co.
6. Husain, M. (1984) Evaluation of Geographical thought, Rawat Publication, Jaipur.
7. Johnston, R.J. (1983) Philosophy and Human Geography, Edward Arnold London, Johnston,
8. R.H. (1988) The future of Geography, Methuen, London.
9. Mishull, R. (1970) The Changing Nature of Geography, Hutchinson University library, London.
10. Adhikari S. (1992): Geographical Thought, Chiatanya Pub. House, Allahabad.
11. Chorley, R.J. & Hagget.P. (1965) Frontier in Geographical Teaching, Oxford University Press.

Suggested equivalent online courses:

Courses on Swayam / MOOCs https://onlinecourses.swayam2.ac.in/cec21_lg06/preview

This course can be opted as an elective by the students: Open to all

Suggested Continuous Evaluation (25 Marks): Assignment / Test / Quiz (MCQ) / Seminar/ Presentations

DEGREE IN ARTS/SCIENCE		
Programme: <i>Degree in Arts/Science</i>		Year: III Semester: VI Paper-II
Subject: Geography		
Course Code: GEOG602T	Course Title: Agricultural Geography	
Course Outcomes:		
1. Understand the meaning, scope and approaches of Agricultural Geography.		
2. Learn factors influencing Agriculture.		
3. Learn techniques and methods of agricultural regionalization.		
4. Come to know the agricultural location theory.		
5. Understand the agricultural scenario of India.		
Credits: 4		Core Compulsory
Max. Marks: 25+75		Min. Passing Marks:33
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P: 4-0-0		
Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	Nature, scope, significance and development of Agriculture Geography, Approaches to the study of Agricultural Geography: Commodity, systematic, regional, behavioral and recent approaches etc., Origin and dispersal of agriculture.	12
Unit II	Determinants of agricultural land use: Physical, economic, social and technological factors, Land holding and land tenure systems in India, Land use and land capability.	12
Unit III	Agricultural efficiency Concepts, Techniques and Methods of measurements; Methods of delimiting crop combination region, cropping pattern, crop concentration, intensity of cropping, degree of commercialization, diversification and specialization.	12
Unit IV	Theories of Agriculture Geography, Von Thunen's theory (model) of agricultural location and its recent modifications, Demarcation of Agricultural regions, Whittlesey's classification of agricultural regions.	12



Unit V	Regional pattern of productivity in India, Green Revolution, White Revolution, Food deficit and food surplus regions; World pattern of Agriculture: Subsistence agriculture, Commercial farming, Plantation agriculture, Mixed agriculture, State, collective and cooperative farming.	12
---------------	--	----

Suggested Reading:

1. Bhalla, G.S. and Alagh, Y.K. (1979). Performance of Indian Agriculture: A District-wise Study, Sterling, New Delhi.
2. Das, M.M. (1982) Peasant Agriculture in Assam, Inter India, New Delhi.
3. Gobind, N. (1986) Regional perspective in agriculture, concept, New Delhi.
4. Hussain, M. (1979) Agricultural Geography, Inter India, New Delhi.
5. Mergra, W.B. & Munton, R.J.C. (1971) Agricultural Geography, Methuen, London.
6. Mitchel, P. (1979) Agro-ecosystem, Inter India Publication, New Delhi.
7. Shafi, M. (1984) Agricultural productivity and regional imbalance, concept, New Delhi.
8. Singh J. and Dhillon, S.S. (1985) Agricultural Geography, Tata McGraw Hill, New Delhi.
9. Singh, J. (1974) Agricultural Atlas of India: A Geographical perspective, Vishal Publications, Kurukshetra.
10. Kumar, Pramila, Krishi Bhoogol, Madhya Pradesh Hindi Granth Academi, Bhopal, MP.

Suggested equivalent online courses:

This course can be opted as an elective by the students : Open to all

Suggested Continuous Evaluation (25 Marks): Assignment / Test / Quiz (MCQ) / Seminar/ Presentations

DEGREE IN ARTS/SCIENCE		
Programme: <i>Degree in Arts/Science</i>	Year: III	Semester: VI Paper-III
Subject: Geography		
Course Code: GEOG603P	Course Title: Basics of Remote Sensing and GIS	
Course Outcomes:		
1. Understand the meaning and importance of Remote Sensing and GIS.		
2. Learn to map making by using RS and GIS.		
Credits: 2	Core Compulsory	
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks:33	
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P: 0-0-2		

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	Remote Sensing: Components of Remote Sensing, Thermal and Radar Remote Sensing; Image Processing Techniques: Visual and Digital, Classification: Supervised and Unsupervised.	12
Unit II	GIS: Geographic Data Types; Spatial and Non-Spatial Data; Raster and Vector Data, Linkages and Matching, Principal Functions of GIS; Data Capture; Geographic Analysis; Scanning System; Data Conversion, Data Base Management System (DBMS), Data Base and Spatial Data Management; Geo-Relational Data Model; Topological Data Structure; Attribute Data Management; Relational Database-Concepts & Model, Digital Elevation Model (DEM): Process, Derivatives and applications.	12
Unit III	Geo-Referencing and Its Importance. Spatial Data Integration (Digitization) – Point, Line, Polygon. Map Design or Layout, Map Production. Import And Export of Map in Various Formats.	10
Unit IV	Satellite Data and its type. Downloading Sources of Satellite Data (Google Earth, USGS, GLCF Etc.). Download Process Satellite Imagery. Remote Sensing data download from open sources.	10
Unit V	GIS Software (Including Open-Source Softwares). Creation of Shape files in GIS Softwares. Geo-Referencing and Digitization in GIS Software. Attribute Data Entry, Manipulation of Fields and Attribute Data.	16

Suggested Reading:

1. Curran, P.J. (1985): Principles of Remote Sensing, Longman, London
2. Chaunial, D. D. (2004): Remote Sensing and Geographical Information System (in Hindi), Sharda Pustak Bhawan, Allahabad
3. Cracknell, A. and Ladson, H. (1990): Remote Sensing Year Book. Taylor and Francis, London.
4. Curran, P.J. (1985): Principles of Remote Sensing. Longman, London.
5. Deekshatulu, B.L. and Rajan, Y.S. (ed.) (1984): Remote Sensing. Indian Academy of Science, Bangalore.
6. Floyd, F. and Sabins, Jr. (1986): Remote Sensing: Principles and Interpretation. W.H. Freeman, New York.
7. Gautam, N.C. and Raghavswamy, V. (2004). Land Use/ Land Cover and Management Practices in India. B.S. Publication., Hyderabad.
8. Jensen, J.R. (2004): Remote Sensing of the Environment: An Earth Resource Perspective. Prentice Hall, Englewood Cliffs, New Jersey. Indian reprint available.
9. Lillesand, T.M. and Kiefer, R.W. (2000): Remote Sensing and Image Interpretation. John Wiley and Sons, New York.
10. Nag, P. (ed.) (1992): Thematic Cartography and Remote Sensing. Concept Publishing Company, New Delhi.
11. Rampal, K.K. (1999): Handbook of Aerial Photography and Interpretation. Concept Publishing. Company, New Delhi.
12. Campell, J. B. (2003): Introduction to Remote Sensing. 4th edition. Taylor and Francis, London.

Suggested equivalent online courses:

Courses on Swayam / MOOCs https://onlinecourses.swayam2.ac.in/aic20_ge05/preview

This course can be opted as an elective by the students: Open to all
Suggested Continuous Evaluation (25 Marks): N.A.

DEGREE IN ARTS/SCIENCE		
Programme: <i>Degree in Arts/Science</i>		Year: III Semester: VI Paper-IV
Subject: Geography		
Course Code: GEOG604R	Course Title: Survey/ Research Project-2	
Course Outcomes:		
1. Implementation of Research Methodology.		
2. Field Survey and Data collection and Data Analysis.		
3. Report Writing.		
Credits: 4	Core Compulsory	
Max. Marks: 100	Min. Passing Marks:40	
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P: 0-0-4		
Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	Project should be based on problem oriented research using quantitative techniques and appropriate graphical representation of Data.	60
Note	1. Each faculty member shall teach and guide to his/her Group of students independently. 2. Student shall choose supervisor according his/her research interest and specialisation of Faculty member.	

Suggested Readings:

Suggested equivalent online courses:

This course can be opted as an elective by the students: Open to all

Suggested Continuous Evaluation (25 Marks): Presentation

[Signature] *[Stamp]*

Sri Dev Suman Uttarakhand University
Badshahithoul, Tehri Garhwal

Subject: Geography

Under Graduate Syllabus
For
Minor Elective Course

(Session 2022-23 onwards)

A handwritten signature in black ink, appearing to read 'Dr. Singh', followed by a horizontal line and a small mark.

ELECTIVE COURSE IN ARTS/SCIENCE

Programme: <i>Elective Course in Arts/Science</i>		Year: I	Semester: I Paper-III
Subject: Geography			
Course Code: GEOGME103		Course Title: Applied Geomorphology	
Course Outcomes: 1. To understand the impact of landforms on various spheres of human life. 2. To analyse the role of human being in mitigating the geomorphic hazards. 3. The applied geomorphological knowledge is useful to scientists, engineers, consultants, and decision-makers involved with hazards, land-use planning, natural resources, environmental management, and global environmental change.			
Credits: 4		Minor Elective	
Max. Marks: 25+75		Min. Passing Marks: 33	
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0			
Unit	Topic	No. of Lectures	
Unit I	Introduction : Definition, Nature and scope of Applied Geomorphology	10	
Unit II	Geomorphic Hazards and Mitigation Measures: Landslides Flash Floods and Flood Hazards, Avalanches, Earthquakes and Tsunamis, Volcanic Eruptions.	15	
Unit III	Geomorphology in Civil Engineering: Dam Construction, Road construction, Site selection for the construction of Airport	15	
Unit IV	Geomorphology and Natural Resources: Geomorphology and Groundwater Studies; Soil and Geomorphology; Application of Geomorphology in agriculture and resource management.	20	

Suggested Readings:

1. Coats, D.R. (1981. edt.). Geomorphology and Engineering, George Allen and Unwin, London.
2. Cooke, R.U. and J.C. Doornkamp (1974) : Geomorphology in Environmental Management, Oxford University Press.
3. Hart, M.G. (1986) : Geomorphology : Pure and Applied, George Allen and Unwin, London.
4. Gares, P.A, D.J. Sherman, and K.F. Nordstrom. 1994. Geomorphology and natural hazards. Geomorphology 10: 1-18.
5. Panizza, M. 1987. Geomorphological hazard assessment and the analysis of geomorphological risk. In V. Gardiner (ed.), International Geomorphology 1986, pp. 225-229. Part I. New York: Wiley.
6. Slaymaker, O. 1996. Introduction. In: Slaymaker, O. (Ed.), Geomorphic Hazards. Wiley, Chichester, pp. 1-7.
7. Craig, R.G. and Craft, J.L. 1982 Applied Geomorphology Allen & Unwin, London



8. Verstappen, H. Th. 1983 Applied Geomorphology: Geomorphological Surveys for Environmental Development Elsevier, Amsterdam
9. Cooke, R.U. and Doornkamp, J.C. 1974 Geomorphology in Environmental Management ,Oxford University Press, Oxford
10. Singh, S. 1998: Geomorphology,(Hindi and English Editions), Prayag Publications, Allahabad.

Suggested equivalent online courses:

This course can be opted as an elective by the students: Open to all

Suggested Continuous Evaluation (25 Marks): Assignment / Test / Quiz (MCQ) / Seminar/ Presentations

ELECTIVE COURSE IN ARTS/SCIENCE		
Programme: <i>Elective Course in Arts/Science</i>		Year: II Semester: III Paper-III
Subject: Geography		
Course Code:GEOGME303	Course Title: Social and Cultural Diversity in Uttarakhand	
Course Outcomes:		
1. To understand the physical and cultural diversity within the state.		
2. To identify the impact of physical diversity in determining the Socio-Cultural diversity of the state.		
Credits: 4	Minor Elective	
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks:33	
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0		
Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	Fundamental Base: Location and Extent; Geology; Physiography; Climate and Drainage System; Demographic and Socio-cultural Characteristics.	10
Unit II	Socio-cultural Milieu: Ethnic/tribal Groups and their Spatial Distribution, Fairs, Festivals and Languages and Dialects, Settlements: Types and Patterns.	15
Unit III	Socio-cultural Diversity: Components of social diversity; tribes and their distribution; Tribal region; Cultural regions: elements of cultural regionalization: race, caste, dance, music, cuisine, costumes, dialect, language, religion.	20
Unit IV	Regional perspectives: Socio-cultural diversity in the tribal groups of mountains and foothills; Changing cultural adaptations.	15

Signature

Suggested Readings:

1. Singh O.P. (ed.). (1983): The Himalaya: Nature, Man and Culture
2. Joshi, S.C. (2001): Uttaranchal: Environment & Development
3. Planning Commission (1981) : Report on Development of Tribal Areas, Government of India.
4. Srivastava, S.K.(1958): The Tharus, A study of Culture Dynamics, Agra
5. Walton, H.G. (1921) British Garhwal: A Gazetteer, Vol. xxxvi, District Gazetteer of the United Provinces of Agra and Awadh, Allahabaad
6. Singh, L.R. (1965): The Tarai Region of U.P., Allahabad
7. Guha, B.S.: Racial Elements in India's Population.

Suggested equivalent online courses:

This course can be opted as an elective by the students: Open to all

Suggested Continuous Evaluation (25 Marks): Assignment / Test / Quiz (MCQ) / Seminar/ Presentations

**SRI DEV SUMAN UTTARAKHAND
UNIVERSITY
BADSHAHITHOUL (TEHRI GARHWAL) UTTRAKHAND**

**U.G. SYLLABUS
GEOGRAPHY
FOR**

VOCATIONAL/SKILL ENHANCEMENT COURSE

SESSION-2022-23 (ONWARDS)

Prepared

BY:

DEPARTMENT OF GEOGRAOPHY

**PT. L.M.S SRI DEV SUMAN UTTARAKHAND UNIVERSITY,
CAMPUS, RISHIKESH**



Programme: Certificate in Faculty	Year: First	Semester: Paper: I
Subject: Geography		
Course Code: GEO- SKILL-101	Course Title: Field survey	
Course outcomes: 1. Understand importance of Surveying. 2. Learn to use Different Surveying instruments including GPS		
Credits: 3	Vocational /Skill Enhancements	
Max. Marks: 25+75(40+20+10+5)	Min. Passing Marks: 33	
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P:4-0-0		
Unit	Topics	No. of Lectures
I	Definition and types of surveying	10
II	Plane Table Survey -Radiation & Intersection Methods.	15
III	Methods' of GPS Survey & Remote Sensing	15
IV	Field Excursion	05
Suggested Readings: 6. Monkhouse,F.J.&Wilkinson,F.J.(1985) 7. Maps and Diagrams.Methuen,London.Raisz, E(1962)General Cartography.John Wiley & Sons,New York. 8. Sharma, J.P. (2001) Prayogik Bhogalk. Rastogi Pub, Meerut. 9. Singh R.L.&Singh,Rana P.B(1993)Elements of Practical Geography(Hindi & English Editions), Kalyani Publishers, New Delhi. 10. Singh, L R (2006) Fundamentals of Practical Geography. Sharda Pustak Bhawan, Allahabad.		
This course can be opted as an elective by the students : Open to all		
Suggested Continuous Evaluation Methods: Assignment / Test / Quiz (MCQ) /		

Seminar/ Presentations		
Suggested equivalent online courses:		
Programme: Certificate in Faculty	Year: Second	Semester: Paper: II
Subject: Geography		
Course Code: GEO- SKILL-T202	Course Title: Element's of Map Readings	
Course outcomes: 1. Learn basics of Cartography and Map making 2. Understand and interpret toposheets and weather maps 3. Draw maps with the help of toposheets..		
Credits: 3		Vocational /Skill Enhancements
Max. Marks: 25+75(60+10+5)		Min. Passing Marks: 33
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P:0-0-4		
Unit	Topics	No. of Lectures
I	Meaning, importance and types of Scale, Conversion of Scale, Interpretation of topographical maps	12
II	Interpretation of Indian Weather maps	10
III	India -Locational aspects -An outline map of India will be provided to the students and they will have to mark location on it. Physical & political Aspect -mountains, river, lakes, capitals, etc.	13
IV	Arial photography & satellite Imagery.	10
Suggested Readings: 1.Monkhouse,F.J.& Wilkinson,F.J.(1985)Maps and Diagrams.Methuen,London.Raisz,E(1962)General Cartography.John Wiley& Sons,New York. 2.Sharma, J.P. (2001) Prayogik Bhogalk. Rastogi Pub, Meerut.		

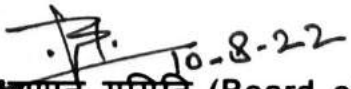
परीक्षा प्रणाली

श्री देव सुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय परिसर, ऋषिकेश में दिनांक 10 अगस्त 2022 को कला संकाय की अध्यापन समिति (Board of Studies) में लिए गए निर्णय के क्रम में श्री देव सुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय में संचालित स्नातक पाठ्यक्रमों के निम्न विषयों -

हिन्दी ,
अंग्रेजी ,
संस्कृत,
इतिहास ,
गृह विज्ञान ,
भूगोल,
राजनीति विज्ञान ,
समाज शास्त्र,
अर्थशास्त्र ,
शिक्षा शास्त्र ,
शारीरिक शिक्षा ,
संगीत ,
चित्रकला ,
मानव शास्त्र ,
मनोविज्ञान ,
दर्शन शास्त्र तथा

सैन्य विज्ञान विषयों के स्नातक कक्षाओं के सेमेस्टर परीक्षा 2022-23 हेतु पारित निर्णय निम्नवत हैं :

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत प्रवर्तित पाठ्यक्रमों के प्रत्येक सेमेस्टर में प्रत्येक लिखित प्रश्न पत्र तीन घंटों का होगा तथा प्रत्येक प्रश्न पत्र अधिकतम 75 अंकों का होगा । प्रत्येक प्रश्न पत्र के दो खंड होंगे - खंड अ और खंड ब । खंड अ में 8 लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 5 प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य होगा । खंड अ का प्रत्येक प्रश्न 6 अंकों का होगा । खंड ब में 5 प्रश्न दीर्घ उत्तरीय प्रकृति के होंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 3 प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य होगा । प्रत्येक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 15 अंकों का होगा ।


अध्यक्ष , अध्यापन समिति (Board of Studies)

कला संकाय, श्री देव सुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय , बादशाहीथाल

श्री देव सुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय बादशाहीथौल (टिहरी गढ़वाल)

NATIONAL EDUCATION POLICY- 2020



**Common Minimum Syllabus for all
Affiliated Colleges and Campus of Sri Dev Suman
Uttarakhand University for First Three Years of Higher Education**

**PROPOSED STRUCTURE OF
UG- SOCIOLOGY SYLLABUS**

2022-23

Prof. Prashant Kumar Singh
Department of Sociology

Prof. Anand Prakash Singh
Head of Department-
Sociology

**Pt.L.M.S. CAMPUS RISHIKESH
Sri Dev Suman Uttarakhand University**

श्री देव सुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय बादशाहीथौल (टिहरी गढ़वाल)

Syllabus of Sociology

For

Under- Graduate Courses

Approved by

Board of Studies

with effect from 2022-23



Sri Dev Suman Uttarakhand University

Board of Study: Arts Faculty



1-Prof. Dinesh Chandra Goswami-

(Dean Faculty of Arts)

Chairman

2- Prof. Mukti Nath Yadav-

(Head of Department -Hindi)

Member

3- Prof. Hemant Kumar Shukla –

(Head of Department- English)

Member

4- Prof. Sangeeta Mishra –

(Head of Department – History)

Member

5- Prof. Priti Kumari –

(Head of Department – Home Science)

Member

6- Prof. Anand Prakash Singh-

(Head of Department- Sociology)

Member

7- Prof. Pushpanjali Arya-

(Head of Department – Economics)

Member



8- Prof. Durga Kant Prakash Chaudhary-

(Head of Department- Political Science)

Member



9- Dr. Poonam Pathak-

(Head of Department- Sanskrit)

Member



10- Dr. Atal Bihari Tripathy-

(Head of Department- Education)

Member



11- Dr. Pushkar Gaur-

(Head of department – Physical Education)

Member



12- Dr. Sikha Mamgai-

(Head of Department- Music)

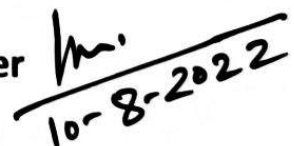
Member



13- Prof. M.S. Mawri-

(Department of Drawing and Painting)

Member



10-8-2022

Kumaun University Nanital

14- Dr. Preeti Gupta –

Assistant Professor, Harsh Vidya Mandir, Raisi

Member



10-8-22

15- Dr. Narvadeshvar Shukla-

(Defence Studies – Govt. P.G. College, Doiwala)

Member



16- Dr. Poonam Pandey-

(Department of Psychology- Govt. P.G. College, Doiwala)

Member



10-8-22



17- Dr. Vandana Sharma-

Invited Member

(Principal – Govt. Degree College, Devprayag)

18- Dr. Asha Devi-

Member

(Department of Philosophy-

Govt. P.G. College, Kotdwar)

19- Dr. P.C. Penuli-

Member

(Department of Anthropology-

Govt. P.G. College, New Tehri)

II- Principals of Govt. P.G. Colleges

1- Prof. Janki Panwar-

Principal

(Govt. P.G. College, Kotdwar)

2- Prof. Lovely Rajwansi-

Principal

(Govt. P.G. College, Jaiharikhal)

3- Prof. K.L. Talwar-

Principal

(Govt. Degree College, Chakrata Dehradun)

III- Director Research Institute

1- DR. Himanshu Das-

Director

(National Institute for the Empowerment
of Persons with Visual Disabilities
(Divyangjan), Dehradun)

Amish

Pl.

IV- Nominee of Honourable Vice- Chancellor

1-Prof. M.S.M. Negi, S.R.T. Campus Badshahithaul Tehri Garhwal

**2- Prof. M.C. Sati, Department of Economics, H.N.B. Garhwal University,
Srinagar Garhwal**

3-Prof. S.L. Bhatt, Retd. Principal Govt. P.G. College, Kotdwar

S. Sati

Sri Dev Suman Uttarakhand University

Angshu

[Signature]

Curriculum Design Committee, Uttarakhand

Sr.No.	Name & Designation	
1.	Prof. N.K. Joshi Vice-Chancellor , Kumaun University Nainital	Chairman
2.	Prof. O.P.S. Negi Vice-Chancellor , Uttarakhand Open University	Member
3.	Prof. P. P. Dhyani Vice-Chancellor , Sri Dev Suman Uttarakhand University	Member
4.	Prof. N.S. Bhandari Vice-Chancellor, Soban Singh Jeena University Almora	Member
5.	Prof. Surekha Dangwal Vice-Chancellor, Doon University, Dehradun	Member
6.	Prof. M.S.M. Rawat Advisor, Rashtriya Uchchatar Shiksha Abhiyan, Uttarakhand	Member
7.	Prof. K. D. Purohit Advisor, Rashtriya Uchchatar Shiksha Abhiyan, Uttarakhand	Member

Syllabus Expert Committee

S.N.	Name	Designation	Department	Affiliation
1	Prof. Indu Pathak	Professor	Department of Sociology	Kumaun University, Nainital
2	Prof. D.S. Bisht	Professor	Department of Sociology	Kumaun University, Nainital
3	Prof. Jyoti Joshi	Professor	Department of Sociology	Kumaun University, Nainital
4.	Prof Ila Sah	Head, Professor	Department of Sociology	S.S.J University, Almora
5.	Dr, Anand Prakesh Singh	Professor	Department of Sociology	Pt. L.M.S Campus, Rishikesh
6.	Prof. Archana Srivastava	Head, Professor	Department of Sociology	Kumaun University, Nainital
7.	Dr. Priyanka N. Ruwali	Associate Professor	Department of Sociology	Kumaun University, Nainital
8.	Dr. Kamruddin Alam (Online)	Associate Professor	Department of Sociology	Kumaun University, Nainital
9.	Neeraj Singh (Online)	-	Department of Sociology	Uttarakhand Open University, Haldwani
10	Arun Yadav (Online)	-	Department of Sociology	Govt. P.G College Berinag
11.	Amita Gupta(Online)	-	Department of Sociology	Govt. P.G College Kashipur

Syllabus Preparation Committee

S.N.	Name	Designation	Department	Affiliation
1.	Prof Ila Sah	Head	Department of Sociology	S.S.J University, Almora
2.	Dr. Kusum Lata Arya	Associate Professor	Department of Sociology	S.S.J University, Almora
3.	Dr. Pushpa Verma	Associate Professor	Department of Sociology	S.S.J University, Almora
4.	Indra Mohan Pant	Research Scholar	Department of Sociology	S.S.J University, Almora

List of all Papers in Six Semesters					
Semester-wise Titles of the Papers in Sociology					
Year	Sem.	Course Code	Paper Title	Theory/ Practical	Credits
Certificate Course in UG (Arts)					
FIRST YEAR	I	UGSOC-CC101	Introductory Sociology(Core Course)	Theory	06
		UGSOC-ME102	Industrial Sociology(Minor Elective)	Theory	04
	II	UGSOC-CC201	Indian Social System (Core Course)	Theory	06
		UGSOC-V/SD202	Gender Sensitization (Vocational/Skill Development)	Theory	03
Diploma in UG (Arts)					
SECOND YEAR	III	UGSOC-CC301	Indian Social Problems (Core Course)	Theory	06
		UGSOC-ME302	Applied Sociology(Minor Elective)	Theory	04
	IV	UGSOC-CC401	Social Control (Core Course)	Theory	06
		UGSOC-V/SD402	Techniques of Social Research (Vocational/Skill Development)	Theory	03
Bachelor of Arts					
THIRD YEAR	V	UGSOC-CC501	Development of Sociological Thought (Core Course)	Theory	05
		UGSOC-CC502	Research Methodology in Sociology(Core Course)	Theory	05
		UGSOC-RP503	Research Project/Industrial Training Survey(Qualifying)	Field work	04
	VI	UGSOC-CC601	Indian Sociological Thought (Core Course)	Theory	05
		UGSOC-CC602	Social Change (Core Course)	Theory	05
		UGSOC-RP603	Research Project on Contemporary Social Issues (Qualifying)	Field work	04

COURSE INTRODUCTION

B.A. Sociology is a bachelor level course in Sociology with duration of three years. It is a social science, a term with which it is sometimes synonymous, which uses various methods of empirical investigation and critical analysis to develop and refine a body of knowledge about human social activity. A Bachelor degree in Sociology teaches the fundamental concepts related to structure of society, organization of society, and how humans interact within these constructs.

Various types of job opportunities after B.A. Sociology

- Teacher, Home Tutor & Lecturer
- Market Survey Researcher
- Labour Leader & Mediator
- Human Services Assistant
- Community Service Worker
- Training Advisor
- Census workers & Research Assistant

Various Areas for job after B.A. Sociology

- Educational Institutes
- Corporations
- Criminal Justice Field
- Human Services
- Labour Unions
- Prisons
- Radio Stations
- Trade Associations
- Research Organizations

Programme outcomes (POs):	
PO 1	This course will introduce students to key concepts in the discipline of Sociology.
PO2	It will provide them broad knowledge about development of sociological thought.
PO 3	It will give them basic understanding and skill related to social research.
PO 4	It will provide them basic understanding of the Indian society
PO 5	It will also sensitize them about social problems.



Programme specific outcomes (PSOs):

UG I Year / Certificate Course in Arts

- After completion of the course, the students will be able to understand the key concepts in Sociology.
- They would develop keen insights to distinguish between the common-sense knowledge and Sociological knowledge.
- They will understand the basic features of the Indian social system and social problems.
- They will have basic knowledge and skill related to social research, and also sensitivity about gender issues in society.

Programme specific outcomes (PSOs):

UG II Year/ (Diploma in Arts)

- After doing the programme, the students will develop in-depth understanding of sociological concepts, thoughts.
- They will have knowledge about the Traditional Social Institutions of Indian Society in context of continuity and change.
- Their sociological knowledge and analytical skills that would enable them to think critically about Indian society and emerging social problems and issues.
- They will have the knowledge and skill to conduct social research.

fy

pm

~~ST~~

Programme specific outcomes (PSOs): UG III Year / Bachelor of Arts	
PSO 1	<ul style="list-style-type: none"> • After completing some courses, the students will be able to understand the development of Sociology as a discipline and its basic concepts. • They will have the knowledge of the works of classical sociological thinkers and their contribution in the field of Sociology. This would equip them with theoretical insights to understand social scenario around them and also familiarize them with different perspectives and theories. • They will be able to distinguish between macro-level sociological perspectives, specify the theoretical components of each perspective, and connect each perspective to their historical and contemporary theorists. • They will understand the emergence of intellectual traditions and also its impact upon the society
PSO2	<ul style="list-style-type: none"> • Courses in 'Research Methodology in Sociology', will enable the students to understand social research techniques which are used to investigate social phenomena. • They will have the skills to conduct Social Survey. • They will be familiar with formulation of significant hypothesis, Methods of Data collection and Sampling Techniques. • They will have basic knowledge on Elementary Statistics.
PSO3	<ul style="list-style-type: none"> • Some courses will help the students gain knowledge of field work and project work. • They will also have practical experience about field work and research project. • This empirical learning will help them in becoming good researcher in future.
PSO4	<ul style="list-style-type: none"> • Having done the course on Indian Sociology, the students would understand emergence and development of Sociology as a discipline in India and influence of the growth of Nationalism on the discipline • They would understand the philosophical foundations of Sociology and its application in the study of Indian society. • They would have conceptual clarity and articulate the main debates/arguments within Sociology in India. • They would be able to apply the sociological imagination and sociological concepts and principles to understand the society and also their own life.
PSO5	<ul style="list-style-type: none"> • Paper on Social Change will help the students understand the concept, dynamics and processes related to change in and change of society. • A critical understanding of social change would enable students to come out with suggestions contributing to social cohesion in society.
PSO6	<ul style="list-style-type: none"> • Some papers will help the students to get an in-depth understanding of socio-cultural realities of Indian Society and culture, including the tribal society and industrial scenario.

fy

[Signature]

[Signature]

Year wise Structure of Sociology (CORE / ELECTIVE COURSES & PROJECTS)											
Subject:											Total Credits /hrs
Course/ Entry -Exit Levels	Year	Sem.	Paper 1	Credits / hrs	Paper 2	Credits / hrs	Paper 3	Credits /hrs	Research Project	Credits	
Certificate Course In Arts	I	I	Introductory Sociology (Core Course)	06	Industrial Sociology (Minor Elective)	04	Techniques of Social Research (Vocational/Skill Development)	03			
		II	Indian Social System (Core Course)	06			--				
Diploma in Arts	II	III	Indian Social Problems (Core Course)	06	Applied Sociology (Minor Elective)	04	--				
		IV	Social Control (Core Course)	06			-				
Bachelor of Arts		V	Development of Sociological Thought (Core Course)	05	Research Methodology in Sociology (Core Course)	05	Research Project/Industrial Training Survey (Qualifying)	04			







	III										
		VI	Indian Sociological Thought (Core Course)	05	Social Change (Core Course)	05	Research Project on Contemporary Social Issues				
Comments											
Internal Assessment & External Assessment											
Internal Assessment				Marks 25	External Assessment				Marks 75		
Assignments on any topic of the syllabus				10	External Assessment on the basis of University Examination System						
Seminar/Written Test				10	Research Project Work: Evaluation and Viva-voce by Internal and External Examiner						
Attendance				05							







Programme/Class: Certificate	Year: first	Semester: I
Subject: Sociology		
Course code: UGSOC-CC 101	Course Title: Introductory Sociology	
Credits: 06	Core: Compulsory	
Max. Marks: 100	Passing marks: As per University Rules	

Course Outcome:

This Paper will introduce students to new concept of Sociological discipline. These Concepts will enhance the conceptual learning and understanding of the basic concepts used in Sociology. This paper will contribute in enriching the vocabulary and scientific temperament of the students. The course is designed to incorporate all the key concepts of sociology which would enable the learner to develop keen insights to distinguish between the common-sense knowledge and Sociological knowledge.

Units	Topics	No. of Lectures
Unit I	Origin and Growth of Sociology, Meaning, Scope and Nature of Sociology, New Trends in Sociology.	15
Unit II	Relationship of Sociology with Other Social Sciences: Philosophy, Anthropology, Social Work, History, Political Science & Economics.	15
Unit III	Sociological Concept - Society : Definition and Characteristics, Community : Definition and Characteristics, Association : Definition and Characteristics, Institutions : Definition and Characteristics,	15
Unit IV	Social Processes: Associative- Co-operation : Meaning and Characteristics, Accommodation : Meaning and Characteristics, Assimilation: Meaning and Characteristics, Dissociative-Conflict : Meaning and Characteristics, Competition, & Contravention : Meaning and Characteristics,	15
Unit V	Social Groups: Meaning and Types of Social Group: Primary and Secondary Groups, Reference Group.	15
Unit VI	Culture & Civilization: Meaning, Characteristics, Relationship and Differences between Culture & Civilization.	15

Suggested Readings:

- Giddens, A, "Sociology", Oxford University Press, London, 2006
- MacIver and Page, "Society", McMillan, London, 1949
- Inkeles, A, "What is Sociology", Prentice Hall of India, New Delhi, 1987
- Harton, P.B and hunt C.L, "Sociology" McGraw Hill, New York, 1985
- Harlambos and Holborn, "Sociology: Themes and Perspectives", Harper Collins, USA, 2014
- N.K. Boss, Culture and Society in India, Asia Publishing House, Bombay, 1967



- T.B. Bottomore, Sociology: A Guide to Problems and Literature, George Allen and Unwin Bombay, 1972
- MacIver and Page, Society: An Introductory analysis, McMillan 1974
- N. Jayram, Introductory Sociology, McMillan India, Madras, 1988
- Harry M. Johnson, Sociology: A Systematic Introduction, Allied, 1995
- Kingsley Davis, Human Society, Surjeet Publication, Delhi, 1995
- K. L. Sharma, Social Stratification and Mobility, 2007
- गुमाएम0एल0 औरडी0डी0 (2020), समाजशास्त्र, साहित्यभवनपब्लिकेशन
- सिंहजे0पी0 (2013), समाजशास्त्रअवधारणाएवंसिद्धान्त, पी0एच0आई0 लर्निंगप्राइवेटलिमिटेड।

Suggested Online Link:

MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

Suggested equivalent online courses:

IGNOU & Other centrally/state operated universities

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

Suggested Continuous Evaluation:

Course Prerequisites:

Py

An

#

CERTIFICATE COURSE IN UG (Arts)		
Programme: <i>Certificate Course in UG(Arts)</i>		Year: I Semester: I
Subject: Sociology		
Course Code: UGSOC- ME102	Course Title: Industrial Sociology	
Course Outcomes: This Paper describes the nature and scope of Industrial Sociology. This Paper Elaborate changing structure of modern Industrial enterprises and principles of organization-Formal and Informal.		
Credits: 04		Minor Elective
Max. Marks:		Min. Passing Marks: As per University Rules
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0		
Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	Industrial Sociology: Meaning, Definition, Nature and Scope, Development of Industrial Sociology.	15
Unit II	Industrial Organization: Formal and Informal Organization. Structure and <i>Function</i> of Industrial Organization, Prerequisites of Industrial Organization.	15
Unit III	Industrial Management and Worker's Participation. The Management Structure-Line and Staff Organization, White collar Workers, Blue Collar Workers and Specialist.	15
Unit IV	Labour Welfare: Concept and Measures, Trade Union: Growth, functions and role in industrial organization.	15

Suggested Reading:

- Charles, A. Myers and SubbiahKannappan, Industrial Relations in India, Asia Publishing House, Bombay.
- Giri, V. V., Labour Problems in Indian Industry, Asia Publishing House, Bombay.
- Gisbert, P., Fundamental of Industrial Sociology, Tata McGraw-Hill Publishing Co., New Delhi.
- Karnik, V. B., Indian Labour: Problems and Prospects, Minerva Associates Pvt. Ltd., Calcutta.
- Kohli, A. S., S. K. Sharma, Labour Welfare and Social Security, Anmol Publications Pvt. Ltd., New Delhi.
- Mamoria, C. B. and S. Mamoria, Dynamics of Industrial Relations, Himalaya Publishing House, New Delhi.
- Mathur, A. S. and J. S. Mathur, Trade Union Movement in India, Chaitanya Publishing House, Allahabad.

fy

A

3/11

- Mehrotra, S. N., Labour Problems in India, S. Chand and Co., New Delhi.
- Miller, C. Delbert and William H. Form, Industrial Sociology, Harper and Row Publishers, New Delhi.
- Ramanujan, G., Indian Labour Movement, Sterling Publishers, New Delhi.
- Reddy, Ram, Industrial Relations in India, Mittal Publications, New Delhi.
- Sanjivayya, D., Labour Problems and Industrial Development in India, Oxford and IBH, New Delhi.
- Schneider, E., Industrial Sociology, Tata McGraw-Hill Publishing Co., New Delhi.
- Vaid, K. N., Labour Welfare in India, S. R. C., New Delhi.
- Prashad, J. 2012. " Industrial Sociology" Vayu Education.
- Singh, N. , 2012. "Industrial sociology" Rawat publication.
- Subramanya, G. 2015. "Principles of Industrial Sociology". Sapna book house Bangalore.
- Millen, D. and Form, W. 1980. " Industrial Sociology: Work in organizational life". Joana cotler Books.
- अग्रवाल और द्वापडियाए2015: औद्योगिक समाजशास्त्र, एस0बी0पी0डी0 पब्लिशिंग हाउस।
- झा विश्वनाथ (2012) "औद्योगिक समाजशास्त्र, रावतपब्लिकेशन।

Suggested Online Link:

MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

Suggested equivalent online courses:

IGNOU & Other centrally/state operated universities MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

Suggested Continuous Evaluation:

Course Prerequisites:

[Handwritten signature]

[Handwritten signature]

CERTIFICATE COURSE IN UG (Arts)		
Programme: <i>Certificate Course in UG(Arts)</i>		Year: I Semester:II
Subject: Sociology		
Course Code: UGSOC-CC201	Course Title: Indian Social System	
Course Outcomes:		
<ul style="list-style-type: none">Students will be able to develop in-depth understanding and get detailed insight into the past and contemporary Indian Society.Students will be familiarized about the Traditional Social Institutions of Indian Society in context of continuity and change.The programme seeks to build among students the sociological knowledge and analytical skills that would enable them to think critically about Indian society and emerging social issues.The ability to formulate effective and convincing written and oral arguments about issues and challenges within Indian Society.		
Credits: 06		Core Compulsory
Max. Marks: 100		Min. Passing Marks: As per University Rules
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0		
Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	Features of Indian Society: Unity in Diversity, Diversities in Indian society and culture, Causes and Consequences of diversities, India as a Pluralistic Society: Concept, Evolution of India as Plural society, Present bases of Plural society in India, Problems of Plural society in India.	15
Unit II	Dharma, Varna ashram vyavastha: Meaning, Characteristics, Types and Sociological Importance of Varna Vyavastha ; Purushartha: Meaning, Forms, Sociological Importance of Purushartha ; Sanskar: Meaning, Objectives, Major Sanskar of Hindu Life, Sociological Importance of Sanskar ; Doctrine of Karma.	24
Unit III	Marriage: Concept, Objectives, Marriage among Hindus and Muslims: Meaning, Traditional Forms. Family: Definitions, Types of Family, Functions of Family. Caste: Meaning, Characteristics and Theories of origin: Traditional Theory, Racial Theory, Occupational Theory, Brahminic Theory, Religious Theory, Merits and Demerits of Caste System. Kinship: Definitions, Types, Kinship Terms, Kinship Usages and Social Significance of Kinship.	24
Unit IV	Jajmani System: Meaning, Structure and Functioning, Importance, Change in Jajmani System.	12
Unit V	Social Legislations: Constitutional provisions in favour of Dalits, Tribes and other Backward Classes, Women and Children.	15





Suggested Reading:

- Ghurye, G.S., "Caste class and Occupation", Popular publishers Bombay, 1961
- Goode, William J., "The Family", Prentice Hall, New Delhi, 1965
- Kapadia, K.M., "Marriage and Family in India", Oxford University Press, 1996
- Srivasatava, A.K., "Class and Family in India", Chung Publication, Allhabad, 1986
- Prabhu, P.H., "Hindu Social Organization", Sage Publications India Private Ltd, 2016
- Wiser, W., "The Hindu Jajmani System", Munshiram Manoharlal Publishers, 1998
- Srinivas, M.N., "Caste in Modern India", Asia Publishing House, London, 1970
- आहूजा राम, 'सामाजिक व्यवस्था' रावत पब्लिकेशन्स, जयपुर।
- सिंह जे०पी०, 'समाजशास्त्र के मूल तत्व' 2011. पी०एन०आई०।

Suggested Online Link:

MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

Suggested equivalent online courses:

IGNOU & Other centrally/state operated universities MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

Suggested Continuous Evaluation:**Course Prerequisites:**

fy An 3/1

CERTIFICATE COURSE IN UG (Arts)

Programme: <i>Certificate Course in UG(Arts)</i>		Year: I	Semester: II
Subject: Sociology			
CourseCode: UGSOC- V/SD202	Course Title: Gender Sensitization (Vocational/Skill Development)		
Course Outcomes: <ul style="list-style-type: none">• Sensitize students to issues related to gender and equality among all sexes.• Provide them with the tools and skills to develop and integrate a gendered perspective in work and life.			
Credits: 03		Vocational/Skill Development	
Max. Marks: 100		Min. Passing Marks: As per University Rules	
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0			
Unit	Topic	No. of Lectures	
Unit I	Understanding Gender 1.1 Sex 1.2 Gender 1.3 Gender Identity: Masculinity and Femininity 1.4 Gender Roles	16	
Unit II	Social Construction of Gender 2.1 Family 2.2 Marriage 2.3 Education 2.4 Religion.	20	
Unit III	Gender and Work 3.1 Household Work 3.2 Invisible Work 3.3 Women in Organized and Unorganized Sector 3.4 Gender Division of Labour.	20	
Unit IV	Gender Issues 4.1 Health 4.2 Violence 4.3 Sex ratio 4.4 Media.	19	

Suggested Reading:

- KamlaBhasin, 2000. What is Patriarchy, New Delhi : Kali for women.
- Kamla Bhasin.1999. Some Questions on Feminism, New Delhi: Kali for women,
- Neera Desai, and Krishnaraj Maithreyi.1987. Women and Society in India, New Delhi: Ajanta Publications.
- Ann Oakley. 1972. Sex Gender and Society, New York: Harper and Row.
- Neera Desai and Usha Thakkar. 2003. Women in Indian society, New Delhi: NBT.

- VishavRaksha. 2008. 'Domestic Violence: A Sociological Insight', Literati- A multidisciplinary.
- 7V. Geetha, 2002. Gender, Calcutta: Stree.
- V.Geetha, 2007. Patriarchy, Calcutta: Stree.
- Government of India. 1975. Towards Equality -A Report of the committee on the Status of Women in India. New Delhi: Ministry of Education & Social Welfare.
- R. Indira. (ed). 1999. Gender & Society in India. Delhi: Manak Publications.
- U. Kalpagam, 1994. Labour and Gender, New Delhi : Sage Publications.
- M.Krishnaraj and K.Chanana 1989. Gender & the Household domain, New Delhi : Sage Publications.
- Radha Kumar. 1998. History of Doing, New Delhi: Kali for women.

Suggested Online Link:

MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

Suggested equivalent online courses:

IGNOU & Other centrally/state operated universities MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

Suggested Continuous Evaluation:

Course Prerequisites:

fy A 31.

DIPLOMA COURSE IN UG ARTS**Programme: DIPLOMA COURSE IN UG ARTS****Year: I Semester: III
Paper-I****Subject:
Sociology****CourseCode: UGSOC-CC301** **Course Title: Indian Social Problems****Course Outcomes:**

The syllabus is designed to introduce students to the emerging social problems, the concept and issues of development in Indian Society. The course intends to focus upon the deviant and delinquent behaviour, issue of corruption and other disorganizational and structural problems of the Indian Society. The end favour of the course is to make learners aware about the social problems and developmental issues in the Indian Society.

Credits: 06**Core Compulsory****Max. Marks: 100****Min. Passing Marks :As per
University Rules****Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0**

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	Social Problems: Concept, Characteristics, Types, Causes.	15
Unit II	Poverty: Concept and Types, Causes and Effects, Poverty Alleviation Programmes : Integrated and Rural Development Programmes, Indira Avas Yojna, Sampooran Grameen Rojgar Yojna and MGNREGA.	15
Unit III	Unemployment: Concept and Definition, Types, Causes and Effects.	15
Unit IV	Family Problems: Domestic Violence, Dowry, Divorce, Problems of Elderly People.	15
Unit V	Structural Problems: Caste Inequality, Problems: Religious, Ethnic and Regional.	15
Unit VI	Deviance: Concept and Meaning, Crime and Juvenile Delinquency, White Collar Crime, Cyber Crime.	15

Suggested Reading:

- Ahuja, R, "Social Problems in India", Rawat Publication, Jaipur, 2020
- Chandra, B, "Communalism in Modern India", Vikas Publication, New Delhi, 1974
- Merton, R. and Nisbet R, "Contemporary Social Problems", Saunders college Publishing USA 1976
- Gupta K. and Tomar N, "Indian Woman: Problems and Prospects", Kala Publication, India, 2013
- Cloward, R, Delinquency and Opportunity, 1960
- Charles, L. C., Michael, W. F., Crime and Deviance: Essays and Innovations of Edwin M Lemert, 2000
- Cohen, Albert, K., Delinquent Boys: The Culture of the gang, 1955
- H, Travis, Causes of delinquency, 1969
- E, Sutherland, D. Cressey, D. F., Luckenbill, Principles of Sociology, 1934
- Betellie, Andre, "Social Inequalities, "oxford university Press, New Delhi, 1974
- Gill, S. S., The Pathology of Corruption, 1988
- Lewis, Oscar, Culture of Poverty, Scientific American, Vol. II & V, 1966
- Gadgil, Madhav and Gupta, Ramchandra, Ecology and Equality: The Use and Abuse of Nature in Contemporary India, 1996
- Berreman, G.D, Caste and other Inequalities: Essays in Inequality, 1979
- आहूजारां (2016), सामाजिकसमस्याएं, रावतपब्लिकेशन।

Suggested equivalent online courses:

IGNOU & Other centrally/state operated universities/ MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

Suggested Online Link:

MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

Suggested Continuous Evaluation:

Course Prerequisites:



Diploma Course in UG (Arts)		
Programme: . Diploma Course in UG(Arts)		Year: II Semester: III
Subject: Sociology		
CourseCode: UGSOC-ME302	Course Title: Applied Sociology	
Course Outcomes:		
The Objective of this Paper is to help students acquire an appreciation of the potential application of the discipline.		
Credits: 04		Elective Minor II
Max. Marks:		Min. Passing Marks: As per University Rules
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0		
Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	Applied Sociology: Concept, Nature and Scope of Applied Sociology, Importance of Applied Sociology- Formulation of Social Policy, Social Planning and Resolution of Social Problem.	15
Unit II	Social Policy: Concept, Characteristics and Formulation of Social Policy.	15
Unit III	Social Planning: Meaning and Objectives-Social Welfare (Child welfare, Women Welfare, Labour Welfare and Welfare of SC, ST and OBC), Social Reconstruction of Effective Planning, Limitations of Social Planning.	15
Unit IV	NGO: Meaning, Importance and Role of NGOs in Social Development.	15

Suggested Reading:

- Gillian and Ditter, "Social Problems", Generic, 1928
- Ford, J, "Social Problems and Social Policy", Ginn, Boston London, 1930
- Lewis, D, "Non-Governmental Organization: Management and Development", Routledge, USA, 2014, 3rd edition
- Walsh and Furfey, "Social Problems and Social Action", Prentice-Hall, New Jersey, 1958

fy

A

HB

Suggested Online Link:

MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

Suggested equivalent online courses:

IGNOU & Other centrally/state operated universities MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

Suggested Continuous Evaluation:

Course Prerequisites:

Hy An 

Diploma Course in UG Arts		
Programme: Diploma Course in UG Arts		Year: II Semester: IV
Subject: Sociology		
CourseCode: UGSOC-CC401	Course Title: Social Control	
Course Outcomes: 1.This paper is designed to aware the students about the concept of social control from sociological lens. 2.It will help the students to grasp the concepts like- Social Control, self-control, socializationand maladjustment. 3.Explain the main concepts and propositions of sociological theories of social control.		
Credits: 06		Core Compulsory
Max. Marks: 100		Min. Passing Marks: As per University Rules
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0		
Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	Social Control: Meaning, Definition, Characteristics, Importance and Functions.	15
Unit II	Types of Social Control: Direct and Indirect; Positive and Negative; Organized and Unorganized.	15
Unit III	Informal means of Social Control: Customs, Norms, Values, Folkways and Religion.	15
Unit IV	Formal means of Social Control: Education and Law.	15
Unit V	Agencies of Social Control: Family, State, Educational Institutions and Public Opinion.	15
Unit VI	Theories of Social Control: Karl Mannheim, C. H. Cooley, and Kimball Young.	15

Suggested Reading:

Ry

Am

==/==

- Lowie, Robert, H; Social Organisation, Landon Routledge and Kegan Paul.
- Roneck, Joseph,S; Social Control, Nostr and Company.
- Malinowski, B.: Magic, Science and Religion and Other Essays, Glencoe.
- Ross, E.A.: Social Control: The MacMillan Co., New York.
- Rajendra K. Sharma, Social Change & Social Control, Atlantic Publisher.
- HichelleInderbitzin, Kristin A Bate Deviance & Social Control : A Sociological Perspective , , Sage Publication
- Jones J. Chriss Social Control : An Introduction , Polity Publishers
- भरत अग्रवाल, सामाजिक नियंत्रण एवं परिवर्तन एस0बी0पी0डी0 पब्लिकेशन।
- रामनाथ शर्मा, सामाजिक परिवर्तन और सामाजिक नियंत्रण, अटलांटिक पब्लिशर।

Suggested Online Link:

MOOC platforms such as “SWAYAM” in India and Abroad.

Suggested equivalent online courses:

IGNOU & Other centrally/state operated universities MOOC platforms such as “SWAYAM” in India and Abroad.

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

Suggested Continuous Evaluation:

Course Prerequisites:

CERTIFICATE COURSE IN UG (Arts)**Programme:** *Certificate Course in UG(Arts)***Year: I Semester:IV****Subject:**
Sociology**Course Code:**
UGSOC-
V/SD402**Course Title:** Techniques of Social Research**Course Outcomes:**

The course 'Techniques of Social Research' aims to enhance the skills of students to understand different techniques of Data collection in Social Sciences. With emphasis on data distribution, Tabulation, analysis and Interpretation of data, it will provide students some basic knowledge regarding diagrammatic and graphic presentation of data. It is structured in a way that it develops a basic understanding about use of elementary statistics in social research.

Credits: 03**Minor : Vocational /Skill**
Development Course**Max. Marks:****Min. Passing Marks: As per**
University Rules**Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0**

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	Data Collection: Primary and Secondary Source of Data, Data Distribution, Tabulation, Analysis and Interpretation of Data.	15
Unit II	Presentation of Data- A) Diagrammatic Presentation of Data : 1- Objectives of Diagram 2- Utility and limitations of Diagrams 3- Types of Diagrams a) Line Diagram b) Simple Bar Diagram c) Multiple Bar Diagram B) Graphic Presentation of Data : 1- Rules for the Constructions of Graphs 2- Types of Graphs a) Histogram b) Frequency Polygon c) Frequency curve	15
Unit III	Statistical Analysis of Data: frequency distribution, Measures of central tendency- Mean Median and Mode.	15

Suggested Reading:

- P.V. Young, 1988 Scientific Social Survey and Research, Prentice Hall, N. Delhi.

- C.R. Kothari, 1989 Research Methodology: Methods and Techniques, Wile Eastern, Bangalore.
- Ram Ahuja, 2006 Research Methods, Rawat Publications.
- Goode & Hat, 1952 Methods in Social Research, McGraw Hill, New York.
- Wilkinson and Bhandarkar, 2010 Methods and Techniques of Social Research, Himalayan Publishing House, New Delhi.
- Jaspal Singh, 2011: Instruments of Social Research Jaipur: Rawat Publications.
- S.P. Gupta. 1969: Statistical Methods: New Delhi: Sultan Chand & Sons
- Levin Jack, 1983 Elementary Statistics in Social Research, Harper and Row Publishers, New York.
- Raj H. 2005, Theory and Practice in Social Research, Surjeet Publication, Delhi.

Suggested Online Link:

MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

Suggested equivalent online courses:

IGNOU & Other centrally/state operated universities MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

Suggested Continuous Evaluation:

Course Prerequisites:

[Handwritten signature]

[Handwritten signature]

Bachelor Degree in UG (Arts)**Programme: Bachelor Degree in UG (Arts)****Year: III Semester: V
Paper-I****Subject:
Sociology****CourseCode: UGSOC-CC501** **Course Title: Development of Sociological Thought****Course Outcomes:**

1. To understand the basic requisites of development of Sociology as a discipline.
2. To analyze the work of classical thinkers and their contribution in the field of Sociology.
3. The knowledge of the thinkers (A. Comte, K.Marx, M.Weber& E. Durkheim) would equip the students with theoretical insights to social scenario around them& would familiarize them with different perspectives and theories.
4. Students can distinguish between macro level sociological perspectives, can specify the theoretical components of each perspective, and connect each perspective to their historical and contemporary theorists
5. To understand the emergence of intellectual traditions and also its effects upon the society.

Credits: 05**Core Compulsory****Max. Marks: 100****Min. Passing Marks: As per
University Rules****Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0**

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	Emergence of Sociology, Intellectual Source: Enlightenment, French and Industrial Revolution.	15
Unit II	August Comte: Biographical Sketch, The Hierarchy of Sciences, Law of Three Stages.	15
Unit III	Emile Durkheim: Biographical Sketch, Social Fact, Mechanical Solidarity and Organic Solidarity, Suicide.	15
Unit IV	Karl Marx: Biographical Sketch, Historical Materialism, Class Struggle, Alienation.	15
Unit V	Max Weber: Biographical Sketch, Social Action, Power and Authority, Bureaucracy.	15

Suggested Reading:

- Max Karl, Communist Manifesto, Progress Publishers, Moscow 1967.
- Rawat H.K, Sociological Thinkers and Theorists, Rawat Publication, Jaipur 2001.
- Ross. E.A, The foundation of Sociology, The Macmillan Co, New York 1956.
- Weber. M, The Protestant Ethic and the spirit of Capitalism, Unwin Univ. Books 1965.
- Steven. L, Durkheim life and works: A critical study 1973.
- Morrison Ken, Marx, Durkheim. Weber, Formation of modern social thought, Sage Publication New Delhi 1995.
- Durkheim. E, The Elementary forms of religious life, The Free Press 1860.
- Giddens. A, Sociology, Polity Press Cambridge 1989.
- Comte August, A General view of Positivism, Turner and co. 1865 (Reissued by Cambridge University Press, 2009)
- Lewis A Coser, Master of Sociological Thought Harcourt Brace Jovanovich 1977.
- Aron, Raymond. Main Currents in Sociological Thought, Penguin Books 1967.
- H. Haralambos. Sociology - Themes and Perspectives. Oxford University Press. 1980
- Abraham Francis Sociological Thought, Macmillan Publishers India 1985.
- पदोषी 0 एम 0 एल 0 एंव जैन, प्रमुख समाज शास्त्रीय विचारक, रावत वब्लिकेशन 2001.

Suggested Online Link:

MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

Suggested equivalent online courses:

IGNOU & Other centrally/state operated universities MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

Suggested Continuous Evaluation:**Course Prerequisites:**

Bachelor Degree in UG(Arts)		
Programme: Bachelor Degree in UG (Arts)		Year: III Semester: V Paper-II
Subject: Sociology		
CourseCode: UGSOC-CC502	Course Title:Research Methodology in Sociology	
Course Outcomes: The course of 'Research Methodology in Sociology' is structured in a way that it makes students to understand and use techniques employed by social scientists to investigate social phenomena. This course aims to enhance the skills of students to understand procedure of Social Survey and scientific research. With emphasis on formulation of significant hypothesis, Techniques of Data collection and Sampling Techniques, it will provide students some basic knowledge on Elementary Statistics.		
Credits: 05		Core Compulsory
Max. Marks: 100		Min. Passing Marks:As per University Rules
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0		
Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	Social Research: Meaning and Characteristics. Steps of Scientific Research. Social Survey: Concept, Characteristics and Planning of Social Survey.	15
Unit II	Hypothesis: Meaning and Characteristics, Sources of Hypothesis formulation, Importance of Hypothesis in Social Research.	15
Unit III	Data- Meaning and Types of Data: Primary and Secondary Data. Techniques of Data collection- Questionnaire and Schedule: Concept, Characteristics and Types, Observation and Interview: Concept and Types, Importance and Limitations.	15
Unit IV	Census and Sampling: Meaning and Characteristics, Types of Sampling: Simple Random Sampling, Stratified Random Sampling, Purposive Sampling.	15
Unit V	Elementary Statistics: Meaning, Importance and Limitations, Measurement of Central Tendencies: Meaning, Utility and Limitations of Central Tendency, Calculation of Mean, Median and Mode.	15

Suggested Reading:

- P.V. Young, 1988 Scientific Social Survey and Research, Prentice Hall, N. Delhi.
- C.R. Kothari, 1989 Research Methodology: Methods and Techniques, Wile Eastern, Bangalore.
- Ram Ahuja, 2006 Research Methods, Rawat Publications.
- Goode & Hat, 1952 Methods in Social Research, McGraw Hill, New York.





- Wilkinson and Bhandarkar, 2010 Methods and Techniques of Social Research, Himalaya Publishing House, New Delhi.
- Jaspal Singh. 2011: Instruments of Social Research Jaipur: Rawat Publications.
- Giddens Anthony, 1976: New Rules of Sociological Research.
- Black and Champion. (1976) Methods and Issues in Social Research.
- Raj H. 2005, Theory and Practice in Social Research, Surjeet Publication, Delhi.
- S.P. Gupta. 1969: Statistical Methods: New Delhi: Sultan Chand & Sons
- Levin Jack, 1983 Elementary Statistics in Social Research, Harper and Row Publishers, New York.

Suggested Online Link:

MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

Suggested equivalent online courses:

IGNOU & Other centrally/state operated universities MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

Suggested Continuous Evaluation:

Course Prerequisites:

fy

A

≡ B.

Bachelor Degree in UG (Arts)**Programme: Bachelor Degree in UG (Arts)****Year: III**
Semester: V
Qualifying Paper**Subject:**
Sociology**CourseCode:** UGSOC-RP503
Course Title: Research Project/Industrial Training/ Survey**Course Outcomes:**

The syllabus is designed to introduce students to get them engaged in the field work and project work so that they are equipped with the practical knowledge about the field work and research project. This will be an empirical learning for those who aspire to become future social scientist.

Credits: 04**Qualifying****Max. Marks:****Min. Passing Marks: As per University Rules****Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0**

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	Knowing about the field work, selection of research problem for research project and field work.	15
Unit II	Research Design, Use of Census and Sampling methods.	15
Unit III	Estimation of Resources: Time, money, Human resource, conducting field Survey, Necessary gadgets and Equipments.	15
Unit IV	Classification and tabulation of Data, Presentation of data, Report writing.	15

Suggested Reading:

- Goode and Hatt, "Method in Social Research", McGraw Hill, New York, 1952
- Young, P.V, "Scientific Social Survey and Research", Prince Hall, New Delhi, 1988
- Ahuja, R., "Research Methods", Rawat Publication, Jaipur, 2008
- Bryman, A, "Social Research Method," Oxford University Press, 2001

Suggested Continuous Education methods:

Project life evaluation, main focus on presentation, content and proper use of research methodology, Viva.

Suggested equivalent online courses:

IGNOU and other centrally/ state operated Universities/ MOOC Platforms such as SWAYAM in India and abroad.

Suggested Online Link:

fy An =

MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

Suggested equivalent online courses:

IGNOU & Other centrally/state operated universities MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

Guidelines for research project Dissertation

The learner has to prepare and submit a dissertation under the guidance of a faculty. The learner need to be expected to make a major/ Outstanding contribution to knowledge. The learner is to engage meaningfully in the process of problem- formulation; reviewing some literature related to the study; preparing the research proposal; choosing an appropriate research strategy and developing instruments of data collection; collecting the data; and preparing the research report.

The length of the research project may be around 50 pages and not to exceed 100 pages; the graphic presentation and tabular presentation together may not exceed 20.

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

Suggested Continuous Evaluation:

Course Prerequisites:



Bachelor Degree in UG(Arts)			
Programme: Bachelor Degree in UG (Arts)		Year: III	Semester: VI Paper-I
Subject: Sociology			
CourseCode: UGSOC- CC601	Course Title:Indian Sociological Thought		
Course Outcomes:			
1.To understand emergence and development of sociology as a discipline in India influenced by the growth of Nationalism.			
2.To understand the philosophical foundations of Sociology and its application.			
3.Elucidateconceptual clarity and articulate the main debates/arguments with regards to Sociology in India.			
4. Apply the sociological imagination and sociological concepts and principles to her/his own life.			
5. The course, in terms of both high-quality syllabus-content and innovative teaching, learning techniques, matches global standards. Consequently, it adequately trains students to compete in global academia.			
Credits: 05		Core Compulsory	
Max. Marks: 100		Min. Passing Marks: As per University Rules	
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0			
Unit	Topic		No. of Lectures
Unit I	Development of Sociology in India: Sociology in Pre-Independence India, Sociology in Post- Independence India.		15
Unit II	G.S. Ghurye: Biographical Sketch, Caste, Rural-Urban Community.		15
Unit III	Radhakamal Mukherjee: Biographical Sketch, Social Structure of values,Social Ecology.		15
Unit IV	M.N. Srinivas: Biographical Sketch, Sanskritization, Westernization, Secularization.		15
Unit V	A. R.Desai: Biographical Sketch, Social Background of Indian Nationalism, Marxist Approach to Study Indian Society.		15

fy

Am

—/—/—

Suggested Reading:

- Ghurye G.S, Caste, Class and Occupation, Popular Book Depot 1961.
- Ghurye G.S, The Indian Sadhus, Popular Book Depot 1964.
- Mukherjee RadhaKamal, The Social structure of value, Macmillan London 1949.
- Mukherjee RadhaKamal, Social Ecology, Oxford University Press 1945.
- Mukherjee D.P, Problems of Indian Youth, Hind Kitab 1946.
- Mukherjee D.P, Modern Indian Culture, Indian Publishers 1942.
- Srinivas M.N; Caste in modern India and other essays, Bombay Asia Publishing House 1962.
- Srinivas M.N, Social change in modern India, Orient Blackswan 1966.
- Desai A.R, Social Background of Indian Nationalism, Bombay Oxford University Press 1949.
- Nagla B.K, Indian Sociological thought, Rawat Publication Jaipur, 2008.
- Dhanagare D.N, Themes and Perspectives in Indian Sociology, Rawat Publication Jaipur, 1993.
- Sharma Surendra, Sociology in India : A Perspective from Sociology of Knowledge, Jaipur; Rawat Publication 1985.
- देसाई ए0आर0, भारतीय ग्रामीण-समाजशास्त्र, रावत पब्लिकेशन्स जयपुर 1997.
- नागला बी0के0, भारतीय समाजशास्त्रीय चिन्तन, रावत पब्लिकेशन्स जयपुर 2015.
- दोषी एस0एल0, भारतीय सामाजिक विचारक, रावत पब्लिकेशन्स जयपुर 2010

Suggested Online Link:

MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

Suggested equivalent online courses:

IGNOU & Other centrally/state operated universities MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

Suggested Continuous Evaluation:**Course Prerequisites:**

Bachelor Degree in UG(Arts)**Programme: Bachelor Degree in UG (Arts)****Year:
III****Semester:VI
Paper-II****Subject:
Sociology****CourseCode: UGSOC-
CC602** **Course Title: Social Change****Course Outcomes:**

This Paper is designed in a manner, so that students are introduced to the concepts related to Social change and Social Movement. This course will introduce students to the dynamic aspect and dissension tendencies of society. The critical evaluation would enable students to come out with better suggestions, contributing in cohesion of society.

Credits: 05**Core Compulsory****Max. Marks: 100****Min. Passing Marks: As per
University Rules****Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0**

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	Social Change: Concept and Characteristics, Patterns of Social Change: Linear and Cyclical, Social Change and Cultural Change.	15
Unit II	Factors of Social Change: Biological, Demographic, Economic, Technological and Cultural.	15
Unit III	Modes of Social Change: Evolution, Progress, Development and Revolution.	15
Unit IV	Theories of Social Change: Vilfred Pareto, Oswald Spengler, P.A. Sorokin, A.J. Toynbee.	15
Unit V	Social Mobility: Concept, Characteristics, Types.	15

Suggested Reading:

- Gillin and Gillin; Cultural Sociology, The Macmillan Co.; New York.
- Hobhouse, L.T.; Social Development, New York, Henry Holt & Co.
- Ogburn, W.F.; Social Change, Calverton, B.V. edit, New York.
- Moore, Wilbert E., Social Change, Prentice-Hall, Englewood Cliffs.
- Sorokin, P.A., Social and Cultural Dynamics (4 Vols.), American Book Company, New York.
- Spengler, Oswald J., Decline of the West (trans. C.F. Atkinson), Alfred A. Knoff, New York.

- Singh, Yogendra, Social Stratification and Change in India, Manohar Publishers and Distributors, New Delhi.
- Srinivas, M. N., Social Change in Modern India, Orient Longman, New Delhi.
- Singh, Yogendra, Modernization of Indian Tradition, Thomson Press, Delhi.
- Gore, M. S., Urbanization and Family Change, Popular Prakashan, Bombay.
- Singer, Milton (Ed.), Traditional India: Structure and Change, Rawat Publications, Jaipur.
- Sovani, N. V., Urbanization and Urban India, Asia Publishing House, New York.

Suggested Online Link:

MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

Suggested equivalent online courses:

IGNOU & Other centrally/state operated universities MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

Suggested Continuous Evaluation:

Course Prerequisites:

fy Ah 

Bachelor Degree in UG(Arts)			
Programme: Bachelor Degree in UG (Arts)		Year: III	Semester: VI Paper-II
Subject: Sociology			
CourseCode: UGSOC-RP603	Course Title: Research Project on Contemporary Social Issues		
Course Outcomes: This Paper is designed in a manner so that students will get an in-depth understanding of socio-cultural realities of Indian Society and culture.			

by

An

~~Ar.~~

परीक्षा प्रणाली

श्री देव सुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय परिसर, ऋषिकेश में दिनांक 10 अगस्त 2022 को कला संकाय की अध्यापन समिति (Board of Studies) में लिए गए निर्णय के क्रम में श्री देव सुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय में संचालित स्नातक पाठ्यक्रमों के निम्न विषयों -

हिन्दी ,
अंग्रेजी ,
संस्कृत,
इतिहास ,
गृह विज्ञान ,
भूगोल,
राजनीति विज्ञान ,
समाज शास्त्र,
अर्थशास्त्र ,
शिक्षा शास्त्र ,
शारीरिक शिक्षा ,
संगीत ,
चित्रकला ,
मानव शास्त्र ,
मनोविज्ञान ,
दर्शन शास्त्र तथा
सैन्य विज्ञान विषयों के स्नातक कक्षाओं के सेमेस्टर परीक्षा 2022-23 हेतु पारित निर्णय निम्नवत हैं :

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत प्रवर्तित पाठ्यक्रमों के प्रत्येक सेमेस्टर में प्रत्येक लिखित प्रश्न पत्र तीन घंटों का होगा तथा प्रत्येक प्रश्न पत्र अधिकतम 75 अंकों का होगा । प्रत्येक प्रश्न पत्र के दो खंड होंगे - खंड अ और खंड ब । खंड अ में 8 लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 5 प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य होगा । खंड अ का प्रत्येक प्रश्न 6 अंकों का होगा । खंड ब में 5 प्रश्न दीर्घ उत्तरीय प्रकृति के होंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 3 प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य होगा । प्रत्येक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 15 अंकों का होगा ।

अध्यक्ष , अध्यापन समिति (Board of Studies)

कला संकाय, श्री देव सुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय , बादशाहीथाल

**SRI DEV SUMAN UTTARAKHAND UNIVERSITY
BADSHAITHAUL (TEHRI GARHWAL)**



U.G. SYLLABUS (NEP-2020)

HISTORY

**Common Minimum Syllabus for all Affiliated Colleges
and Campus of Sri Dev Suman Uttarakhand University
for First Three Years of Higher Education**

SESSION-2022-23(ONWARD)

DEVELOPED BY:

DEPARTMENT OF HISTORY

Pdt. L.M.S. CAMPUS RISHIKESH, 249201

Curriculum Design Committee, Uttarakhand

Sr. No.	Name & Designation	
1.	Prof. N.K. Joshi Vice-Chancellor, Kumaun University Nainital	Chairman
2.	Prof. O.P.S. Negi Vice-Chancellor, Uttarakhand Open University	Member
3.	Prof. P. P. Dhyani Vice-Chancellor, Sri Dev Suman Uttarakhand University, Tehri	Member
4.	Prof. N.S. Bhandari Vice-Chancellor, Soban Singh Jeena University Almora	Member
5.	Prof. Surekha Dangwal Vice-Chancellor, Doon University, Dehradun	Member
6.	Prof. M.S.M. Rawat Advisor, Rashtriya Uchchatar Shiksha Abhiyan, Uttarakhand	Member
7.	Prof. K. D. Purohit Advisor, Rashtriya Uchchatar Shiksha Abhiyan, Uttarakhand	Member

Syllabus, checked and modified by

S.N.	Name	Designation	Department	Affiliation
1.	Prof. Savitri Kaira Jantwal	Professor & Head	History	DSB Campus, Nainital
2.	Prof Anil Joshi	Professor & Head	History	SSJ University, Almora
3.	Prof. Seraj Mohammad	Professor	History	SSDU, Campus Rishikesh
4.	Prof. G. S. Negi	Professor	History	DSB Campus, Nainital
5.	Prof. Sanjay Ghildiyal	Professor	History	DSB Campus, Nainital
6.	Prof. Sanjay Tamta	Professor	History	DSB Campus, Nainital
7.	Dr. Shivani Rawat	Assistant Professor	History	DSB Campus, Nainital
8.	Dr. Reetesh Sah	Assistant Professor	History / HRDC	DSB Campus, Nainital
9.	Dr. Manoj Bafila	Assistant Professor (Contract)	History	DSB Campus, Nainital

SRI DEV SUMAN UTTARAKHAND UNIVERSITY

Badshahithaul, Tehri Garhwal (Uttarakhand)

List of Members of Board of Studies

Sl. No.	Name of the Members	Designation	Nominated as
1	Prof. Dinesh Chandra Goswami	Dean of Arts	Chairman
2	Prof. Muktinath Yadav	Professor	Member
3	Prof. Hemant Kumar Shukla	Professor	Member
4	Prof. Sangeeta Mishra	Professor	Member
5	Prof. Preeti Kumari	Professor	Member
6	Prof. Anand Prakash Singh	Professor	Member
7	Prof. Pushpanjali Arya	Asso. Professor	Member
8	Prof. D K P. Choudhury	Professor	Member
9	Dr. Poonam Pathak	Professor	Member
10	Dr. Atal Bihari Tripathy	Asst. Professor	Member
11	Dr. Pushkar Gaur	Asst. Professor	Member
12	Dr. Shikha Mangai	Asst. Professor	Member
13	Prof. M. S. Mawri	Professor	Member
14	Dr. Preeti Gupta	Asst. Professor	Member
15	Dr. Narmadeshwar Shukla	Professor	Member
16	Dr. Poonam Pandey	Asst. Professor	Member
17	Dr. Vandana Sharma	Principal	Member
1	Prof. Janki Panwar	Principal	GPGC Kotdwar
2	Prof. Lovely Rajvanshi LOVNEY	Principal	GPGC, Jaiharikhal
3	Prof. K. L. Talwar	Principal	GDC, Chakrata
4	Dr. Himanshu Das	Director	NIVH, Rajpur Road
5	Prof. M. S. M. Negi	Professor	SRT Campus, HNBSGU, Srinagar
6	Prof. M. C. Sati	Professor	HNBSGU, Srinagar
7	Prof. S. L. Bhatt	Ex. Principal	GPGC, Kotdwar
8	Dr. P.C. Painuli	Asst. Professor	GPGC, New Tehri
9	Dr. Asha Devi	Asso. Prof.	GPGC, Kotdwar

**SRI DEV SUMAN UTTARAKHAND UNIVERSITY
BADSHAITHAUL (TEHRI GARHWAL)**



Syllabus Preparation Committee

Department of History

Prof.(Dr.) Seraj Mohammad
Professor

Prof.(Dr.) Sangeeta Mishra
Professor & Head

**Pdt. L.M.S. CAMPUS RISHIKESH
SRI DEV SUMAN UTTARAKHAND UNIVERSITY
BADSHAITHAUL (TEHRI GARHWAL), UK**

List of Papers in all Six Semesters Semester-wise Titles of the Papers in History					
Year	Sem.	Course Code	Paper Title	Theory/ Practical	Credits
<i>Certificate in Arts</i>					
FIRST YEAR	I	H101MT	History of India from the Earliest Times up to 300 AD	Theory	6
	II	H102MT	History of India from 300 AD to 1200 AD	Theory	6
<i>Diploma in Arts</i>					
SECOND YEAR	III	H203MT	History of India from 1200 AD to 1526 AD	Theory	6
	IV	H204MT	History of India from 1526 AD to 1756 AD	Theory	6
<i>Bachelor of Arts</i>					
THIRD YEAR	V	H305MT	History of India from 1757 AD to 1857 AD	Theory	5
		H306MT	History of Modern World 1453 AD to 1815 AD	Theory	5
		H307P	Project I: Study of Languages used in Indian History (Qualifying)	Project	4
	VI	H308MT	History of India from 1858 AD to 1950AD	Theory	5
		H309MT	History of Modern World 1815 AD to 1945 AD	Theory	5
		H310P	Project II Research Methodology in History (Qualifying)	Project	4

Minor Elective					
Year	Sem.	Course Code	Paper Title	Theory	Credits
I YEAR		H102MET	Indian Society and Culture through the Ages	Theory	4
II YEAR		H204 MET	History of Nationalism in Modern India (1857-1947 AD)	Theory	4

Vocational Course					
Year	Sem.	Course Code	Paper Title	Theory/ Practical	Credits
I YEAR		HVC-01	Introduction of Archaeology	Theory	3

Subject prerequisites:

1. Open For All. To study this course, a student must have qualified 10+2. Admission to the campus shall be guided by the norms specified by the university.

COURSE INTRODUCTION

History is the study of change over time. It covers all aspect of human society. History deals with all aspects of human past e.g. political, social, economic, scientific, technological, medical, culture, intellectual, religious, military etc. History involves the analysis and interpretation of the human past thereby enabling us to study continuity and changes that are taking place over a time. It is an act of both investigation and imagination that seeks to explain how people changed over time. Historians use all forms of evidence to examine, interpret, revisit and reinterpret the past. These include not just written documents, but also oral communication and objects such as buildings, artifacts, photographs and paintings. Historians are trained in the method of discovering and evaluating these sources and the challenging task of making historical sense out of them. Historical discourse gives an understanding of the past which enables us to appreciate our present and shape our future. Besides, history provides background information for other disciplines of social science and humanities.

Programme Outcomes (POs):

PO 1	Knowledge: The students develop a scientific understanding of the past which enables them to understand the history of India as well as the history of the world.
PO 2	Problem Analysis: The students develop a logical understanding of the past which enable them to make sense of the current societal problems in their historical context. The students gather intimate knowledge of the genesis and evolution of the social, economic, cultural and political formations of human past.
PO 3	Historical Research: Use historical research methods to generate knowledge about the various and diversified issues relating to the past.
PO 4	Conservation and Preservation: Conservation and preservation of art, culture and heritage of the Himalayan region. The department has Himalayan Museum since 1987, which has specifically been devoted to display, conserve and preserve the artefacts of the Himalayan region.
PO 5	Modern methods usage: Select and apply appropriate methods, techniques, resources and modern IT tools for generation and dissemination of historical knowledge.
PO 6	History and society: Apply reasoning informed by the contextual knowledge of human past to assess current state of society, economy, environmental, cultural, and political and other related issues.
PO 7	Career Prospects: Enable them in understanding significance of the subject for various competitive examinations.
PO 8	Individual and team work: Function effectively as an individual
PO 9	Communication: Communicate the outcome of the historical research through writings
PO 10	Life-long learning: Recognize the need for and have the capability of critically evaluating and analysing the past for a better understanding of human past.

BA First Year***Certificate in Arts*****Programme Specific Outcomes (PSOs)*****UG I Year / Certificate in Arts***

At the end of the program following outcomes are expected from the students:

- Students will have the ability to apply historical methods to evaluate critically the past and how historians and others have interpreted it.
- Students will be able to acquire basic historical research skills, including the effective use of Libraries, Archives and data bases.
- Students will be able to organize and express their thoughts clearly and coherently both orally and in writing.
- Students will be able to demonstrate broad knowledge of historical events and historical periods and their significance.
- Students will be able to recognize how different individuals, groups, organizations, societies, cultures, countries and nations have affected history. History gave the students wisdom and foresight for the future.
- They can develop capabilities to start earning by using their skill in the field of historical and traditional knowledge system, Tourism, Archives and Museums.

Certificate in Arts

Semester	Name of The Paper	Credits	No of Lectures
I	History of India from the Earliest Times up to 300 AD	6	90
II	History of India from 300AD to 1200 AD	6	90

BA Second Year***Diploma in Arts*****Programme Specific Outcomes (PSOs)*****UG II Year/ (Diploma in Arts)***

- Prepares students to become historian, museum curator, archaeologist, etc. and to pursue higher education in the field of history.
- Prepares scholars who will identify and conceptualize significant research problems in the history discipline, can do comparative study of different time periods and are qualified to undertake relevant research and contribute new knowledge to the field.
- They can become independent entrepreneurs or become employed.

Diploma in Arts

Semester	Name of The Paper	Credits	No of Lectures
III	History of India from 1200 AD to 1526 AD	6	90
IV	History of India from 1526 AD to 1756 AD	6	90

BA Final Year***Bachelor of Arts*****Programme Specific Outcomes (PSOs)*****UG III Year/ (Bachelor of Arts)***

- Students will be able to formulate basis of modern India and world history through different concepts like modernity, Rule of law etc.
- Students will be able to analyze the process of rise of modern India and its foundation made by social reforms and freedom fighters.
- Students will be able to categorize different school of thoughts about modern Indian history.
- Students will be able to illustrate rise and growth of Economic Nationalism in India.
- Students have understood the process of colonialism in different part of the world.
- Students have understood the problems of contemporary world in the light of its background history.
- Students will understand the necessity of Universal brotherhood.
- After this degree programme students can be benefitted in getting job like government sector, working with NGOs, Jobs as a Journalist, Tourist manager and in the field of education. They can also start their own entrepreneurship as well.

<i>Bachelor of Arts</i>			
Semester	Name of The Paper	Credits	No of Lectures
V	History of India from 1757 AD to 1857 AD	5	75
V	History of Modern World 1453 AD 1815 AD	5	75
V	Project I	4	60
VI	History of India from 1858 AD to 1950 AD	5	75
VI	History of Modern World 1815 AD to 1945 AD	5	75
VI	Project II	4	60

Programme Specific Outcomes (PSOs) <i>UG III Year (Bachelor of Arts)</i>	
PSO 1	After the completion of B.A., history scholars will be able to distinguish between primary and secondary sources and identify and evaluate evidence.
PSO2	Students will demonstrate in discussion and written work their understanding of different people and cultures in past environments and of how those cultures changed over the centuries.
PSO3	The study of history will gave them the ability to compare and contrast different processes, modes of thoughts and modes of expression from different historical time periods and in different geographical areas

PSO4	They will be able to produce their own historical analysis of documents and develop the ability to think critically and historically when discussing the past.
PSO5	Students will offer multi-casual explanation of major historical developments based on a contextualized analysis of interrelated political, social, economic, culture and intellectual process.
PSO6	Students will be able to write an original research paper that locates and synthesizes relevant primary and secondary sources and has a clear coherent and plausible argument, logical structure, proper references.
PSO7	Students will present orally their research of a summary of another's research in an organized coherent and compelling fashion.

	Year wise Structure of B.A. (CORE / ELECTIVE COURSES & PROJECTS)										
	Subject: History										Total Credits /hrs/
Course/Entry –Exit Levels	Year	Sem.	Paper 1	Credit / hrs	Paper 2	Credit/ hrs	Paper 3	Credit s /hrs	Research Project	Credit /hrs	
Certificate in Arts	I	I	Theory History of India from the Earliest Times up to 300 AD	6/90 hrs	-				-	-	6
		II	Theory History of India from 300 AD to 1200 AD	6/90 hrs	-				-	-	6
Diploma in Arts	II	III	Theory History of India from 1200 AD to 1526 AD	6/90 hrs	-				-	-	6
		IV	Theory History of India from 1526 AD to 1756 AD	6/90 hrs	-				-	-	6
Bachelor of Arts	III	V	Theory 1 History of India from 1757AD to 1857AD Theory 2 History of Modern World 1453 AD 1815 AD	5/75 hrs		5/75 hrs	-		Project -I Qualifyi ng		10
	III	VI	Theory 1 History of India from 1858 AD to 1950 AD Theory 2 History of Modern World 1815 AD 1945 AD	5/75 hrs		5/75 hrs	-		Project -II Qualifyi ng		10
Comments											
Internal Assessment & External Assessment											
Internal Assessment				Marks 25	External Assessment				Marks 75		
• Seminar/Assignment on any topic of the above syllabus				10 Marks	Written Examination to be conducted at University Level in each semester. Marking pattern, total marks and distribution of questions shall be decided by the university.						
• Presentation				10 Marks							
• Attendance				05 Marks							

Certificate in Arts			
Programme: <i>Certificate in Arts</i>		Year: I	Semester : I Paper-I
Subject: History			
Course Code: H101MT	Course Title: History of India from the Earliest Times up to 300 AD		
Course Outcomes: The present course will be useful in providing a comprehensive understanding to the evaluation of early Indian society and the student will be able to identify the forces and factors that shaped the course the course of early Indian history. The students will develop a critical awareness of various categories of sources for the study of ancient Indian history. They will learn the analytical skills to explore the development of India’s religious systems and cultural accomplishments in historical perspective. They will be able to explore the connections between multiple causative factors and access their relative historical significance. They will understand the process of the rise and decline of imperial states in early India.			
Credits: 6		Core Compulsory	
Max. Marks: 25+75 =100			
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 6-0-0			
Unit	Topic		No. of Lectures
Unit I	Meaning, scope, sources and importance of History.		12
Unit II	An Introduction of Paleolithic, Mesolithic, Neolithic and Chalcolithic cultures.		10
Unit III	Harappan Civilization: Origin, Extent, Main features & Causes of Decline.		11
Unit IV	The Rig Vedic and Later Vedic Period: Polity, Society, Economy and Religion, Iron age with reference to PGW & Megaliths cultures.		8
Unit V	Territorial States and the rise of Magadha, Conditions for the rise of Mahajanpadas and the Causes of Magadha’s success.		8
Unit VI	Jainism and Buddhism: Causes of Origin, Doctrines, Spread, Decline and Contributions.		7
Unit VII	Emergence and Growth of Mauryan Empire: State, Administration, Economy, Ashoka’s Dhamma.		9
Unit VIII	The Shunga’s & Satvahana’s Phase: Aspects of Political History, Material Culture, and Administration.		7

Unit IX	The Sangam Age: Sangam Literature, The three Early Kingdoms- Chera , Chola and Pandya.	8
Unit X	The age of Shakas, Parthians & Kushanas, Aspects of Polity, Society, Religion & Arts.	10

Suggested Reading:

- Agrawal, D.P. The Archaeology of India
 - Allchin, F.R. and B Origins of a Civilization: The Prehistory and Early
 - Archaeology of South Asia
 - Basham, A.L. The Wonder That was India
 - Basham, A.L. The Wonder That was India
 - Beginning of archaeology. 2005
 - Chakrabarti, D.K. Archaeology of Ancient Indian Cities
 - Jaywalk, Suvira Caste: Origin, Function and Dimensions
 - Jha, D.N. Ancient India in Historical Outline (1998 edn.)
 - Katsambis, D.D. Culture and Civilization of Ancient India
 - R.S Sharma, India's Ancient Past
 - Ray, H.P. Monastery and Guild India in Historical Outline
 - Ray, Niharranjan Maurya and Post Maurya Art
 - Sastri, K.A.N. A History of South India
 - Sharma, R.S. Aspects of Political Ideas and Institutions in Ancient India
 - Singh, Upinder 2009 A History of Ancient and Early Medieval India) Pearson
 - Singh, Upinder. Ancient India: From the stone age to the 12th Century. 2009
 - Singh, Upinder. Discovery of Ancient India: Early archaeologist and the
 - Subramanian, N. Sangam Polity
 - Thapar, Romila Ashoka and the Decline of the Mauryas 1997
 - Thapar, Romila History of Early India
 - Yazdani, G. Early History of Deccan
-
- शर्मा, रामशरण. भारत में आर्यों का आगमन, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली.
 - शर्मा, रामशरण. प्रारम्भिक भारत का आर्थिक और सामाजिक इतिहास, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली.
 - झा, द्विजेन्द्र नारायण एवं श्रीमाली, कृष्णमोहन. प्राचीनभारत का इतिहास, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली.
 - ठाकरान, आर०सी०., दत्त, शिव., संजय कुमार., भारतीय उपमहाद्वीप की संस्कृतियां, भाग 1, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली.
 - ठाकरान, आर०सी०., दत्त, शिव., संजय कुमार., भारतीय उपमहाद्वीप की संस्कृतियां, भाग 2, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली.
 - थापर, रोमिला. पूर्वकालीन भारत (प्रारम्भ से 1300 ई० तक), हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली.
 - थापर, रोमिला. आर्य संरचना का पुनर्गठन, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली
 - सिंह, आनन्द. प्राचीन भारतीय धर्म: उद्भव एवं स्वरूप, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली.
 - प्रसाद, ओमप्रकाश. संघाधिपति अशोक, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली.
 - सर मार्टिनर व्हीलर, पृथ्वी से पुरातत्व, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली.
 - गार्डन चाइल्ड, वी० एच०. प्राचीनतम प्राच्य सभ्यता पर नया प्रकाश, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली.
 - गार्डन, डी० एच०. भारतीय संस्कृति की प्रागैतिहासिक पृष्ठभूमि, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली.
 - गोपालशरण, प्रागितिहास, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली.

Suggested Online Link:
<https://ndl.iitkgp.ac.in>
<https://epustakalay.com>
<https://archive.org>
<https://ignou.ac.in>
www.cec.nic.in

Further Suggestions: For Course Contents visit:

<https://www.youtube.com/watch?v=m9w2ZOUF6So>

<https://www.youtube.com/watch?v=hW7tCQ457FA&t=1475s>

<https://www.youtube.com/watch?v=sWMTXcx-5IM&t=146s>

<https://www.youtube.com/watch?v=5RgzyOXj7Vo>

<https://www.youtube.com/watch?v=omhyRZdWBC4>

Suggested equivalent online courses: IGNOU & other centrally/state operated universities/MOOC platforms such as SWAYAM in India and Abroad.

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

Open for all

Suggested Continuous Evaluation (25 Marks):

- Seminar/Assignment on any topic of the above syllabus (10 Marks).
- Presentation (10 Marks).
- Attendance (5 Marks).

Course Prerequisites: To study this course, a student must have qualified 10+2.

Programme: <i>Certificate in Arts</i>		Year: I	Semester: II Paper-I
Subject: History			
Course Code: H102MT	Course Title: History of India from 300 AD to 1200 AD		
Course Outcomes: This paper is designed to develop the understanding of the process of transition from ancient period to the early medieval period and figure out the key determinations that made this transition possible. It will develop an understanding of the growing culture and political and economic linkages between North and South Indian. The student will also get familiarized with the development of historical processes in Deccan and far south.			
Credits: 6		Core Compulsory	
Max. Marks:25+75=100			
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 6-0-0			
Unit	Topic	No. of Lectures	
Unit I	The Rise & Growth of the Guptas: Administration, Society, Economy, Religion, Art, Literature, Science &Technology.	14	
Unit II	The post Gupta Period: Administration, Agrarian and Revenue Systems, Pallavas Chalukyias and Vardhanas.	12	
Unit III	South India: Polity, Society, Economy & Culture.	14	
Unit IV	Towards the Early Medieval: Changes in Society, Polity Economy and Culture with reference to the Pallavas, Chalukayas and Vardhanas.	10	
Unit V	Evolution of Political structures of Rashtrakutas, Pala & Pratiharas.	10	
Unit VI	Emergence of Rajput States in Northern India: Polity, Economy & Society.	11	
Unit VII	The Arabs in Sindh: Polity, Religion & Society.	9	
Unit VIII	Struggle for power in Northern India & establishment of Sultanate.	10	

Suggested Reading:

- B. D. Chattopadhyaya: Making of Early Medieval India
- Derryl N. Maclean: Religion and Society in Arab SindhHistory of India, Vol.I
- K. M. Ashraf: Life and Conditions of the People of Hindustan
- M. Habib and K.A. Nizami: A Comprehensive History of India Vol.V
- Percy Brown, : Islamic Architecture
- Peter Jackson: Delhi Sultanate: A Political and Military History
- R. S. Sharma: Indian Feudalism-India's Ancient Past
- Satish Chandra: A History of Medieval India, 2 Volumes
- Tapan Ray Chaudhary and Irfan Habib (ed.): The Cambridge Economic
- Tara Chand: Influence of Islam on Indian Culture

Hindi books

- शर्मा, रामशरण, पुर्व मध्यकालीन भारत का सामंती समाज और संस्कृति, राजकमल प्रकाशन दिल्ली.
- झा, द्विजेन्द्रनारायण एवं श्रीमाली, कृष्णमोहन. प्राचीन भारत का इतिहास, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली.
- मुखर्जी, राधाकुमुद., प्राचीनभारत, प्रकाशन, राजकमल नई दिल्ली.
- मिश्र, जयशंकर., ग्यारहवीं सदी का भारत, हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, पटना.
- थापर, रोमिला. पुर्वकालीन भारत (प्रारम्भ से 1300 ई० तक), हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली.
- सिंह, ओकारनाथ., गुप्तोत्तर कालीन उत्तर भारतीय मुद्रायें (600–1200 ई०), विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी.
- पाण्डेय, अवध बिहारी., पुर्व मध्यकालीन भारत, भाग1, प्रकाशन हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली.
- पाठक, विशुद्वानन्द. उत्तर भारत का राजनीतिक इतिहास, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान,लखनऊ.
- पाण्डेय, राजबली., गोरखपुर जनपद और उनकी क्षत्रिय जातियों का इतिहास, ठाकुर महातमराव पब्लिशर, गोरखपुर.
- सोनकर, अशोक कुमार, गाहड़वालों का राजनीतिक और सामाजिक इतिहास, आस्था दिल्ली.

Suggested Online Link: <https://ndl.iitkgp.ac.in>

<https://epustakalay.com>

<https://archive.org>

<https://ignou.ac.in>

www.cec.nic.in

Suggested equivalent online courses:

IGNOU & other centrally/state operated universities/MOOC platforms such as SWAYAM in India and Abroad.

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

Suggested Continuous Evaluation (25 Marks):

- Seminar/Assignment on any topic of the above syllabus (10 Marks).
- Presentation (10 Marks).
- Attendance (5 Marks).

Course Prerequisites: To study this course, a student must have qualified 10+2.

Programme: <i>Diploma in Arts</i>		Year: II	Semester: III Paper-I
Subject: History			
Course Code: H203MT	Course Title: History of India from 1200 AD to 1526 AD		
Course Outcomes:			
This paper is designed to develop the understanding of historical processes in India during the period under study. This paper covers the development in the field of art, language, culture and religious during medieval period. The student will be able to understand the territorial expansion of various Indian kings and impact of Medievalism on Indian Society and Culture.			
Credits: 6		Core Compulsory	
Max. Marks: 25+75=100			
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 6-0-0			
Unit	Topic		No. of Lectures
Unit I	Survey of Sources of Medieval Indian history.		14
Unit II	Foundation, Expansion & consolidation of the Delhi Sultanate. Causes of the success of the Turks: Foundation and consolidation of the Delhi Sultanate: Aibek, Iltutmish, Razia, And Balban.		15
Unit III	Allauddin Khalji- conquests, economic administrative and economic reforms.		14
Unit IV	Tughlaq dynasty: Mohammad-bin-Tughlaq’s Experiments; Feroz Shah Tughlaqs reforms and administration, Timur’s invasion.		14
Unit V	Saiyyads, Lodhis, Provincial kingdoms: Vijay nagara & Bahamanis.		12
Unit VI	Religious Moments of Bhakti & Sufism and their impacts on Indian society, Art & Culture.		11
Unit VII	Disintegration of Delhi Sultanate: Causes and its Effects on Indian Society & Polity.		10

Suggested Reading:

- Chandra, Satish., Essays on Medieval Indian History, Oxford university, New Delhi. 2003
 - Chattopadhyaya, B.D., The making of early Medieval India. Oxford University press, New Delhi. 2003
 - Chopra, P.N., Puri, B.N., Das, M.N., A social, cultural and economic history of India vol. II.
 - Development of Sufism in India, Bhakti Movement and Re-strengthening in North India.
 - H. Siddiqui: Some Aspects of Afghan Despotism
 - Irfan Habib (ed.) : Madhya Kaleen Bharat, (in Hindi), 8 Volumes,
 - Irfan Habib: The Agrarian System of Mughal India 1556-1707,
 - Kesvan Veluthat: Political Structure of Early Medieval South India
-

- Kulke, Herman (ed.) (1995), The State in India (1000-1700), New York and Delhi. Oxford University Press.
- Nigan, S.B.P.: (1968), Nobility under the Sultans of Delhi, Delhi, Munsiram Manoharlal
- Prasad, Ishwari: (1940), Medieval India (English or Hindi Version) Delhi, Indian Press
- Roy, S.C.: (1935), Dynastic History of Northern India, Calcutta, Calcutta University Press
- S.A.A.Rizvi: Muslim Revivalist Movements in Northern India during 16th and 17th Centuries
- Sharma, S.R.: (2005), Crescent in India (English or Hindi Version) Delhi, Bhartiya Kala Prakashan
- Singh, Dilbag: Structure of Rural Society in Medieval India
- Srivastava, A.L: (2017), The Delhi Sultanate (English or Hindi Version) India, Shivalal Agarwal & Co
- Tara Chanda., Influence of Islam on Indian Culture.
- Yaday, B.N.S.: (2012), Society and Culture in North India in the 12th Century. India. Radha Prakashan
- B. Chattopadhyay : the making of Early Mediaeval India, Oxford University Press

Hindi books

- ईश्वरी प्रसाद., मध्यकालीन भारत
- भारद्वाज, दिनेश., मध्यकालीन भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति, कैलाश प्रकाशन, भोपाल.
- पाण्डेय, अवध बिहारी., पूर्व मध्यकालीन भारत, भाग1, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली.
- वर्मा, हरिश्चन्द्र., मध्यकालीन भारतभाग 1(750—1540 ई0), हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली.
- वी0 के0 जैन., सूफी मत और हिन्दीसाहित्य
- ताराचंद्र: अनुवादक सुरेश मिश्र, भारतीय संस्कृति पर इस्लाम का प्रभाव, ग्रंथशिल्पी प्रकाशन दिल्ली
- मीनाक्षी खन्ना: मध्यकालीन भारत का सांस्कृतिक इतिहास, ओरिएंटलब्लैकस्वान

Suggested Online Link:<https://ndl.iitkgp.ac.in>

<https://epustakalav.com>

<https://archive.org>

<https://ignou.ac.in>

www.cec.nic.in

Suggested equivalent online courses:

IGNOU & other centrally/state operated universities/MOOC platforms such as SWAYAM in India and Abroad.

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

Suggested Continuous Evaluation (25 Marks):

- Seminar/Assignment on any topic of the above syllabus (10 Marks).
- Presentation (10 Marks).
- Attendance (5 Marks).

Course Prerequisites: To study this course, a student must have qualified 10+2.

Programme: <i>Diploma in Arts</i>		Year: II	Semester: IV Paper-I
Subject: History			
Course Code: H204MT	Course Title: History of India from 1526 AD to 1756 AD		
Course Outcomes:			
This paper is designed to provide the students with a firm basis for the understanding of the period1526-1707. By discussing the nature of the social, political and religious foundations of Mughal India as a dynamic process, the student will acquire multifaceted understanding of the factor that shaped state and society in the Mughal period and that were carried into the later colonial state.			
Credits: 6		Core Compulsory	
Max. Marks: 25+75=100			
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 6-0-0			
Unit	Topic	No. of Lectures	
Unit I	Survey of Sources of The Mughal Indian history.	13	
Unit II	Emergence and consolidation of Mughal State, Babur’s conquest, Humayaun: difficulties and failure.	12	
Unit III	Shershah Suri with special reference to Administration and Land revenue system.	12	
Unit IV	Akbar to Shahjahan: administrative structure, Mansabdari, Relation with Rajput and Maharana Pratap, Religious Policy.	14	
Unit V	Aurangzeb: administrative structure-Mansabs & Jagirs; Aurangzeb religious policy, Rajput, Religious and Deccan policy, Decline and disintegration of Mughals.	9	
Unit VI	Cultural in the Medieval Period, Art& Architecture.	8	
Unit VII	Peninsular India–Marathas: Shivaji and his administration, Tamil Kingdoms- Polity and Administration.	8	
Unit VIII	Later Mughals: Disintegration of the empire; invasion of Nadir Shah; 3 rd Battle of Panipat.	7	
Unit IX	Establishment, Expansion & consolidation of Colonial Power up to 1757.	7	

Suggested Reading:

- Chandra, Satish., Essays on Medieval Indian History, Oxford university, New Delhi. 2003
- Chattopadhyaya, B.D., The making of early Medieval India. Oxford University press, New Delhi. 2003
- Chopra, P.N., Puri, B.N., Das, M.N., A social, cultural and economic history of India vol. II.
- Irfan Habib (ed.) : Madhya Kaleen Bharat, (in Hindi), 8Volumes,
- Kulke, Herman (ed.) (1995), The State in India (1000-1700), New York and Delhi. Oxford University Press.
- M. Athar Ali: Mughal Nobility under Aurangzeb
- Prasad, Ishwari: (1940), Medieval India (English or Hindi Version) Delhi, Indian Press
- R.P. Tripathi: The Rise and Fall of the Mughal Empire, 2 vol
- Roy, S.C.: (1935), Dynastic History of Northern India, Calcutta, Calcutta University Press
- S.A.A.Rizvi: Muslim Revivalist Movements in Northern India during 16th and 17th Centuries
- Sharma, S.R.: (2005), Crescent in India (English or Hindi Version) Delhi, Bhartiya Kala Prakashan
- Shireen Moosvi: The Economy of the Mughal Empire
- Singh, Dilbag: Structure of Rural Society in Medieval India
- Stewart Gordon, : The Marathas 1600-1818
- Tara Chanda., Influence of Islam on Indian Culture.
- Yadav, B.N.S.: (2012), Society and Culture in North India in the 12th Century. India. RakaPrakashan
- Sugandh Bose & Aysha Jalal :Modern South Asia history culture and political economy.

Hindi books

- ईश्वरीप्रसाद., मध्यकालीन भारत
- भारद्वाज, दिनेश., मध्यकालीन भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति, कैलाश प्रकाशन, भोपाल.
- पाण्डेय, अवध बिहारी., उत्तर मध्यकालीन भारत, भाग1, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली.
- वर्मा, हरिश्चन्द्र., मध्यकालीन भारत भाग 2(1540—1761 ई0), हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली.
- चन्द्र, सतीश., उत्तर मुगल काली नभारत, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली

Suggested Online Link:<https://ndl.iitkgp.ac.in>

<https://epustakalay.com>

<https://archive.org>

<https://ignou.ac.in>

www.cec.nic.in

Suggested equivalent online courses:

IGNOU & other centrally/state operated universities/MOOC platforms such as SWAYAM in India and Abroad.

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

Suggested Continuous Evaluation (25 Marks):

- Seminar/Assignment on any topic of the above syllabus (10 Marks).
- Presentation (10 Marks).
- Attendance (5 Marks).

Course Pre requisites: To study this course, a student must have qualified 10+2.

Bachelor of Arts			
Programme: <i>Bachelor of Arts</i>		Year: III	Semester:V Paper-I
Subject: History			
Course Code: H305MT	Course Title: History of India from 1757AD to 1857AD		
Course Outcomes: The students will be able to trace the British Colonial expansion in the political contexts of mid eighteen th to mid nineteenth century India. They will learn about the changes in society, politics, religious and economy during this period. They will also acquire knowledge about the transition of India into a colonized society and economy.			
Credits: 5		Core Compulsory	
Max. Marks: 25+75=100			
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 5-0-0			
Unit	Topic		No. of Lecture s
Unit I	Ascendancy of British East India Company: Plassey and Buxar and its Impact.		13
Unit II	Struggle for supremacy – War and diplomacy-East India Company and other Indian power-Marathas, Mysore, Rohillas, Gorkhas and Sikh, Subsidiary Alliance.		12
Unit III	Economic Changes under colonial rule-Permanent settlement, Raytwari and Mahalwari, Commercialization of agriculture & indebtedness Forest policy.		14
Unit IV	Decline of Handicrafts, Development of Irrigation, Introduction of Railways& Growth of Modern Industry, Economic Drain.		11
Unit V	Popular Resistance of company's rule-Peasant and tribal Movements.		9
Unit VI	Socio Religious Reform Movements: Raja Ram Mohan Rai, Ishwar Chandra Vidya Sagar, Abolition of Slavery, Young India Movement.		7
Unit VII	Revolt of Indian Sepoys; Rise in Imperialistic designs-Doctrine of Lapse, Revolt of 1857: causes and consequences.		9

Suggested Reading:

- A.R. Desai, Peasant Struggles in India.
- Amiya Bagchi, Private Investment in India.
- Bipan Chandra, K.N. Panikkar, Mridula Mukherjee, Sucheta Mahajan and Aditya Mukherjee, India's Struggles for Independence.
- Bipan Chandra, Rise and Growth of Economic Nationalism in India.
- C. A. Bayly, Indian Society and the Making of the British Empire, New Cambridge History of India.
- Dadabhai Naroji, Poverty and Un-British Rule in India.
- David Arnold and Ramchandra Guha, eds, Nature, Culture and Imperialism.
- Dharma Kumar and Tapan Raychaudhuri, eds., The Cambridge Economic History of India, Vol. II.
- Eric Stokes, English Utilitarians and India.
- J.Krishnamurti, Women in Colonial India.
- J.S. Grewal, The Sikhs of the Punjab, New Cambridge History of India
- M.J. Fisher, ed., Politics of Annexation (Oxford in India Readings).
- P.C. Joshi, Rebellion 1857: A Symposium.
- P.J. Marshall, Bengal: The British Bridgehead, New Cambridge History of India.
- R.C. Majumdar, ed., History and Culture of Indian People, Vols. IX and X. British Paramountcy and Indian Renaissance.
- R.P. Dutt, India today.
- Rajat K. Ray, ed., Entrepreneurship and Industry in India, 1800- 1947, Oxford In India Readings.
- Ram Lakhan Shukla, ed., Adhunik Bharat ka Itihas.
- Ranajit Guha, ed., A Subaltern Studies Reader.
- Ranajit Guha, Elementary Aspects of Peasant Insurgency in Colonial India (1983).
- Shekher Bandopadhyaya :Plassy to Partation Orient BlackSwan(Hindi & English)
- Suhash Chakravarty, The Raj Syndrome: A Study in Imperial Perceptions, 1989.
-

Hindi Readings:-

- शुक्ल, राम लखन., आधुनिक भारत का इतिहास., हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली.
- मोईनुद्दीनहसन खॉ, अनुवादकअब्दुलहक., गदर— 1857(ऑखों देखा विवरण) हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली.
- भारत का स्वतंत्रता संघर्ष., हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली.
- चन्द्र, बिपिन., मुखर्जी, मृदुला., मुखर्जी, आदित्य., क0न0 पनिकर., महाजन, सुचेता.,
- चन्द्र, बिपिन., मुखर्जी, मृदुला., मुखर्जी, आदित्य., आजादी के बाद का भारत., हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली.
- चन्द्र, बिपिन., आधुनिक भारत में सांप्रदायिकता., हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली.
- गुप्ता, डी0एन0, अनुवाद, भारत की बदलती उत्पादन प्रणालियाँ हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली
- ग्रोवर, बी0एल0, यशपाल., आधुनिक भारत का इतिहास, एस चन्द्र एण्ड कम्पनी लि0, नई दिल्ली.

Suggested Online Link:<https://ndl.iitkgp.ac.in>

<https://epustakalay.com>

<https://archive.org>

<https://ignou.ac.in>

www.cec.nic.in

Suggested equivalent online courses:

IGNOU & other centrally/state operated universities/MOOC platforms such as SWAYAM in India and Abroad.

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

Open for all

Suggested Continuous Evaluation (25 Marks):

- Seminar/Assignment on any topic of the above syllabus (10 Marks).
- Presentation (10 Marks).
- Attendance (5 Marks).

Course Pre requisites: To study this course, a student must have qualified 10+2.



Bachelor of Arts			
Programme: <i>Bachelor of Arts</i>		Year: III	Semester:V Paper-II
Subject: History			
Course Code: H306MT	Course Title: History of Modern World 1453AD 1815AD		
Course Outcomes: This paper is designed to develop an understanding of renaissance and point out the factors for the growth of renaissance. It explains the changes in human thoughts and behavior due to renaissance. The student will be able to learn the rise of reformation movement against the Roman Catholic and how reformation impact globally. It will enable the students to compose an effective narration that analyses the history of western world. They will be able to evaluate the ways in which the history of the early western civilization in forms the current political, cultural and social history of Europe after 15 century and its relationship to the global culture.			
Credits: 5		Core Compulsory	
Max. Marks: 25+75=100			
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 5-0-0			
Unit	Topic		No. of Lectures
Unit I	Feudalism-Different Aspects and causes of decline		9
Unit II	Advent of Modern Age –Renaissance, Reformation& Counter Reformation.		9
Unit III	Growth of the absolute States : France, Spain and Britain.		10
Unit IV	Mercantilism and commercialism.		8
Unit V	Age of Revolutions-Scientific, Agrarian and Industrial.		8
Unit VI	Glorious Revolution (1688) Background, Events and Consequences.		7
Unit VII	American War of Independence Causes and Consequences Declaration of the Rights of Men Revolution (1776).		9
Unit VIII	French Revolution (1789) Causes: Political, Social, Economic, Role of philosophers, short- and long-term ramifications.		7
Unit IX	Napoleon Bonaparte– initial years, conquests, achievements as first consul, continental system, causes for downfall.		8

Suggested Reading:

- Arvind Sinha, Europe in Transition, Delhi, 2010 (also in Hindi)
- Bailey C.A.: The Birth of Modern World
- Basil Davidson, Modern Africa: A Social and Political History, 3d ed. London /New Jersey: Addison & Wesley, 1995
- Benms, F. Lee: Europe since 1914 *
- Bronski Jacob & Bruce Mazlish : Western Intellectual tradition
- Car, E.H. (1948), International Relations between two world war (1919-1939). Delhi. Macmillan and Co.
- Christopher Hill, From Reformation to Industrial Revolution
- Fisher H.A.L.: History of Europe
- J.H Perry, The Establishment of the European Hegemony 1415-1715, Trade & Exploration in the Age of the Renaissance, Harper Torch books, 1959
- K.R.G.Nair & Romey Borges, Discovering French Canada, Allied Publishers, 2002
- Ketelbey, C.D.M. A History of Modern Times (English or Hindi)
- Lowe, Norman: (1982), Mastering Modern World History, Macmillan and Co.
- Macmillan W.H: History of the World
- Palmer. R.R.: A History of Modern World
- Panikkar K.M: Asia and Western Dominance –
- Ralph Davis, The Rise of the Atlantic Economies,
- Ralph Davis, The Rise of the Atlantic Economies, New York, 1973,
- Roberiz. J.M: Pelican history of the World
- Stavrianos.A.J. : History of the Modern World Since 1500
- Wallerstein Emmanuel : Modern World System

Hindi books

- पार्थसारथि गुप्ता, यूरोप का इतिहास., हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली.
- पार्थसारथि गुप्ता, ब्रिटेन का इतिहास., हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली.
- पार्थसारथि गुप्ता, आधुनिक पश्चिम का उदय., हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली.
- देवेशविजय., फ्रांसीसी क्रांति के सांस्कृतिक पहलू, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली.
- देवेश विजय(संपादक), यूरोपीय संस्कृति(1400–1800 ई0), हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली.
- वर्मा, लालबहादुर, आधुनिक विश्व का इतिहास, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली.
- जेम्स जाल, (अनु0 स्नेह महाजन), यूरोप 1870 से., हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली.

Suggested Online Link: <https://ndl.iitkgp.ac.in>

<https://epustakalay.com>

<https://archive.org>

<https://ignou.ac.in>

www.cec.nic.in

Suggested equivalent online courses:

IGNOU & other centrally/state operated universities/MOOC platforms such as SWAYAM in India and Abroad.

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

Open for all

Suggested Continuous Evaluation (25 Marks):

- Seminar/Assignment on any topic of the above syllabus (10 Marks).
- Presentation (10 Marks).
- Attendance (5 Marks).

Course Pre requisites: To study this course, a student must have qualified 10+2.

Project I

Bachelor of Arts		
Programme:	Bachelor of Arts	Year: III Semester: V Project- I
Subject: History		
Course Code: H307P	Course Title: Study of Languages used in Indian history	
Course Outcomes: Student has to prepare research report on any language of Historical importance of his/her interest to consultation with Supervisor. Supervisor will teach following to their students for enabling students to prepare research report. <ul style="list-style-type: none">• Students will be able to the linguistic diversity of textual sources of Indian History• In-depth knowledge of Languages used in Indian- History.• The variation among Historical aspect of different languages.• Interaction with people with different languages and cultural settings.• Study of Historical area of different languages being visited.• Learn to prepare language analysis report.		
Credits: 4		Core Compulsory
Max. Marks: 100		Qualifying
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0		
Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	Meaning, types and significance of Historical Languages.	20
Unit II	Literature review and formulation of research design.	20
Unit III	Techniques of writing and reading of the selected language.	20

Suggested Readings:

- Chitnis, K.N. (2006) - Research Methodology in History, Atlantic Publication.
- Sreedharan, E. : A Textbook of Historiography.
- Kimerling, A. Jon. – Map Use- Reading Analysis Interpretation, ESRI Press
- कार, ई.एच. : (1997) इतिहास क्या है, मैकमिलन प्रेस, नई दिल्ली, कैनाडीन, डेविड : (2002) ह्वाट इज हिस्ट्री नाउ, मैकमिलन, लंदन
- कौशिक, कुँवर बहादुर : (1984) इतिहास दर्शन एवं प्राचीन भारतीय इतिहास लेखन, गोरखपुर
- श्रीधरन, ई. – इतिहास लेख

Suggested equivalent online courses:

IGNOU & other centrally/state operated universities/MOOC platforms such as SWAYAM in India and Abroad.

This course can be opted as an elective by the students of following subjects: Open for all

Suggested Continuous Evaluation (25 Marks):

- Seminar/Assignment on any topic of the above syllabus (10 Marks).
- Presentation (10 Marks).
- Attendance (5 Marks).

Course Pre requisites: To study this course, a student must have qualified 10+2.

Bachelor of Arts			
Programme: <i>Bachelor of Arts</i>		Year: III	Semester: VI Paper-I
Subject: History			
Course Code: H308MT	Course Title: History of India from 1858AD to 1950AD		
Course Outcomes:			
This paper is designed to develop an understanding of historical developments in India during the colonial rule. Understanding of the process of domination and resistance in this phase of colonial era shall enhance the student's awareness about modern India. By studying various strands of freedom movement student will be able to appreciate this phase of Indian past.			
Credits: 5		Core Compulsory	
Max. Marks:25+75=100			
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 5-0-0			
Unit	Topic	No. of Lectures	
Unit I	The Acts of 1858 and 1861 ,Change in the guard Queen Victoria's proclamation and emergence of nationalistic fervor- initial stages; Birth of Indian National Congress Moderates versus Extremists-Surat Split.	12	
Unit II	Reform And Revival: Brahmo samaj, Prarthna Samaj, Ramakrishna Mission, Vivekanand, Arya Samaj, Aligarh Movement.	10	
Unit III	Advent of Gandhi his Perspective & method; Act of 1919; Impact of World War-I on Independence Movement, Rowlatt Satyagrah & Jallianwala bagh Massacre Non Cooperation and Khilafat Movements, Swaraj Party.	10	
Unit IV	Simon Commission; Civil Disobedience Movement, Nehru Report, Gandhi Irwin Pact; Communal Award; Round Table Conferences.	11	
Unit V	Rise of revolutionary extremism-Kakori Case, Lahore Conspiracy; Role of expatriates– Gadar Party, Silk letter Conspiracy; Komagatamaru episode.	8	
Unit VI	Peasants, Tribal and Depressed Classes Movements.	8	
Unit VII	Act of 1935-responsible government in provinces Quit India Movement, Subhas Chandra Bose and INA.	7	
Unit VIII	Rise of communal strife-Muslim League; Cripps Mission Cabinet Mission, Wavell Plan; India's independence and partition; Birth of Constitution of India.	9	

Suggested Reading:

- Ayodhya Singh; 26 Bharat Ka Mukti Sangram
- B.L. Grover; A New Look on Modern Indian History, S Chand.
- Barbara D Metcalf and T.R. Metcalf; A Concise History of India, Cambridge, 2002
- Bipan Chandra, Aditya Mukherjee, India After Independence, Viking, 1999.
- Bipan Chandra: Nationalism and Colonialism.
- C.A. Bayly: An Illustrated History of Modern India 1600 - 1947, London 1990
- Francine Frankel; India's Political Economy 1947- 1977.
- Gail Omvedt; Dalits and Democratic Revolution.
- K.G. Subramanian; The Living Tradition: Perspectives on Modern Indian Art.
- Lloyd and Susan Rudolph In Pursuit of Laxmi: the Political Economy of the Indian State, Chicago, 1987
- Mushirul Hasan; From Company to the Republic: A story of Modern India
- Parul Brass; The Politics of India since Independence.
- R. Jeffery; J Masselos, From Rebellion to the Republic.
- R.L. Shukla; Adunik Bharat (ed). Delhi University Hindi Madhyam Kriyanwanyan Nideshalaya. 2012.
- R.P. Dutt, India Today.
- Ramachandra Guha The Fissured Land.
- Sekhar Bandyopadhyay: From Plassey to Partition
- Shekher Bandopadhyya :Plassy to Partation Orient BlackSwan(Hindi & English)
- Sumit Sarkar Modern India 1885 1947, Macmillan, 1983
- Sunder Lal; Bharat mein Angreji Raj 2 vol.(National Book Trust of India)
- Thomas Metcalf; Ideologies of the Raj.
- Urvashi Butalia; The Other side of Silence.

Hindi books

- शुक्ल, राम लखन., आधुनिक भारत का इतिहास., हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली.
- मोईनुद्दीन हसन खॉ, अनुवादक अब्दुलहक., गदर— 1857(ऑखों देखा विवरण) हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली.
- चन्द्र, बिपिन., मुखर्जी, मृदुला., मुखर्जी, आदित्य., क0न0 पनिकर., महाजन, सुचेता., भारत का स्वतंत्रता संघर्ष., हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली.
- चन्द्र, बिपिन., मुखर्जी, मृदुला., मुखर्जी, आदित्य., आजादी के बाद का भारत., हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली.
- चन्द्र, बिपिन., आधुनिक भारत में सांप्रदायिकता., हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली.
- गुप्ता, डी0एन0, अनुवाद, भारत की बदलती उत्पादन प्रणालियाँ हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली.
- ग्रोवर, बी0एल0, यशपाल., आधुनिक भारत का इतिहास, एस चन्द्र एण्ड कम्पनी लि0, नई दिल्ली.

Suggested Online Link: <https://ndl.iitkgp.ac.in>

<https://epustakalav.com>

<https://archive.org>

<https://ignou.ac.in>

www.cec.nic.in

Suggested equivalent online courses:

IGNOU & other centrally/state operated universities/MOOC platforms such as SWAYAM in India and Abroad.

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

Open for all

Suggested Continuous Evaluation (25 Marks):

- Seminar/Assignment on any topic of the above syllabus (10 Marks).
- Presentation (10 Marks).
- Attendance (5 Marks).

Course Pre requisites: To study this course, a student must have qualified 10+2.



Bachelor of Arts			
Programme: <i>Bachelor of Arts</i>		Year: III	Semester: VI Paper-II
Subject: History			
Course Code: H309MT	Course Title: History of Modern World 1815AD 1945AD		
Course Outcomes: This Course will impart knowledge to the students regarding the political transformations of the modern world that took place from the 18 th century till the end of 1945. The students will be able to know about the political history of the world since the end of the first world war focusing on the change and continuity over time and space. The course will impart knowledge on the economic developments of the period in an analytic way.			
Credits: 5		Core Compulsory	
Max. Marks: 25+75=100			
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 5-0-0			
Unit	Topic		No. of Lectures
Unit I	Age of Conservatism: Vienna Congress Metternich, Concert of Europe.		12
Unit II	French Revolutions 1830 & 1848, Liberalism in England- Reform Act of 1832 and the Chartist Movement.		9
Unit III	Opium war I & II, American civil war.		8
Unit IV	Rise of Nationalism in Europe Unification of Italy and Germany.		8
Unit V	Growth of Imperialism. Causes of First World War.		8
Unit VI	World War One-Major events and Peace settlement, Bolshevik Revolution (1917).		7
Unit VII	Economic and Social crisis between the two World War, the Great Depression and the New Deal.		9
Unit VIII	Awakening of China-Mao's Long March and Rise of Communism, Emergence of USA and Japan.		7
Unit IX	Emergence of New Ideologies-Fascism and Nazism, factors leading To World War II, the Holocaust, Victory of allied powers and shaping of new world order.		7

Suggested Reading:

- Anthony Wood, History of Europe, 1815-1960 (1983)
- Arvind Sinha, Europe in Transition, Delhi, 2010 (also in Hindi)
- Bailey C.A.: The Birth of Modern World
- Basil Davidson, Modern Africa: A Social and Political History, 3rd edn.. London /New Jersey: Addison & Wesley, 1995
- Benms, F. Lee: Europe since 1914
- C.M. Cipolla: Fontana Economic History of Europe, Volume II the Present (1981)
- Christopher Hill, From Reformation to Industrial Revolution
- E.J. Hobsbawm : The Age of Revolution
- Hartly, G M.S. (1950), Short History of international Affairs 1920-1939. New York. Oxford University Press
- Hayes, C.J.H. A Political and Cultural History of Europe. 1830-1839
- J. Evans: The Foundations of a Modern State in 19th Century Europe.
- J.H Perry, The Establishment of the European Hegemony 1415-1715,
- James Joll, Europe Since 1870.
- K.R.G.Nair & Romey Borges, Discovering French Canada, Allied Publishers, 2002
- Langasm. W.C. World Since 1919, Surjeet Publication
- Parker, R.A.C.: (1969). Europe (1919-1945) London, Weidenliekl and Nicolson
- Ralph Davis, The Rise of the Atlantic Economies,
- T.S. Hamerow: Restoration, Revolution and Reaction: Economics and Politics in Germany [1815-1871]
- Taylor, A.J.P. (1961), Origin of the Second World War. Simunanl Seluster

Hindi books

- पार्थसारिथ गुप्ता, यूरोप का इतिहास., हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली.
- पार्थसारिथ गुप्ता, ब्रिटेन का इतिहास., हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली. जेम्स
- पार्थसारिथ गुप्ता, आधुनिक पश्चिम का उदय., हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली.
- देवेश विजय., फ्रांसीसी क्रांति के सांस्कृतिक पहलू, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली.
- देवेश विजय(संपादक), यूरोपीय संस्कृति(1400–1800 ई0), हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली.
- वर्मा, लालबहादुर, आधुनिक विश्व का इतिहास, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली.

Suggested Online Link:<https://ndl.iitkgp.ac.in>
<https://epustakalav.com>
<https://archive.org>
www.cec.nic.in

Suggested equivalent online courses:

IGNOU & other centrally/state operated universities/MOOC platforms such as SWAYAM in India and Abroad.

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

Open for all

Suggested Continuous Evaluation (25 Marks):

- Seminar/Assignment on any topic of the above syllabus (10 Marks).
- Presentation (10 Marks).
- Attendance (5 Marks).

Course Pre requisites: To study this course, a student must have qualified 10+2.



Project II

Programme: <i>Bachelor of Arts</i>		Year: III	Semester: VI Project II
Subject: History			
Course Code: H310P	Course Title: Research Methodology in History		
Course Outcomes The aim of the course is to provide students with an introduction to research methods and report writing. Upon successful completion of the course, you are expected to develop understanding on various kinds of research, objectives of doing research, research process, and research designs. Have basic knowledge on qualitative research techniques.			
Credits: 4		Core Compulsory	
Max. Marks: 100		Qualifying	
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0			
Unit	Topic		No. of Lectures
Unit I	Historical Research: Meaning and Types, Choice of subject,		12
Unit II	Research -Hypothesis collection of data sources classification of sources. Sources in context: written, oral, visual and archaeological.		12
Unit III	Historical Facts & Interpretation.		12
Unit IV	Authenticity of Sources and Evaluation of evidence.		12
Unit V	Objectivity and Subjectivity in Writing History.		12

Suggested Reading:

- Arthur Marwick, New Nature of History: Knowledge, Evidence and Language (Chapter V: The Historian at Work: Forget 'Facts', Foreground Sources), Lyceum Books Incorporated, 2001.
 - Arthur Marwick, The Nature of History (Chapter IV: History, Science and Social Science), London: Macmillan, 1989.
 - E. Sreedharan, A Text book of Historiography 500 BC to AD 2000, Orient Longman, 2004(also in hindi)
 - E.H Carr: What is History, Penguin,2008
-

- Marc Bloch, The Historian's Craft (Introduction and Chapter I: History, Men and Time), Manchester University Press, 1992
- Shiek Ali, S; History its Theory and Method Macmillan India Publication Madras 1978
- Thomson, D. Renier, G.J : The Aims of History (London: James and Hudson, 1969); History: Its Purpose and Methods (London: George Allen & Unwin, 1950)

Suggested Online Link:<https://ndl.iitkgp.ac.in>

<https://epustakalay.com>

<https://archive.org>

<https://ignou.ac.in>

www.cec.nic.in

Suggested equivalent online courses:

IGNOU & other centrally/state operated universities/MOOC platforms such as SWAYAM in India and Abroad.

This course can be opted as an elective by the students of following subjects: Only for Students with History as a Major Subject

Suggested Continuous Evaluation (25 Marks):

- Seminar/Assignment on any topic of the above syllabus (10 Marks).
 - Presentation (10 Marks).
 - Attendance (5 Marks).
-

Minor Elective					
Year	Sem.	Course Code	Paper Title	Theory	Credits
I YEAR		H102 MET	Indian Society and Culture through the Ages	Theory	4

<ul style="list-style-type: none">• Programme: Society and Culture through the Ages		Year: I	
<ul style="list-style-type: none">• Subject: History			
Course Code: H102 MET	<ul style="list-style-type: none">• Course Title: Indian Society and Culture through the Ages		
<ul style="list-style-type: none">• Course Outcomes:• This paper is designed to develop the understanding of historical processes in India during the period under study. This paper covers the development in the field of art, language, culture and religious through the ages. The student will be able to understand the major aspects of Indian Society and Culture.			
<ul style="list-style-type: none">• Credits:4		<ul style="list-style-type: none">• Minor Elective	
<ul style="list-style-type: none">• Max. Marks: 25+75=100			
<ul style="list-style-type: none">• Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0			
<ul style="list-style-type: none">• Unit	Topic		No. of Lectures
Unit I	Harappan and Vedic culture, Jainism and Buddhism		9
Unit II	Ashoka’s Dhamm, Mauryan Art and Architecture, Social and culture Developments in Post Mauryan Period		9
Unit III	Gupta Age Age: Society and Culture, Sangam Age, Post Gupta Period : Society and Culture.		9
Unit IV	Medieval Society: Art, Architecture and literature.		9
Unit V	Bhakti - Sufi movement & Status of Women		8
Unit VI	Social Change: Impact of Western Civilization, Status of Women		8
Unit VII	Indian Renaissance: Brahmo Samaj, Prarthna Samaj, Ramakrishna Mission, Vivekanand, Arya Samaj, Aligarh Movement, Theosophical Society.		8

Suggested Reading:

- Basham, A.L. The Wonder That was India
- Jha, D.N. Ancient India in Historical Outline (1998 eds.)
- Katsambis, D.D. Culture and Civilization of Ancient India
- R.S Sharma, India's Ancient Past
- Ray, Niharranjan Maurya and Post Maurya Art
- Sastri, K.A.N. A History of South India
- Singh, Upinder 2009 A History of Ancient and Early Medieval India) Pearson
- Thapar, Romila Ashoka and the Decline of the Maurvas (1997 end

- Thapar, Romila History of Early India
- B. D. Chattopadhyaya: Making of Early Medieval India
- M. Habib and K.A. Nizami: A Comprehensive History of India Vol.V
- Percy Brown, : Islamic Architecture
- R. S. Sharma: Indian Feudalism-India's Ancient Past
- Satish Chandra: A History of Medieval India, 2 Volumes
- Chattopadhyaya, B.D., The making of early Medieval India. Oxford University press, New Delhi. 2003
- Chopra, P.N., Puri, B.N., Das, M.N., A social, cultural and economic history of India vol. II.
- Irfan Habib (ed.) : Madhya Kaleen Bharat, (in Hindi), 8 Volumes,
- Prasad, Ishwari: (1940), Medieval India (English or Hindi Version) Delhi, Indian Press
- Tara Chanda., Influence of Islam on Indian Culture.
- Bipan Chandra: Nationalism and Colonialism.
- R.L. Shukla; Adunik Bharat (ed). Delhi University Hindi Madhyam Kriyanwanyan Nideshalaya. 2012.
- R.P. Dutt, India Today.
- Sekhar Bandyopadhyay: From Plassey to Partition
- Sumit Sarkar Modern India 1885 1947, Macmillan, 1983

Hindi books

- शर्मा, रामशरण. भारत में आर्यों का आगमन, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली.
- शर्मा, रामशरण. प्रारम्भिक भारत का आर्थिक और सामाजिक इतिहास, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली.
- झा, द्विजेन्द्रनारायण एवं श्रीमाली, कृष्णमोहन. प्राचीन भारत का इतिहास, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली.
- थापर, रोमिला. पूर्वकालीन भारत (प्रारम्भ से 1300 ई0 तक), हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली.
- सिंह, आनन्द. प्राचीनभारतीय धर्म: उद्भव एवं स्वरूप, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली.
- प्रसाद, ओमप्रकाश. संघाधिपति अशोक, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली.
- शर्मा, रामशरण, पूर्व मध्यकालीन भारत का सामंती समाज और संस्कृति, राजकमल प्रकाशन, नईदिल्ली.
- मुखर्जी, राधाकुमुद., प्राचीन भारत, प्रकाशन, राजकमल नईदिल्ली
- मिश्र, जयशंकर., ग्यारहवीं सदी का भारत, हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, पटना.
- थापर, रोमिला. पूर्वकालीन भारत (प्रारम्भ से 1300 ई0 तक), हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली.
- भारद्वाज, दिनेश., मध्यकालीन भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति, कैलाश प्रकाशन, भोपाल.
- पाण्डेय, अवध बिहारी., उत्तर मध्यकालीन भारत, भाग1, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली.
- वर्मा, हरिश्चन्द्र., मध्यकालीन भारत भाग 2(1540—1761 ई0), हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली.
- चन्द्र, सतीश., उत्तर मुगलकालीन भारत, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली
- शुक्ल, राम लखन., आधुनिक भारत का इतिहास., हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली.
- मोईनुद्दीनहसन खॉं, अनुवादक अब्दुलहक., गदर— 1857(आँखों देखा विवरण) हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली.
- चन्द्र, बिपिन., मुखर्जी, मृदुला., मुखर्जी, आदित्य., क0न0 पनिकर., महाजन, सुचेता., भारत का स्वतंत्रता संघर्ष., हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली.
- ग्रोवर, बी0एल0, यशपाल., आधुनिक भारत का इतिहास, एस चन्द्र एण्ड कम्पनी लि0, नई दिल्ली.

Suggested Online Link: <https://ndl.iitkgp.ac.in>

<https://epustakalay.com>

<https://archive.org>

<https://ignou.ac.in>

www.cec.nic.in

Suggested equivalent online courses:

IGNOU & other centrally/state operated universities/MOOC platforms such as SWAYAM in India and Abroad.

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

Open for all

Suggested Continuous Evaluation (25 Marks):

- Seminar/Assignment on any topic of the above syllabus (10 Marks).
- Presentation (10 Marks).
- Attendance (5 Marks).

Course Prerequisites: Open for All



Minor Elective					
Year	Sem.	Course Code	Paper Title	Theory	Credits
II YEAR		H204 MET	History of Nationalism in Modern India (1857-1947 AD)	Theory	4

<ul style="list-style-type: none">• Programme: History of Nationalism in Modern India (1857-1947 AD)		Year: II	
<ul style="list-style-type: none">• Subject: History			
Course Code: H204 MET	<ul style="list-style-type: none">• Course Title: History of Nationalism in Modern India (1857-1947 AD)		
<ul style="list-style-type: none">• Course Outcomes:• This paper is designed to develop an understanding of historical developments in India during the colonial rule. Understanding of the process of domination and resistance in this phase of colonial era shall enhance the student’s awareness about modern India. By studying various strands of freedom movement student will be able to appreciate this phase of Indian past.			
Credits:4		Minor Elective	
<ul style="list-style-type: none">• Max. Marks: 25+75=100			
<ul style="list-style-type: none">• Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0			
Unit	Topic		No. of Lectures
Unit I	First War of Indian Independence, emergence of nationalistic fervor-initial stages; Birth of Indian National Congress Moderates versus Extremists-Surat Split.		9
Unit II	Advent of Gandhi his Perspective & method; Impact of World War-I on Independence Movement, Rowlett Satyagrah & Jallianwala Bagh Massacre Non-Cooperation and Khilafat Movements, Swaraj Party.		9
Unit III	Simon Commission; Civil Disobedience Movement, Nehru Report, Gandhi Irwin Pact; Communal Award; Round Table Conferences		9
Unit IV	Rise of revolutionary extremism-Kakori Case, Lahore Conspiracy; Role of expatriates– Gadar Party.		9
Unit V	Peasants, Tribal and Depressed Classes Movements.		8
Unit VI	Quit India Movement, Subhas Chandra Bose and INA.		8
Unit VII	Rise of communal strife-Muslim League; Cripps Mission Cabinet Mission, Wavell Plan; India’s independence and partition.		8

Suggested Reading:

- Ayodhya Singh; 26 Bharat Ka Mukti Sangram
 - B.L. Grover; A New Look on Modern Indian History, S Chand.
 - Barbara D Metcalf and T.R. Metcalf; A Concise History of India, Cambridge, 2002
 - Bipan Chandra, Aditya Mukherjee, India After Independence, Viking, 1999.
 - Bipan Chandra: Nationalism and Colonialism.
-

- C.A.Bayley: An Illustrated History of Modern India 1600 - 1947, London 1990
- Francine Frankel; India's Political Economy 1947- 1977.
- Gail Omvedt; Dalits and Democratic Revolution.
- K.G. Subramanian; The Living Tradition: Perspectives on Modern Indian Art.
- Lloyd and Susan Rudolph In Pursuit of Laxmi: the Political Economy of the Indian State, Chicago, 1987
- Mushirul Hasan; From Company to the Republic: A story of Modern India
- Parul Brass; The Politics of India since Independence.
- R. Jeffery; J Masselos, From Rebellion to the Republic.
- R.L. Shukla; Adunik Bharat (ed). Delhi University Hindi Madhyam Kriyanwanyan Nideshalaya. 2012.
- R.P. Dutt, India Today.
- Ramachandra Guha The Fissured Land.
- Sekhar Bandyopadhyay: From Plassey to Partition
- Shekher Bandopadhyya :Plassy to Partation Orient BlackSwan(Hindi & English)
- Sumit Sarkar Modern India 1885 1947, Macmillan, 1983
- Sunder Lal; Bharat meinAngreji Raj 2 vol.(National Book Trust of India)
- Thomas Metcalf; Ideologies of the Raj.
- Urvashi Butalia; The Other side of Silence.

Hindi books

- शुक्ल, राम लखन., आधुनिक भारत का इतिहास., हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली.
- मोईनुद्दीनहसन खॉ, अनुवादक अब्दुलहक., गदर— 1857(ऑखों देखा विवरण) हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली.
- चन्द्र, बिपिन., मुखर्जी, मृदुला., मुखर्जी, आदित्य., क0न0 पनिकर., महाजन, सुचेता., भारत का स्वतंत्रता संघर्ष., हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली.
- चन्द्र, बिपिन., मुखर्जी, मृदुला., मुखर्जी, आदित्य., आजादी के बाद का भारत., हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली.
- चन्द्र, बिपिन., आधुनिक भारत में सांप्रदायिकता., हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली.
- गुप्ता, डी0एन0, अनुवाद, भारत की बदलती उत्पादन प्रणालियाँ हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली.
- ग्रोवर, बी0एल0, यशपाल., आधुनिक भारत का इतिहास, एस चन्द्र एण्ड कम्पनी लि0, नईदिल्ली.

Suggested Online Link:<https://ndl.iitkgp.ac.in>

<https://epustakalay.com>

<https://archive.org>

<https://ignou.ac.in>

www.cec.nic.in

Suggested equivalent online courses:

IGNOU & other centrally/state operated universities/MOOC platforms such as SWAYAM in India and Abroad.

This course can be opted as a minor elective by the students of following subjects:

Open for all

Suggested Continuous Evaluation (25 Marks):

- Seminar/Assignment on any topic of the above syllabus (10 Marks).
- Presentation (10 Marks).
- Attendance (5 Marks).

Course Prerequisites: Open for All



Vocational/Skill Development Course in History Department

Vocational Course-01		
Programme: <i>Certificate Course in Art</i>		Year: First
Subject: History		
Course Code: HVC-01	Course Title: Introduction of Archaeology	
Course Outcomes: On the successful completion of Introduction to Archaeology students will develop a strong foundation on the basic understanding of the nature, development and value of archaeology as a discipline		
Credits: 3		Elective
Max. Marks: 25+75=100		
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week):3-0-0		
Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	Sources of Ancient Indian History.	9
Unit II	Definition, Aims and Scope of Archaeology.	9
Unit III	Type of Archaeology (Marine Archaeology, Ethno-archaeology, Historical Archaeology, Environmental Archaeology.	9
Unit IV	Brief introduction of Pre Historic Culture : Palaeolithic, Mesolithic and Neolithic Culture.	9
Unit V	Brief introduction of Proto Historic Culture : Harappa, PGW Culture (Painted Gray Ware) and Megalithic Culture.	9

Suggested Reading:

1. पाण्डेय, जय नारायण ; पुरातत्व विमर्श, इलाहाबाद
2. वहीलर, मोर्टेयर : पृथ्वी से पुरातत्व
3. वर्मा आर के. : पुरातत्व अनुशीलन, परमज्योति प्रकाशन, इलाहाबाद
4. Agrawal, D.P. : Archaeology of India
5. Wheeler, R. E. M., Archaeology from the Earth
6. Nautiyal, K. P. : Proto-historic India. Delhi
7. Sankalia.H.D : Prehistory and Protohistory of India & Pakistan
8. Atkinson, R. J. C.: Field Archaeology, London
9. Bhattacharya. D.K. : An Outline of India Prehistory
10. Allchin, B. & E.R. Allchin : The Rise of Civilization in India and Pakistan

Suggestive digital platforms web links- IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as “SWAYAM” in India and Abroad Suggest equivalent online courses : NA

This course can be opted as an elective by the students of following subjects : Open to all.

Suggested Continuous Evaluation(25Marks):

- Seminar/Assignment on any topic of the above syllabus.
- Test with multiple choice questions / short and long answer questions.
- Research Orientation of the student.
- Quiz.

Course Pre requisites: Basic understanding of History

Suggested equivalent online courses:

<https://www.mooc-list.com/tags/archaeology>

<https://online-learning.harvard.edu/subject/archaeology>

<https://www.distancelearningportal.com/search/#q=ci-30|di-70|lv-short|mh-blended,online>

Further Suggestions: For Course Contents visit :

<https://www.youtube.com/watch?v=m9w2ZOUF6So>

<https://www.youtube.com/watch?v=hW7tCQ457FA&t=1475s>

<https://www.youtube.com/watch?v=sWMTXcx-5lM&t=146s>

परीक्षा प्रणाली

श्री देव सुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय परिसर, ऋषिकेश में दिनांक 10 अगस्त 2022 को कला संकाय की अध्यापन समिति (Board of Studies) में लिए गए निर्णय के क्रम में श्री देव सुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय में संचालित स्नातक पाठ्यक्रमों के निम्न विषयों -

हिन्दी ,
अंग्रेजी ,
संस्कृत ,
इतिहास ,
गृह विज्ञान ,
भूगोल ,
राजनीति विज्ञान ,
समाज शास्त्र ,
अर्थशास्त्र ,
शिक्षा शास्त्र ,
शारीरिक शिक्षा ,
संगीत ,
चित्रकला ,
मानव शास्त्र ,
मनोविज्ञान ,
दर्शन शास्त्र तथा

सैन्य विज्ञान विषयों के स्नातक कक्षाओं के सेमेस्टर परीक्षा 2022-23 हेतु पारित निर्णय निम्नवत हैं :

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत प्रवर्तित पाठ्यक्रमों के प्रत्येक सेमेस्टर में प्रत्येक लिखित प्रश्न पत्र तीन घंटों का होगा तथा प्रत्येक प्रश्न पत्र अधिकतम 75 अंकों का होगा । प्रत्येक प्रश्न पत्र के दो खंड होंगे - खंड अ और खंड ब । खंड अ में 8 लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 5 प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य होगा । खंड अ का प्रत्येक प्रश्न 6 अंकों का होगा । खंड ब में 5 प्रश्न दीर्घ उत्तरीय प्रकृति के होंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 3 प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य होगा । प्रत्येक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 15 अंकों का होगा ।

अध्यक्ष , अध्यापन समिति (Board of Studies)

कला संकाय, श्री देव सुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय , बादशाहीघाट

Department of Political Science

Sri Dev Suman Uttarakhand University

Badshahithaul, Tehri



SYLLABUS of POLITICAL SCIENCE

**for
First Three Years of Higher Education**

**Major, Minor Elective and Vocational/ Skill
Enhancement Course**

**Under
National Education Policy, 2020**

SRI DEV SUMAN UTTARAKHAND UNIVERSITY

Badshahithaul, Tehri Garhwal (Uttarakhand)

List of Members of Board of Studies

Sl. No.	Name of the Members	Designation	Nominated as
1	Prof. Dinesh Chandra Goswami	Dean of Arts	Chairman
2	Prof. Muktinath Yadav	Professor	Member
3	Prof. Hemant Kumar Shukla	Professor	Member
4	Prof. Sangeeta Mishra	Professor	Member
5	Prof. Preeti Kumari	Professor	Member
6	Prof. Anand Prakash Singh	Professor	Member
7	Prof. Pushpanjali Arya	Asso. Professor	Member
8	Prof. D K P. Choudhury	Professor	Member
9	Dr. Poonam Pathak	Professor	Member
10	Dr. Atal Bihari Tripathy	Asst. Professor	Member
11	Dr. Pushkar Gaur	Asst. Professor	Member
12	Dr. Shikha Mamgai	Asst. Professor	Member
13	Prof. M. S, Mawri	Professor	Member
14	Dr. Preeti Gupta	Asst. Professor	Member
15	Dr. Narmadeshwar Shukla	Professor	Member
16	Dr. Poonam Pandey	Asst. Professor	Member
17	Dr. Vandana Sharma	Principal	Member
1	Prof, Janki Panwar	Principal	GPGC Kotdwar
2	Prof. Lovely Rajvanshi LOVNEY	Principal	GPGC, Jaiharikhal
3	Prof. K. L. Talwar	Principal	GDC, Chakrata
4	Dr. Himanshu Das	Director	NIVH, Rajpur Road
5	Prof. M. S. M. Negi	Professor	SRT Campus, HNBGU, Srinagar
6	Prof. M. C. Sati	Professor	HNBGU, Srinagar
7	Prof. S. L. Bhatt	Ex. Principal	GPGC, Kotdwar
8	Dr. P.C. Painuli	Asst. Professor	GPGC, New Tehri
9	Dr. Asha Devi	Asso. Prof.	GPGC, Kotdwar

Dy. Secy.

Syllabus Drafting and Modification Committee

S.N.	Name	Designation	Department	Affiliation
1.	Prof. Neeta Bora Sharma	Professor and Head	Political Science	Kumaun University, Nainital
2.	Prof. Madhurendra Kumar	Professor	Political Science	Kumaun University, Nainital
3.	Prof. Meena Pathani	Professor and Head	Political Science	S.S.J. University, Almora
4.	Prof.D.K.P.Chaudhary	Professor and Head	Political Science	Sri Dev Suman University, Badshahithaul
5.	Prof.Kalpana Agrahari	Professor	Political Science	Kumaun University, Nainital
6.	Dr. Surya Bhan Singh	Assistant Professor and Head	Political Science	Uttarakhand Open University
7.	Dr. Haradesh Kumar	Guest Faculty	Political Science	Kumaun University, Nainital
8.	Dr. Bhumika Prasad	Guest Faculty	Political Science	Kumaun University, Nainital
9.	Dr. Ruchi Mittal	Guest Faculty	Political Science	Kumaun University, Nainital

Syllabus finalized by

Sl. No.	Name	Designation	Affiliation
01	Prof. D.K.P.Chaudhary	Professor and Head	Sri Dev Suman Uttarakhand University Pt.L.M.S.Campus, Rishikesh
02	Prof. Hemlata Mishra	Professor	Sri Dev Suman Uttarakhand University Pt.L.M.S.Campus, Rishikesh
03	Prof. Dinesh Sharma	Professor	Sri Dev Suman Uttarakhand University Pt.L.M.S.Campus, Rishikesh
04	Prof. Janki Panwar	External Expert	Principal, Govt.Post Graduate College, Kotdwar

List of Papers for the Degree of B.A in Political Science
Semester-wise Titles of the Papers in Political Science

Year	Sem.	Course Code	Paper Title	Theory/ Practical	Credits
<i>Certificate Course in FUNDAMENTALS OF POLITICAL SCIENCE</i>					
FIRST YEAR	I	PS101MT	Basic Concepts of Political Science (Compulsory)	Theory	6
	I	PS101ME	Awareness with Civic Rights (Minor Elective)	Theory	4
	II	PS102MT	Comparative Political Systems: Major constitutions of the World (Compulsory)	Theory	6
<i>Diploma in POLITICAL THEORY AND PRACTICE</i>					
SECOND YEAR	III	PS201MT	Foundations of Western Political Thought (Compulsory)	Theory	6
	III	PS201ME	Issues of Women Empowerment (Minor Elective)	Theory	4
	IV	PS202MT	Indian Political System (Compulsory)	Theory	6
<i>Bachelor of POLITICAL SCIENCE</i>					
THIRD YEAR	V	PS301MT	Major Theories of International Politics (Compulsory)	Theory	5
		PS302MT	Elements of Public Administration (Compulsory)	Theory	5
		PS301PJ	*Research Project 1		QF (4)
	VI	PS303MT	Contemporary Issues in International Politics (Compulsory)	Theory	5
		PS304MT	Foundation of Indian Political Thought (Compulsory)	Theory	5
		PS302PJ	*Research Project 2		QF (4)

* Qualifying only





CERTIFICATE COURSE IN FUNDAMENTALS OF POLITICAL SCIENCE**Programme:** *Certificate Course in FUNDAMENTALS OF POLITICAL SCIENCE***Year:** I **Semester:** I
Paper-I**Subject: Political Science****Course Code:**
PS101MT**Course Title:** Basic Concepts of Political Science

Course Outcomes: Understanding Politics is integral and indispensable for a comprehensive and critical study of political science. The course is designed to train a student in the foundational issues of political science, which is relevant for any in depth study and research.

Credits: 6**Core:** Compulsory**Max. Marks:** 100**Min. Passing Marks:** 33**Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week):** 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	Concepts: Politics, Political Philosophy, Political Thought, Political Theory and Political Science	10
Unit II	State, Nation, Political System, Civil Society: Definitions, Elements	10
Unit III	Theories of the Origin and Functions of the State: Divine, Social Contract, Evolutionary, Liberal, Welfare, Socialist	10
Unit IV	Sovereignty; Austin's Theory, Pluralist Theory	10
Unit V	Power, Authority, Legitimacy	10
Unit VI	Liberty, Equality, Justice, Law	10
Unit VII	Rights, Duties, Political Obligation	10
Unit VIII	Democracy: Types, Representation and Participation	10
Unit IX	Political Parties, Pressure Groups and Public opinion	10



Suggested Reading:

1. A. C. Kapoor- An Introduction to Political Science (Hindi and English)
2. Andrew Heywood- Political Theory
3. Bhargav Rajeev , Acharya Ashok : Political Theory | An Introduction to Political science, Pearson Education India, 2008, (1st edition)
4. E. Ashirvadam- Political Theory (Hindi and English)
5. H. J. Laski- Grammar of Politics (Hindi and English)
6. Madan Gandhi- Modern Political Theory
7. O P Gauba- An Introduction to Political Theory (Hindi and English)
8. Roskin, Michael G., Robert L. Cord, James A. Medeiros and Walter S. Jones : "Political Science: An Introduction", Pearson Education uk, 2019, (14th edition)
9. Sushila Ramaswamy- Political Theory
10. वीरकेश्वर प्रसाद सिंह - विश्व के प्रसिद्ध संविधान

Suggested Online Link:

- <https://ndl.iitkgp.ac.in/>
- <http://epgp.inflibnet.ac.in/>
- <http://egyankosh.ac.in/>
- <https://www.ncertbooks.guru/english-skills/>
- <https://epathshala.nic.in/>
- <https://www.digitalindia.gov.in/services>
- <https://rtionline.gov.in/>
- <https://www.india.gov.in/topics/law-justice>



Subject: Political Science

Course Code: PS101VM	Course Title: Awareness with Civic Rights	Year:1	Semester: I
Course Outcomes: This paper intends to provide; the basic digital and legal awareness. The student can leverage this in the job market. To make aware the students of their basic legal rights which would help them to stand up and help others.			
Credits: 4		Core: Minor Elective	
Max. Marks: 100		Min. Passing Marks: 33	
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0			
Unit	Topic	No. of Lectures	
Unit I	Right: Concept, Definitions and Theories	12	
Unit II	Preamble, Fundamental Rights	12	
Unit III	Human Rights, Karma Theory of Right, Rights and Obligations	12	
Unit IV	Right to Information, Right to Service and Right to Education	12	
Unit V	Rights of Women, Children, Depressed classes and Rights against Cyber Crime	12	

Suggested Reading:



1. Khosla, Madhav, et al. 2016. The Oxford Handbook of the Indian constitution. New delhi: OUP
2. Benegal, Shyam. 2014. Samvidhan. Rajya Sabha TV

Suggested Online Link:

1. <https://www.digitalindia.gov.in/services>
2. <https://rtionline.gov.in/>
3. <https://www.india.gov.in/topics/law-justice>

Suggested equivalent online courses:

- <https://ndl.iitkgp.ac.in/>
- <http://epgp.inflibnet.ac.in/>
- <http://egyankosh.ac.in/>
- <https://www.ncertbooks.guru/english-skills/>
- <https://epathshala.nic.in/>
- <https://www.digitalindia.gov.in/services>
- <https://rtionline.gov.in/>
- <https://www.india.gov.in/topics/law-justice>

CERTIFICATE COURSE IN FUNDAMENTALS OF POLITICAL SCIENCE		
Programme: <i>Certificate Course in FUNDAMENTALS OF POLITICAL SCIENCE</i>		Year: I Semester: II Paper-I
Subject: Political Science		
Course Code: PS102MT	Course Title: Comparative Political Systems: Major Constitutions of the World	
Course Outcomes: Politics is the mirror of the society. This paper will help the student in furthering his understanding of the world around. Comparison is widely used method of scientific knowledge This would help to critical analysis.		
Credits: 6		Core: Compulsory
Max. Marks: 100		Min. Passing Marks: 33
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0		
Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	Comparative Politics: Meaning and Nature, Political Systems: Unitary, Federal, Parliamentary and Presidential, Constitution & Constitutionalism	15
Unit II	UK: Historical Background, Main Features, The Crown, Executive, Legislature, Party System	15
Unit III	USA: Historical Background, Main Features, Executive (President) Legislature (Congress) Judiciary and Judicial Review. Separation of Power and Theory of Check and Balance	15
Unit IV	Russia: Historical Background, Main Features, Rights and Duties, Executive, Legislature, Judiciary, Russian Federation	15
Unit V	Switzerland: Historical Background, Main Features, Executive, Legislature, Council of State, Federal Court, Direct Democracy	15
Unit VI	Australia: Historical Background, Main Features, Executive, Legislature, Judiciary, The Australian Federation.	15

Suggested Reading:

1. A.C. Kapoor and K.K. Mishra- Select Constitution (English and Hindi)
2. B. Shiva Rao- Select constitutions of the World
3. B.C. Rai- The World Constitution: A Comparative Study
4. D.D. Basu- Select Constitutions of the World
5. G. Almond - Comparative Politics Today : A World View
6. J.C. Johari- Select World Constitutions (English and Hindi)

[Handwritten signature]

7. M. Y. Pylee- Constitutions of the world, 2nd Volume
8. R. Hague & M. Harrop- Comparative Government and Politics: An Introduction
9. Robert Maddex- Constitution of the World
10. S. N. Dubey- Narains World Constitutions
11. Vidya Bhusan- World Constitutions: A Comparative Study
12. Vishnoo Bhagwan - World Constitutions
13. वीरकेश्वर प्रसाद सिंह - विश्व के प्रसिद्ध संविधान

Suggested Online Link:



- <https://ndl.iitkgp.ac.in/>
- <http://epgp.inflibnet.ac.in/>
- <http://egyankosh.ac.in/>
- <https://www.ncertbooks.guru/english-skills/>
- <https://epathshala.nic.in/>
- <https://www.digitalindia.gov.in/services>
- <https://rtionline.gov.in/>
- <https://www.india.gov.in/topics/law-justice>



DIPLOMA IN <i>POLITICAL THEORY AND PRACTICE</i>		
Programme: <i>Certificate Course in POLITICAL THEORY AND PRACTICE</i>		Year: II Semester: III Paper-I
Subject: Political Science		
Course Code: PS201MT	Course Title: Foundations of Western Political Thought	
Course Outcomes: This course the ancient and modern political thinking in the West. This would help to understand the idea of state, rights, liberty, equality, and justice which have evolved over a period of time.		
Credits: 6		Core Compulsory
Max. Marks: 100		Min. Passing Marks: 33
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0		
Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	Ideas and Ideologies- Meaning and Relevance	10
Unit II	Conservatism, Liberalism, Socialism, Feminism, Environmentalism	15
Unit III	Greek Thought: Early Greek Political Thought, Plato, Aristotle	14
Unit IV	Political thought during the Medieval Period, Initiation of Modern Thought: Machiavelli	08
Unit V	Concept of Social Contract: Hobbes, Locke, Rousseau	10
Unit VI	Utilitarian Thought: Bentham	05
Unit VII	Foundations of Liberal Thought: J.S. Mill, T.H. Green	10
Unit VIII	Idealism: Hegel	08
Unit IX	Foundations of Marxism: Karl Marx	10

Suggested Reading:

1. Brian R. Nelson- Western Political Thoughts
2. C.C. Wayper- Political Thought
3. George H. Sabine- A History of Political Theory
4. J. S. McClellan- A History of Western Political Thought
5. O. P. Gauba- Western Political Thought
6. Shefali Jha- Western Political Thought

7. Subratra Mukherjee and Sushila Ramaswamy- A History of Political Thought: Plato to Marx
8. Sukhbeer Singh – A History of Political Thought (Vol. 1 and Vol. 2)
9. W.H. Spellman- A Short History of Western Political Thought
10. चंद्रदेव प्रसाद- महान राजनीतिक विचारक.
शृंखला (कुल आठ पुस्तकें)
11. ब्रजकिशोर झा- प्रमुख राजनीतिक विचारक

Suggested Online Link:

- <https://ndl.iitkgp.ac.in/>
- <http://epgp.inflibnet.ac.in/>
- <http://egyankosh.ac.in/>
- <https://www.ncertbooks.guru/english-skills/>
- <https://epathshala.nic.in/>
- <https://www.digitalindia.gov.in/services>
- <https://rtionline.gov.in/>
- <https://www.india.gov.in/topics/law-justice>



Subject: Political Science**Course Code:**
PS202ME**Course Title: Issues of Women Empowerment****Year: II Semester: III**
Paper-I

Course Outcomes: Women empowerment in India is required to overcome situations of such types and to provide them with their independent role in Indian society. Empowering women is a necessary right of women. They should have proportional rights to contribute to society, economics, education, and politics.

Credits: 4**Core: Minor Elective****Max. Marks: 100****Min. Passing Marks: 33****Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0**

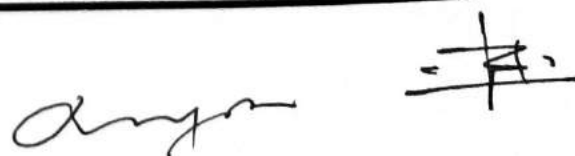
Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	Gender Issues and Perspectives, Strategies for Women's Empowerment	12
Unit II	Women and Development Organisation and Development, Legal Rights for Women	12
Unit III	Work and Entrepreneurship Credit and Finance, Marketing and role of NGOs	12
Unit IV	Women and Society, Women's Health and Local Issues	12
Unit V	Importance of Education in Women Empowerment, Role of Government in the development of Women	12

Suggested Reading:

- 1) Women in Indian Society by Neera Desai
- 2) Women and Empowerment in Contemporary India by Barati Baswas

Suggested equivalent online courses:

- <https://ndl.iitkgp.ac.in/>
- <http://epgp.inflibnet.ac.in/>
- <http://egyankosh.ac.in/>
- <https://www.ncertbooks.guru/english-skills/>
- <https://eathshala.nic.in/>



- <https://www.digitalindia.gov.in/services>
- <https://rtionline.gov.in/>
- <https://www.india.gov.in/topics/law-justice>

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

This course can be opted as an elective by the student of any subject.

Suggested Continuous Evaluation (25 Marks):



Course Prerequisites:

A handwritten signature in cursive script is followed by a rectangular stamp. The stamp contains a stylized, bold signature or set of initials.

Diploma in POLITICAL THEORY AND PRACTICE		
Programme: Diploma in POLITICAL THEORY AND PRACTICE		Year: II Semester: IV
Subject: Political Science		
Course Code: PS202MT	Course Title: Indian Political System	
Course Outcome: Acquaintance to Indian National Movement & Constitution is indispensable for a student to make a sense of Indian Political System. The course is designed to provide an overview of Indian freedom Struggle and key concepts of the Indian constitution to the student, which would evolve him into a conscientious citizen.		
Credits: 6		Core Compulsory
Max. Marks: 100		Min. Passing Marks: 33
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0		
Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	Basic Features of Indian Constitution: Preamble, Fundamental Rights, Fundamental Duties, Directive Principles of State Policy	15
Unit II	The Indian Parliament : Lok Sabha and Rajya Sabha	10
Unit III	The Executive: The President, The Prime Minister and The Cabinet	15
Unit IV	Indian Judicial System: Supreme Court, Judicial Review and Judicial Activism.	10
Unit V	Federal System, Centre-State Relations	10
Unit VI	Party System in India and Electoral Behavior	10
Unit VII	Issues: Caste, Class, Gender, Region in Indian Politics	10
Unit VIII	Problems of Nation Building: Terrorism, Insurgency, National Integration in Indian Politics	10

Suggested Reading:


1. J.C. Johari- Indian Government and Politics (English and Hindi)
2. Bidyut Chakrabarti and Rajendra Kumar Pandey- Indian Government and Politics (English and Hindi)
3. Niraja Gopala Jayal and Pratap Bhanu Mehta- The Oxford Companion to politics in India
4. Rajni Kothari - Politics In India (English and Hindi)
5. B. K. Sharma- Politics and The State in India

6. R. Sudarshan, Zoya Hasan and Eswaran Sridharan- India's Living Constitution, Ideas, Practices, Controversies
7. Balveer Arora, Fancis Frankel and Rajeev Bhargava – Transforming India Social and Political Dynamics of Democracy

Suggested Online Link:

- <https://ndl.iitkgp.ac.in/>
- <http://epgp.inflibnet.ac.in/>
- <http://egyankosh.ac.in/>
- <https://www.ncertbooks.guru/english-skills/>
- <https://epathshala.nic.in/>
- <https://www.digitalindia.gov.in/services>
- <https://rtionline.gov.in/>
- <https://www.india.gov.in/topics/law-justice>

A handwritten signature in cursive script is followed by a rectangular stamp. The stamp contains a stylized emblem, possibly a crest or logo, with some text that is difficult to decipher due to the image quality.

<i>Bachelor of POLITICAL SCIENCE</i>		
Programme: <i>Bachelor of POLITICAL SCIENCE</i>		Year: III Semester: V Paper-I
Subject: Political Science		
Course Code: PS301MT	Course Title: Major Theories of International Politics	
Course Outcomes: This course seeks to equip students the basic tools for understanding International relations. It also introduces major events and developments that have shaped the contemporary international system. It aims to capture the changing dynamics of the international politics by taking up burning and relevant issues which have potential to alter its contours.		
Credits: 5		Core: Compulsory
Max. Marks: 100		Min. Passing Marks: 33
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0		
Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	International Politics: Definition, Scope and Relevance	10
Unit II	Theories of International Politics: Idealism, System Theory, Realism, Neo-Realism Game theory, Decision making theory and Constructivism	15
Unit III	National Interest: Concept and its Role in the Foreign Policy	10
Unit IV	National Power: Definitions and Elements	10
Unit V	Foreign Policy : Determinants of Foreign Policy	10
Unit VI	United Nations: Objectives, Structure And Working Of UNO, Relevance	10
Unit VII	Regional Organizations: SAARC, ASEAN and European Union	10

Suggested Reading:

1. John Baylis – The Globalisation of World Politics
2. Piu Ghosh- International Relations, 2017
3. Jim George and Anthony D. Burke – An Introduction to International Relations 2017
4. Timothy Dunne, Milla Karki, Steve Smith – International Relations Theories 2017
5. Robert Jackson- Introduction to International Relations Theories
6. Jenny Edkins and Maja Zehtuss –Global Politics: A New Introduction, 2009
7. Tapan Biswal – International Relations (English and Hindi)
8. Pushpesh Pant – International Relations in the 21st Century

9. कल्पना अग्रहरि अंतर्राष्ट्रीय संबंध
10. Hans Morgenthau- Politics among Nations
11. A.C. Roy- International Relations since 1919
12. S. Mukherjee – International Relations
13. Rumki Basu- International Politics

Suggested Online Link:

- <https://ndl.iitkgp.ac.in/>
- <http://epgp.inflibnet.ac.in/>
- <http://egyankosh.ac.in/>
- <https://www.ncertbooks.guru/english-skills/>
- <https://epathshala.nic.in/>
- <https://www.digitalindia.gov.in/services>
- <https://rtionline.gov.in/>
- <https://www.india.gov.in/topics/law-justice>

Dr. Arun

[Signature]



Bachelor of POLITICAL SCIENCE**Programme: Bachelor of POLITICAL SCIENCE****Year: III Semester: V
Paper-II****Subject: Political Science****Course
Code:
PS302MT****Course Title: Elements of Public Administration**

Course Outcomes: Administration being essential to every organization, this course aims to acquaint a student with fundamentals of public administration too. This would provide him an insight regarding the principles of administration in general and help him to bring out the best from existing set up. This would help him to prepare for administrative examinations too.

Credits: 5**Core: Compulsory****Max. Marks: 100****Min. Passing Marks: 33****Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0**

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	Meaning, Nature and Scope of Public Administration and difference with Private Administration	10
Unit II	Comparative Public Administration, Evolution of Public Administration as a Discipline and Development Administration, New Public Administration, New Public Management.	10
Unit III	Principles of Organisation: Hierarchy, Span of Control, Unity of Command, Delegation, Supervision and Coordination.	10
Unit IV	Structure of Organisation: Staff, Line and Auxiliary Agencies, Department, Public Corporations	10
Unit V	Planning (With special reference to planning in India)	05
Unit VI	Personnel Administration : Recruitment, Training and Promotion,	08
Unit VII	Bureaucracy and Civil Service; Generalist vs. Specialist Debate, Civil Service Neutrality	08
Unit VIII	Financial Administration: Budget, and Budgetary Processes	06
Unit IX	Legislative, Executive and Judicial Control over Administration, Ombudsman (with reference to Lokayukta and Lokpal in India)	08



Suggested Reading:

1. Avasthi and S. Maheshwari- Public Administration & Theories.
2. M. Bhattacharya- Public Administration
3. F. M. Marx- Elements of Public Administration
4. Felix Nigro-Modern Public Administration
5. M. P. Sharma- Theory & Practice of Public Administration
6. A. R. Tyagi- Public Administration
7. L.D. White- Introduction to the Study of Public Administration

Suggested Online Link:

- <https://ndl.iitkgp.ac.in/>
- <http://epgp.inflibnet.ac.in/>
- <http://egyankosh.ac.in/>
- <https://www.ncertbooks.guru/english-skills/>
- <https://epathshala.nic.in/>
- <https://www.digitalindia.gov.in/services>
- <https://rtionline.gov.in/>
- <https://www.india.gov.in/topics/law-justice>



<i>Bachelor of POLITICAL SCIENCE</i>		
Programme: <i>Bachelor of POLITICAL SCIENCE</i>		Year: III Semester: V
Subject: Political Science		
Course Code: PS301PJ	Course Title: PROJECT WORK (I)	
Course Outcomes: This paper intends to develop a comprehensive insight in the students so that given an opportunity they can initiate a minor research proposal or attempt a minor dissertation on their area of interest		
Credits: Qualifying (4)		Core: Research Project
Max. Marks: 100		Min. Passing Marks: 33
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 0-0-3		
Suggested Topics	No. of Lectures (1 hr. each)	No. of Lectures (2 hr. each)
A project on the Political Process in India.	15	15

Note: The topics are to be decided in consultancy with the faculty and the above are only suggestions. Any topic of socio political economic significance can be taken up as a project.

Angar

[Signature]

Bachelor of POLITICAL SCIENCE

Programme: **Bachelor of POLITICAL SCIENCE** Year: III Semester: VI
Paper-I

Subject: Political Science

Course
Code:
PS301MT

Course Title: Contemporary Issues in International Politics

Course Outcomes: This course seeks to equip students the basic tools for understanding International relations. It also introduces major events and developments that have shaped the contemporary international system. It aims to capture the changing dynamics of the international politics by taking up burning and relevant issues which have potential to alter its contours.

Credits: 5

Core Compulsory

Max. Marks: 100

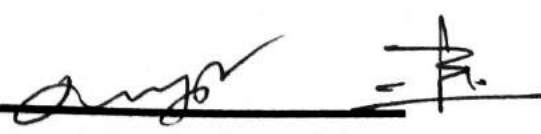
Min. Passing Marks: 33

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	Cold War, Detente and New Cold War. Unipolarity in the post cold war period	10
Unit II	Non Aligned Movement: Emergence, role and relevance	10
Unit III	The world of Nuclear politics: Nuclear race, PTBT/CTBT, NPT, expansion of the nuclear world	10
Unit IV	Bretton woods system, GATT, Liberalisation and Globalisation, WTO	10
Unit V	International Environmental Concerns: Major Treaties and role of UNO, Global Warming	15
Unit VI	Human Rights: UN Declaration and Issues	10
Unit VII	Post Cold war issues: Democracy, Clash of Civilisation, End of History, Non State Actors, International Terrorism. and Emerging Power Axis	10

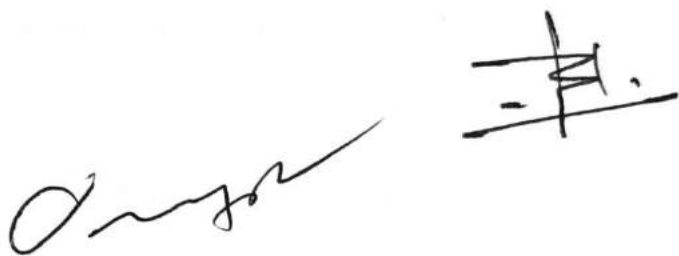
Suggested Reading:

1. Andrew Heywood- Global Politics
2. Globalisation of World Politics : An Introduction to International Relations by John Baylis, Smith and Owen
3. Vinod Sharma- Human Rights violation – A Global Phenomenon
4. M.S. Agwani- Détente: Perspectives and Repercussions
5. Paul Kennedy- Preparing for the Twenty-First Century
6. S. Mukherjee – International Relations
7. Pushpesh Pant- International Relations in 21st Century



Suggested Online Link:

- <https://ndl.iitkgp.ac.in/>
- <http://epgp.inflibnet.ac.in/>
- <http://egyankosh.ac.in/>
- <https://www.ncertbooks.guru/english-skills/>
- <https://epathshala.nic.in/>
- <https://www.digitalindia.gov.in/services>
- <https://rtionline.gov.in/>
- <https://www.india.gov.in/topics/law-justice>

A handwritten signature in cursive script is followed by a rectangular stamp. The stamp contains a stylized, bold character, possibly a '3' or a similar symbol, with a horizontal line through it.

Bachelor of POLITICAL SCIENCE		
Programme: Bachelor of POLITICAL SCIENCE		Year: III Semester: VI Paper-II
Subject: Political Science		
Course Code: PS304MT	Course Title: Foundations of Indian Political Thought	
Course Outcomes: This course is to familiarize the students with the larger political and social thinking and ideas in Ancient, medieval and Modern India. Designed in a way to help students engage with various ideological dispensations that came to shape the normative thinking on India.		
Credits: 5		Core: Compulsory
Max. Marks: 100		Min. Passing Marks:33
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0		
Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	Ancient Indian Political Thought Tradition: Manu and Kautilya	08
Unit II	Indian Renaissance: Raja Ram Mohan Roy, Dayanand Saraswati, Swami Vivekanand	15
Unit III	Indian Integralism: Deendayal Upadhyay	05
Unit IV	Spiritual Nationalism: Aurobindo Ghosh,	05
Unit V	Theory of Non-Violence: Mohandas Karamchand Gandhi	05
Unit VI	Theory of Social Change: Dr. Bhimrao Ambedkar	05
Unit VII	Indian Nationalism: Savarkar, Gopal Krishna Gokhale, Bal Gangadhar Tilak, Rabindranath Tagore	12
Unit VIII	Builder of modern India: Pt. J.L. Nehru	05
Unit IX	Indian Humanism: M.N. Roy	05
Unit X	The Socialist Tradition: R.M. Lohia and J.P. Narayan	10

Suggested Reading:

1. Ramchandra Guha: The Makers of Modern India
2. Raghwar Iyer, Collected works of Gandhi
3. Raghwar Iyer, the Moral and Political Thought of Mahatma Gandhi

[Handwritten signature]

4. Kalyan sen Gupta, the Philosophy of Rabindranath Tagore
5. V R Mehta, Political Ideas in Modern India
6. V R Mehta, Indian Political Thought
7. Raghuram Raju, Debating Gandhi
8. Deutsch Kenneth, Political Thought in Modern India
9. Sunil Khilnani, The Idea India
10. M K Gandhi, Hind Swaraj
11. Verma V. P. : " Modern Indian Political Thought", Lakshmi Narain Agarwal Educational Publishers, 2017(Hindi English both)

Suggested Online Link:

- <https://ndl.iitkgp.ac.in/>
- <http://epgp.inflibnet.ac.in/>
- <http://egyankosh.ac.in/>
- <https://www.ncertbooks.guru/english-skills/>
- <https://epathshala.nic.in/>
- <https://www.digitalindia.gov.in/services>
- <https://rtionline.gov.in/>
- <https://www.india.gov.in/topics/law-justice>



Bachelor of POLITICAL SCIENCE

Programme: Bachelor of POLITICAL SCIENCE	Year: III	Semester: VI
Subject: Political Science		

Course Code:
PS302PJ

Course Title: PROJECT WORK (2)

Course Outcomes:

This paper intends to develop a comprehensive insight in the students so that given an opportunity they can initiate a minor research proposal or attempt a minor dissertation on their area of interest.

Credits: Qualifying (4)	Core: Research Project
Max. Marks: 100	Min. Passing Marks: 33
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 0-0-3	

Suggested Topics	No. of Lectures	No. of Lectures
A project on the formulation and execution of various governmental programs and schemes ranging from Beti Bachao Beti Padhao, Swachta Bharata Bhiyan, Ek Bharat Shreshth Bharat, Ujala, Skill India, Jandhan Yojna, Ayushman Bharat, Digital India Mission, Namami Gange, etc.	15	15

Note: The topics are to be decided in consultancy with the faculty and the above are only suggestions. Any topic of socio political economic significance can be taken up as a project.



VOCATIONAL COURSES

Subject: Political Science

Subject: Political Science			
Course Code: PS101VM	Course Title: Issues of Rural Government	Year:	Semester:
Course Outcomes: Rural development is important not only for the majority of the population residing in rural areas, but also for the overall economic expansion of the nation.			
Credits: 3		Core: Vocational	
Max. Marks: 100		Min. Passing Marks: 33	
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0			
Unit	Topic	No. of Lectures	
Unit I	Rural Development: Indian Context Rural Development Programs	10	
Unit II	Rural Development Planning and Management Research Methods in Rural Development	10	
Unit III	Rural Health Care: Rural Social Development and Health Issues Water Sanitation	10	
Unit IV	Land Reforms and Rural Development	07	
Unit V	Entrepreneurship and Rural Development Components of Social Security	08	

Suggested Reading:

- 1) Environmental Law and Policy in India by Shyam Divan
- 2) Environmental Law by Dr. J.J Upadhyaya
- 3) Environmental Law and Policy by Aruna Venkat

Suggested Online Link:

- <https://ndl.iitkgp.ac.in/>
- <http://epgp.inflibnet.ac.in/>
- <http://egyankosh.ac.in/>
- <https://www.ncertbooks.guru/english-skills/>
- <https://epathshala.nic.in/>
- <https://www.digitalindia.gov.in/services>

- <https://rtionline.gov.in/>
- <https://www.india.gov.in/topics/law-justice>

Suggested equivalent online courses:

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

This course can be opted as an elective by the student of any subject.

Suggested Continuous Evaluation (25 Marks):

Course Prerequisites:

A handwritten signature in cursive script is written over a horizontal line. To the right of the signature is a rectangular stamp containing a stylized, blocky letter 'A'.

Course Code:	Course Title: Study of Voting Pattern and Voting Behaviour		
Course Outcomes: Voting behavior is a form of electoral behavior. Understanding voter's behavior can explain how and why decisions were made either by public decision makers, which has been central concern for political scientists. Political science student students study ways in which affective influence may help voters make more informed voting choices, with some proposing that affect may explain how the electorate makes informed political choices, with some proposing that affect may explain how the electorate makes informed political choices in spite of low overall levels of political attentiveness and sophistication.			
Credits: 3			Core: Vocational
Max. Marks: 100			Min. Passing Marks: 33
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0			
Unit	Topic		No. of Lectures
Unit I	Nature of Political Democracy in India		10
Unit II	People's Representation Act		10
Unit III	Role of Caste and Religion in Electoral Politics		10
Unit IV	Analyzing Voting Pattern with field survey		15

Suggested Reading:

- 1- How India votes and what it means by Pradeep Gupta
- 2- The Game of Votes by Farhat Basir Khan
- 3- Measuring Voting Behaviour In India by Sanjay Kumar and Praveen Rai

Suggested Online Link:

1. <https://www.digitalindia.gov.in/services>
2. <https://rtionline.gov.in/>
3. <https://www.india.gov.in/topics/law-justice>

Suggested equivalent online courses:

- <https://ndl.iitkgp.ac.in/>
- <http://epgp.inflibnet.ac.in/>
- <http://egyankosh.ac.in/>
- <https://www.ncertbooks.guru/english-skills/>
- <https://epathshala.nic.in/>

- <https://www.digitalindia.gov.in/services>
- <https://rtionline.gov.in/>
- <https://www.india.gov.in/topics/law-justice>

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

This course can be opted as an elective by the student of any subject.

Suggested Continuous Evaluation (25 Marks):

Course Prerequisites:



Subject: Political Science

Subject: Political Science			
Course Code: PS201VC	Course Title: Issues of Urban Government	Year:	Semester:
Course Outcomes: Urban governance: plays a critical role in shaping the physical and social character of urban regions; influences the quantity and quality of local services and efficiency of delivery; determines the sharing of costs and distribution of resources among different groups.			
Credits: 3		Core: Vocational	
Max. Marks: 100		Min. Passing Marks: 33	
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0			
Unit	Topic	No. of Lectures	
Unit I	Introduction to Urban Government	10	
	Issues and Challenges in Urban Planning and Development		
Unit II	Dynamics of Urban Planning and Development	10	
	Monitoring and Evaluation of Projects and Programmes		
Unit III	Development Issues and Perspectives	10	
	Urban Governance and Finance		
Unit IV	Transportation Planning	08	
	Infrastructure, Network and Services		
Unit V	Climatic Change, Human Settlements and Urban Design	07	

Suggested Reading:

- 1- Urban Local Self Government in India by R.N.Prasad
- 2- Urban Local Government in India by Pankaj Singh
- 3- Urban Government and Politics in India Supersession of Municipal Bodies by L.N.P.Mohanty
- 4- Urban Local Self-Government in India by R.N.Prasads

Suggested Online Link:

- <https://ndl.iitkgp.ac.in/>
- <http://epgp.inflibnet.ac.in/>



- <http://egyankosh.ac.in/>
- <https://www.ncertbooks.guru/english-skills/>
- <https://epathshala.nic.in/>
- <https://www.digitalindia.gov.in/services>
- <https://rtionline.gov.in/>
- <https://www.india.gov.in/topics/law-justice>

Suggested equivalent online courses:

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

This course can be opted as an elective by the student of any subject.

Suggested Continuous Evaluation (25 Marks):

Course Prerequisites:

A handwritten signature in cursive script is followed by a rectangular stamp. The stamp contains a stylized, possibly institutional or official, logo or emblem.

Subject: Political Science			
Course Code: PS202VM	Course Title: Public Policy	Year:	Semester:
Course Outcomes: It aims to provide interface between public policy and administration in India. Students will be able to understand Political Process as well as Policy formulation process and the difficulties in implementation of Programmes and Policies promised in Manifestoes			
Credits: 3		Core: Vocational	
Max. Marks: 100		Min. Passing Marks: 33	
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0			
Unit	Topic	No. of Lectures	
Unit I	Definition, Scope, Types & Significance of the Public Policy, Public Policy as an Emerging field of Study Major Determinants: Political Parties, Interest Groups, Pressure Groups, Mass Media, Non-Governmental Organization, Government Agencies, International Agencies NITI Aayog, Legislature, Executive, Judiciary, Bureaucracy, Techniques of Policy Implementation	12	
Unit II	Policy Making Process in India, Role of Parliament	10	
Unit III	Policy Evaluation: Concept, Criteria and Agencies	10	
Unit IV	Policy Intervention- Case Studies/Mock parliament: Panchayati Raj, NEP, MNREGA, Environmental Policies, Welfare Plans for Women & Weaker Sections, Feedback from Stake Holders.	13	

Suggested Reading:

1. Arora R.K. & Goyal R. 'Indian Public Administration', VishwaPrakashan 2008 New Delhi
2. Basu Rumki (ed.2015) 'Democracy and Good Governance: Reinventing the Public Service Delivery System in India' Bloomsbury, New Delhi
3. Basu Rumki (2015) 'Public Administration in India Mandates, Performance and Future Perspectives', Sterling Publishers, NewDelhi

4. Chakrabarty Bidyut & Chand Prakash (2017) 'Public Administration: From Government to Governance' Orient Blackswan Pvt. Ltd. Hyderabad
5. Chakrabarty Bidyut & Chand Prakash (2017) 'Public Administration in a Globalizing World: Theories & Practices' SAGE, New Delhi
6. Jayal, N.G (1999) 'Democracy and The State: Welfare, Secular and Development in Contemporary India', Oxford, Oxford University Press, New Delhi
7. Sharma M.P., & Sadan B.L. 'LokPrashasan: Siddhantevam Vyavhar' Kitab Mahal, Allahabad
8. Singh H. & Singh M. 'Public Administration in India, Theory and Practice', Sterling Publication 1990 New Delhi

Suggested Online Link:

- <https://ndl.iitkgp.ac.in/>
- <http://epgp.inflibnet.ac.in/>
- <http://egyankosh.ac.in/>
- <https://www.ncertbooks.guru/english-skills/>
- <https://epathshala.nic.in/>
- <https://www.digitalindia.gov.in/services>
- <https://rtionline.gov.in/>
- <https://www.india.gov.in/topics/law-justice>

Suggested equivalent online courses:

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

This course can be opted as an elective by the student of any subject.

Suggested Continuous Evaluation (25 Marks):

Course Prerequisites:



परीक्षा प्रणाली

श्री देव सुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय परिसर, ऋषिकेश में दिनांक 10 अगस्त 2022 को कला संकाय की अध्यापन समिति (Board of Studies) में लिए गए निर्णय के क्रम में श्री देव सुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय में संचालित स्नातक पाठ्यक्रमों के निम्न विषयों -

हिन्दी ,
अंग्रेजी ,
संस्कृत ,
इतिहास ,
गृह विज्ञान ,
भूगोल ,
राजनीति विज्ञान ,
समाज शास्त्र ,
अर्थशास्त्र ,
शिक्षा शास्त्र ,
शारीरिक शिक्षा ,
संगीत ,
चित्रकला ,
मानव शास्त्र ,
मनोविज्ञान ,
दर्शन शास्त्र तथा

सैन्य विज्ञान विषयों के स्नातक कक्षाओं के सेमेस्टर परीक्षा 2022-23 हेतु पारित निर्णय निम्नवत हैं :

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत प्रवर्तित पाठ्यक्रमों के प्रत्येक सेमेस्टर में प्रत्येक लिखित प्रश्न पत्र तीन घंटों का होगा तथा प्रत्येक प्रश्न पत्र अधिकतम 75 अंकों का होगा । प्रत्येक प्रश्न पत्र के दो खंड होंगे - खंड अ और खंड ब । खंड अ में 8 लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमे से परीक्षार्थी को 5 प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य होगा । खंड अ का प्रत्येक प्रश्न 6 अंकों का होगा । खंड ब में 5 प्रश्न दीर्घ उत्तरीय प्रकृति के होंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 3 प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य होगा । प्रत्येक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 15 अंकों का होगा ।

अध्यक्ष , अध्यापन समिति (Board of Studies)

कला संकाय, श्री देव सुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय , बादशाहीथाल

SYLLABUS OF CO-CURRICULAR COURSES

*Finalized by Kumaun University
and as accepted by*
**SRIDEV SUMAN UTTARAKHAND
UNIVERSITY,
BADSHAHITHAUL**



NATIONAL EDUCATION POLICY 2020

**Common Minimum Syllabus for all
Uttarakhand State Universities and Colleges for
First Three Years of Higher Education**

First Semester

COMMUNICATION SKILLS

Programme: Undergraduate Programme	Year: 1	Semester : 1
---	----------------	---------------------

Subject: Co-curricular Course

Course Code: CCS 01	Course Title: Communication Skills
----------------------------	---

Course outcomes: <ul style="list-style-type: none"> To understand the concept of Personality. To learn what personal grooming pertains. To learn to make good resume and prepare effectively for interview. To learn to perform effectively in group discussions. To explore communication beyond language. To learn to manage oneself while communicating. To acquire good communication skills and develop confidence.
--

Credits: Nil	Co-Curricular Compulsory
---------------------	---------------------------------

Max. Marks: 100	Min. Passing Marks: 40
------------------------	-------------------------------

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	PERSONALITY AND PERSONAL GROOMING Understanding Personality, Definition and Meaning of Personality, Types of Personality, Components of Personality, Determinants of Personality, Assessment of Personality Grooming: Self Dress for success, Make up & skincare, Hair care & styles for formal look Art of accessorizing, Oral Hygiene	7 All topics will include practical learning
Unit II	INTERVIEW PREPARATION AND GROUP DISCUSSION Meaning and Types of Interviews [Face to Face, Telephonic, Video] Interview procedure [Opening, Listening, Closure], Preparation for Interview Resume Writing LinkedIn Etiquette Meaning and methods of Group Discussion, Procedure of Group Discussion. Group Discussion simulation Group discussion common error	8 Mock Interviews Included

Unit III	BODY LANGUAGE AND BEHAVIOUR Concept of human behavior Individual and group behavior Developing Self-Awareness Behavior and body language Dimensions of body language: Proxemics Haptics Oculistics Paralanguage Kinesics Sign Language Chromatics Chronemics Olfactics Cultural differences in Body Language Business Etiquette & Body language Body Language in the Post Corona Era Virtual Meeting Etiquette Social Media Etiquette	07
Unit IV	ART OF GOOD COMMUNICATION Communication Process Verbal and Non-verbal communication 7 Cs of effective communication Barriers to communication Paralinguistics Pitch Tone Volume Vocabulary Word stress Pause Types of communication Assertive Aggressive Passive Listening Skills Questioning Skills Art of Small Talk Email Writing	08

Suggested Reading:

1. Cloninger, S.C., "Theories of Personality: Understanding Person", Pearson, New York, 2008, 5th edition.
2. Luthans F, "Organizational Behaviour", McGraw Hill, New York, 2005, 12th edition.
3. Barron, R.A. & Brian D, "Social Psychology", Prentice Hall of India, 1998, 8th edition.
4. Adler R.B., Rodman G. & Hutchinson C.C., "Understanding Human Communication", Oxford University Press : New York, 2011.

This course can be opted as a co-curricular course by the students of following subjects:

B.A./B. Com /B.B.A/ B.Sc./ B.F.A/ B. Lib/ B.A.LL.B. (Hons)/L.L.B./ B. Pharm.

Second Semester

ENVIRONMENT STUDIES AND VALUE EDUCATION

Programme: Under Graduation	Year: 1	Semester: 2
------------------------------------	----------------	--------------------

Subject: Co-curricular Course

CourseCode: CCS 02	Course Title: 'Environment studies and Value Education
---------------------------	---

Course outcomes: The mission of the course on Human Values and Environmental Studies is to create morally articulate solutions to be truthful and just and to become responsible towards humanity. The course seeks to establish a continuous interest in the learners to improve their thought process with intent to develop a new generation of responsible citizens capable of addressing complex challenges faced by the society due to disruptions in human interactions effecting human values. This course works towards Building fundamental knowledge of the interplay of markets, ethics, and law, Look at various challenges faced by individual to counter unethical issues Look at core concepts for business ethics Look at core concepts of anti-corruption Look at core concepts for a morally articulate solution evolver to management issues in general, Issues of sustainable development for a better environment. To know how environmental degradation has taken place. Be aware of negotiations and international efforts to save environment. How to develop sustainably? Efforts taken up by UN in Sustainable Development. Efforts taken by India in Sustainable Development. The course intends to create a sense of how to be more responsible towards the environment. Upon finishing of the course students will be able to come up with using ethical reasoning for decision making and frame ethical issues as well as operationalise ethical choices. The course integrates various facets of human values and environment.

Credits: Nil	Co-Curricular Compulsory
---------------------	---------------------------------

Max. Marks: 100	Min. Passing Marks:40
------------------------	------------------------------

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	Renewable and Nonrenewable Natural resources. Ecosystem: Concept, structure & functions of ecosystem: producer, consumer, decomposer, food web, food chain, energy flow, Ecological pyramids Conservation of Biodiversity- In-situ & Ex- situ conservation of biodiversity.	07
Unit II	Environmental pollution, Role of individual in Pollution control, Social Issues and Environment, Human Population & Environment Sustainable Development, Natural Hazards, India and UN Sustainable Development Goals Concept of circular economy and entrepreneurship Environment Protection Act 1986	08

Unit III	International Advancements in Environmental Conservation Role of National Green Tribunal Air Quality Index Importance of Indian Traditional knowledge on environment Bio assessment of Environmental Quality Environmental Management System Environmental Impact Assessment and Environmental Audit	07
Unit IV	Human Values- Introduction- Values, Characteristics, Types, Developing Value system in Indian Organization, Values in Business Management, value based Organization, Trans –cultural Human values in Management. Swami Vivekananda's philosophy of Character Building, Gandhi's concept of Seven Sins, APJ Abdul Kalam view on role of parents and Teachers. Human Values and Present Practices– Issues: Corruption and Bribe , Privacy Policy in Web and social media, Cyber threats, Online Shopping etc. Remedies Corporate Social Responsibility- Nature, Levels, Phases and Models of CSR, Corporate Governance. CSR and Modern Business Tycoons Ratan Tata, Azim Premji and Bill Gates. Holistic Approach in Decision making- Decision making, the decision making process, The Bhagavad Gita: Techniques in Management, Dharma and Holistic Management. Case Studies	08

Suggested Reading:

1. A foundation course in Human Values and Professional Ethics by RR. Gaur, R. Sangalet.al
2. JUSTICE: What's the Right Thing to Do? Michael J.Sandel.
3. Human Values by A. N. Tripathi New AgeInternational
4. Environmental Management by N.K.Oberoi
5. <https://www.un.org/sustainabledevelopment/sustainable-development-goals/>
6. <https://www.india.gov.in/my-government/schemes>
7. <https://www.legislation.gov.uk/ukpga/2010/23/contents>
8. Daniel Kahneman, Thinking, Fast and Slow; Allen Lane
9. Environment Protection Act 1986; Universal Publications
10. Agarwal, K.C.2001 Environmental Biology, Nidi Pub!. Ltd. Bikaner.
11. Bharucha Erach, The Biodiversity of India, Mapin Publishing Pvt. Ltd. Ahmedabad- 380013, India
12. Brunner R.C., 1989, Hazardous Waste Incineration, McGraw Hi'll Inc.480p
13. Clark R.S., Marine Pollution, Clanderson Press Oxford (TB)
14. Cunningham, W.P.Cooper, T.H.Gorhani, E & Hepworth, M.T.200 I, Environmental Encyclopedia, Jaico Pub!. House. Mumbai. I l 96p
15. De A.K., Environmental Chemistry, Wiley Eastern Ltd.
16. Down to Earth, Centre for Science and Environment(R)
17. Gleick, H.P. 1993. Water in crisis, Pacific Institute for Studies in Dev., Environment & Security. Stockholm Env. Institute. Oxford Univ. Press. 473p
18. Hawkins R.E, Encyclopedia of Indian Natural History, Bombay Natural History Society, Bombay (R)
19. Heywood, Vil & Watson, R.T. 1995. Global Biodiversity Assessment. Cambridge Univ. Press I l 40p.

20. Jadhav, H & Bhosale, V.M. 1995. Environmental Protection and Laws, Himalaya Pub. House, Delhi 284 p.
21. Mckinney, M.L. & Schoel. R.M. 1996. Environmental Science systems & Solutions, Web enhanced edition. 639p.
22. Mhaskar A.K, Matter Hazardous, Techno-Science Publications (TB)
23. Miller T.G. Jr., Environmental Science, Wadsworth Publishing Co. (TB)
24. Odum, E.P. 1971. Fundamentals of Ecology. W.B.Saunders Co. USA, 574p
25. Rao MN.& Dalla, A.K. 1987. Waste Water treatment. Oxford & IBH Pub. Co. Pvt.Ltd. 345p.
26. Sharma B.K., 2001. Environmental Chemistry. Goel Publ. House, Meerut
27. Survey of the Environment, The Hindu (M)
28. Townsend C., Harper J, and Michael Begon, Essentials of Ecology, BlackwellScience (TB)
29. Trivedi, R.K., Handbook of Environmental Laws, Rules, Guidelines Compliances and Standards, Vol I and II, Enviro Media (R)
30. Trivedi R.K. and P.K. Goel, Introduction to air pollution, Techno-Science Publications (TB)
31. Wagner K.D.,1998. Environmental Management. W.B. Saunders Co. Philadelphia, USA 499p
(M) Magazine (R)Reference (TB) Textbook

This course can be opted as a co-curricular course by the students of following subjects:

B.A./B. Com /B.B.A/ B.Sc./ B.F.A/ B. Lib/ B.A.LL.B. (Hons)/L.L.B./ B. Pharm.

Third Semester

MANAGEMENT PARADIGMS FROM BHAGAVAD GITA

Programme: Under Graduation	Year: 2	Semester: 3
------------------------------------	-------------------	-----------------------

Subject: Co-curricular Course

CourseCode: CCS 03	Course Title: Management Paradigms from Bhagavad Gita
---------------------------	--

Business Management curriculum provides a variety of the oretical inputs that enables an individual to take decisions for effective running of an organization. In the current situation theses inputs are characterized by two peculiar aspects. Firstly, these are based mainly on the western paradigm of the “world view”. While this is one aspect of the knowledge, it is worthwhile to understand alternative “world views”. Secondly, the current management theories are by and large prescriptions for the business organizations. Even when issues pertaining to individuals are addressed, they are in the context of organizational performance. For instance, theories on motivation are developed to improve the organizational performance. This overwhelming focus on organizations has over time pushed the “individuals” to the residual in the equations. It is increasingly felt that the current ideas do not adequately cover all the issues of major concern to individuals and organizations. Many feel the need for alternative perspectives on the problems and possible solutions. Ancient Indian wisdom has set off ideas that present a different perspective of the problems that individuals and organizations face and proposes alternative ways of understanding several aspects pertaining to the domain of management. This course is an attempt to bring these perspectives using Bhagavad Gita as the main reference frame for culling out ideas from Ancient Indian wisdom.

The course is designed with the following main objectives:

- To identify some of the commonly felt problems that individuals, organizations and the society faces
- To illustrate the usefulness of Gita in addressing some of these problems
- To demonstrate how alternative world views and paradigms of management could be developed with a knowledge of Ancient Indian wisdom such as Gita
- To provide a good introduction to Ancient Indian wisdom using Gita as a vehicle

Credits: Nil	Co-Curricular Compulsory
---------------------	---------------------------------

Max. Marks: 100	Min. Passing Marks:40
------------------------	------------------------------

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	Spirituality in Business and Workplace Current Challenges in Business Management & Society Relevance of Ancient Indian Wisdom for contemporary society Spirituality in Business The notion of Spirituality An introduction to Bhagavad Gita & its relevance Assignment: Read five chapters of Bhagwat Gita for Group Discussion. Chapter 1: Visada Yoga Chapter 2: Sankhya Yoga Chapter 3: Karma Yoga Chapter 4: Jnana Yoga Chapter 5: Karma Vairagya Yoga	07

Unit II	Perspectives on Leadership and Work Failed Leadership: Causes & Concerns Leadership Perspectives in the Gita ¹ Axioms of Work & Performance The Notion of Meaningful Work Assignment: Read five chapters of Bhagwat Gita for Group Discussion. Chapter 6: Abhyasa Yoga Chapter 7: Paramahansa Vijnana Yoga Chapter 8: Aksara-Parabrahman Yoga Chapter 9: Raja-Vidya-Guhya Yoga Chapter 10: Vibhuti-Vistara-Yoga	08
Unit III	Perspectives on Self-Management Mind as a key player in an individual Meditation as a tool for self-management Role of Yoga in addressing stress & burnout of managers Mind as a key player in an individual Self-Management by understanding the world within Values & their role in Self-management Shaping the personality through Trigunas Assignment: Read five chapters of Bhagwat Gita for Group Discussion. Chapter 11: Visvarupa-Darsana Yoga, Chapter 12: Bhakti Yoga, Chapter 13: Ksetra-Ksetrajna Vibhaga Yoga Chapter 14: Gunatraya-Vibhaga Yoga Chapter 15: Purusottama Yoga	07
Unit IV	Perspectives on Life and Society Perspectives on Sustainability Death as a creative destruction process Law of Conservation of Divinity Conclusions Assignment: Read five chapters of Bhagwat Gita for Group Discussion. Chapter 16: Daivasura-Sampad-Vibhaga Yoga Chapter 17: Sraddhatraya-Vibhaga Yoga Chapter 18: Moksa-Opadesa Yoga	08

Suggested Reading:

This course will have two sets of readings. One set corresponds to the contemporary literature pertaining to the topics discussed in the sessions. These have been identified in the respective sessions. In addition to this, specific sections from the Gita will be used as the second set of material. There are a number of commentaries available for Bhagavad Gita. These provide a good basis to understand Gita. However, a number of short articles on Gita and Management are available in the following source, which will be used in the context of the course:

Mahadevan, B. Writings on Gita & Management.

<http://www.iimb.ernet.in/webpage/b-mahadevan/bhagavad-gita-amp-management>

For the interested readers some (suggested) additional readings pertaining to Bhagavad Gita are given below:

1. Bhagwat Gita from Geeta Press, Gorakhpur, UP.
2. Swami Ranganathananda, (2001), "Universal Message of the Bhagavad Gita", 3

Volumes, Advaita Ashrama, Kolkata.

3. Swami Dayananda Saraswati, (2007), "The value of values", Arsha Vidya Research & Publication Trust, Chennai.
 4. Swami Chinmayananda, (1996), "Holy Geeta", Central Chinmaya Mission Trust, Mumbai.
 5. Geus, A. (1997), "The Life Span of a Company: Chapter 1 in The Living Company", Nicholas Brealey Publishing, London, pp. 7 – 19.
 6. Beer, S. (1994). "May the Whole Earth be Happy: LokaSamastatSukhinoBhavantu", Interfaces, 24 (4), 83 – 93.
 7. Mahadevan, B. (2013). "Spirituality in Management: Sparks from the Anvil", IIM B Management Review, 25 (2).
 8. Houston, D.J. and Cartwright K.E. (2007), "Spirituality and Public Service". Public Administration Review, Jan. – Feb., 2007, 88 – 102.
 9. Payne, S.G. (2010). "Leadership and spirituality: Business in the USA", The International Journal of Leadership in Public Services, 6 (2), 68 – 72.
 10. Poole, E. (2007). "Organizational Spirituality – A literature review", Journal of Business Ethics, 84, pp. 577 – 588.
 11. Bhattathiri, M.P. "Bhagavad Gita and Management"
 12. Mahadevan, B. (2009). "Shrimad Bhagavad Gita – Ideas for Modern Management", One day Seminar on "Towards a New Paradigm of Business management: Alternative Perspectives from Ancient Indian Wisdom", IIM Bangalore, December 12, 2009.
 13. (2012). "Bhagavad Gita and Management", Arsha Vidya News Letter, April 2012, 23 – 30.
 14. Ancona, D., Malone, T.W., Orlikowski, W.J. and Senge, P.M. (2007), "In praise of the incomplete leader", Harvard Business Review, 85 (2), 92 – 100.
 15. Mahadevan, B., (2013). "Inspirational Leadership: Perspectives from Gītā", Chapter 13 in Sanskrit and Development of World Thought, Kutumba Sastry V. (Ed.), D K Print World, New Delhi, pp 199 - 210.
 16. Mehrotra, R. (2010). "Work Builds, Charity Destroys", Chapter 8 in Ennoble, English course book, Second Year Pre-University, The Karnataka Text Book Society, pp. 63 – 70.
 17. Michaelson, C. (2009). "Teaching Meaningful Work: Philosophical Discussions on the Ethics of Career Choice", Journal of Business Ethics Education, 6, pp. 43 – 68.
 18. Corner, P.D. (2008). "Workplace Spirituality and Business Ethics: Insights from an Eastern Spiritual Tradition", Journal of Business Ethics, 85, pp. 377 – 389.
 19. Adhia, H., Nagendra, H.R. and Mahadevan, B. (2010). "Impact of Adoption of Yoga Way of Life on the Emotional Intelligence of Managers". IIMB Management Review. Vol. 22 (1&2), pp. 32 – 41.
 20. Swami Dayananda Saraswati. (2007). "The value of values", Arsha Vidya Research & Publication Trust, Chennai, pp. 1 – 54.
 21. Biswas, M. (2010). "In search of personality inventory for Indian managers: an application of structural equation modelling", Journal of Services Research. 10 (1), pp 101 – 123.
 22. Capra, F. (2004), "Life and Leadership in Organizations: Chapter 4 in Hidden Connections", Anchor Books, New York, pp. 97 – 128.
 23. Amory B. Lovins, A.B., Lovins, L.H. and Hawken, P. (2007). "A Road Map for Natural Capitalism", Harvard Business Review, 85 (4), 172 – 183.
 24. Ehrenfeld, J. R. (2005). "The Roots of Sustainability", MIT Sloan Management Review, 46 (2), pp. 23-25.
 25. David Elrod II, P. and Tippet, D.D. (2002). "The "death valley" of change", Journal
-

of Organizational Change Management, 15(3), pp. 273 – 291.

28. Mahadevan, B, (2014). The Law of Conservation of
Divinity

Suggested Online Link:<https://www.youtube.com/watch?v=8g90E9nBnyE> (English)

<https://www.youtube.com/watch?v=Tsg3lWHCm0k> (Hindi)

<https://www.youtube.com/watch?v=ZRr0tmRqGgc> (English)

This course can be opted as a co-curricular course by the students of following subjects:

B.A./B. Com /B.B.A/ B.Sc./ B.F.A/ B. Lib/ B.A.LL.B. (Hons)/L.L.B./ B. Pharm.

VEDIC STUDIES 'वैदिक अध्ययन'

Programme: Under Graduation		Year: II	Semester:IV
Subject: Co-Curricular Corse			
CourseCode: CCS04	Course Title: वैदिक अध्ययन		
Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि वेद शब्द का अर्थ ज्ञान की राशि या ज्ञान का संग्रह ग्रन्थ है। प्राचीन ऋषियों ने जो ज्ञान अर्जित किया था, उसका संग्रह वेदों में है। वेद अपौरुषेय एवं आप्तवचन हैं। इनमें प्रतिपादित धर्म और ज्ञान शब्द—प्रमाण हैं। प्रत्यक्ष और अनुमान से जिन बातों का ज्ञान नहीं हो सकता, उनका बोध वेदों से ही होता है। विद्यार्थियों को वैदिक अध्ययन के अन्तर्गत वेद परिचय, वैदिक साहित्य, वेदाङ्ग, वैदिक मन्त्र, देवता, सूक्तों एवं कल्पसूत्रों में निहित समग्र—ज्ञान राशि का अवबोध एवं यथार्थ ज्ञान से आत्मगौरव का अनुभव होगा। इसी उद्देश्य से सह—पाठ्यक्रम केअन्तर्गत रनातक चतुर्थ सत्रार्द्ध में ‘वैदिक अध्ययन’ पाठ्यक्रम समावेशित किया गया हैं। विद्यार्थियों के सर्वाङ्गीण विकास के लिए एवं भारतीय ज्ञान परम्परा को अग्रसारित करने हेतु भी वैदिक—अध्ययन का ‘पाठ्यक्रम’ सहायक होगा।			
Credits: Nil			Co-Curricular Corse
Max. Marks: 100			Min. Passing Marks: 40
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0			
Unit	Topic	No. of Lectures	
Unit I	वेद परिचय—संहिताएँ— ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद, अथर्ववेद— परिचय एवं महत्त्व। ब्राह्मण— परिचय, वेदों से सम्बन्धित बाह्यग्रन्थ, प्रतिपाद्य विषय एवं महत्त्व। आरण्यक— परिचय, वेदों से सम्बन्धित आरण्यक ग्रन्थ, प्रतिपाद्य विषय एवं महत्त्व। उपनिषद्— परिचय, वेदों से सम्बन्धित उपनिषद्, प्रतिपाद्य विषय एवं महत्त्व। वेदाङ्ग— परिचय, प्रतिपाद्य विषय एवं महत्त्व।	05	
Unit II	वैदिक मन्त्र, सूक्त देवता एवं कल्पसूत्र— वैदिक मन्त्र, सूक्त, देवता परिचय एवं विशेषताएँ। कल्पसूत्र परिचय एवं महत्त्व, श्रौत सूत्र एवं वेद के श्रौतसूत्र, गृह्यसूत्र परिचय एवं प्रमुख गृह्यसूत्र, धर्मसूत्र परिचय एवं प्रमुख धर्मसूत्र, शुल्ब सूत्र परिचय, प्रमुख शुल्बसूत्र एवं महत्त्व।	05	
Unit III	वेदों में विज्ञान— वेदों में निहित विज्ञान का परिचय, सम्बन्ध एवं महत्त्व, वेद में निहित विविध रसायन, भौतिक, वनस्पति, जन्तुविज्ञान, कृषि विज्ञान परिचय एवं महत्त्व, वेद में आयुर्विज्ञान परिचय एवं महत्त्व, वेदों में निहित गणितशास्त्र परिचय एवं महत्त्व, वेदों में निहित पर्यावरण परिचय एवं महत्त्व।	05	
Unit IV	वैदिक समाज एवं परिवार— परिचय एवं महत्त्व, वैदिक जनराज्य, वैदिक प्रशासनिक व्यवस्था, वैदिक कालीन भौगोलिक स्थिति, वैदिक कालीन आर्थिक जीवन वैदिक ऋषि एवं ऋषिकाओं का परिचय एवं उनकी महत्त्वपूर्ण भूमिका।	05	
Unit V	वैदिक गुरुकुल परम्परा— गुरुकुल परम्परा परिचय एवं महत्त्व, शिक्षा, शिक्षा के छः घटक तत्त्व— शिक्षक, शिक्षार्थी, शिक्षा के केन्द्र, शिक्षा का विषय, माता—पिता तथा समाज परिचय एवं महत्त्व।	05	
Unit VI	वैदिक यज्ञ परिचय— वैदिक यज्ञ परिचय, महत्त्व, प्रमुख यज्ञ—दर्श, पौर्णमास, सोमयाज्ञ, सर्वमेध, वाजपेय, राजसूय, सौत्रामणी, अश्वमेध परिचय एवं महत्त्व।	05	

	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	
--	--	--

Suggested Reading:

1. वैदिक साहित्य का इतिहास— डॉ० कर्ण सिंह, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी ।
2. संस्कृत वाङ्मय का बृहत इतिहास— प्रथम खण्ड वेद— पद्मभूषण आचार्य श्री बलदेव उपाध्याय, उ०प्र०सं०सं० लखनऊ ।
3. वेदों में राजनीति— डॉ० कपिलदेव द्विवेदी, विश्वभारती अनुसन्धान परिषद्, ज्ञानपुर भदौही ।
4. वेदों में विज्ञान—डॉ० कपिलदेव द्विवेदी, विश्वभारती अनुसन्धान परिषद्, ज्ञानपुर भदौही ।
5. वेदों में आयुर्विज्ञान—डॉ० कपिलदेव द्विवेदी, विश्वभारती अनुसन्धान परिषद्, ज्ञानपुर भदौही ।
6. वैदिक गणित— जगद्गुरु स्वामी, भारतीय कृष्ण तीर्थ, मोतीलाल बनारसी दास, नई दिल्ली ।
7. प्राचीनकालीन वैदिक शिक्षाप्रणाली— शिक्षा और भारतीय विरासत, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ।
8. भारतीय शिक्षा का इतिहास, विकास एवं समस्याएँ— डॉ० रमन बिहारी लाल, राज प्रिन्ट्स, मेरठ ।
9. वेद की विचारधारा का वैज्ञानिक आधार— डॉ० सत्यव्रत सिद्धान्ताऽलंकार, चौखम्बा पुस्तक भण्डार, दिल्ली ।
10. वैदिक साहित्य और संस्कृति का स्वरूप— डॉ० ओम प्रकाश पाण्डे, मोतीलाल बनारसी दास, नई दिल्ली ।
11. अथर्ववेदीय चिकित्सा एवं ओषधि—विज्ञान— डॉ० शालिनी शुक्ला, अक्षयवट प्रकाशन 26, बलरामपुर हाउस, इलाहाबाद ।
12. ऋग्वेदीय ओषधियाँ—डॉ० शालिनी शुक्ला, अक्षयवट प्रकाशन 26, बलरामपुर हाउस, इलाहाबाद ।

Suggested Online Link:

Suggested equivalent online courses:

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

Fourth Semester

VEDIC MATHEMATICS

Programme: Under Graduation		Year: 2	Semester: 4
Subject: Co-curricular Course			
CourseCode:CCS 05		Course Title: Vedic Mathematics	
Vedic Mathematics is a super-fast way of calculation there are just 16 Sutras or Word Formulae which solve all known mathematical problems in the branches of Arithmetic, Algebra, Geometry and Calculus. They are easy to understand, easy to apply and easy to remember.			
Objectives:			
<ul style="list-style-type: none">• To enable the learners to explore the power of Vedic Maths.• To make learners strong in Numerical Maths.• To enable learners to recognize and understand simple techniques of Arithmetic Calculations.• To train learners to use the ideas of Vedic Maths in daily calculations and make those calculations with accuracy and speed.			
Course Outcomes:			
<ol style="list-style-type: none">1. By successfully completing this course, the learner will be able to:2. Perform simple arithmetic calculations with speed and accuracy3. Will be able to generate tables of any number4. To perform products of large numbers quickly5. Develop confidence in calculating square roots and cube roots of integers6. Perform difficult calculations speedily.7. Face Numerical Aptitude part of any Competitive Examination confidently.			
Credits: Nil		Co-curricular Compulsory	
Max. Marks: 100		Min. Passing Marks:40	
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0			
Unit	Topic	No. of Lectures	
Unit I	Introduction to Vedas, History of Vedas History and Evolution of Vedic Mathematics Introduction of Basic Vedic Mathematics Techniques in Multiplication (Special Case, Series of 9, Series of 1 etc.), Tables etc.,	08	
Unit II	Various techniques to carry out basic operations covering Addition, Subtraction, Multiplication, Division, Complements and Bases, Vinculum number. Comparison of Standard Methods with Vedic Methods.	07	
Unit III	General multiplication (Vertically Cross- wise), Multiplications by numbers near base. Verifying answers by use of digital roots, Divisibility tests, Division of numbers near base, Comparison of fractions.	07	
Unit IV	Different methods of Squares (General method, Base method, Duplex method etc.)Cubes, Cube roots, Square Roots, General division. Quadratic Equations, Simultaneous Equations, Use of various Vedic Techniques for answering numerical aptitude questions from Competitive Examinations	08	

Suggested Reading:

1. Bhatiya Dhaval, Vedic Mathematics Made Easy, Jaico Publishing House
2. Thakur Rajesh Kumar, Vedic Mathematics for students taking Competitive Examinations. Unicorn Books 2015 or Later Edition
3. Gupta Atul, Power of Vedic Mathematics with Trigonometry, Jaico Books
4. V. G. Unkalkar, Magical World of Mathematics(Vedic Mathematics), Vandana Publishers,Bangalore
5. Bhatiya Dhaval, Vedic Mathematics Made Easy, Jaico Publishing House
6. Thakur Rajesh Kumar, Vedic Mathematics for students taking Competitive Examinations. Unicorn Books 2015 or Later Edition
7. Gupta Atul, Power of Vedic Mathematics with Trigonometry, Jaico Books
8. V. G. Unkalkar, Magical World of Mathematics(Vedic Mathematics), Vandana Publishers,Bangalore

This course can be opted as a co-curricular course by the students of following subjects:

B.A./B. Com /B.B.A/ B.Sc./ B.F.A/ B. Lib/ B.A.LL.B. (Hons)/L.L.B./ B. Pharma

Fifth Semester MEDITATION

Programme: Under Graduation		Year: 3	Semester: 5
Subject: Co-curricular Course			
CourseCode: CCS 08	Course Title: Meditation		
<p>Meditation is a practice by which a person achieves a greater sense of awareness, wisdom, introspection, and a deeper sense of relaxation. Practiced for millennia, it is the discipline of concentrating on a single object, thought, sound, movement, or on attention itself. Many people meditate to achieve a greater sense of spiritual awareness and understanding of their professed religion, but it can be practiced by anyone regardless of their religious beliefs and background.</p> <p>In this course, we will explore the various techniques of meditation, such as sitting, standing, and yoga. Becoming aware of your thoughts, surroundings, sounds, smells, bodily movements, and especially your breath are fundamental techniques of meditation. The basic objective is to be present – here and now. It is the act of being precisely in the moment, neither controlling your mind rigidly nor letting it go completely but being aware of who you are and where you are.</p> <p>Meditation is about being comfortable and at peace. As we explore the several techniques of practicing meditation, you can pick and choose those practices that make you most comfortable. It is important to leave your preconceived notions of meditation behind you, keep an open mind, and be willing to learn the art of meditation.</p> <p>Learning Outcomes</p> <p>By successfully completing this course, students will be able to:</p> <p>Demonstrate mindfulness of breathing.</p> <p>Demonstrate proper meditation postures.</p> <p>Describe health benefits of meditation.</p> <p>Summarize history of meditation.</p> <p>Summarize meditation and religion.</p> <p>Describe path to enlightenment.</p> <p>Demonstrate meditation techniques.</p> <p>Summarize meditation and yoga.</p> <p>Demonstrate mastery of lesson content at levels of 70% or higher.</p>			
Credits: Nil		Co-curricular Compulsory	
Max. Marks: 100		Min. Passing Marks:40	
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0			
Unit	Topic	No. of Lectures	
Unit I	Fundamentals of Meditation Introduction to Meditation, Basic principles of meditation, Happiness & Meditation, Benefits of Meditation, Concentration and Meditation, Various forms of Meditation	5	

Unit II	Concentration and Meditation Definitions of concentration The power of concentration Aids of concentration Patience in concentration Objects for concentration Benefits of concentration	5
Unit III	Meditation The Koshes – Our Great Human Heritage The Chakra System – Centres of Unity The Gunas – Steps of Evolverment Obstacles in Meditation	5
Unit IV	Upanishad & Meditation SthoolaDhyana (Gross/physical meditation) JyotirmayaDhyana (dhyana full oflight) Sookshma Dhyana (subtle meditation) SagunaDhayan (Concrete meditation) NirgunDhayan (Abstract meditation) Methods of Meditation – Mandukya Upanishad	5
Unit V	Types of Meditation Tantra: Yantra and Mantra for meditation Japa (chanting) meditation Ajapa Japa Meditation Shoonya Meditation Antar Mouna Yoga Nidra	5
Unit VI	The Chakra Systems – Centers of Unity Seven Chakras – Muladhara (at the anus), Svadhithana, (at the root of organ of generation), Manipura (at the navel), Anahata (in the heart), Visuddha (at the neck), Ajna (in the space between two eyebrows) & Sahasrara (at the crown of head) Nadis – Ida, Pingala, Shushumna	5

Suggested Reading:

1. Practical yoga Psychology by Bihar School of Yoga
2. Gheranda Samhita by Swami Niranjananada Saraswati
3. Concentration and Meditation by swami Sivananda Saraswati
4. Yoga & Mental Health by R. S. Bhogal
5. Yoga & Modern Psychology by Kaivalyadham Asharam
6. Yoga for Stress Management by Sri Venkatkrishnan
7. Yoga for Stress Relief by Swami Shivapramananda
8. Yoga Nidra by Swami Styananda Saraswati
9. Yoga and Kriya by Swami Satyananda Saraswati
10. Mandukya Upanishad

This course can be opted as a co-curricular course by the students of following subjects:

B.A./B. Com /B.B.A/ B.Sc./ B.F.A/ B. Lib/ B.A.LL.B. (Hons)/L.L.B./ B. Pharma

PERSONALITY DEVELOPMENT THROUGH APPLIED PHILOSOPHY OF RAMANAYA AND RAMCHARITRA MANAS

Programme: Under Graduation		Year:3	Semester: 5
Subject: Co-curricular Course			
CourseCode: CCS 06	Course Title: Personality Development through Applied Philosophy of Ramcharitra Manas		
Course Outcomes:			
1. After the study of this course the student will be able to develop humanitarian perspective and develop the ability of balanced leadershipbyfocusingonvariousaspectsof personality development. 2. Theywill become acquainted with life values which are required in the society at present. 3. Studentwillbecomemotivationalspeaker andgood oratorin the field of stress management andpersonality development.			
Credits: Nil		Core Compulsory	
Max. Marks: 100		Min. Passing Marks:40	
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0			
Unit	Topic	No. of Lectures	
Unit I	BackgroundofIndianCulture 1. Spirituality and Dharmasas root sources of Indian Culture. 2. Description of Four Ages (Yuga) in Vedas, Upanishads and Puranas - Satyug, Tretayug, Dwaparyug and Kali yug. 3. In perspective of Prakriti Explanation of Trigunas as Sat, Raj and Tama. 4. Difference between Ramayana and Shri Ramcharitmanas Assignment: Read following chapter(s) of Ramcahritra Manas for Group Discussion. Chapter 1: Bal Kand	07	
Unit II	Metaphysics of Manas 1. Period of Creation of Shri Ramcharitmanas and introduction of Valmiki and Goswami Tulsidas. 2. Description of Brahman and Jiva, Incarnation of Divine existence in Manas. 3. Different Conditions of Prakriti and Human Mind. 4. Capacity to bear the divine qualities and sign of higher personality Assignment: Read following chapter(s) of Ramcahritra Manas for Group Discussion. Chapter 2: Ayodhya Kand Chapter 3: Arannya Kand	08	
Unit III	Highest Qualities of Human Personality 1. Amenity (Open Mindness), Decency. Patience, Softness. Sanyam-combined practice of Dharna-Dhyan-Samadhi, Discipline.	07	

	<p>2. Fearlessness, Holiness, Bravery. Thoughtfulness. Precious destined insight, Compassion.</p> <p>3. Renunciation, Devotion towards teacher, Duties of Disciple. Importance of Ayodhya and Affection of Raja Dasharatha towards his son.</p> <p>4. Shri Ram's Obedience towards his father and Extreme of Devotion — Mahavir Hanuman</p> <p>Assignment: Read following chapter(s) of Ramcahritra Manas for Group Discussion. Chapter 4: Kishkindha Kand Chapter 5: Sundar Kand Chapter 6: Lanka Kand</p>	
Unit IV	<p>Ideal Expressions of Different Emotions</p> <p>1. Idol of Friendship. Maxims of Socialism, Natural Beauty, and Importance of Environment.</p> <p>2. Battle as the last option in Different Policies. Techniques of Battle's Skill.</p> <p>3. Respect towards existence and presence of different animals and birds.</p> <p>4. Construction of Bridge a Unique example of Engineering and Raja Ram as a Tapaswi</p> <p>Assignment: Read following chapter(s) of Ramcahritra Manas for Group Discussion. Chapter 7: Uttar Kand</p>	08

Suggested Reading:

1. Jiwan ka Satya, Swami Ramsukh Das, Geeta Press, Gorakhpur, 1994
2. Shri Ram Charitra Manas Code 82, Tikakar Shri Hanuman Prasad Poddar, Geeta Press, Gorakhpur, 1994
3. Ramayan Parichay, Geeta Press, Gorakhpur

SUGGESTED READING IN **RAMAYAN**(रामायण)

4. संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास— आर्षकाव्य (रामायण तथा महाभारत)— पद्मभूषण आचार्य श्री बलदेव उपाध्याय, उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ।
5. रामायण (तिलक शिरोमणी, भूषण टीका सहित)— महर्षि वाल्मीकि, परिमल पब्लिकेशन्स, दिल्ली 1991 ई०।
6. रामायण (तिलक शिरोमणी, भूषण टीका सहित)— सम्पादक वासुदेव लक्ष्मण पणशीकर, इण्डोलोजिकल बुक हाउस, दिल्ली 1983 ई०।
7. संक्षिप्त वाल्मीकि रामायण— डॉ० शान्तिकुमार नानूराम व्यास, ओरिएण्टल बुक डिपो, नई दिल्ली।
8. आदिकवि वाल्मीकि — डॉ० राधाबल्लभ त्रिपाठी— सस्ता साहित्य प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. रामायण कालीन समाज— डॉ० शान्तिकुमार नानूराम व्यास, ओरिएण्टल बुक डिपो, नई दिल्ली।
10. रामायण कालीन संस्कृति— डॉ० शान्तिकुमार नानूराम व्यास, ओरिएण्टल बुक डिपो, नई दिल्ली।
11. रामायण— महर्षि वाल्मीकि, सम्पादक टी० आर० कृष्णाचार्य, निर्णयसागर प्रेस मुम्बई, 1905 ई०।

SUGGESTED READING IN **RAMACHARIT MANAS**(रामचरित मानस)

12. रामचरित मानस— तुलसीदास, गीताप्रेस गोरखपुर।
13. रामचरित मानस— तुलनात्मक अध्ययन— डॉ० नगेन्द्र, मोती लाल बनारसी दास, दिल्ली।
14. रामकथा— विविध आयाम— डॉ० भगीरथ मिश्र।
15. रामचरित्र— अभिन्नद, सम्पादक—के०एस० रामस्वामी।

INDIAN TRADITIONAL KNOWLEDGE SYSTEM

Programme: Under Graduation		Year: III	Semester: VI
Subject: Co-Curricular Corse			
CourseCode: CCS07	Course Title: भारतीय पारम्परिक ज्ञान परम्परा		
Course Outcomes:अधिगम उपलब्धि भारतीय ज्ञान परम्परा ज्ञान—विज्ञान, लौकिक—पारलौकिक, कर्म और धर्म तथा भोग और त्याग का अद्भूत समन्वय है। इसमें निहित शिक्षा नैतिक भौतिक, आध्यात्मिक आधिदैविक और बौद्धिक मूल्यों पर केन्द्रित होकर त्याग, समर्पण, दान, दया, परोपकार, सद्भावना, सह—अस्तित्व, एकता, सौहार्द, सौमनस्य, राष्ट्रप्रेम, वसुधैव कुटुम्बकम्, समष्टि—कल्याण, विश्वशान्ति, अभ्युदय, भ्रातृत्वभाव, मित्रवद्भाव, विनम्रता, सत्यता, अनुशासन, आत्मनिर्भरता और दूसरों के लिए सम्मान जैसे मूल्यों पर जोर देती रही हैं। वर्तमान में भी विद्यार्थी के लिए ऐसी मूल्यपरक शिक्षा की आवश्यकता है। इसी दृष्टि से पारम्परिक ज्ञान को पाठ्यक्रम में समायोजित किया गया है, जिसके अन्तर्गत स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, राजतन्त्र, वास्तुकला, ज्योतिष, वैदिकगणित एवं विविध शिल्पकलाओं का समावेश किया गया है। इनके अध्ययन, मनन एवं अनुशीलनोपरान्त विद्यार्थी का सर्वाङ्गीण विकास होगा और आत्मनिर्भर भारत अभियान योजना में विद्यार्थी का महत्त्वपूर्ण योगदान रहेगा।			
Credits: Nil			Co-Curricular Corse
Max. Marks: 100			Min. Passing Marks: 40
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0			
Unit	Topic	No. of Lectures	
Unit I	स्वास्थ्य के क्षेत्र में पारम्परिक ज्ञान— पारम्परिक ज्ञान परिचय, पारम्परिक ज्ञान की परिभाषा, प्रकृति, क्षेत्र, महत्त्व, भेद (प्रकार)—आयुर्वेद, योग मन्त्र, उपासना, यज्ञ एवं तीर्थ—यात्रा का सामान्य अध्ययन एवं महत्त्व। स्वास्थ्य की दृष्टि उत्तराखण्ड का पारम्परिक ज्ञान, योगदान एवं महत्त्व।	05	
Unit II	शिक्षा के क्षेत्र में पारम्परिक ज्ञान— शिक्षा की परिभाषा, महत्त्व, भेद एवं साधन। पारम्परिक ज्ञान का शिक्षा का योगदान, गुरुकुल व्यवस्था, ऋषि—मुनि, आचार्य की महत्त्वपूर्ण भूमिका, कर्तव्य, गुरु—शिष्य सम्बन्ध, प्राचीन विश्वविद्यालय—तक्षशिला, नालन्दा, विक्रमशिला, बल्लभी, उज्जयिनी, काशी, विश्वप्रसिद्ध शिक्षा एवं शोध के प्रमुख केन्द्रों का महत्त्वपूर्ण योगदान।	05	
Unit III	कृषि के क्षेत्र में पारम्परिक ज्ञान— कृषि की परिभाषा, विशेषताएँ, प्रकार एवं महत्त्व। परम्परागत कृषि विकास योजना, कृषि में सुधार के उपाय, कृषि विकास की अवस्थाएँ, कृषि में तकनीकी परिवर्तन, कृषि द्वारा उत्पन्न अन्न, फल, सब्जियाँ एवं वृक्ष आदि परिचय एवं महत्त्व।	05	
Unit IV	राजतन्त्र के क्षेत्र में पारम्परिक ज्ञान— राजतन्त्र की परिभाषा, महत्त्व, जनराज्य, प्रशासनिक व्यवस्था, राजा, महामात्य, सेनापति, सैनिकों के अधिकार, कर्तव्य, अर्थव्यवस्था— परिभाषा, साधन एवं महत्त्व।	05	
Unit V	वास्तुकला के क्षेत्र में पारम्परिक ज्ञान— वास्तुशास्त्र का परिचय, महत्त्व, वास्तुस्वरूप, गृहयोजना, ग्रामयोजना, शहरयोजना, राजधानी निर्माण— व्यवस्था एवं महत्त्व, जलव्यवस्था, उद्यान, वनक्षेत्र— परिचय एवं महत्त्व।	05	
Unit VI	ज्योतिष के क्षेत्र में पारम्परिक ज्ञान— ज्योतिष का अर्थ, परिचय एवं महत्त्व, ज्योतिष के प्रतिपाद्य विषय— ग्रह, राशि, नक्षत्र, तारे, सौरपरिवार, ब्रह्माण्ड परिचय, खगोलशास्त्र परिचय एवं महत्त्व। वैदिकगणित के क्षेत्र में पारम्परिक ज्ञान— परिचय एवं महत्त्व। शिल्प के क्षेत्र में पारम्परिक ज्ञान— शिल्पकला—मृदाशिल्प, काष्ठशिल्प, लौहशिल्प, कांस्यशिल्प, स्वर्णशिल्प एवं रत्नशिल्प आदि का परिचय एवं	05	

	महत्त्व ।	
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	

Suggested Reading:

1. वेदों में विज्ञान— डॉ० कपिलदेव द्विवेदी, विश्वभारती अनुसन्धान परिषद्, ज्ञानपुर भदौही ।
2. संस्कृत वाङ्मय का बृहत इतिहास— राजनीतिशास्त्र, संगीतशास्त्र खण्ड— पद्मभूषण आचार्य श्री बलदेव उपाध्याय, उ०प्र०सं०सं० लखनऊ ।
3. वेदों में राजनीति— डॉ० कपिलदेव द्विवेदी, विश्वभारती अनुसन्धान परिषद्, ज्ञानपुर भदौही ।
4. वेदों में विज्ञान—डॉ० कपिलदेव द्विवेदी, विश्वभारती अनुसन्धान परिषद्, ज्ञानपुर भदौही ।
5. वेदों में आयुर्विज्ञान—डॉ० कपिलदेव द्विवेदी, विश्वभारती अनुसन्धान परिषद्, ज्ञानपुर भदौही ।
6. वैदिक गणित— जगद्गुरु स्वामी, भारतीय कृष्ण तीर्थ, मोतीलाल बनारसी दास, नई दिल्ली ।
7. प्राचीनकालीन वैदिक शिक्षाप्रणाली— शिक्षा और भारतीय विरासत, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ।
8. भारतीय वास्तुशास्त्र— शुकदेव चतुर्वेदी, श्री लाल बहादुरशास्त्रीय, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली ।
9. वास्तुसार— डॉ० देवी प्रसाद त्रिपाठी, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, नई दिल्ली ।
10. संस्कृत वाङ्मय का बृहत इतिहास— ज्योतिष खण्ड— पद्मभूषण आचार्य श्री बलदेव उपाध्याय, उ०प्र०सं०सं० लखनऊ ।
11. भारतीय संस्कृति— डॉ० किरण टण्डन, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, नई दिल्ली ।
12. अथर्ववेदीय चिकित्सा एवं ओषधि—विज्ञान— डॉ० शालिनी शुक्ला, अक्षयवट प्रकाशन 26, बलरामपुर हाउस, इलाहाबाद ।

Suggested Online Link:

Suggested equivalent online courses:

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

Sixth Semester

VIVEKANANDA STUDIES

Programme: Under Graduation	Year: 3	Semester: 6
------------------------------------	--------------------------	------------------------------

Subject: Co-curricular Course

CourseCode: CCS 09	Course Title: Vivekananda Studies
-------------------------------------	--

Learning Outcomes

1. To acquaint students with the eternal values of Indian culture as lived and propagated by Swami Vivekananda
2. To apprise students with the basic philosophy, path breaking ideas and discussions of human upliftment as envisioned in the writings and works of Swami Vivekananda.
3. To build a strong foundation of Vedantic philosophy, with a special focus on Practical Vedanta of SwamiVivekananda.
4. To highlight the significance of our traditional values for generating peace, universal love, acceptance, tolerance, and harmony in our real life.
5. To sensitize students to the values of service, sacrifice, self-control, selflessness, and moral courage and highlight the significance of character building and spirituality in their self-development.

Credits: Nil	Co-Curricular Compulsory
Max. Marks: 100	Min. Passing Marks:40

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	Life of Swami Vivekananda - as a boy and as a wandering monk Sri Ramakrishna and his impact on SwamiVivekananda	07
Unit II	Parliament of religions; his travels in India and abroad, his return and activities for National regeneration. Vivekananda and ContemporaryIndia	07
Unit III	An introduction to the System of Vedanta, Introduction to Vivekachudamani and Advaita Vedanta, Vivekananda's Practical Vedanta.	06
Unit IV	Vivekananda and Yogic Methods: Raj yoga, Bhakti Yoga, Karma Yoga and JnanaYoga Harmony between Education, Science and differentReligions	04
Unit V	Swami Vivekananda's views on: Caste, Society,Politics , Art , Literature and Man-making Education The Message of Swami Vivekananda for the upliftment of masses, women andyouth. Vivekananda in Uttarakhand	06

Suggested Reading:

1. Rolland, R. (2001). Life of Ramakrishna. Kolkata: Advaita Ashrama.
2. Godman, D. (1985). Be as You Are: The teachings of Sri Raman Maharishi. Delhi: Penguin Books.
3. Gambhirananda, S. (2004). Ma Sri Sarada Devi. Calcutta: Advaita Ashrama.
4. Pandit, M. P. (1959). The Teachings of Sri Aurobindo. Kolkata: Sri Aurobindo Study Circle.
5. Further Readings
6. Mukerjee, B. (1997). Life and Teachings of Sri Ma Anandamayi, Sri Satguru Publication, Division of Indian Books Centre, Delhi, 1997.
7. Purnatmananda, S. (Ed.) & Gupta, M. S. (tr.). (2004) Reminiscences of Sri Sarada Devi Compiled in Bengali. Kolkata: Advaita Ashrama.
8. Osborne, A. (2002). The teachings of Raman Maharshi in His own words. Tiruvannamalai : Sri Ramanasram.
9. Berger, Douglas L. (2005). "The Vivekacudamani of Sankaracarya Bhagavatpada: An Introduction and Translation (review)". *Philosophy East and West*. 55 (4): 616–619. doi:10.1353/pew.2005.0032. S2CID 144412379.
10. Sri Sankara's Vivekachudamani, Achyarya Pranipata Chaitanya (Translator) and Satinder Dhiman, Tiruchengode Chinmaya Mission, Tamil Nadu (2011)
11. Govind Chandra Pande (1994). Life and Thought of Śaṅkarācārya. *Motilal Banarsidass. pp. 117–119*. ISBN 978-81-208-1104-1.
12. Sri Chandrashekhara Bharati of Sringeri (1973). Sri Samkara's Vivekacudamani. *Mumbai: Bharatiya Vidya Bhavan. p. xxi*.
13. D. Datta (1888), Moksha, or the Vedāntic Release, Journal of the Royal Asiatic Society of Great Britain and Ireland, New Series, Vol. 20, No. 4 (Oct., 1888), pp. 513-539;

This course can be opted as a co-curricular course by the students of following subjects:

B.A./B. Com /B.B.A/ B.Sc./ B.F.A/ B. Lib/ B.A.LL.B. (Hons)/L.L.B./ B. Pharma